रायत्वी ते ही एत-83001/2000



HRA En USIUN The Gazette of India

प्राथकार स प्रकाशित PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 23|

नई दिल्ली, शनिवार, जून 3, 2000 (ज्येष्ठ 13, 1922)

No. 23

NEW DELHI, SATURDAY, JUNE 3, 2000 (JYAISTHA 13, 1922)

इस भाग में भिन्न पुष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के क्रंप में रखा जा पाछे। (Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation)

भाग IV (PART IV)

गैर-सरकारी व्यक्तियों और गैर-सरकारी संस्थाओं के विशापन और सूचनाएं [Advertisements and Notices issued by Private Individuals and Private Bodies.]

NOTICE

NO LEGAL RESPONSIBILITY IS ACCEPTED FOR THE PUBLICATION OF ADVERTISEMENTS/PUBLIC NOTICES IN THIS PART OF THE GAZETTE OF INDIA. PERSONS NOTIFYING THE ADVERTISEMENTS/PUBLIC NOTICES WILL REMAIN SOLELY, RESPONSIBLE FOR THE LEGAL CONSEQUENCES AND ALSO FOR ANY OTHER MISREPRESENTATION ETC.

EY ORDER Controller of Publication

नेशमल रटाक एक्सबेंज आफ इंडिया लिमिटेड

नेशनल रहाक एक्सचेज ऑफ इंडिया लिमिटेड के नियमों में किए गये संशोधन नीचे विए गये हैं .-

1. एक्सचेंज के नियमों के अध्याय 1 के विद्यमान नियम 4(छ) को निम्नलिखित नियम द्वारा संशोधित करने का प्रस्तात हैं

तुत्कथन

" (छ) ऐसी प्रतिभूतियों में, जो समय-समय पर दिहित की जाएं, ब्यापारिक सदस्यों द्वारा किए जाने वाले संव्यवहारों पर संदेय प्रभार ।"

अनुत्कशन

2. एक्सचेंज के नियमों के अध्याय 3 में विद्यमान नियम (6) के पश्चात् निम्निलिखित के नियम (6क) के रूप में अंतःस्थापित करने का प्रस्ताव है .

उत्कथन

'' प्रमाणन

(6वः) कोई भी व्यक्ति एक्सचंज की व्यापारिक सदस्यतः में शामिल करने के लिए पात्र नहीं होगा जब तक कि उसने, एक्सचेंज द्वारा, ऐसे खंड के लिए जैशा कि वह समय-समय घर विनिर्दिष्ट करे संचालित प्रमाणन कार्यक्रम उत्तीर्ण न कर लिया हो।

अनुत्कथन

3. एक्सचेज के नियमों के अध्याय 3 के विद्यमान नियम 32 के निम्नितिखत रूप में संशोधित करने का प्रस्ताव है :

उत्कथन

" सत्त प्रवेश

(32) सुसंगत प्राधिकारी व्यापारिक सदस्यता के सत्त प्रवेश के लिए समय-समय पर निर्वधन और अपेक्षाएं विहित करेगा जिनमें अन्य वातों के साथ-साथ न्यूनतम नेटवर्श का अनुस्थाण, कैपिटल प्रचूरता, प्रमाणन का नवीकरण यदि कोई हो, इत्यादि शामिल है। ऐसे किसी व्यक्ति की, जो इन अपेक्षाओं को पूरा करने में असफल रहता है, व्यापारिक सदस्यता समान्ति की जाएगी।"

अनुत्कथन

कृते नेशमल स्टाक एक्सचेंज आफ इंडिया लिमिटेड रित स्टान्ट ज जे. रविचन्द्रन कंपनी सचिव और ज्याध्यक्ष

नेशनल स्टाक एक्सचेंज आफ इंडिया लिमिटेड

नेशनल स्टाक एक्सचेंज ऑफ इंडिया लिमिटेड के भावी और विकल्प खंड के विनियम नीचे दिए गये हैं

उत्कथन

नेशनल स्टाक एक्सचेंज (भावी और विकंल्प खंड) व्यापारिक विनियम, 2000

प्रस्तावना

बनाए गए निम्नलिखित विनियमों का नाम नेशनल स्टाक एक्सचेंज (भावी और विकल्प खंड) व्यापारिक विनियम, 2000 है।

ये विनियम प्रतिभूति संविदा (विनियमन) अधिनियम, 1956, प्रतिभूति संविदा (विनियमन) नियम, 1957, भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड अधिनियम, 1992 और नेशनल स्टाक एक्सचेंज आफ इंडिया लिमिटेड, जैसा कि समाशोधन सदस्यों और सहभागी को लागू हो, के अतिरिक्त होंगे ।

लागू होना

ये विनियम (उपयोक्ता निर्देशिका के साथ पठित) राष्ट्रीय स्टाक एक्सचेंज के भावी और विकल्प खंड में सभी व्यापारिक सदस्यों और सहभागियों को इसमें विनिर्दिष्ट विस्सार तक लागू होंगे । ये भारत में समाशोधन सदस्यों के कारबार के स्थान को विचार में लाए बिना, मुम्बई के न्यायालय की अधिकारिता के अध्यधीन होंगे ।

1. परिभाषाएं

- 1.1 जब तक कि संदर्भ में स्पष्ट रूप से अन्यथा कथित न हो, इसमें प्रयुक्त सभी शब्दों और पदों का, किंतु जो परिभाषित नहीं है, और निम्नलिखित में परिभाषित हैं, क्रमशः वहीं अर्थ होगा जो इसमें है :--
 - 1) प्रतिभूति संविदा (विनियमन) अधिनियम, 1956 और/या उसके अधीन नियम
 - 2) भारतीय प्रतिभूति और दिनियमन बोर्ड अधिनियम, 1992 और/या उसके अधीन नियम
 - 3) कंपनी अधिनियम, 1958
 - 4) निक्षेपागार अधिनियम, 1996
 - 5) भारतीय स्टाक एक्सचेंज लिमिटेड के एफ एंड ओ खंड के नियम, उपविधि और/या विनियम
 - 6) भारतीय प्रतिभूति समाशोधन निगम लिमिटेड के नियम, उपविधि और/या टिनियम ।
- 1.2 यदि कोई पद एक से अधिक्न अधिनियमों में परिभाषित किया जाता है तो जब तक कि संदर्भ से स्यष्ट रूप से अन्यथा कथित न हो, उस अधिनियम या कानून, जो उपर्युक्त आदेश में पूर्ववर्ती होते हैं, में यथा परिभाषित उसका अर्थ, अभिभावी होगा ।

1.3 परिभाषाए

1.3.1 अनुबोवित कार्यालय

अनुमोदित कार्यालय से समाशोधन सदस्य का ऐसा रिजस्ट्रीकृत कार्यालय अभिप्रेत है जिसके अंतर्गत ऐसा परिसर या कार्यालय भी सम्मिलित है जहां से सदस्य को एक्संचेंज के एफ एंड ओ खंड द्वारा व्यापारिक प्रणाली पर व्यापार करने के लिए और कार्यालय कार्य तथा अन्य संबंधित कार्यों को करने के लिए अनुझात किया जाता है।

1.3.2 अनुमोदित कार्य स्टेशन

अनुमोदित कार्य स्टेशन समाशोधन सदस्य या सहभागियों के ऐसे व्यापारिक कार्य स्टेशन को निर्दिष्ट करता है जिसमें व्यापारिक प्रणाली के संस्थापित या इससे संबंधित तथा व्यापारिक प्रणाली संबंधी भावी और विकल्प खंड में गाजार पूछताछ, आदेशों/व्यापार का निष्पादन और उसके व्यवसाय के समझौते और व्यापारिक प्रणाली संबंधी समाशोधन और व्यवस्थापन से सहबद्ध सभी अन्य कार्रवाईयों के प्रयोजन के लिए समाशोधन सदस्य या भाग लेने वालों द्वारा प्रयुक्त कंप्यूटर टर्मिनल और सभी सहबद्ध उपकरण समाविष्ट होंगे।

अनुमोदित व्यक्ति

अनुमोदित व्यक्ति से ऐसा व्यक्ति अभिप्रेत है जो धन के निश्चंधनों में अभिव्यक्त या किसी प्रकार के कार्य या क्रियाकलाप, मैनुअल या अन्यथा के लिए इस प्रकार अभिव्यक्त योग्य पारिश्रमिक (भाहे वह वेतन, कमीशन, भत्ता या अन्यथा के रूप में हो) के लिए व्यापारिक सदस्य/सहभागी द्वारा नियोजन या अन्यथा की संविदा के माध्यम से नियोजित किया गया हो और जो समाशोधन सदस्य या किसी से प्रत्यक्षतः या अप्रत्यक्षतः अपना पारिश्रमिक प्राप्त करता है और जिसमें अनुमोदित उपयोक्ता, ठेकेदार द्वारा या उसके माध्यम से नियोजित कोई व्यक्ति भी सम्मिलित है और जिसमें ऐसा कोई व्यक्ति भी सम्मिलित है जो किसी भी हैसियत से एक्सचेंज के एफ एक ओ खंड पर किए गए या निष्पादित व्यापार से संबंधित किसी क्रियाकलाय के लिए समाशोधन सदस्य या सहभागी की ओर से कार्य करता है यदि ऐसा व्यक्ति उसके द्वारा दी गई सेवाओं के लिए समाशोधन सदस्य या सहभागी से कोई प्रतिफल या पारिश्रमिक प्राप्त नहीं करता है।

स्पन्टीकरण:

- (1) इन विनियमों के प्रयोजन के लिए, किसी व्यक्ति पद में ऐसा व्यक्ति भी सम्मिलित होगा जो किसी विश्वविद्यालय या अन्य शैक्षणिक निकाय की अपेक्षाओं के अनुसरण में, किसी प्रकार के प्रशिक्षण में हो या उसे कोई परियोजना कार्य समनुदेशित हो ।
- (2) ऐसा कोई व्यक्ति, जो व्यापारिक सदस्य का प्राधिकृत व्यक्ति है, किसी अन्य व्यापारिक सदस्य के प्राधिकृत व्यक्ति होने के लिए अर्हित नहीं होगा ।

1.3.4 लेखा बहियां, अभिलेख और दस्तायेज

लेखा बहियों, अभिलेखों और दस्तावेजों के अंतर्गत एक्सचेंज के एफ एंड ओ खंड के नियमों और विनियमों के अध्याय 6 के अधीन रखे जाने के लिए अपेक्षित लेखा बहियां, अभिलेख और दस्तावेज नथा किसी कंप्यूटर या चुंबकीय रूप में रखे गए अभिलेख आते हैं।

1.3.5 शाखा कार्यालय

समाशोधन सदस्य के संबंध में निम्नलिखित शाखा कार्यालय अभिप्रेत है :--

- क) शाखा के रूप में विहित कोई स्थापन
- ख) उसी क्रियाकलाप, जो मुख्यालय द्वारा किया जाता हैं, को वैसी ही या सारतः करने के लिए कोई स्थापन
- ग) ऐसा कोई स्थान जो एक्सचेंज का एफ एंड ओ खंड अधिसूचित करे। 1.3.6 समाशोधन निगम

इन नियमों के प्रयोजनों के लिए, समाशोधन निगम से राष्ट्रीय प्रतिभूति समाशोधन निगम लिमिटेड या किसी अन्य निकाय का भावी और विकल्प खंड अभिप्रेत है जो व्युत्पन्नी संविदाओं के समाशोधन और समझौते करने के प्रयोजन के लिए एक्सचेंज के एफ एंड ओ खंड द्वारा परिलक्षित किया जा सकेगा ।

1.3.7 समाशोधन सवस्य

समाशोधन सदस्य से समाशोधन निकाय का सदस्य अभिप्रेत है और इसके अंतर्गत समाशोधन सदस्यों के ऐसे सभी प्रवर्ग सम्मिलित हैं जिन्हें समाशोधन निगम के भावी और विकल्प खंड में इस रूप में प्रविष्ट किया जाए। ऐसे समाशोधन सदस्य, जो एक्सचेंज के भावी और विकल्प खंड का व्यापारिक सदस्य भी है, की दशा में, व्यापारिक सदस्य पद समाशोधन सदस्य के रूप में पढ़ा जा सकेगा।

1.3.8 अंतिम क्रय संव्यवहार

अंतिम क्रय संध्यवहार से ऐसा क्रय संव्यवहार अभिप्रेत है जिसका प्रभाव भागतः या पूर्णतः लघु स्थिति का मुजरा करना हो ।

1.3.9 अंतिम विक्रय संव्यवहार

अंतिम विक्रय संव्यवहार से ऐसा विक्रय संव्यवहार अभिप्रेत है जिसका प्रभाव भागतः या पूर्णतः दीर्घ स्थिति का मुजरा करना हो ।

1.3.10 संघटक

संघटक से ऐसा व्यक्ति अभिप्रेत है जिसके अनुदेशों पर और जिसके बयान पर कोई समाशोधन सदस्य किसी प्रतिभूति के क्रय या विक्रय के लिए कोई संविदा करता है या उससे संबंधित कोई कार्य करता है ।

स्पष्टीकरण

इन विनियमों के प्रयोजन के लिए संघटक पद में, जब तक कि अन्यथा अभिव्यक्त रूप से कहा न गया हो, एक्सचेंज की उपविधियों के अधीन यथापरिभाषित सहभागी सम्मिलित है।

1.3.11 सामान्य पूल सुविधा

सामान्य पूल सुविधा से एक्सचेंज के एफ एंड ओ खंड द्वारा विभिन्न स्थानों पर सृजित व्यापारिक सुविधाएं अभिप्रेत हैं जो उसके कार्यालय या अन्यथा में व्यापारिक सुविधाओं की असफलता की दशा में, व्यापारिक सवस्य द्वारा उपयोग के लिए उपलब्ध की जाएंगी।

1.3.12 संविदा मास

संविदा मास से ऐसा मास अभिप्रेत हैं जिसमें एक्सचेंज विनियमों के एफ एंड ओ खंड को संविदा अंतिम रूप से तय की जानी अपेक्षित हो !

1.3.13 व्योहारं, संव्यवहार, व्यवहार और संविदा

इन विनियमों के प्रयोजन के लिए, ''व्योहार'' ''संव्यवहार'' ''व्यवहार' और ''संविदा'' का, जब तक कि संदर्भ से अन्यथा उपदर्शित न हो, एक ही और वैसा ही अर्थ होगा ।

1.3.14 ब्युत्पन्नी संविदा

ऐसी संविदा का जो अपना मूल्य दी गई प्रतिभूतियों की कीमतों या कीमतों के सूचकांक से प्राप्त करता है, या व्यापार ऐसी रीति से किया जाएगा जो इन विनियमों के अधीन उपबंधित हैं।

स्पन्टीकरण : इन परिभाषाओं के प्रयोजन के लिए, व्युत्पन्नी के अंतर्गत किसी ऋण लिखत, शेयर, उधार चाहे प्रतिभृत हो या अप्रतिभृत जोखिम लिखित या अंतरों के लिए संविदा या किसी अन्य से संविदा से प्राप्त प्रतिभृति है ।

1.3.15 समाप्ति दिन

ऐसा दिन जिसको किसी व्युत्पन्नी संविदा में अंतिम व्यवस्थापन बाध्यता अवधारित की जाए ।

1.3.16 भावी संविवा

भावी संविदा से भविष्य में दी गई प्रतिभूति को क्रय या विक्रय करने के लिए विधिक रूप से किया गया

1,3.17 अंत्रिम व्यापारिक विन

अंतिम व्यापारिक दिन से ऐसा दिन अभिप्रेत है जिस दिन तक विनिर्दिष्ट एक्सचेंज व्यापार के लिए व्युत्पन्नी संविदा उपलब्ध है।

1.3.18 दीर्घ स्थिति

किसी व्युत्पन्नी संविदा में दीर्घ स्थिति से किसी समय अनुङ्गांत व्युत्पन्नी संविदा की बाबत उत्कृष्ट् क्रय बाध्यता अभिप्रेत है ।

1.3.19 बाजार प्रकार

बाजार प्रकार ऐसे विभिन्न बाजारों को विनिर्विष्ट करता है जिसमें व्यापारिक प्रणाली पर व्यापार अनुकात किया जाता है।

1.3.20 सबस्य संधटक क्रपार

सदस्य संघटक करार एक ऐसा करार है जो एक्सचेंज के एक एंड ओ खंड की अपेक्षाओं के अनुसार, व्यापारिक सदस्य और इसके संघटकों के बीच निष्पादित किया जाता है।

1.3.21 सबस्यों की आरंभिक स्थिति

सदस्यों की आएंनिक स्थिति से समाशोधन निगम के पास शेष किसी या सभी खुत्पन्नी संविदाओं में सदस्य और उसके संघटकों की दीर्घ स्थिति का जोड़ अभिप्रेत है !

1.3.22 अधिलुक्ता, सूचना या संसूचना

यह ऐसी किसी प्रक्रामना को निर्वेशित करती है जो निम्निलिखित एक से अधिक टेरिकों से व्यापारिक सदस्य को एक्सचेंज के एफ एंड ओ खंड द्वारा पक्षकार के सामान्य कारबार के पत्ते पर और /या उसके निवास स्थान पर और/या उसके अंतिम ज्ञात पते पर की जा सकती है :--

- क) इसे डाक से मेजकर
- ख) इसे रजिस्ट्रीकृत डाक से मेजकर
- ग) इसे डाक डाले जाने के प्रमाणपत्र के अधीन मेजकर
- घ) इसे तुरंत वितरण डाक परिवान पोस्ट/कूरियर सेवाओं से नेजकर
- क) इसे तार द्वारा भेजकर
- च) इसे अंतिम ज्ञात कारबार या निवास स्थान के वरवाजे पर विपका करके
- छ) इसे किसी सुविख्यात दैनिक समाचारपत्र में कम से कम एक बार विज्ञापन देकर
- ज) राब्द्रीय स्टाक एक्सचैंज की व्यापारिक प्रणाली के माध्यम से संबेश देकर
- इ) इतिबद्धानिक मेल या पीक्स से ।

1.3.23 मेरामल स्टाक एक्सबैज

नेशनल स्टाक एक्लचेंज से भारतीय राष्ट्रीय स्टाक एक्लचेंज लिनिटेड अनिप्रेत है । नेशनल स्टाक एक्लचेंज और एक्लचेंज के निबंधनों का अवला-बवली करके उपयोग किया जाता है ।

1.3.24 आरंपिक क्रय संव्यवहार

आएंपिक क्रय संव्यवहार से ऐसा क्रय संव्यवहार अभिप्रेत है जो वीर्ष स्थिति सुजित करने या खसमें वृद्धि कारने का प्रभाव रखे ।

1.3.25 आरंपिक विक्रय संव्यवहार

आरंभिक विक्रय संव्यवहार से ऐसा विक्रय संव्यवहार अभिप्रेत है जो लघु स्थिति सुजित करने या उसमें वृद्धि करने का प्रभाव रखे !

1.3.26 বুলা আজ

खुला ब्याज से प्रतिभूति के ब्युत्पन्नी संविवाओं की वह संख्या अभिप्रेत है जो अभी तक न तो प्रतिकूल ब्युत्पन्नी संव्यवहार द्वारा निकाल या बंद किए गए हैं और न ही नकद या अंतर्निहित प्रतिभूति या विकल्प के प्रयोग के परिवान द्वारा पूरा किए गए हैं। अभिर्णीत ब्याज के परिवालन के लिए ब्युत्पन्नी संविदा के केवल एक भाग की गणना की जाती है।

1.3.27 विकल्प संविदा

विकल्प संविद्या एक प्रकार की व्युत्पन्नी संविद्या है जो क्रेता/संविद्या के धारक को विनिर्दिष्ट अवधि के भीतर या उसकी समाप्ति पर अंतर्निष्ठित प्रतिभूति को पूर्वावधारित कीमत पर क्रय/विक्रय करने का अधिकार (किंतु किसी बाध्यता का नहीं) देता है। विकल्प संविद्या, जो क्रय करने का अधिकार देती है, को मांग विकल्प कहा जाता है और विकल्प संविद्या, जो विक्रय का अधिकार देती है, को विक्रय विकल्प कहा जाता है।

1.3.28 विकल्प लेखक

विकल्प लेखक से ऐसा व्यापारिक सवस्य अभिप्रेत है जिसे विकल्प संविदा लिखने के लिए एक्सचेंज के एक एंड ओ खंड द्वारा अनुकात किया जाता है।

1.3.29 बकाया बाध्यता

बकाया बाध्यता से ऐसी बाध्यता अभिप्रेत है जिसे न तो बंद किया गया है और न ही उसका व्यवस्थापन किया गया है।

1.3.30 सहभागी

सहभागी एक्सचेंज की उपविधि के अध्याय 6 के अधीन यथा परिभाषित इस्ती को निर्दिष्ट करता है।

1.3.31 अनुझात व्युत्पन्नी संविद्या

अनुज्ञात व्युत्पन्नी संविवा एक ऐसी व्युत्पन्नी संविवा है जिसे एक्सचेंज के शवी और विकल्प खंड पर व्यापार किए जाने के लिए अनुज्ञात किया जाता है ।

1.3.32 नियनित लाट/बाजार लाट

नियमित लाट/बाजार लाट से ऐसे यूनिटों की संख्या है जिनका समय-समय पर एक्सब्रेंज के एक एंड ओ खंड ब्रारा यथाविनिर्विच्ट, विनिर्विच्ट खुर्यम्नी संविवा में क्रय या विक्रय किया जा सकता है ।

1.3.33 जोखिम प्रकटीकरण दस्तावेज

जोखिम प्रकटीकरण दस्तावेज रिजस्ट्रीकरण के समय व्युत्पन्नियों के लिए अंतर्निहित जोखिमों के प्रकटीकरण के लिए सभी संमाव्य विनिधानकर्ता को जारी किए जाने वाले दस्तावेज को निर्दिष्ट करता है।

1.3.34 व्यवस्थापन तारीख

व्यवस्थापन तारीख से ऐसी तारीख अभिप्रेत है जिसको अनुज्ञात व्युत्पन्नी संविदा में किसी बकाया बाध्यता का व्यवस्थापन परिनिर्धारण किया जाना अपेक्षित हो जैस कि इन नियमों में यथा उपबंधित है ।

1.3.35 लघु स्थिति

व्युत्पन्नी सविदा में लघु स्थिति से किसी भी समय पर अनुज्ञात व्युत्पन्नी संविदा की बाबत बकाया विक्रय बाध्यताएं अभिप्रेत हैं।

1.3.36 व्यापारिक आवर्तन

व्यापारिक आवर्तन से समय-समय पर एक्सचेंज के एफ एंड ओ खंड द्वारा यथाअधिसूचित वह अवधि अमिप्रेत है जिसके दौरान व्युत्पन्नी संविदा व्यापार के लिए उपलब्ध होगी ।

1.3.37 व्यापारिक सवस्य

व्यापारिक सदस्य नेशनल स्टाक एक्सचेंज आफ इंडिया लिमिटेड की उपविधि के अध्याय 5 के अधीन यथा परिभाषित हस्ती को निर्दिष्ट करता है।

1.3.38 व्यापार प्रकार

व्यापार प्रकार व्यापार का ऐसा प्रकार है जो प्रत्येक बाजार प्रकार के लिए समय-समय पर एक्सचेंज के एफ एंड ओ खंड द्वारा अनुज्ञात किया जाए ।

1.3.39 व्यापारिक प्रणाली

व्यापारिक प्रणाली एक्स्वेंज के एफ एंड ओ खंड की एन ई ए टी व्यापारिक प्रणाली को निर्दिष्ट करता है । एन ई ए टी से स्वचालित व्यापार के लिए राष्ट्रीय एक्सचेंज अभिप्रेत है ।

1.3.40 अनुमोवित उपयोक्ता

अनुनोदित उपयोक्ता नेशनल स्टाक एक्सचॅंज व्यापारिक विनियम, 1998 के विनियम 2.2.8 के अधीन एक्सचॅंज के एफ एंड ओ खंड द्वारा यथाअनुमोदित विशेष व्यक्ति है।

1.3.41 अंतर्निहित प्रतिभृतियां

अंतर्निहित प्रतिभूति से ऐसी प्रतिभूति अभिप्रेत है जिसके निर्देश से एक्सचेंज के भावी और विकल्प खंड पर समय-समय पर व्युत्पनी संविदा में व्यापार किया जाना अनुज्ञात किया जाता है।

2. एक्सबुंज के एक एंड ओ खंड पर ब्योहार

2.1 व्यापारिक प्रणाली

- 2.1.1 एक्सचेंज का एफ एंड ओ खंड, एफ एंड ओ खंड पर ब्यौहार के लिए अनुजात सभी खुरपंनी संविदाओं में स्वचालित व्यापारिक सुविधा प्रदान करेगा । इसमें इसके परुधात् ऐसी प्रणाली को एनं ई ए टी प्रणाली के रूप में विनिर्दिष्ट किया गया है ।
- 2.1.2 एक्सचेंज के एफ एंड ओ खंड पर व्यापार केवल व्यापारिक संवस्य के कोर्चीलय के लिए अनुमोदित स्थानों पर अवस्थित अनुमोदित कार्य स्टेशनों के माध्यम से ही अनुझात किया जाएगा । चित्र व्यापारिक संवस्य के अनुमोदित कार्य स्टेशन किसी अन्य स्थान पर अन्य कार्य स्टेशनों के लिए एल ए एन द्वारा वी किसी अन्य स्थान पर अन्य कार्य स्टेशनों के लिए एल ए एन द्वारा वी किसी अन्य स्थान पर अन्य कार्य स्टेशनों के लिए एल ए एन द्वारा वी किसी अन्य स्थान पर अन्य कार्य स्टेशनों के लिए एल ए एन द्वारा वी किसी अन्य स्थान पर अनुमोदन अपेक्षित होगा ।
- 2.1.3 प्रत्येक व्यापारिक सदस्य/सहमागी के पास एक विलक्षण पहिचान-पत्र संख्या होगी जो एक्सचेंज के एफ एंड ओ खंड द्वारा दी जाएगी और जिसका खपथौग एन ई ए टी प्रणाली पर लाग (हस्ताक्षर करने के लिए) के लिए किया जाएगा ।
- 2.1.4 व्यापारिक सदस्य/सहमागी को व्यापारिक संवर्धी/महिमागी के रूप में कारबार के मामूली अनुक्रम में एकसचेंज के एफ एंड ओ खंड द्वारा यथा जपविवत व्यापारिक प्रणाली की उपयोग करने की अनन्य अनुक्रा होगी।
- 2.1.5 किसी व्यापारिक सदस्य/सहभागी का एन ई ए टी प्रणाली **हारा प्रदान की गई व्याप्रोरिक प्रणाली, उसकी** सुविधाएं, साफ्टवेयर और जानकारी की बाबत कोई हक, अधिकार यी हित नहीं होगा ।

2.1.6 व्यापारिक प्रणाली --

- (क) व्यापारिक सदस्यों को ऐसे निबंधनों और शतौं, जैसांकि सुसंगत प्राधिकारी समय-समय पर, अवधारित करे, के अध्यधीन अन्य बातों से साथ ऐसे प्रभारों, जैसा समय-समय पर विहित किया जाए, के संदायों और समाशोधन सदस्यता लेने के लिए या समाशोधन निगम के वृत्तिक समाशोधन सदस्यों के साथ ठहराव करने के लिए उपलब्ध होगी।
- (ख) वृद्धि को इन विनियमों के किसी अनुपालम के लिए सुसंगत प्राधिकारी द्वारा वापस लिया जाएगा या निर्वंधित किया जाएगा ।
- 2.1.7 व्यापारिक सदस्य, ऐसे उपस्कर और साफ्टवेयर का प्रयोग करेगा जैसाकि एन ई ए टी व्यापारिक प्रणाली की वृद्धि के प्रयोजन के लिए एक्सचेंज के एफ एंड ओ खंड द्वारा समध-समय पर विनिर्विष्ट करे।
- 2.1.8 एक्सचेंज के एफ एंड ओ खंड को एन ई ए टी व्यापारिक प्रणाली की वृद्धि के प्रयोजन के लिए प्रयुक्त उपस्कर और साफ्टवेयर का निरीक्षण करने का अधिकार होगा ।
- 2.1.9 एक्सचेंज के एफ एंड ओ खंड प्रदाय किए गए उपस्कर और साफ्टवेयर, उपस्करों की संस्थापना और रखरखाव की लागत व्यापारिक सदस्य द्वारा वहन की जाएगी।
- 2.1.10 व्यापारिक सदस्य/सहभागी अपने को या किसी अन्य व्यक्ति (व्यक्तियों) को —

- (क) एक्सचेंज के एक एंड ओ खंड द्वारा यथाअनुमोदित और विनिर्देष्ट प्रयोजन के सिवाय किसी अन्य प्रयोजन के ब्रिए एक्सचेंज के एक एंड ओ खंड द्वारा दिए गए साफ्टवेयर का उपयोग करने की अनुज्ञा नहीं देगा ।
- (ख़) एक्सचेंज के एफ एंड ओ खंड द्वारा अनुमोदित कार्य स्टेशन के सिवाय एक्सचेंज के एफ एंड ओ खंड द्वारा किसी उपस्कर के लिए विए गए साफ्टवेयर का उपयोग करने की अनुङ्गा नहीं देगा ।
- (म) एक्सचेंज के एफ एंड ओ खंड द्वारा दिए गए साफ्टवेयर की किसी अन्य व्यक्ति को नकल करने, उसमें परिवर्धन करने, उपातंरण करने या उसको उपलब्ध कराने की अनुझा नहीं देगा ।
- (घ) एकसर्त्रेज के एफ एंड ओ खंड द्वारा यथा विनिर्दिष्ट रीति के सिवाय किसी अन्य रीति में साफ्टवेयर का उपयोग करने की अनुझा नहीं देगा !
- (इ) ससे प्रत्यक्षतः या अप्रत्यक्षतः असंकलित, छिपाने या उसके विपरीत उपाय करने की अनुज्ञा नहीं देगा ।
- 2.1.11 व्यापारिक सदस्य, समाशोधन प्रणासी से संबंधित ऐसी प्रतिभृति प्रक्रिया अपनाएगा जैसाकि एक्सचेंज के एफ एंड्र ओ खंड द्वारा समंय-समय पर विनिर्दिष्ट किया जाए ।
- 2.1.12 कोई व्यापारिक सदस्य/सहमागी सेबी और ऐसे अन्य कानूनी प्राधिकारियों, जैसा समय-समय विनिर्दिष्ट किया जाए, के सिवाय स्वयं द्वारा या अपनी ओर से किसी अन्य व्यक्ति के माध्यम से व्यापारिक प्रणाली की सुविधाओं या एक्सचेंज के एफ एंड ओ खंड पर संव्यवहारों को पूरा कार्न के लिए कारबार के मामूली अनुक्रम में व्यापारिक प्रणाली द्वारा दी गई जानकारी को प्रकाशित नहीं करेगा, उसे प्रवान नहीं करेगा, प्रदर्शित नहीं करेगा या किसी अन्य व्यक्ति को उपलब्ध नहीं कराएगा या उसे पुनः तैयार नहीं करेगा, उसको पुनः नहीं भेजेगा या उसे संगृहीत नहीं करेगा या उसका उपयोग नहीं करेगा ।
- 2.1.13 एक्सचेंज का एफ एंड ओ खंड उत्तम प्रयासों के आधार पर अपनी सेवाएं प्रदान करेगा । तथापि, एक्सचेज का एफ एंड ओ खंड एन ई ए टी प्रणाली के असफल होने पर या निम्नलिखित में से किसी भी रूप से उद्भूत किसी हानि, मुकसानी या अन्य लागतों के लिए दायी नहीं होगा :--
 - (क) टेलीकाम नेटवर्क या प्रणाली के असफल होने पर असफलता, बिजली में उतार-चढ़ाव, या अन्य पर्यावरणीय परिस्थितियों या किसी आंकड़ों की संमाप्ति भी सम्मिलित है ;
 - (ख) व्यापारिक सदस्य/सहभागी या इसके प्राधिकृत व्यक्तियों या किसी तीसरे पक्षकार के अभिकर्ता की दुर्घटना, परिवहन, असावधानी, दुरुप्रयोग, गलसी, कपट ;
 - (ग) किसी ऐसी आसक्ति (एटेचमेंट) या संबद्ध उपस्कर (चाहे वे एक्सचेंज के एफ एंड ओ खंड द्वारा प्रदाय किए गए हों या एक्सचेंज के एफ एंड ओ खंड द्वारा अनुमोदित हों) में कोई त्रुटि जो व्यापारिक कार्य स्टेशन संस्थापना के स्वरूप की हो या उसके स्वरूप की न हो ।
 - (घ) दैवकृत, प्राकृतिक आपदा, अग्नि, बाढ़, हिंसात्मक कार्य या कोई अन्य उसी प्रकार की घटना ।
 - (क) कोई आनुषंगिक, विशेष या पारिणामिक नुकसानी ।
- 2.1.14 2.1.13 में अंतर्विष्ट किसी बात पर प्रतिकूल प्रभाव डाले बिना, ऐसी असफलता से किसी ऐसे व्यापार, जिसके लिए वह पक्षकार है, की बाबत व्यापारिक सदस्य/सहभागी के दायित्व में कमी, उसमें परिवर्तन या उस पर कोई प्रभाव नहीं पर्डेगा ।

2.1.15 एक्सर्चेज का एफ एंड ओ खंड, व्यापारिक सदस्य के टर्मिनल की असफलता की दशा में, व्यापारिक सदस्यों को ऐसे सिन्नियमों के अनुसार, जैसा उसके द्वारा विनिर्दिष्ट किया जाए, ऐसी सामान्य पूल सुविधा भी अनुज्ञात करेगा।

2.2. व्यापारिक सदस्य और अनुमोदित उपयोक्ता

- 2.2.1 व्यापिक सदस्य और सहभागी, एक्सचेंज के एफ एंड ओ खंड के अनुमोदन से, ऐसी अनुमोदन फीस, जैसा सुसंगत प्राधिकारी द्वारा समय-समय पर विनिर्दिष्ट किया जाए, के संदाय के अध्यधीन एक्सचेंज के एफ एंड ओ खंड द्वारा अनुमोदित व्यापारिक कार्य स्टेशन (स्टेशनों) को चलाने के लिए प्राधिकृत व्यक्तियों और अनुमोदित उपयोक्ताओं को नियुक्त करने का हकदार होगा ।
- 2.2.2 भावी और विकल्प खंड के अनुमोदित उपयोक्ताओं को ऐसा प्रमाणीकरण कार्यक्रम उत्तीर्ण करना होगा जो सेबी द्वारा अनुमोदित किया गया हो ।
- 2.2.3 प्रत्येक व्यापारिक सदस्य/सहभागी को ऐसे कई अनुमोदित उपयोक्ता नियुक्त करने के लिए अनुज्ञात किया जाएगा जैसा एक्सचेंज के एफ एंड ओ खंड द्वारा समय-समय पर अधिसूचित किया जाए ।
- 2.2.4 अनुमोदित उपयोक्ताओं की नियुक्ति ऐसे निबंधनों और शर्तों के अध्यधीन होगी जैसा एक्सचेंज के एफ एंड ओ खंड समय-समय पर विनिर्दिष्ट करे ।
- 2.2.5 प्रत्येक अनुमोदित उपयोक्ता को विलक्षण पहचान संख्या दी जाएगी जिसके माध्यम से वह एन ई ए टी प्रणाली तक पहुंच सकेगा ।
- 2.2.6 ऐसा अनुमोदित उपयोक्ता, संकेत शब्द के माध्यम से एन ई ए टी प्रणाली तक पहुंच सकता है और वह ऐसे संकेत शब्द में समय-समय पर परिवर्तन कर सकता है।
- 2.2.7 व्यापारिक सदस्य/सहभागी या उसका अनुमोदित उपयोक्ता, अपने संकेत शब्द की पूर्ण गोपनीयता बनाए रखेगा ।
- 2.2.8 अनुमोदित उपयोक्ता संकेत शब्द की समाप्ति की अवधि के अंत में अपने संकेत शब्द में परिवर्तन करने के लिए अपेक्षित होगा । संकेत शब्द की समाप्ति की अवधि एक्सचेंज के एफ एंड ओ खंड द्वारा समय-समय पर विनिर्दिष्ट की जाएगी ।
 - (क) केवल ऐसे व्यक्ति एक्सचेंज के एफ एंड ओ खंड की उपविधियों, नियमों और विनियमों के उपबंधों के अनुसार व्यापारिक सदस्यों और सहभागियों के रूप में रिजस्ट्रीकृत हैं या व्यापारिक सदस्यों के ऐसे अभिकर्ता हैं जिनके लिए उपाबंध I जैसा समय-समय पर एक्सचेंज के एफ एंड ओ खंड द्वारा उपयोक्ता के रूप में अनुमोदित किया जाए, में विनिर्दिष्ट प्ररूप के अनुसार, व्यापारिक सदस्यों द्वारा एक्सचेंज के एफ एंड ओ खंड द्वारा आवेदन किया गया है।
 - (ख) 21 वर्ष से कम वाले किसी व्यक्ति को अनुमोदित उपयोक्ता के रूप में अनुझात नहीं किया जाएगा ।
 - (ग) ऐसे किसी व्यक्ति को अनुमोदित उपयोक्ता के रूप में अनुज्ञात नहीं किया जाएगा जिसके विरूद्ध इस एक्सचेंज या किसी अन्य स्टाक एक्सचेंज द्वारा अनुशासनिक कार्रवाई की गई हो ।
 - (घ) कोई व्यापारिक सदस्य/सहभागी एफ एंड ओ खंड की अनुज्ञा के बिना भूतपूर्व व्यापारिक सदस्य या ऐसे व्यापारिक सदस्य को अनुमोदित उपयोक्ता के रूप में अपने नियोजन में नहीं लेगा; यदि ऐसा व्यापारिक सदस्य

- या अनुमोदित उपयोक्ता ऐसा व्यक्ति है जिसके विरुद्ध एक्सचेंज या किसी अन्य स्टाक एक्सचेंज द्वारा कोई अनुशासनिक कार्रवाई की गई है।
- (ङ) किसी व्यक्ति को अनुमोदित उपयोक्ता के रूप में तब तक अनुज्ञात नहीं किया जाएगा जब तक उसने सुसंगत प्राधिकारी से वित्तीय बाजार (सेबी द्वारा अनुमोदित) में नेशनल स्टाक एक्सचेंज का प्रमाणीकरण उत्तीर्ण न किया हो । प्राप्त प्रमाणीकरण एफ एंड ओ खंड द्वारा समयय-समय पर विनिर्दिष्ट अवधि के लिए विधिमान्य होगा । किसी कारण से प्रभावीकरण के अविधिमान्य होने पर उपयोक्ता पहचान-पत्र समाप्त हुआ समझा जाएगा । यह अनुमोदित उपयोक्ता की जिम्मेदारी होगी कि वह प्रमाणीकरण, यदि कोई हों, की समाप्ति की सूचना एक्सचेंज के एफ एंड ओ खंड को दे ।
- 2..2.9 एक्सचेंज के एफ एंड ओ खंड को 2.2.8क के अधीन किए गए किसी आवेदन को रह करने या पहले दिए किसी आवेदन को रह करने या पहले दिए किसी अनुमोदन को किसी समय वापस लेने या बिना कोई कारण बताए एन ई ए टी की आसक्ति से अनुमोदित उपयोक्ता को अस्थायी रूप से निलंबित करने का अधिकार होगा । ऐसा निलंबन सशर्त होगा और उसे एक्सचेंज के एफ एंड ओ खंड के समाधानप्रद रूप में विनिर्दिष्ट शर्त, यदि कोई हो, को पूरा करने पर वापस लिया जा सकेगा ।
- 2.2.10 यदि व्यापारिक सदस्य/सहभागी उपयोक्ता पहचान-पत्र मे परिवर्तन करने या उसके अनुमोदित उपयोक्ता को उसकी ओर से व्यापारिक प्रणाली प्रचालित करने के लिए दिए गए प्राधिकार को रह करने की वांछा करते हैं तो वे लिखित में ऐसे प्ररूप और रीति में, जैसा कि एक्सचेंज के एफ एंड ओ खंड विनिर्दिष्ट करे, ऐसी कार्रवाई किए जाने पर और ऐसी सूचना प्राप्त होने पर एक्सचेंज के एफ एंड ओ खंड से पुष्टि अभिप्राप्त करने की और एक्सचेंज के एफ एंड ओ खंड ह्यारा विशिष्ट अनुमोदित उपयोक्ता को निर्योग्य करने की तत्काल एक्सचेंज के एफ एंड ओ खंड को सूचित करेंगे । तथापि, व्यापारिक सदस्य/सहभागी एक्सचेंज के एफ एंड ओ खंड से उपर्युक्त यथा उल्लिखित पुष्टि अभिप्राप्त करने के पश्चात् 24 घंटे की अविध तक भार लेने तक ऐसे या पूर्व उपयोक्ता पहचान-पत्र के आधार पर रिपोर्ट किए गए सभी क्रियाकलापों के लिए निरंतर दायी होगा । व्यापारिक सदस्य ऐसे अनुमोदित उपयोक्ता की बाबत अपने बाकी आदेशों को रह करेगा ।
- 2.2.11 जब कभी व्यापारिक सदस्य/सहभागी का अनुमोदित उपोयक्ता ऐसे या व्यापारिक सदस्य की किसी हैसियत से ऐसे कार्य को समाप्त नहीं करता है तब ऐसा प्रत्येक व्यापारिक सदसय् 24 घंटे के भीतर ऐसे अनुमोदित उपयोक्ता का नाम और अन्य विशिष्टियों की एक्सचेंज के एफ एंड ओ खंड को सूचना देगा।
- 2.2.12 यदि ऐसा व्यक्ति, जिसके लिए ऐसा आवेदन किया गया है, किसी अन्य व्यापारिक सदस्य/सहभागी के लिए पहले से ही अनुमोदित उपयोक्ता है तो 2.2.8(क) के अधीन किसी व्यापारिक सदस्य, सहभागी द्वारा कोई आवेदन नहीं किया जाएगा।
- 2.2.13 एक्सचेंज का एफ एंड ओ खंड उपलब्ध कराए गए प्रत्येक कार्य स्टेशन के लिए अनुमोदित उपयोक्ताओं के विभिन्न स्तरों को अधिसूचित करेगा । ये स्तर अनुमोदित उपयोक्ता द्वारा एन ई ए टी प्रणाली की आसक्ति को परिभाषित करेंगे और इसमें केवल टर्मिनल पर जांच के उपबंध, प्रविष्टि या व्यापार के लिए उपबंध, ऐसे अन्य उपबंध सम्मिलित होंगे जैसा एक्सचेंज के एफ एंड ओ खंड द्वारा विनिर्दिष्ट किया जाए ।
- 2.2.14 एक्सचेंज का एफ एंड ओ खंड केवल ऐसी जांच, जहां परिस्थितियां समुचित हों, के लिए व्यापारी से व्यापारिक सदस्य के अनुमोदित उपयोक्ता की प्रास्थिति में परिवर्तन कर सकेगा और उसके किन्ही कारणों की ऐसे व्यापारिक सदस्य को सूचना देगा।
- 2.2.15 व्यापारिक सदस्य/सहभागी उसको आबंटित एक पहचान-पत्र के सिवाय विभिन्न व्यापारिक सदस्य/सहभागी या उपयोक्ता पहचान का उपयोग करके व्यापारिक प्रणाली में पहुंच नहीं सकेंगे ।

- 2.2.16 कोई अनुमोदित उपयोक्ता, व्यापारिक सदस्यों के अवस्थान के सिवाय ऐसे अवस्थान से व्यापारिक सदस्य के कोड का उपयोग करके व्यापारिक प्रणाली की तब तक मदद करने या उस तक पहुंचने की कोशिश नहीं करेगा जब तक उसने ऐसे व्यापारिक सदस्य, जिसके लिए वह अनुमोदित उपयोक्ता है, के पूर्व अनुमोदन को स्पष्ट न किया हो ।
- 2.2.17 ऐसा व्यापारिक सदस्य/सहभागी को, जो अपने संकेत शब्द को एक्सचेंज के एफ एंड ओं खंड से बदलना चाहता है, अपने द्वारा हस्ताक्षारित व्यापारिक सदस्य पहचान-पत्र और उपयोक्ता पहचान को उपदर्शित करते हुए लिखित में अनुरोध करना होगा । व्यापारिक सदस्य/सहभागी किसी अन्य व्यापारिक सदस्य/सहभागी के संकेत शब्द को बदलने का अनुरोध नहीं करेगा ।

2.3 व्यापारिक दिन

- 2.3.1 एक्सचेंज एफ एंड ओ खंड, शनिवार, रविवार और ऐसे एक्सचेंज के अवकाश दिन जैसा कि एक्सचेंज के एफ एंड ओ खंड समय-समय पर धोषित करे, के सिवाय सभी दिन कार्य करेगा।
- 2.3.2 एक्सचेंज का एफ एंड ओ खंड ऐसे दिन, जो अनुसूचित अवकाश के सिवाय या उनके अतिरिक्त हों, को वाजार बंद कर सकेगा या यदि ऐसे दिन को बाजार खोलता है जो मूलतः 2.3.1 के अधीन अवकाश दिन धोषित किया जाए तो इस प्रकार बाजार को ऐसे खोलना, बंद करना या विभाजित करना अनअनुसूचित होया।
- 2.3.3 नियमित व्यापारिक घंटों के सिवाय, सदस्य आफ लाइन, अर्थात् व्यापारिक घंटों के पश्चात् आर्डरों को रखने के लिए उचित सुविधाएं प्रदान करेगा । वे प्रणाली द्वारा भंडारित किए जाएंगे किंतु उनका व्यापार के लिए निम्नलिखित कार्य दिवस पर ही बाजार खुलने पर व्यापार किया जाएगा ।
- 2.3.4 व्यापारिक दिन ऐसी पांच अविधयों, जैसा एक्सचेंज के एफ एंड ओ खंड द्वारा विनिर्दिष्ट किया जाए, में विशिष्ट रूप से विभाजित किया जाएगा । यह अविध निम्नलिखित रूप में होगी :--
 - (क) पूर्व खुली अवधि :- यह अवधि खुली अवधि से पहले की होगी और प्रारंभिकतः उस व्यापारिक दिन के लिए संभावित बाजार भाव के बारे में बाजार के सहमागियों को एक सूचक के रूप में बताई जाएगी ! इस अवधि में सदस्य क्रय और विक्रय आदेश साथ-साथ ले सकते हैं, आदेशों को उपांतरित कर सकते हैं या उनको रह कर सकते हैं किंतु किसी भी आदेश का निष्पादन नहीं किया जाएगा !
 - (ख) प्रारंभिक अवधि :- इस अवधि में, व्युत्पन्नी संविदाओं के लिए वास्तविक समरूप (मैंचिंग) प्रारंभ होगा । पूर्व खुली अवधि से संबंधित सभी व्यापार एकल व्यापार कीमत पर निष्पादित किए जाएंगे जो कि पूर्व खुली अवधि के दौरान अंतिम व्यापार कीमत है ।
 - (ग) खुली अवधि :- इस अवधि में, आदेश कीमत/समय पूर्विकता के अनुसार होंगे ।
 - (घ) बाजार बंद और सरकन :- यह अवधि थोक प्रसंस्करण और प्रारंभिक परिनिर्धारित आंकड़े उत्पन्न करते से पूर्व की अवधि होगी । इस अवधि में कोई और आदेश स्वीकार नहीं किए जाएंगे इस दिन अवधि के दौरान क्रियाकलापों पर जांच की जा सकती है ।
 - (ङ) बंदपश्च और बाजार জ बंद हो जाना :- इस अवधि का परिनिर्धारित आंकड़े उत्पन्न करना प्रारंभ करने पर तत्काल अनुकार किया जाएगा । इस अवधि के दौरान, व्युत्पन्नी संविदाओं और अंतर्निहित प्रतिभूतियों की अंतिम की भत को संगठित किया जाएगा ।

2.4 व्यापारिक घंटे

- 2.4.1 एक्सचेंज का एफ एंड औं खंड प्रत्येक कलैंडर वर्ष के लिए पहले से ही नियमित व्यापारिक घंटों की घोषणा करेगा।
- 2.4.2 एक्सचेंज का एफ एंड औं खंड, इस संबंध में जब कभी वह उचित और आवश्यक समझे, व्यापारिक सदस्यों द्वारा अधिसूचित किए गए व्यापारिक घंटों में वृद्धि कर सकेगा, उनको पहले ही बता सकेगा या उनमें कमी कर सकेगा।

2.5 व्यापारिक आवर्तन

प्रत्येक व्युत्पम्मी संविदा के लिए व्यापारिक आवर्तन उस मानक अवधि के लिए होगा, जिसके दौरान व्युत्पन्नी संविदा व्यापार के लिए उपलब्ध होगी और एक्सचेंज के एफ एंड ओ खंड द्वारा समय-समय पर अधिसूचित की जाएगी।

2.6 संविदा की समाप्ति

- 2.6.1 व्युत्पन्नी संविदाएं उस पूर्व निर्धारित तारीख और समय पर समाप्त होगी जिस तक संविदा व्यापार के लिए उपलब्ध होगी और जिसे पहले ही एक्सचेंज के एफ एंड ओ खंड द्वारा अधिसूचित किया जाएगा ।
- 2.8.2 संविदा समाप्ति की अवधि 12 मास या जैसा सेबी द्वारा समय-समय पर विनिर्दिष्ट किया जाए, से अधिक नहीं होगी ।

2.7 व्यापारिक मानवंड

- 2.7.1 एक्सचेंज का एफ एंड ओ खंड व्यापारिक प्रणाली से संबंधित विभिन्न व्यापारिक मानदंडों को समय-समय पर विक्रित करेगा ।
- 2.7.2 प्रत्येक व्यापारिक सदस्य से क्रयं या विक्रय आदेशों को या तो आरंभ करने और बंद करने की विनिर्दिष्ट अपेक्षा की जाएंगी।
- 2.7.3 एक्सचेंज का एफ एंड ओ खंड समय-समय पर विभिन्न आदेश बहियां विनिर्दिष्ट करेगा जो कि व्यापारिक प्रणाली पर बनाए रखी जाएंगी और आदेश पर ऐसे विभिन्न शर्तों को विनिर्दिष्ट करेगा जो इन बहियों में इसे रखने के लिए पात्र बनाएंगी।
- 2.7.4 एक्सचेंज का एफ एंड ओ खंड ऐसे दिनों की संख्या. विनिर्दिष्ट करेगा जिसके पश्चात् वे गुड टिल कैसिल्ट आडर्स प्रणाली द्वारा रह किए जाएंगे ।
- 2.7.5 एक्सचेंज का एफ एंड ओ खंड समय-समय पर ऐसे लाट साइज विनिर्दिष्ट करेगा जिसमें एक्सचेंज के एफ एंड ओ खंड पर व्यापार की गई किसी या सभी व्युत्पन्नी संविदाओं के लिए आदेश रखे जा सकते हैं।
- 2.7.6 एक्सचेंज का एफ एंड ओ खंड ऐसी कीमतों के उतार-चढ़ाव को समय-समय पर विनिर्दिष्ट करेग्रा जिनमें ऐसे आदेश एक्सचेंज के एफ एंड ओ खंड के व्यापारिक प्रणाली पर प्रविष्ट किए जाएंगे ।
- 2.7.7 एक्सचेंज का एफ एंड ओ खंड समय-समय पर प्रत्येक संविदा की बाबत स्थिति सीमा को अधिकथित करेगा ।

2.7.8 एक्सचेंज का एफ एंड ओ खंड प्रत्येक व्युत्पन्नी संविदा के लिए कीमत उतार-चढ़ाव को विनिर्दिष्ट करेगा ।

2.8 बाजार का प्रकार/व्यापार का प्रकार/संव्यवहार का प्रकार

- 2.8.1 एक्सचेंज का एफ एंड ओ खंड अनुझात व्युत्पन्नी संविदाओं में विभिन्न प्रकारों के व्यापारों की अनुझा देगा और उन्हें अधिसूचित करेगा ।
- 2.8.2 एक्सचेंज का एफ एंड ओ खंड समय-समय पर विभिन्न बाजार प्रकारों, व्यापार प्रकारों को विनिर्दिष्ट करेगा जो कि व्युत्पन्नी संविदाओं में व्यौहारों के लिए व्यापारिक सदस्यों या सहमागियों को अनुझात किए जाएंगे ।
- 2.8.3 एक्सचेजं के एफ एंड ओ खंड पर सभी व्यापार विनिर्दिष्ट समाशोधन निगम, जैसा उसके द्वारा समय-समय परे अदिसूचित किया जाए, की उपविधियों, नियमों और विनियमों के अनुसार, व्यापारिक सदस्यों द्वारा या तो समाशोधन सदस्यों के रूप में स्वयं या वृत्तिक समाशोधन सदस्यों के माध्यम से स्पष्ट रूप से किया जाएगा या उनके द्वारा तय किया जाएगा।
- 2.8.4 एक्सचेंज का एफ एंड ओ खंड समय-समय पर विभिन्न प्रकार के संव्यवहार को अनुज्ञात करेगा !

2.9 व्यापारिक सदस्यों के टर्मिनल की असफलता

व्यापारिक सदस्यों/सहभागियों के कार्य स्टेशन की असफलता और/या व्यापारिक प्रणाली की आसक्ति की हानि की दशा में, एक्सचेंज का एफ एंड ओ खंड अपने विवेकानुसार ऐसे निबंधनों और शतौं, जिन्हें एक्सचेंज का एफ एंड ओ खंड अधिरोपित किया जाना आवश्यक समझे, के अध्यधीन ऐसे आवश्यक कृत्यों, जिनके लिए व्यापारिक सदस्य/सहभागी, ऐसे व्यापारिक सदस्य/सहभागी से मान्य अनुरोध पर पात्र हैं, को समाशोधन सदस्य/सहभागी (यद्यपि गांरटी नहीं हैं) की ओर से आरंभ कर सकेगा । एक्सचेंज का एफ एंड ओ खंड ऐसे अनुरोध को केवल तब स्वीकार करेगा जब यदि ऐसा अनुरोध व्यापारिक सदस्य द्वारा और ऐसी रीति में, जैसा एक्सचेंज के एफ एंड ओ खंड द्वारा विनिर्दिष्ट किया जाए, स्पष्ट रूप से लिखित में और ठीक-ठाक रीति से किया गया हो । व्यापारिक सदस्य/सहभागी अपनी ओर से एक्सचेंज के एफ एंड ओ खंड द्वारा निष्पादित कृत्यों के लिए जबाबदार होगा और उपर्युक्त परिस्थिति से उद्भूत किन्ही हानियों या लागतों के विरुद्ध एक्सचेंज के एफ एंड ओ खंड को क्षतिपूर्ति करेगा ।

3. व्युत्पन्नी संविदाओं में व्यौहार

- 3.1.1 एक्सचेंज के एफ एंड ओ खंड के इन नियमों, विनियमों और उपविधियों में यथाउपबंधित और ऐसे बाजार प्रकारों, व्यापार प्रकारों और व्यापारिक घंटों, जैसा एक्सचेंज का एफ एंड ओ खंड समय-समय पर विनिर्दिष्ट करें, में व्यापारिक सदस्यों/सहभागियों के ऐसे प्रवर्गों के लिए प्रतिभूतियों या प्रतिभूतियों के संवर्ग पर आधारित व्युत्पन्नी संविदाओं में एक्सचेंज के एफ एंड ओ खंड पर व्यौहार अनुज्ञात किया जाएगा।
- 3.1.2 सभी व्युत्पन्नी संविदा के विनिर्देश एक्सचेंज के एफ एंड ओ खंड द्वारा समय-समय पर, अधिसूचित किए जाएंगे ।
- 3.1.3 एक्सचेंज का एफ एंड ओ खंड अपने विवेकानुसार व्युत्पन्नी संविदाओं में, अन्य बातों के साथ-साथ, निम्नलिखित आधारों पर व्यापार को निलंबित कर सकेगा ।

- (क) अंतनिर्हित प्रतिभूतियों में व्यापारिक निलंबन,
- (ख) विनिधानकर्ता के हितों की संख्या के लिए,
- (ग) उचित और सुव्यवस्थित बाजार के रखरखाव के प्रयोजन के लिए ।
- 3.1.4 एक्सचेंज का एफ एंड ओ खंड व्युत्पन्नी संविदाओं में व्यापारिक निलंबन को किसी भी समय हटा सकेगा। यदि सभी व्युत्पन्नी संविदाओं में व्यापार निलंबित किया गया है या उसे विशिष्टतया रोका जाता है तो एक्सचेंज का एफ एंड ओ खंड, जब अपनी-अपनी व्युत्पन्नी संविदाओं में व्यापार को पुनः आरंभ किया जा सकता है, अपने पूर्णतः विवेकाधीन उसका अवधारण कर सकेगा।
- 3.1.5 व्यापारिक सदस्य व्युत्पन्नी संविदाओं में, जब तक सुसंगत प्राधिकारी द्वारा अन्यथा विनिर्दिष्ट न किया जाए, या तो अपने संघटकों की ओर से या अपने स्वयं के भरोसे व्यापारिक प्रणाली पर व्यापार कर सकेगा और ऐसा व्यापार ऐसी शर्तों के अध्यधीन होगा जैसा एक्सचेंज के एफ एंड ओ खंड द्वारा विनिर्दिष्ट किया जाए ।

इस विनियम के प्रयोजन के लिए, निदेशक या व्यापारिक सदस्य के कर्मचारियों की ओर से किए गए संव्यवहारों के लिए या ऐसे संव्यवहारों, जिनमें निदेशक या कर्मचारियों का फायदाप्रद हित हो, के लिए ऐसा निदेशक या कर्मचारी को व्यापारिक सदस्य के संघटक के रूप में समझा जाएगा और प्रत्येक ऐसे संघटक से पृथक्तः मार्जिन संगृहीत किया जाएगा ।

- 3.1.6 व्यापारिक सदस्य, ऐसे संघटक, जिसकी निधियों या प्रतिभूतियों का उपयोग किया जाता है, के विनिर्दिष्ट प्राधिकरण के सिवाय, एक संघटक की निधियों और प्रतिभूतियों को दूसरे संघटक के निमित्त या उसकी ओर से उपयोग नहीं कर सकता है।
- 3.1.7 एक्सचेंज का एफ एंड ओ खंड किसी समय व्यापारिक सदस्य/सहभागी को विनिर्दिष्ट व्युत्पन्नी संविदा में व्यौहार करने से सशर्त या असशर्त रूप से निर्वन्धित कर सकेगा ।
- 3.1.8 व्यापारिक सदस्य/सहभागी, अपनी ओर से किए गए आदेशों हेतु प्रणाली पर निष्पादित सभी ट्रेडों के लिए हमेशा दायी होगा । व्यापारिक सदस्य/ सहभागी अपनी प्राधिकृत व्यक्तियों की सभी कार्रवाईयों के लिए जिम्मेदार होगा ।
- 3.1.9 विनियम 4.5.3 (ग) और (घ) पर प्रतिकूल प्रभाव डाले बिना, व्यापारिक सदस्य सभी कार्रवाइयों, जिसमें निम्निलिखित सभी अंतरों व्यापारिक सदस्य के पहचान-पत्र और उपयोक्ता पहचान-पत्र के नाध्यम से या उसके उपयोग से व्यापार प्रारंभकर्ता भी सम्मिलित है, के लिए जिम्मेदार होगा । तथापि, यदि एक्सचेंज के एफ एंड ओ खंड का यह समाधान हो जाता है कि उसके प्राधिकृत व्यक्तियों के सिवाय, किसी अन्य व्यक्ति द्वारा कपट या उसके दुर्व्यपदेशन के कारण कार्रवाइयां की गई हैं और/या व्यापार किया गया है और यह कि उसके किसी अनुमोदित कार्य स्टेशनों से ऐसी कार्रवाइयां और व्यापार प्रारंभ नहीं किया गया है तो एक्सचेंज का एफ एंड ओ खंड ऐसे निर्देश जारी करेगा जैसा वह न्यायोचित और युक्तियुक्त समझे । इन निर्देशों में सम्मिलित मामले को माध्यस्थम् के लिए निर्देशित किया जा सकेगा और/या इस प्रकार प्रभावित व्यापारों का बातिलकरण किया जा सकेगा ।

3.2 व्यापार प्रचालन

3,2,1 व्यापारिक सदस्य यह सुनिश्चित करेगा कि एन ई ए टी प्रणाली पर आदेश देने से पूर्व समुचित पुष्टि अनुदेश आदेश संघटकों से प्राप्त कर लिए गए हैं और उसके इन आदेशों के पूरा किए जाने या अन्यथा के सुसंगत अभिलेख या दस्तावेज रखेगा।

- 3.2.2 व्यापारिक सदस्य अपने संगठकों को एम.ई.ए.टी. प्रणाली जेनरेटेड आर्डर नंबर और आदेश/व्यापार पुष्टि स्लिप/उपांतरण स्लिप जहां लागू हो, की प्रतियां उपलब्ध कराएगा ।
- 3.2.3 व्यापारिक सदस्य, आदेश प्रविष्टि के समय एक्सचेंज के एफ. एंड ओ, खंड को यह प्रकट करेगा कि आदेश जसके स्वय के अकाउट पर हैं या संघटकों की ओर से हैं और वह आरंभिक आदेश और अंतिम आदेश (ओपन आडर्स एंड क्लोज आडर्स) के रूप में क्रय या विक्रय करने के लिए आदेशों को भी विनिर्दिष्ट करेगा।
- 3.2.4 आदेशों के संशोधन या रहकरण के लिए प्रक्रिया और शतें, ऐसी शतों और एक्सचेंज के एफ एंड ओ. खंड द्वारा समय-समय पर, यथाविनिर्दिष्ट के अध्यधीन होंगी।
- 3.2.5 व्यापारिक सदस्य, व्यापारिक प्रणाली, जिसमें उसके संघटकों की ओर से किए गए आदेश भी सम्मिलित हैं, में किए गए आदेशों के ठीक होने के लिए एकमात्र रूप से जिम्मेदार होगा ।
- 3.2.6 एन.ई.ए.टी. प्रणाली पर जेनरेटेड व्यापार अप्रतिसंहरणीय और बंद होते हैं । एक्सचेंज का एफ. एंड ओ. खंड समय-समय पर, ऐसे बाजारों को विनिर्दिष्ट कर सकेगा जिसमें व्यापार रहकरण प्रभावित हो सकता है ।
- 3.2.7 जहां व्यापार रदकरण अनुज्ञात किया जाता है और व्यापारिक सदस्य व्यापार को रद्द करना चाहता है वहां वह केवल ऐसा एक्सचेंज के एफ. एंड ओ. खंड के अनुमोदन से और निम्नलिखित रीति से कर सकेगा :-
- (क) व्यापारिक सदस्य व्यापार को रह करते हुए, एक्सचेंज के एफ. एंड ओ. खंड के रहकरण अनुरोध को बताएगा । व्यापार के काउंटर व्यापारिक सदस्य को अपने रहकरण अनुरोध को भी पृथक् रूप से प्रस्तुत करना होगा ।
- (ख) जहां व्यापारिक सदस्य ऐसा अनुरोध करता है वहां यह सुनिश्चित करने की जिम्मेदारी व्यापारिक सदस्य की होगी कि उसने संघटक से लिखित अनुरोध प्राप्त किया है।
- (न) जहां व्यापार रहकरण अनुरोध व्यापार के किसी एक पक्षकार से एक्सचेंज के एफ. एंड ओ. खंड को अप्त होता है और वह/वे एक्सचेंज के एफ. एंड ओ. खंड के पास लंबित है/हैं, वहां इसके परिणामस्वरूप, उसकी ऐसे व्यापार के काउंटर पक्षकार द्वारा ऐसे समय तक, जैसा एक्सचेंज के एफ. एंड ओ. खंड द्वारा अधिसूचित किया जाए, पुष्टि नहीं की जाती है तो ऐसा अनुरोध एक्सचेंज के एफ. एंड ओ. खंड के विवेक पर रह किया जा सकेगा।
- (घ) एक्सचेंज का एफ. एंड ओ. खंड ऐसी अवधि के बाद व्यापारिक दिन पर बाजार बंद होने के पश्चात्, जैसा समय-समय पर अधिसूचित किया जा सकेगा, व्यापार रहकरण के किसी अनुरोध पर विचार नहीं करेगा।
- (ड) एक्सचेंज का एफ. एंड ओ. खंड किसी ऐसे व्यापार रहकरण अनुरोध को स्वीकृत करने या उसके अनुमोदन के लिए कोई कारण नहीं बताएगा ।
- (च) एक्सचेंज का एफ. एंड ओ. खंड व्यापार के दोनों में से किसी पक्षकार के किसी अनुरोध के बिना, स्वप्रेरणा से व्यापार को किसी समग्र रह कर सकेगा जो रहकरण अंतिम और व्यापार के पक्षकारों पर आबद्धकर होगा। ऐसे रहकरण की दशा में, व्यापारिक सदस्य अपने संघटकों के साथ नातेदार की संविदाएं रह करने का हकदार होगा।
- 3.2.8 व्यापारिक सदस्य 'अपने संघटकों को एन.ई.ए.टी. प्रणाली जेनरेटेड ट्रेड नंबर और जहां कही लागू हो, व्यापार रहकरण स्लिप की प्रतियां उपलब्ध कराएगा ।

3.3 आदेश प्रबंधन

3.3.1 आवेश (आर्डर) का प्रकार

एक्सचेंज का एफ. एंड ओ. खंड समय-समय पर, ऐसे आदेशों के प्रकारों को नियत करेगा जिन्हें व्यापारिक सदस्य एन.ई.ए.टी. प्रणाली में दे सकता है, जिसमें सामान्य आदेश, विशेष अवधि के आदेश, आदि भी सम्मिलित किंए जा, सकेंगे और उन्हें ऐसे आदेश भी माना जा सकता है जिन्हें वह उस पर दे सकेगा।

3.3.2 विशेष आवेश

- (क) एक्सचेंज का एफ. एंड ओ. खंड समय-समय पर व्यापारिक मानदंडों में यथाविनिर्दिष्ट निर्बन्धनों के अध्यधीन विभिन्न विशेष आदेश को अनुझात करेगा ।
- (ख) एक्सचेंज का एफ. एंड ओ. खंड आदेशों के प्रकारों और विभिन्न बाजार प्रकारों के लिए अनुज्ञात विशेष आदेश को विनिर्दिष्ट करेगा ।
- 3.3.3 आदेशों का उपांतरण और रहकरण
- (क) समाशोधन सदस्य अपने आदेशों को उपांतरित या रह करने की अनुझा देगा, परंतु यह कि उसकी बाबत व्यापार पहले ही शुरू नहीं किया गया हो ।
- (ख) एक्सचेंज के एफ. एंड ओ. खंड द्वारा यथाविनिर्दिष्ट ऐसी रीति में और ऐसी शतौँ पर आदेश निवेश मानदंडों में परिवर्तन करके आदेश को उपांतरित किया जा सकता है।
- (ग) उपांतरित आदेश एक्सचेंज के एफ. एंड ओ. खंड द्वारा बनाए गए व्यापारिक मानदंडों के अनुसार वियोजित या प्रतिधारित किए जाएंगे।

3.3.4 आदेश का विधिमान्यकरण

व्यापारिक सदस्यों द्वारा व्यापारिक प्रणाली में दिए गए आदेश एक्सचेंज के एफ. एंड ओ. खंड द्वारा समय-समय पर यथाविनिर्दिष्ट विभिन्न विधिमान्यकरण अपेक्षाओं के अध्यधीन होंगे जिसमें व्यापारिक मानदंड, आवर्तन सीमा, उच्छन सीमा और/या व्यापारिक व्युत्पन्नी संविदाओं पर रखे गए अन्य निर्वन्धन भी सम्मिलित हैं। ऐसे आदेश, जो विधिमान्यकरण प्रक्रिया को पूरा नहीं करते हैं, व्यापारिक प्रणाली द्वारा स्वीकार नहीं किए जाएंगे।

3.3.5 समरूप नियम

- (क) एक्सचेंज का एफ. एंड ओ. खंड समय-समय पर, अनेक प्रकार के आदेश बहियों को विनिर्दिष्ट करेगा जो एन.ई.ए.टी. प्रणाली पर रखी जाएंगी और समरूप एल्गोरिथम्स और समरूप नियमों और मानदंडों का इसमें अनुसरण किया जाएगा।
- (ख) एक्सचेंज का एफ. एंड ओ. खंड किसी भी समय, जहां ऐसा करना आवश्यक हो, किसी बाजार से सुसंगत समरूप एत्नोरिथम्स और आदश बहियों को उपांतरित कर सकेगा या उनमें परिवर्तन कर सकेगा ।
- (ग) जहां एक्सचेंज का एफ. एंड ओ. खंड यह महराूस करता है कि ऐसा करना बाजार के हित में है, तो वहां वह विशिष्ट व्युत्पन्नी संविदा या व्यापारिक सदस्य या संपूर्ण बाजार की दशा में, किसी विशिष्ट आदेश बहियों या समस्त्रप प्ररूप को किसी भी समय अनुउपलब्ध बना सकेगा।
- (घ) उपर्युक्त की व्यापकता पर प्रतिकूल प्रभाव डाले बिना, आदेश समस्त्र्य नियमों में निम्नलिखित सम्मिलित होगा :-

- (i) सामान्य बाजार में आदेश (आर्डर) कीमत-समय पूर्विकता के आधार के अनुरूप होंगे ।
- (ii) उत्तम क्रेता आदेश उत्तम विक्रेता आदेश के अनुरूप होगा । कीमत पर व्यापार के लिए उत्तम क्रेता आदेश, एक उच्चतर कीमत के साथ होगा और उत्तम विक्रेता आदेश एक निम्नतर आदेश के साथ होगा ।

3.4 संविदा नोट

- 3.4.1 प्रत्येक व्यापारिक सदस्य अपने संघटकों को सभी ऐसे सुसंगत ब्यौरों, जो इसमें पूरे किए जाने के लिए अपेक्षित हों, के साथ उपाबंध 2 में यथाविनिर्दिष्ट ऐसे प्ररूप में निष्पादित व्यापार के लिए एक संविदा नोट जारी करेगा और उसे ऐसी रीति से और ऐसे समय के भीतर जारी करेगा जैसाकि एक्सचेंज का एफ. एंड ओ. खंड विनिर्दिष्ट करे।
- 3.4.2 संविदा नोट व्यापारिक सदस्य या उसके प्राधिकृत हस्ताक्षरकर्ता या गठित अटार्नी द्वारा हन्ताक्षरित होगा ।
- 3.4.3 संविदा नोट पर आदेश की प्राप्ति के तथा प्राप्ति समय की स्टांप लगी और उसमें आदेश निष्पादन का समय भी सम्मिलित होगा ।

3.5 दलाली

- 3.5.1 व्यापारिक प्रणाली में प्रविष्ट किए गए सभी आदेशों की कीमत में दलाली शामिल नहीं होगी।
- 3.5.2 व्यापारिक सदस्य उत्त दर पर दलाली प्रभारित करेगे जो एक्सचेंज के एक एंड ओ खंड द्वारा समय-समय पर विनिर्दिष्ट स्केल से अनिधक नहीं होगी ।
- 3.5.3 व्यापारिक सदस्य अपने संघटकों से दलाली पृथक् रूप से प्रभारित करेगा और इसे संविदा टिप्पणी में कीमत से पृथक् रूप से उपदर्शित किया जाएगा ।

3.6 निक्षेप अपेक्षाएं

- 3.6.1 व्यापारिक सदस्य, एक्सचेंज के एफ एंड ओ खंड को, ऐसे समय के भीतर, जो अधिसूचित किया जाए, ऐसे निक्षेप उपलब्ध करवाएगा, जो समय-समय पर, विनिर्दिष्ट किए जाएं !
- 3.6.2 एक्सवेंज का एफ एंड ओ खंड समय-समय पर प्रतिभूतियों की ऐसी श्रेणियां विनिर्दिष्ट करेगा जो ऐसे निक्षेप के लिए पात्र होंगी और वह उन प्रतिभूतियों के मूल्याकन की विधि और रकम को भी विनिर्दिष्ट करेगा जो निक्षेप के लिए अपेक्षित होगी।
- 3.6.3 व्यापारिक सदस्य ऐसे निक्षेप रोकड़ के रूप में, निक्षेप पावतियां, सुसगत प्राधिकारी द्वारा अनुमोदित बैंक(कों) की प्रतिभूतियां या उसके द्वारा अनुमोदित प्रतिभूतियां या यथा अनुमोदित ऐसे अन्य प्रकार या ऐसे निबंधनों और शर्तों के अधीन, जो सुसंगत प्राधिकारी द्वारा समय-समय अधिरोपित की जाएं, निक्षेप करने के लिए अपेक्षित होगा।
- 3.6.4 निक्षेप के प्रतिदाय की प्रक्रिया ऐसी होगी जो एक्सचेंज के एफ एंड ओ खंड द्वारा समय-समय पर यथा अधिसूचित की जाए ।

3.7 मार्जिन अपेकाएं

- 3.7.1 एक्सचेंज की उपविधि, समाशोधन निगम उपविधि और तत्समय प्रवृत विनियमों के अधीन प्रत्येक व्यापारिक सदस्य/सहभागी उस व्यापार के लिए, जिसमें वह एक पक्षकार है, वह एक्सचेंज के एफ एंड ओ खंड/समाशोधन निगम/समाशोधन सदस्य के पास एक्सचेंज के एफ एंड ओ खंड/समाशोधन निगम द्वारा विनिर्दिष्ट रीति और विस्तार तक मार्जिन का निक्षेप करेगा । जब किसी सहभागी द्वारा कोई मार्जिन संदेय होता है, जब तक कि एक्सचेंज के एफ एंड ओ खंड/समाशोधन निगम द्वारा अन्यथा निदेश न किया जाए वह ऐसे मार्जिन का संदाय प्रत्यक्षतः समाशोधन सदस्य को करेगा ।
- 3.7.2 एक्सचेंज का एफ एंड ओ खंड/समाशोधन निगम समय-समय पर व्युत्पन्नी संविदाओं, परिनिर्धारण अविधयों, और व्यापार के ऐसे प्रकारों को समय-समय पर विनिर्दिष्ट करेगा जिन पर मार्जिन लागू होता है।
- 3.7.3 एक्सचेंज का एफ एंड ओ खंड/समाशोधन निगम/समाशोधन सदस्य, जोखिम पर मृत्य की अवधारणा का प्रयोग करते हुए, व्युत्पन्नी संविदाओं पर आरम्भिक मार्जिन उद्गृहीत करेगा और यह एक दिन की हानि को कवर करेगा जो कि प्रास्थित पर 99% दिनों पर हो सकती है।
- 3.7.4 एक्सचेंज के एफ एंड ओ खंड/समाशोधन निगम के पास मार्जिन ऐसे समय के भीतर जमा किया जाएगा जैसा एक्सचेंज के एफ एंड ओ खंड/समाशोधन निगम द्वारा समय-समय पर, अधिसूचित किया जाए।
- 3.7.5 एक्सचेंज का एफ एंड ओ खंड/समाशोधन निगम मार्जिन निक्षेप के लिए प्रतिभृतियों की पात्र श्रेणियों के साथ मूल्याकंन की विधि और प्रतिभृतियों की रकम को, जो कि मार्जिन की रकम के निक्षेप के लिए अपेक्षित है, समय-समय पर विनिर्दिष्ट करेगा।
- 3.7.6 मार्जिन की पुर्नअदायगी/समायोजन की प्रक्रिया एक्सचेंज के एफ एंड ओ खंड/समाशोधन निगम द्वारा समय-समय पर यथा अधिसूचित की जाएगी ।
- 3.7.7 एक्सचेंजं का एफ एंड ओ खंड/समाशोधन निगम किसी विशेष व्यापारिक सदस्य/सहभागी या व्यापारिक सदस्य/सहभागी की श्रेणी विशेष पर कोई विशेष या अन्य मार्जिन अपेक्षाएं अधिरोपित कर सकता है।

3.8 संघटकों से मार्जिन

(क) व्यापारिक सदस्य के अपने संघटकों से मार्जिन निक्षेप की मांग अवश्य करनी है जो इन विनियमों के अधीन, रांघटकों के लिए सदस्य द्वारा किए गए कारोबार के लिए सदस्य द्वारा उपलब्ध करवाया जाना है।

व्यापारिक सदस्य संघटकों की ओर से व्युत्पन्नी संविदाओं का क्रय और/या विक्रय तभी करेगा जब खरीद के लिए प्रस्तावित व्युत्पन्नी संविदाओं की कीमत पर समय-समय पर, सुसंगत प्राधिकारी द्वारा विनिश्चित गार्जिन के ऐसे न्यूनतम प्रतिशत को प्राप्त नहीं कर लेता है, जब तक कि संघटक का व्यापारिक सदस्य के पास समतुल्य प्रत्यय न हो । व्यापारिक सदस्य संघटकों से, जैसा कि वह ठीक सगझे, उच्च मार्जिन संगृहीत कर सकता है ।

व्यापारिक सदस्य संघटकों से लिखित वचनबंघ लेगा कि वह, अर्थात् संघटक समय-समय पर अब कहा जाए तो वह तत्क्षण इन नियमों और विनियमों के अधीन संघटक के लिए और/या संघटक द्वारा संबंधित व्यापारिक सदस्य के साथ मंजूर किए गए अनुसार, किए गए कारबार के लिए मार्जिन निक्षेप और /या अतिरिक्त मार्जिन प्रस्तुत करेगा।

व्यापारिक सदस्य अपने संघटकों से, ऐसे संघटकों के लिए सदस्यों द्वारा किए गए कारबार के लिए, अपने संघटकों से, ऐसे संघटकों के लिए सदस्यों द्वारा किए गए कारोबार के लिए, समाशोधन निगम के विनियमों के अनुसार दैनिक परिनिर्धारणों से उद्भूत रकम की या ऐसी उंची रकम की मांग करेगा जो वह ठीक समझे। व्यापारिक सदस्य प्रशासनिक सुविधा के लिए यदि वह ऐसी वांछा करता है, पहले से मंजूर किए गए स्तर तक दैनिक आधार पर परिनिर्धारण रकम का संग्रहण और संदाय करने से बचने के लिए दैनिक परिनिर्धारण मार्जिन तुलन रन्न सकता है, जिसे अनुस्क्षण मार्जिन कहा जाएगा।

(ख) व्यतिक्रमी संघटक

संघटकों द्वारा, अगले व्यापारिक दिन के भीतर दैनिक परिनिर्धारण का संदाय नहीं करने के मामले में, व्यापारिक सदस्य को व्युत्पन्ती संविदाओं का यथास्थिति, क्रय या विक्रय करके संव्यवहारों की बंदी करने की स्वतन्त्रता होगी जब तक कि संघटक का व्यापारिक सदस्य के पास समतुल्य प्रत्यय न हो । इस संबंध में उपगत हानि, यदि कोई हो, को संघटक के मार्जिन घन से पूरा किया जाएगा ।

संघटक द्वारा संविदा टिप्पण के परिदान से अगले व्यापारिक दिन के भीतर संविदा के पूर्ण निष्पादन के लिए अगले व्यापारिक दिन में असफल रहने की दशा में, संघटकों के लिए हाथ में ली गई खुली क्रय पारिस्थिति के मामले में, व्यापारिक सदस्य को व्यात्पन्नी संविदाओं का विक्रय करके संव्यवहारों की बंदी करने की स्वतन्त्रता होगी जब तक कि संघटक के व्यापारिक सदस्य के पास समतुल्य प्रत्यय नहीं है। इस संबंध में उपगत हानि, यदि कोई हो, को संघटक के मार्जिन धन से पूरा किया जाएगा।

संघटकों के लिए हाथ में ली गई खुली विक्रय प्रास्थिति के मामले में, व्यापारिक सदस्य को व्युत्पन्नी संविदाओं का क्रय शुरू करके संव्यवहारों की बंदी करने की स्वतन्त्रता होगी यदि संघटक संबंधित परिनिर्धारण अवधि के लिए एक्सचेंज के एफ एंड ओ खंड निष्पादित संव्यवहार से अगले कार्य दिवस के भीतर खुली प्रास्थिति के संबंध में बाध्यताओं को पूरा करने में असफल रहता है। संव्यवहार पर हानि, यदि कोई हो, को संघटक के मार्जिन धन से कटौती की जा सकेगी।

4. व्यापारिक सदस्यों द्वारा कारबार का संचालन

4.1 कार्यालय से संबंधित प्रक्रिया

- 4.1.1 व्यापारिक सदस्य का कोई भी कार्यालय एक्सचेंज के एफ एंड ओ खंड के पूर्वीनुमोदन के बिना, एन एस ई पर व्यापार के लिए उपयोग नहीं किया जाएगा ।
- 4.1.2 एन एस ई में व्यापार करने वाला प्रत्येक कार्यालय उसे स्थापित करने वाले व्यापारिक सदस्य के पर्यवेक्षण तथा नियंत्रण के अधीन और उस व्यक्ति के अधीन रहेगा जिसे इस संबंध में प्राधिकार या उत्तरदायित्व सौंपा गया हो ।
- 4.1.3 प्रत्येक व्यापारिक सदस्य इस बात को सुनिश्चित करेगा कि व्यापारिक प्रणाली में उसकी ओर से कार्य करने वाले व्यक्ति पेशेवर विशेषज्ञता और सत्यनिष्ठा के उचे मानकों का पालन करें।
- 4.1.4 प्रत्येक व्यापारिक सदस्य हर समय अवसंरचना, कर्मचारिवृन्द, संचार सुविधाएं और अभिलेख रखेगा ताकि वह संतोषजनक रूप से सेबी अधिनियम, 1992 और उसके तद्धीन बनाए गए विनियमों, प्रतिमूति संविदा (विनियमन)

अधिनियम, 1956 और/या उसके अधीन नियमों, एक्सचेंज उपविधियों, नियमों और विनियमों या तत्समय प्रवृत्त अन्य सुसंगत अधिनियम(मों) की अपेक्षाओं के अधीन अपने संघटकों की सेवा प्रदान करने में सफल हो सके ।

4.1.5 जहां पर एक्सचेंज का एफ एंड ओ खंड संवतः या अन्य व्यापारिक सदस्य या संघटक की शिकायत पर लोकहित में ऐसा करना समीचीन समझे, वह व्यापारिक सदस्य से सेवा के स्तर या व्यापारिक सदस्य के या उसके किसी कर्मचारिवृन्द से पेशेवर आचार के विषय में जहां पर ऐसी सेवा या पेशेवर आचार अंसतोषजनक या एक्सचेंज उपविधियों, नियमों और विनियमों, या उनके अधीन जारी अधिसूचनाओं, निदेशों या परिपत्रों में प्रगणित सिद्धान्तों के विरुद्ध पाया जाता है तो स्पष्टीकरण मांग सकता है।

4.2 पर्यवेशण

4.2.1 अनुसरण किए जाने के लिए प्रक्रिया

- (क) प्रत्येक व्यापारिक सदस्य अपने कारबार का पर्यवेक्षण करने के लिए और अपने कर्मचारियों के क्रियाकलामों का, जो कि युक्तियुक्तरूम से एन एस ई की उपविधियों, नियमों और विनियमों और उसके तद्धीन जारी किसी अधिसूचना, निदेशों आदि के साथ कानूनी अधिनियमों का अनुपालन करने के लिए डिजाइन किए गए हैं, अनुपालन करने के लिए प्रक्रियाएं स्थापित, अनुरक्षित और प्रवृत्त कराएगा । अपने कारबार और कर्मचारियों के क्रियाकलामों का पर्यवेक्षण करने के लिए ऐसी प्रक्रियाएं, एक्सचेंज के एक एंड ओ खंड द्वारा उपलब्ध करवाए गए पर्यवेक्षणीय प्रक्रिया मैनुअल, यदि कोई हो, के अनुसार होगी ।
- (ख) व्यापारिक सदस्य, उन सब व्यक्थितों के नामों का, जो पर्यवेक्षीय कार्मिक के रूप में पदामिहित किए गए हैं और उन तारीखों का, जिनके लिए ऐसा पदामिधान प्रभावी था का एक आंतरिक अमिलेख रखेगा। व्यापारिक सदस्य द्वारा ऐसा अमिलेख तीन वर्ष से अन्यून अविध के लिए रखा जाएगा।
- (ग) प्रत्येक व्यापारिक सदस्य लिखित में ऐसे व्यक्ति या व्यक्तियों को प्राधिकृत करेगा जो कि व्यापारिक सदस्य की ओर से स्वयंवहार करने और ऐसे कृत्य करने के लिए, जिन्हें व्यापारिक सदस्य ऐसे व्यक्ति को प्रत्यायोजित करना चाहता है, के लिए प्राधिकृत कर सकेगा और वह ऐसे व्यक्तियों द्वारा एक्सचेंज के एफ एंड ओ खंड में किसी कारबार का संव्यवहार करने से पहले, ऐसे मुख्तारनामें की प्रति एक्सचेंज के एफ एंड ओ खंड को उपलब्ध करवाएगा।
- (घ) व्यापारिक सदस्य ऐसे अमिलेख रखेगा और उन्हें जांच के लिए एफ एंड ओ खंड के द्वारा इस निमित्त प्राधिकृत व्यक्ति को, ऐसे व्यापारिक सदस्य की एक्सचेंज के एफ एंड ओ खंड द्वारा इस प्रयोजन के लिए विनिर्दिष्ट वित्तीय स्थिति से संबंधित सूचना उपलब्ध करवाएगा ।
- (ङ) व्यापारिक सदस्य, एक्सचेंज के एक एंड ओ खंड द्वारा अपेक्षित समय और रीति में एक्सचेंज के एक एंड ओ खंड द्वारा समय-समय पर अधिसूचित फीस, प्रमार और अन्य राशियों का भुगतान करेगा ।
- (च) व्यापारिक सदस्य एक्सचेंज के एफ एंड ओ खंड को व्यापारिक सदस्य की हैसियत और गठन, प्रचालन तथा क्रियाकलापों में परिवर्तन की सूचना अवस्य देगा ।

4.2.2 आंतरिक निरीक्षण

प्रत्येक व्यापारिक सदस्य उस कारबार का, जिसमें वह रत है, कम से कम वार्षिक रूप से समीक्षा अवश्य करेगा, जोकि युक्तियुक्त रूप से सेबी अधिनियम, 1992 और उसके अधीन बनाए गए विनियमों, प्रतिभूति संविदा (विनियमन) अधिनियम, 1958 और/या उसके अधीन बनाए गए नियम और एक्सचेंज उपविधियों, नियमों और विनियमों के अतिक्रमण का पता लगाने और निवारण करने में सहायता करने के लिए डिजाइन किया गया हो।

4.2.3 लिखित अनुमोदन

प्रत्येक व्यापारिक सदस्य सभी संव्यवहारों और किसी संव्यवहार की याचना या निष्पादन से संबंधित सारे पत्राचार के आंतरिक अभिलेखों की समीक्षा और उन पर समुचित ज्येष्ठ अधिकारी के लिखित में पृष्ठाकंन के लिए एक प्रक्रिया स्थापित करेगा।

4.2.4 अहंता अन्वेषण

प्रत्येक व्यापारिक सदस्य का यह दायित्व होगा कि वह एक्सचेंज के एफ एंड ओ खंड में अनुमोदित प्रयोगकर्ता के रूप में किसी व्यक्ति के आवदेन के रिजस्ट्रीकरण के प्रमाणन के पूर्व उसके अच्छे चरित्र, कारबार ख्याति, अर्हता, और अनुभव का अभिनिश्चय कर ले ।

4.3 संघटकों के साथ संबंध

- 4.3.1 प्रत्येक व्यापारिक सदस्य, अपने संघटकों की ओर से आदेश स्वीकार करने या देने से पूर्व, अपने प्रत्येक संघटक के साथ एक करार करेगा । ऐसे करार में, एक्सचेंज के एफ एंड ओ खंड के अनुबंध 3 में इस निमित्त विनिर्दिष्ट उपबंध शामिल होंगे । इसमें संघटक पद में सहमागी शामिल नहीं है । एक्सचेंज का एफ एंड ओ खंड संघटकों को ऐसी किस्मों में श्रेणीबद्ध कर सकता है जो वह उपर्युक्त प्रयोजनों के लिए आवश्यक समझे एफ एंड ओ खंड संघटक की श्रेणी के आधार पर किए जाने वाले करारों में शामिल किए जाने वाले खंडों को भी विनिर्दिष्ट करेगा । यद्यपि, व्यापारिक सदस्य का दायित्व किसी भी प्रकार से संघटक के साथ करार का विध्यादन नहीं किए जाने से कम नहीं होगा ।
- 4.3.2 किसी नए संघटक के साथ संबंध स्थापित करते समय, व्यापारिक सदस्य, नए संघटक को संघटक रिजस्ट्रीकरण प्रस्त्य, जिसका माडल अनुबंध 4 में विनिर्दिष्ट किया गया है, जारी करके उसकी पृष्ठभूमि, उसकी असलीयत, हितप्रद पहचान, वित्तीय मजबूती और विनिधान प्रयोजनों का पता लगाने के लिए युक्तियुक्त कदम उठाएगा । व्यापारिक सदस्य व्यष्टिक संघटक से मिन्न अन्य संघटकों से व्युत्पन्तीं में व्यापार अनुझात करने वाले बोर्ड संकल्प की अनुमोदित प्रति भी अभिप्राप्त करेगा ।
- 4.3.3 व्यापारिक सदस्य, संघटक को उस व्यापारिक खंड से, जिसमें वह शामिल किया गया है, सेबी रिजस्ट्रीकरण संख्या, संघटक कार्यों के लिए मुख्यतः उत्तरदायी कर्मचारी से, किए जाने वाले कारबार में व्यापारिक सदस्य के प्रमित उत्तरदायित्व, व्युत्पन्नी कारबार से संबंधित टिस्क, जिसमें उस उत्तरदायित्व पर कोई परिसीमा शामिल है और वह हैसियत, जिसमें व्यापारिक सदस्य कार्य करता है, से संघटक को अनुबंध 5 में विनिर्दिष्ट टिस्क प्रकटन दस्तावेज की प्रति जारी करके अवगत कराएगा ।
- 4.3.4 व्यापारिक सदस्य, व्यापारिक सदस्य उपविधि, नियम और विनियमों में विनिर्दिष्ट सहभागी सिंहत के संघटकों के नाते संघटक के अधिकारों और बाध्यताओं को विनियमित करने वाले सुसंगत उपबंधों का सार सुसंगत मैनुअल अधिसूचनाएं, परिपन्न का एक्सचेंज के एफ एंड ओ खंड में परिवर्धन या सशोधन या उस विस्तार तक किसी विनियामक प्राधिकरण से, जिस तक वह व्यापारिक सदस्य और उसके संघटकों के बीच संबंधों को विनियमित करती है, संघटकों को बिना किसी अतिरिक्त कीमत के अवगत कराएगा !
- 4.3.5 व्यापारिक सदस्य संहमागियों सहित अपने संघटकों की जानकारी में उस पर एक्सचेंज के एफ एंड ओ खंड या किसी अन्य विनियामक प्राधिकरण द्वारा इस पर अधिरोपित किन्हीं अभ्यारोपणों, शास्तियों, इत्यादि को लाएगा ।

4.3.6 व्यापारिक सदस्य की सिफारिशें

- i) व्यापारिक सदस्य उसके संघटक के साथ संव्यवहारों में सुसंगत तात्विक सूचना का पर्याप्त प्रकटन करेगा ।
- ii) व्यापारिक सदस्य के साथ सहयुक्त कोई भी व्यक्ति किसी संघटक के ऐसे व्यापारिक सदस्य द्वारा प्रभावी संव्यवहार में हानि के लिए गारंटी नहीं देगा ।

4.4 व्यापारिक सदस्य और संघटक के बीच संबंधों को विनियमित करने के लिए मार्गदर्शी सिद्धांत

- 4.4.1 व्यापारिक सदस्य, व्यापारिक प्रणाली में व्युत्पन्नी संविदाओं के क्रय और विक्रय की सिफारिश तब तक न्हीं करेगा जब तक कि उसके पास इस बात का विश्वास करने का युक्तियुक्त आधार न हो कि ऐसी सिफारिश संघटक द्वारा प्रकट किए गए तथ्यों के आधार पर, यदि कोई हों, चाहे लिखित में हों या मौखिक रूप में उद्देश्यों, संघटक की व्युत्पन्नी संविदाओं तथा अंतर्निहित प्रतिभृतियों, वित्तीय सुदृढ़ता और विनिधान के विषय में के आधार पर संघटक को यथोचित हैं।
- 4.4.2 व्यापारिक सदस्य अपने संघटक के साथ अपने व्याहारों में सुसंगत तात्विक सूचना का यथोचित प्रकटन करेगा जिसमें व्यापार की जालू सर्वोत्तम कीमत और व्यापारिक प्रणाली में व्यापार या आदेश की मात्रा के संघटकों की आपस में कोई आबंटन नीति, एक्सचेंज के एफ एंड ओ खंड की मार्जिन, कीमत मात्रा से संबंधित व्यापारिक निबंधन या जहां पर व्यापारिक सदस्य संघटक के साथ एनईएटी प्रणाली में निष्पादित व्यापार में प्रतिपक्ष है, से संबंधित सुसंगत घोषणाएं शामिल हैं।
- 4.4.3 जहां पर व्यापारिक सदस्य संघटक के लिए या उसकी ओर से वैवेकिक लेखे का प्रबंधन करता है वह भारत के प्रतिभूति और एक्सचेंज बोर्ड (पोर्टफोलियो प्रबंधक नियम और विनियम, 1993) का पालन करेगा ।
- 4.4.4 व्यापारिक सदस्य, संघटक को किसी विशेष व्युत्पन्नी संविदा में व्यापार करने हेतु उत्प्रेरित करने के कोई झूठी या भ्रामक सूचना या सलाह नहीं देगा जिससे कि व्यापारी सदस्य कोई लाम उठाने में सक्षम हो सके ।
- 4.4.5 संघटक से कोई आदेश स्वीकार करने से पहले व्यापारी सदस्य उसे एनईएटी व्यापार प्रणाली और आदेश मैचिंग प्रणाली स्पष्ट करेगा ।
- 4.4.6 जहां पर कोई संघटक आदेश करना चाहता है या प्रणाली में आदेश प्रविष्ट होने से पहले परन्तु जिस पर कोई व्यापार नहीं किया गया है, को उपान्तरित किया जाना है तो व्यापारिक सदस्य इस बात का सुनिश्चय करेगा कि वह संघटक से आदेश निरस्त उपांतरित करने का विवरण लिखित में प्राप्त करे। तद्नुसार, व्यापारिक सदस्य संघटक को तत्काल सुसंगत आदेश की पुष्टि/उपान्तरण स्लिप या उसकी प्रति उपलब्ध कराएगा।
- 4.4.7 जहां पर कोई संघटक अपने किसी आदेश को प्रणाली में प्रविष्ट होने के पश्चात् परन्तु निष्पादित होने से पहले निरस्त करना चाहता है, व्यापारिक सदस्य संघटक से निरस्तीकरण विविरण लिखित में अभिप्राप्त करेगा । तद्नुसार व्यापारिक सदस्य संघटकं को सुसंगत निरस्तीकरण विवरण तत्काल उपलब्ध कराएगा ।
- 4.4.8 व्यापारिक सदस्य, किसी आदेश, जिसे वह संघटक से प्राप्त करता है, के लिए अनुदेशों में परिदान और संदाय अपेक्षाओं को लिखित में अभिप्राप्त करेगा । जब व्यापारिक सदस्य संघटक से आदेश उपान्तरित करने या निरस्त करने के लिए अनुरोध प्राप्त करता है और इस बीच आदेश का परिणाम व्यापार हो गया है तो वह सम्यक् रूप से उनकी जानकारी में लाएगा कि उपान्तरण या निरस्त करने के लिए आदेश निष्पादित नहीं किया जा सकता है।

- 4.4.9 व्यापारिक सदस्य संघटक के व्युत्पन्ती संविदाओं के लिए आंदेश/अनिष्पादित शेष का संदाय या उसे रोककर नहीं रखेगा । व्यापारिक सदस्य सारे आवेश तत्काल किरंगा ।
- 4.4.10 व्यापारिक सदस्य शीघ्रता से संघटक द्वारा दिए गए आदेशों के अनुसार, कार्य करेगा सिवाय तब के जब आदेश प्रविष्ट करने और/या निष्पादित करने के समय के संबंध में उसके पास विवेकाधिकार हो, ऐसे मामले में प्रणासी में उस आदेश को प्रविष्ट कराने के लिए सर्वोत्तम समय के लिए वह अपनी विवेकबुद्धि का प्रयोग करेगा।
- 4.4.11 व्यापारिक सदस्य, व्यापार प्रणाली में यंथा सृष्ठित, व्यापार पुष्टि की प्रति, निष्पादित व्यापार के लिए संविदा टिप्पण सहित व्यापार निष्पादित होने पर तत्काल संघटक को उपलब्ध कराएगा ।
- 4.4.12 संघटक और दलाओं के मध्यं संव्यवहारों का विनियमन करने से संबंधित सेबी द्वारा जारी मार्गदर्शी सिद्धांतों के अतिरिक्त, सदस्य संघटक के धन को एक पृथक बैंक खाते में रखेगा । दलाल के व्यतिक्रम को पूरा करने के लिए बैंक, संघटक के खाते तक किसी भी प्रकार नहीं पहुंचेगा, सिवाय तब के जब संघटक द्वारा विनिर्दिष्ट किया गया हो ।
- 4.4.13 जब संघटक की ओर से निष्पादित संव्यवहार पर सदस्य द्वारा मार्जिन घन का संदाय करना अपेक्षित हो तो वह इसे एनएसईआईएल द्वारा विनिर्दिष्ट रीति और प्रकार से संघटक से एकत्रित करेगा ।
- 4.4.14 जहां पर संघटक निर्धादित व्यापार को निरस्त करना चाहता है, व्यापारिक सदस्य संघटक से व्यापार निरस्त करने के लिए लिखित अनुरोध अभिप्राप्त करेगा । वह पूर्वतम, व्यापारिक प्रणाली पर व्यापार निरस्त करने के लिए अनुरोध करेगा । वह प्रतिपक्ष के भी ऐसा अनुरोध करने के लिए सम्यक रूप से पूर्वतम सूचित करेगा । सदस्य व्यापार निरस्तीकरण के सभी अनुरोधों के मामले में, संघटक को स्पष्ट करेगा कि व्यापार निरस्तीकरण के ऐसे अनुरोधों को अनुमोदित करने का अधिकार एक्सचेंज के एफ एंड ओ खंड के पास है ।

4.5 व्यापारिक सदस्यों के लिए आचार संहिता

4.5.1 सेबी आचार संहिता से अनुपक्ति

व्यापारिक सदस्य सभी समयों पर भारत के प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (स्टाक ब्रोकर और सब ब्रोकर) विनियम, 1992 का अभिदाता रहेगा ।

.5.2 सामान्य सिद्धांत

- (कं) व्यापारिक सदस्य अपने ग्राहक के साथ अपने व्यौहारों में सुसंगत तात्विक सूचना का यथोचित प्रकटन करेगा ।
 - (ख) कोई भी व्यापारिक सदस्य या व्यापारी सदस्य से सहबद्ध कोई व्यक्ति किसी ग्राहक को, व्यापारी सदस्य द्वारा प्रभावी संव्यवहार में, ऐसे ग्राहक की हानि के खिलाफ गारंटी नहीं देगा ।
 - (ग) वृत्तिकताः व्यापारिक सदस्य अपने कारबार के संचालन में व्यापार के न्यायसंगत तथा साम्यपूर्ण सिद्धांतों वे. उच्च वाणिज्यिक मानकों का पालन करेगा ।
 - (घ) व्यापार सिद्धान्तों से अनुषक्ति : व्यापारी सदस्य एक्सचेंज के नियमों, विनियमों और उप विधियों से अनुषक्ति करेगा और समय-समय पर लागू सुसंगत प्राधिकारी के यथा प्रचालक पैरामीटरों, विनिर्णयों, मार्गदर्शी सिद्धांतों और अनुदेशों का अनुपालन करेगा ।

- (ङ) ईमानदारी और औचित्य: अपने कारबार क्रियाकलापों का संचालन करने में व्यापारिक सदस्य अपने संघटकों के सर्वोच्च हित के लिए ईमानदारी और औचित्यपूर्ण रूप से कार्य करेगा।
- (च) सामर्थ्य व्यापारिक सदस्य के पास उसके कारबार के उचित निष्पादन के लिए आवश्यक स्रोत और प्रक्रिया होगी तथा, उन्हें प्रभावी रूप से लागू करेगा ।

4.5.3 व्यापार के सिद्धान्त

- (क) व्यापारिक सदस्य/सहमागी इस बात को सुनिश्चित करेंगे कि उनके और उनके कर्मचारिवृन्द के उपर विभिन्न कानूनी अधिनियमों, नियमों और दिनियमों द्वारा अधिरोपित वैश्वासिक और अन्य बाध्यताओं का अनुपालन किया जाए।
 - (ख) व्यापारिक सदस्य/सहभागी सुनिश्चय करेंगे कि -
 - (i) कोई कर्मचारी, जो किसी संव्यवहार के लिए व्यापारिक सदस्य या सहभागियों को वादा करता है, के पास ऐसा करने के लिए आवश्यक प्राधिकार हैं।
 - (ii) कर्मचारी सुसंगत बाजार के उस खंड में, जिसमें वह व्यौहार करते हैं प्रचालन में यथोचित रूप से प्रशिक्षित हैं या स्वयं उसके विषय में सुभिज्ञ हैं और वह अपने संगठन के दायित्व के साथ-साथ व्यापारिक सदस्य को अधिशासित करने वाले सुसंगत कानूनी अधिनियमों एफ एंड ओ खंड के नियमों, विनियमों और उपविधियों, जिनमें उनका कोई परिवर्धन या संशोधन शामिल है, से भिज्ञ हैं।
 - (ग) विनियम 3.1.6 और 3.1.7 पर प्रतिकूल प्रमाव डाले बिना, ष्यापारिक सदस्य सभी क्रियाकलापों के लिए, जिनमें उस समय पर निम्नलिखित परिवर्तियों व्यापारिक सदस्य पहचान और उपयोगकर्ता पहचान के माध्यम या उसके प्रयोग से उद्भूत सारे व्यापार के लिए उत्तरदायी होगा । यद्यपि, यदि व्यापारिक सदस्य एक्सचेंज के एफ एंड ओ खंड का यह समाधान कर देता है कि क्रियाकलाप और व्यापार उसके प्राधिकृत व्यक्ति से मिन्न किसी अन्य व्यक्ति के कपट या दुर्व्यपदेशन के कारण हुआ है और ऐसे क्रियाकलाप और व्यापार उसके किसी भी अनुमोदित कार्य स्थल से उद्भूत नहीं हुआ है, एक्सचेंज का एफ एंड ओ खंड ऐसे निदेश जारी कर सकता है जो वह न्यायसंगत और युक्तियुक्त समझे । निदेशों में मामले के माध्यस्थम के प्रति निर्देश या/और इस प्रकार प्रमावी व्यापार का शून्यकरण शामिल है ।
 - (घ) संघटकों की ओर से संव्यवहार में प्रविष्ट होने पर व्यापारिक सदस्य यह सुनिश्चित करेगा कि वे इन विनियमों के वर्तमान अध्याय में प्रमाणित आचार संहित का अनुपालन करें।
 - (ङ) कोई व्यापारिक सदस्य या व्यापारिक सदस्य से सहबद्ध कोई व्यक्ति व्युत्पन्नी संविदाओं या निधियों में संघटक की प्रतिभूतियों/प्रास्थिति का अनुचित प्रयोग नहीं करेगा ।
 - (च) कोई भी व्यापारिक सदस्य किसी सूचना, परिपत्र, विज्ञापन, समाचार-पत्र के लेख या किसी भी प्रकार के संदेश, जो कि किसी भी संव्यवहार के व्युत्पन्नी संविदाओं के विक्रय या क्रय के रूप में रिपोर्ट करना तात्पर्थित करता है सिवाए तब के जब तक ऐसा व्यापारिक सदस्य यदि उसे यह स्थापित करने के लिए कहा जाए कि ऐसा विक्रय या क्रय ऐसी संविद्या के लिए सद्भावपूर्वक किया गया है या जो कि किसी व्युत्पन्नी संविदा के लिए विक्रय/क्रय कीमत को कोट करने के लिए तात्पर्थित है सिवाय तब के जब तक ऐसा कोटेशन ऐसी व्युत्पन्नी संविदा के सदभावी आदेश का प्रतिनिधित्व करता है।
 - (छ) संव्यवहारों में प्रविष्ट होने के समय या उनकी व्यवस्था करते समय, व्यापारिक सदस्य इस बात का सुनिश्चय करेगा कि इस बात की बहुत सावधानी रखी जाए कि किसी भी समय संव्यवहार की प्रकृति दुर्व्यपदेशित न हो।

- (ज) कोई भी व्यापारिक सदस्य संघटक के लेखे में वैवेकिक शक्तियों का प्रयोग नहीं करेगा सिवाय तब जब ऐसे संघटक ने ऐसे व्यक्ति या व्यक्तियों को पहले ही लिखित में प्राधिकृत न किया हो और व्यापारिक सदस्य ने लेखे को स्वीकार कर लिया हो जैसे कि व्यापारिक सदस्य द्वारा लिखित में साक्ष्यित हों।
- (झ) व्यापारिक सदस्य कर्ता के रूप में कार्य नहीं करेगा या संघटक या संघटक के अभिकर्ता, कर्मचारी या संघटक, कर्मचारी या एजेंसी से सहबद्ध/अन्य किसी व्यक्ति के साथ कोई करार या व्यवस्था नहीं करेगा जिससे कि ऐसे घटक का कारबार प्राप्त करने के प्रयोजन के लिए उसे विशेष या अप्रायिक दरें दी जाएं।
- (इ) व्यापारिक सदस्य किसी संघटक का नाम और फायदाप्रद पहचान सिवाय एक्सचेंज के एफ एंड ओ खंड के जब और जैसे अपेक्षित हो, का, किसी व्यक्ति को प्रकटन नहीं करेगा ।

4.5.4 सामान्य मार्गदर्शी सिद्धांत

एक्सचेंज के एफ एंड ओ खंड में कारबार का संचालन करते हुए, व्यापारिक सदस्य निम्नलिखित व्यापारिक आचरण से दूर रहेगा —

(क) परिरक्षण या सहायता करना :

कोई व्यापारिक सदस्य किसी व्यापारिक सदस्य की, जिसकी उसे जानकारी है कि उसने एक्सचेंज के एफ एंड ओ खंड के किन्हीं नियमों, उपविधियों या विनियमों का या उनके अधीन शासी बोर्ड या प्रबंध निदेशक या किसी समिति या इस निमित्त एक्सचेंज के एफ एंड ओ खंड के किसी अधिकारी के किसी संकल्प, आदेश, नोटिस या निदेश को भंग किया है या उनका अपवंचन किया है, न ही परिक्षा करेगा या उसकी सहायता करेगा और न ही उसकी रिपोर्ट करना भूलेगा।

(ख) व्युत्पन्नी संविदाओं का निलम्बन :

एक्सचेंज के एफ एंड ओ खंड की अनुमति के बिना, व्यापारिक सदस्य उन व्युत्पन्नी संविदाओं में कारबार नहीं करेगा जिन्हें अधिकृत कोटेशन से निलंबित कर दिया गया है।

(ग) भ्रामक संव्यवहार

कोई व्यापारिक सदस्य :

- (i) बाजार के संबंध में या किसी व्युत्पन्नी संविदा की कीमत के संबंध में, मिथ्या या भ्रामक रूप सृजित करने की वांछा से बोली नहीं लगाएगा और/या उनके लिए प्रस्ताव नहीं करेगा।
- (ii) किसी संव्यवहार या ऐसी व्युत्पन्नी संविदाओं के क्रय के लिए आदेश नहीं करेगा जिनके निष्पादन पर लाभप्रद स्वामित्व में कोई परिवर्तन नहीं होता है, जब तक कि व्यापारिक सदस्य को ऐसी जानकारी न थी कि ऐसे संव्यवहार में व्युत्पन्नी संविदाओं के लाभप्रद स्वामित्व में परिवर्तन नहीं होगा ।

(घ) वैश्वासिक हैसियत में अभिप्राप्त जानकारी का उपयोग

कोई ऐसा व्यापारिक सदस्य जिसने संदाय अभिकर्ता, अंतरण अभिकर्ता, न्यासी या ऐसी ही किसी अन्य हैसियत से व्युत्पन्नीी संविदाओं के क्रय/विक्रय के विषय में कोई सूचना अभिप्रात की है तो वह उस सूचना का क्रय/विक्रय करने के प्रयोजनों के लिए प्रयोग नहीं करेगा सिवाय इस निमित्त प्रयोगकर्ता के अनुरोध पर, यदि कोई हो तो,

4.6 कपटपूर्ण और अऋजु व्यापारिक व्यवहार

- 4.6.1 कोई व्यापारिक सदस्य कपटपूर्ण रूप से किसी प्रतिभूति/व्युत्पन्नी संविदा को कपटपूर्ण रूप से न तो खरीदेगा, न ही बेचेगा या उसमें व्यौहार नहीं करेगा, या बाजार अभिचालन सहित अऋजू व्यापार व्यवहार में लिप्त नहीं होगा !
- 4.6.2 उक्त खंड में अंतर्विष्ट उपबंधों की व्यापकता पर प्रतिकूल प्रभाव डाले बिना कोई भी व्यक्ति बाजार अभिचालन में लिप्त नहीं होगा अर्थात् :
- 4.6.2.1 (क) ऐसी प्रतिभूतियों/व्युत्पन्नी संविदाओं को प्रभावी करने में प्रत्यक्षतः या अप्रत्यक्षतः भाग लेने, जिनसे सभवतः बाजार कृत्रिम रूप से उठेगा या गिरेगा या प्रतिभूतियों/व्युत्पन्नी संविदाओं का मूल्य कृत्रिम रूप से उठेगा या गिरेगा।
- (ख) ऐसे कृत्य में शामिल नहीं होगा जिसे प्रतिभूतियों/य्युत्पन्नी बाजार में, व्यापारिक मिथ्या या भ्रामक प्रभाव दर्शाने के लिए तैयार किया गया है और जिसका परिणाम ऐसे संव्यवहारों को आधार पर जो कि वास्तविक व्यापार संव्यवहार नहीं है, प्रतिभूतियों/व्युत्पन्नी संविदाओं की कीमतों का परावर्तन ।
- (ग) ऐसी प्रतिभूतियों का क्रय या विक्रय, जो लाभप्रद स्वामित्व के अंतरण के लिए आशयित नहीं हैं परन्तु वह प्रतिभूतियों/व्युत्पन्नी संविदाओं के बाजार मूल्य के अनुरक्षण, बढ़ाने, कम करने या उतार-चढ़ाव की एक युक्ति है, या
- (घ) प्रत्यक्षतः या अप्रत्यक्षतः, किसी व्यक्ति को कोई प्रतिभूति या प्रतिभूति में कोई संविदा के लिए संदाय, प्रस्ताव, या संदाय के लिए सहमत नहीं होगा, जिसका एकमात्र उद्देश्य प्रतिभूतियों/व्युत्पन्नी संविदाओं के बाजार मूल्य का अनुरक्षण, बढ़ाना, कम करना या उसमें उतार-चढ़ाव करना है।
- 4.6.2.2 कोई भी व्यक्ति ऐसा वक्तव्य नहीं देगा, या ऐसी सूवना का प्रसार नहीं करेगा जो किसी सामग्री विशेष में, भ्रामक हो और जब वह उसका प्रसार करे तो उससे अन्य व्यक्तियों को प्रतिभूतियों/व्युत्पन्नी संविदाओं की बिक्री के लिए उत्प्रेरित होने की संभावना हो या जिनसे प्रतिभूतियों/व्युत्पन्नी संविदाओं के बाजार मूल्य के स्थिरीकरण का अनुख्क्षण होने की संभावना हो ।
 - (क) वह इस बात का ध्यान नहीं करता है कि विवरण सही है या गलत ;
 - (ख) वह यह जानता है या उसे युक्ति-युक्त रूप से यह जानना चाहिए कि तात्विक रूप से सूचना गलत है या भ्रामक है।

4.6.2.3 कोई व्यापारिक सदस्य--

- (क) किसी ऐसे कार्य में नहीं लगेगा (अपने कारबार के दौरान प्रैक्टिस), जो किसी व्यक्ति पर किन्ही प्रतिभूतियों या व्युत्पन्नी संविदाओं के विक्रय के मामले में कपट का प्रवंचन के रूप में कार्य करे; या
- (ख) संघटक या कंपनी या निदेशक के उसी प्रतिभूति या प्रतिभूतियों में व्युत्पन्नी संविदाओं पर आदेश के निष्पादन के लंबन के दौरान स्वयं की ओर से या उससे सहबद्ध किसी व्यक्ति की ओर से या प्रतिभूतियों या व्युत्पन्नी संविदाओं का क्रय, विक्रय या व्यौहार नहीं करेगा ।
- (ग) अंतरिती के नाम प्रतिभूतियों या व्युत्पन्नी संविदाओं के अंतरण में विलम्ब नहीं करेगा जिसके परिणामस्वरूप, प्रतिभूतियों या प्रतिभूतियों में व्युत्पन्नी संविदाओं की कीमत मे वृद्धि हो ; या
- (घ) बाजार के अभिचालन के प्रयोजनों के लिए अपनी बहियों, खातों और अभिलेखों के मिथ्याकरण में नहीं लगेगा ; या

- (ङ) अभिकर्ता के रूप में कार्य करते समय संघटक के साथ किसी संव्यवहार को, एक्सचेंज के एफ एंड ओ खंड में निष्पादित कीमत से भिन्न कीमत पर या उस कीमत से भिन्न जिस पर व्युत्पन्नी संघटक के साथ संव्यवहार में इसका मुजरा किया गया था, निष्पादित नहीं करेगा।
- (च) संघटक के आदेश के विरूद्ध स्थिति नहीं लेगा या विपरीत आदेशों को निष्पादित नहीं करेगा जिन्हें वह दो संघटकों के लिए धारण कर रहा है सिवाए उस रीति से, जो एक्सचेंज का एफ एंड ओ खंड निर्दिष्ट करे।

5. अभिलेख, वार्षिक लेखे और लेखा परीक्षा

5.1 अभिलेख

- 5.1.1 प्रत्येक व्यापारिक सदस्य सुसंगत कानूनी अधिनियमों, जिसमें प्रतिभूति संविदा (विनियमन) अधिनियम, 1956 और उसके तद्धीन 1957 के नियम और भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड अधिनियम, 1992 और उसके तद्धीन नियम, विनियम और मार्गदर्शी सिद्धांत और केन्द्रीय सरकार और किसी कानूनी निकाय या स्थानीय प्राधिकारी या किसी निकाय या प्राधिकारी, जो लेखो और अभिलेखों के अनुरक्षण से संबंधित केन्द्रीय सरकार के निदेश या प्राधिकार के अधीन कार्य कर रहे हों, द्वारा जारी किसी अधिसूचना, निदेश और निर्देशों की या उनके अधीन अपेक्षाएं भी है का पालन करेगा।
- 5.1.2 उपर्युक्त विनियम 5.1.1 की अपेक्षा के अतिरिक्त, एक्सचेंज के एफ एंड ओ खंड का प्रत्येक सदस्य निम्नलिखित अपेक्षाओं का और ऐसी अन्य अपेक्षाओं का, जिन्हें लेखा बहियों, अभिलेखों और एक्सचेंज के एफ एंड ओ खंड में उसकी सदस्यता और व्यापार के संबंध में, इस निमित्त एक्सचेंज का एफ एंड ओ खंड अधिसूचित करे।
- 5.1.3 यदि कोई व्यापारिक सदस्य किसी अन्य मान्यताप्राप्त स्टॉक एक्सचेंज(जों) का सदस्य है, तो वह प्रत्येक मान्यताप्राप्त स्टाक एक्सचेंज में निष्पादित व्यापार के लिए पृथक लेखा बहियां, अमिलेख और दस्तावेज रखेगा ।
- 5.1.4 एक्सचेंज के एफ एंड ओ खंड का प्रत्येक सदस्य उसके कारबार से संबंधित अमिलेखों का पांच वर्ष की अविध के लिए अनुरक्षण करेगा ।
 - (क) एक्सचेंज के एफ एंड ओ खंड से यथाअभिप्राप्त आदेश पुष्टि स्लिपें, आदेश उपान्तरण स्लिपें ।
 - (ख) एक्सचेंज के एफ एंड ओ खंड से यथाअभिप्राप्त व्यापार पुष्टि स्लिपें और प्रयुक्ति नोटिस ।
 - (ंग) समाशोधन(नों) से प्राप्त बाध्यता विवरण ।
 - (घ) परिनिर्धारण अभिकरणों से प्राप्त सभी विवरणों के अभिलेख और उनके साथ पत्राचार के सभी अभिलेख ।
 - (ङ) निम्नलिखित को उपदर्शित करते हुए, संघटकों की आदेश पुस्तिका :
 - (1) आदेश प्राप्त करने वाले व्यक्ति की पहचान
 - (2) आदेश प्राप्त करने की तारीख और समय
 - (3) आदेश देने वाले व्यक्ति का नाम
 - (4) संघटक का नाम, क्रय और विक्रय किए जाने वाले व्युत्पन्नी संविदाओं का विवरण और मूल्य

- (5) विशेषकर मूल्य/दर परिसीमा दर्शाते हुए, आदेश के निबंधन और शर्ते या कीमत/दर से संबंधित अनुदेश और आदेश पर समय सीमा (यदि कोई हो)
- (6) एक्सचेंज के एफ एंड ओ खंड की व्यापारिक प्रणाली के अनुसार, एनईएटी आंदेश संख्या या, यथास्थिति, व्यापारिक सदस्य आंदेश संख्या ।
- (7) उसका कोई उपान्तरण या रहकरण, जिसमें प्रणाली द्वारा करना या संविदा के परिपक्त होने पर रह होना भी शामिल है।
- (8) यदि निष्पादित किया जाए तो वह कीमत और दर, जिस पर निष्पादित किया गया और किस विस्तार तक साध्य का निष्पादन रह करने का समय और एक्सचेंज के एफ एंड ओ खंड की व्यापारिक प्रणाली के अनुसार व्यापार संख्या।
- (9) निष्पादित आदेशों के मामले में जारी संविदा संदर्भ संख्या ।
- (10) विवेकाधीन शक्तियों के प्रयोग के अनुसरण में, प्रविष्ट आदेशों को इस प्रकार पदायहित किया जाएगा ।
- (11) आदेशों की प्रविष्टियों को क्रमवार सांख्याकित किया जाएगा ।
- (12) प्रत्येक संघटक के लिए सदस्य द्वारा संगृहीत अपफ्रांट निक्षेपों का विवरण, जिसमें प्ररूप और मूल्य, समुचित हेयरकट का विवरण हो ।
- (13) व्युत्पन्नी में व्यापार के लिए अनुमोदित प्रत्येक संघटक द्वारा निष्पादित जोखिम प्रकटन दस्तावेज ।
- (14) मांगा और दिया गया मार्जिन ।
- (च) व्यापारिक सदस्य के स्वयं के आदेशों की आदेश पुस्तिका ।
- (छ) प्रत्येक व्यापारिक सदस्य, व्यापारिक प्रणाली से प्राप्त निम्नलिखित रिपोर्टों को पांच वर्ष की अवधि के लिए बनाए रखेगा :
 - (1) क्रियाकलाप लाग
 - (2) आज तक रह किए गए आदेश
 - (3) आज तक के नए आदेश
 - (4) आज तक के बकाया आदेश
 - (5) आज तक किया गया व्यापार
- (ज) संघटकों से लिखित में प्राप्त सभी अनुदेशों की प्रतियां, जिसमें आदेश प्रतिस्थापन, आदेश उपांतरण, आदेश रहकरण, व्यापार रहकरण, आदि के लिए सहमागी भी हैं।
 - (झ) संघटकों की प्रतिभूतियों, उधार लिए गए या ऋण दिए गए धन, जिसमें प्राप्त धन भी है, पर प्राप्त ब्याज की बाबत अभिलेख ।
 - (अ) संघटकों से पृथक् रूप से संगृहीत की गई दलाली की बाबत अमिलेख ।
 - (ट) संघटकों की ओर से व्याप्रारिक सदस्य द्वारा निष्पादित संव्यवहारों का एक रजिस्टर (या मूल प्रविष्टि के अन्य अभिलेख) जिसमें प्रतिभूतियों के क्रय और विक्रय, प्रभावित प्रत्येक ऐसे संव्यवहार को दर्शित करने वाला अभिलेख, संविदा विनिर्देश, व्युत्पन्नी संविदा का मूल्य, व्युत्पन्नी संविदा की समाप्ति की तारीख, दलाली की कुल और शुद्ध दोनों, दर और संघटकों के नाम के मदवार दैनिक अभिलेख संव्यवहार अंतर्विष्ट हों।

- (ठ) व्यापारिक सदस्यों द्वारा स्वयं अपनी ओर से निष्पादित व्यापारों के लिए ऐसी विशिष्टियों, वाला संव्यवहार का रिजस्टर जैसा एक्सचेंज के एफ एंड ओ खंड द्वारा विनिर्दिष्ट किया जाए।
- (ड) प्रत्येक व्यापारिक सदस्य ऐसे अभिलेख और लेखा बहियां रखेगा, जो संविदा के संघटकों की अपनी स्वयं की संविदा से सुभिन्नता के लिए आवश्यक हों। ये वहां पी आर ओ एंड सी एल आई आधार पर रखे जाएंगे जहां प्रो से प्रोप्राइट्री अभिप्राप्त हैं (अपने स्वयं के मद्दे किए गए व्यापार को उपदर्शित करता है) और सी एल आई से संघटकों के लिए किया जाने वाला व्यापार अभिप्रेत है और यह दलाली की रकम और संघटकों से वसूल किए जाने वाले मार्जिन को अवधारित करने के लिए आवश्यक होता हैं। संघटकों की संविदा के लिए ऐसे अभिलेख अन्य बातों के साथ-साथ निम्नलिखित के लिए उपबंध करते हैं:--
 - (1) प्रतिभूति निक्षेप /मार्जिन आदि के रूप में व्यापारिक सदस्य अभिरक्षा में धारित संविदाएं । इसके लिए संघटकों से व्यापारिक सदस्य द्वारा समुचित प्राधिकार प्राप्त किया जाएगा ;
 - (2) मार्जिन अपेक्षाओं, आदि हेतु व्यापारिक सदस्य, यदि कोई हों, के नाम में रिजस्ट्रीकृत , संघटकों की प्रतिभृतियों के लिए पूर्णतया संदत्त ;
 - (3) व्यापारिक सदस्य को संघटकों से संगृहीत प्रभारों की बाबत अभिलेखों को बनाए रखना चाहिए ।
 - (4) व्यापारिक सदस्य की दीर्घ और लघु स्थिति और उसके प्रत्येक संघटकों के अभिलेख ।
- (ढ) संघटकों और व्यापारिक सदस्यों के अपने मद्दे व्यापारों के लिए प्रत्येक संघटक द्वारा जमा की गई मार्जिन की रकम और प्रत्येक संघटक को निर्मोचित मार्जिन की रकम से संबंधित विशिष्टियों वाली मार्जिन बही।
- 5.1.5.1 प्रत्येक समाशोधन सदस्य लेखाओं की ऐसी बहियों को 3 वर्ष की अविध के लिए रखेगा जो व्यापारिक सदस्य के रूप में उसके कारबार के संबंध में दिशत और सुमिन्न करने तथा प्रतिभूति संविदा (विनियमन) अधिनियम, 1956 के नियम 15 का पालन करने के लिए भी आवश्यक होगा :
 - (i) उनके प्रत्येक संघटकों से या उनके मद्दे प्राप्त धन और उनको संदत्त या उनके मद्दे धन, और;
 - (ii) व्यापारिक सदस्य के स्वयं के लेखे पर प्राप्त धन और संदत्त धन,
 - (iii) संघटकों के धन को सभी व्यापारिक सदस्यों के लिए एक पृथक् खाते में रखना अनिवार्य होगा । ऐसे संव्यवहार जिनमें व्यापारिक सदस्य मूल धन के रूप में धन प्राप्त करता है, के लिए संदाय संघटक के खाते से अनुज्ञात किया नहीं जाएगा ।
- 5.1.5.2 संघटक के खाते से व्यापारिक सदस्य के खाते में अंतरण नीचे प्रगणित की गई पारिस्थितियों के अधीन अनुझात किया जाएगा :--

(i) " संघटकों के खाते" में धन संदाय करने की बाध्यता

ऐसा प्रत्येक सदस्य, जो संघटक के मद्दे धन धारित करता है या प्राप्त करता है, ऐसे धन का संदाय तुरंत बैंक में संघटक शीर्षक वाले सदस्य के नाम में रखे गए चालू या जमा खाते में करेगा (जिसे इसमें इसके पश्चात् "संघटक खाता" कहा गया है) । व्यापारिक सदस्य सभी संघटकों के लिए एक संचित संघटक खाता रख सकेगा या प्रत्येक संघटक के नाम में अलग खाता रख सकेगा, जैसा वह ठीक समझे ; परंतु यह कि जब व्यापारिक सदस्य को संघटक के लिए भागतः धन प्रतिनिधित्व वाला कोई चैक या ड्राफट प्राप्त हो और जिसमें धन का कुछ भाग व्यापारिक सदस्य के लिए हो तो वह इस पूरे चैक या ड्राफट को संघटक के खाते में जमा करेगा और पैरा (iii ख) में नीचे यथाअधिकथित पश्चात्वर्ती अंतरण को प्रभावी बनाएगा ।

(ii) " संघटक के खाते" में सदत्त किया जाने वाला धन :

निम्नलिखित के सिवाय कोई धन संघटक के खाते से संदत्त नहीं किया जाएगा —

- (क) संघटक के मद्दे धारित या प्राप्त किया गया धन ;
- (ख) व्यापारिक सदस्य से संबंधित ऐसा धन, जो खाता खोलने या रखने के प्रयोजन के लिए आवश्यक हो ;
- (ग) किसी ऐसी धन राशि जो गलती या आकस्मिक रूप से द्वारा खाते से निकाल ली गई हो, के प्रतिस्थापन के लिए धन ;
- (घ) व्यापारिक सदस्य द्वारा प्राप्त चैक या झ्राफ्ट जिसमें धन का कुछ भाग संघटक का हो या कुछ व्यापारिक सदस्य को देय हो ।

(iii) " संघटक के खाते" से निकाला जाने वाला धन :

निम्नलिखित के सिवाय कोई धन संघटक के खाते से नहीं निकाला लिया जाएगा :

- (क) संघटकों से सदस्य को देय ऋण के संदाय हेतु या उनकी ओर से संदाय के लिए समुचित रूप से अपेक्षित धन या संघटकों के प्राधिकरण से निकाला गया धन या ऐसा धन जिसकी उस बाबत जहां संघटकों की व्यापारिक सदस्यों के प्रति देनदारियां है परंतु यह कि इस प्रकार निकाला गया धन किसी भी दशा में, ऐसे प्रत्येक संघटक के लिए तत्समय इस प्रकार धारित कुल धन से अधिक नहीं होगा।
- (खं) व्यापारिक सदस्यों से संबंधित ऐसा धन जो उपर्युक्त पैरा (iiख) और (iiघ) के अधीन संघटक के खाते में जमा कर दिया गया हो !
 - (ग) ऐसा धन जो गलती या आकस्मिक रूप से ऐसे खाते में जमा कर दिया गया हो ।
- (iv) <u>धारणा, मुजरा, आदि का अधिकार प्रभावित न होगा</u>: पैरा 1 में की कोई बात व्यापारिक सदस्य के किसी अवलंब या अधिकार को वंचित नहीं करेगी, चाहे वह संघटक के जमा खाते में जमा रकम के विरुद्ध धारणाधिकार, मुजरा, प्रतिदावा प्रभार(प्रभारों) या अन्यथा के रूप में हो ।
- 5.1.6 प्रत्येक व्यापारिक सदस्य एक्सचेंज के एफ एंड ओ खंड की अपेक्षाओं के अनुसार, अपने प्रत्येक संघटक के साथ निष्पादित करारों की प्रतियां स्थायी रूप से रखेगा ।
- 5.1.7 प्रत्येक व्यापारिक सदस्य तय करने वाले प्रत्येक अभिकरणों या **बैंकों के साथ निष्पादित करारों और दस्तावेजों** की प्रतियां स्थायी रूप से रखेगा ।
- 5.1.8 प्रत्येक व्यापारिक सदस्य ऐसे व्यक्तियों, जो एक्सचेंज के एफ एंड ओ खंड द्वारा अनुमोदित उपयोक्ता के रूप में अनुमोदित है, की सभी सुसंगत विशिष्टियों को रखेगा ।
- 5.1.9 प्रत्येक व्यापारिक सदस्य अपने व्यापार से संबंधित ऐसे व्यापारिक सदस्य से प्राप्त सभी संसचूनाओं मूल प्रतियों और उसके द्वारा भेजी गई सभी संसूचनाओं की प्रतियां रखेगा ।
- 5.1.10 प्रत्येक व्यापारिक सदस्य किसी खाते की बाबत दी गई सभी प्रत्याभूतियों और सभी मुख्तारनामों की सभी गिलिएमा और विवेकाधकार देने के लिए अन्य साक्ष्य तथा व्यापारिक सदस्य की ओर से कार्य करने के लिए अभिकर्ता को संभावत बनाने वाले संकल्प की प्रतियां रखेगा ।

- 5.1.11 प्रत्येक समाशोधन सदस्य अपने कारबार से संबंधित उस समाशोधन सदस्य द्वारा किए सभी लिखित करारों और दस्तादेजों (या उसकी प्रतियां), जिसमें किसी खाते की बाबात करार भी हैं, को रखेगा ।
- 5.1.12 प्रत्येक समाशोधन सदस्य किसी संघटक के खाते, जो ऐसे खाते के खोलने और उसको बनाए रखने, संघटकों के साथ किए गए करार की तारीख, उसके उपांतरण की तारीख, समाप्ति की अवधि और ऐसे संघटक, जो प्रत्येक मामले में हस्ताक्षर करता है, के प्रतिनिधि की बाबत निबंधनों और शर्तों से संबंधित है, को बंद करने के पश्चात् पांच वर्ष से अन्यून अवधि के लिए किसी भी अभिलेख को बनाए रखेगा।
- 5.1.13 व्यापारिक सदस्य एक्सचेंज के एफ एंड ओ खंड को उस स्थान की सूचना देगा जहां ये अभिलेख रखे जाते है और लेखा परीक्षा/निरीक्षण के लिए उपलब्ध होते हैं।
- 5.1.14 अभिलेख रखने से संबंधित सभी अपेक्षाएं न केवल प्रधान कार्यालय के सदस्यों को ही लागू होंगी अपितु उसके किसी शाखा कार्यालय और व्यापारिक सदस्य के कारबार को संवालित करने के प्रयोजन के लिए व्यापारिक सदस्य की स्वामित्व या नियंत्रण वाली किसी नामनिर्दिष्ट कंपनी को भी लागू होंगी ।
- 5.1.15 प्रत्येक व्यापारिक सदस्य अपने संघटकों की सभी लिखित शिकायतों का अभिलेख, संघटक की संदर्भ संख्या, तारीख, संघटकों का नाम, शिकायतों की विशिष्टियां, व्यापारिक सदस्य द्वारा की गई कार्रवाई यदि मामला एक्संचेंज के एफ एंड ओ खंड को माध्यस्थम् के लिए निर्देशित किया जाता है उसकी विशिष्टियां दर्शाते हुए रखेगा और सदस्य द्वारा शिकायत के समाधान के लिए अभिलेख को रखेगा और उन्हें बनाए रखेगा।
- 5.1.16 प्रत्येक समाशोधन सदस्य ऐसी प्रतिभूतियों, जो व्यापारिक शदस्य की संपत्ति हैं, जिसके साथ यह दर्शित करने वाली कि वे जमा की गई है और यदि सदस्य से अन्यथां द्वारा धारित हैं, चाहे वे ऋणों या अग्रिमों के लिए संपार्शिक प्रतिभृति के रूप में दर्ज की गई हों, के ब्यौरे रखेगा।
- 5.1.17 प्रत्येक समाशोधन सदस्य, सदस्य द्वारा जारी संविदा नोट और किसी ऐसे विवरण, जो संविदा नोट पर प्रकट करने के लिए इन नियमों द्वारा अपेक्षित है, के ब्यारों की प्रतिया/दूसरी प्रतियां को रखेगा ।
- 5.1.18 विनियम सं. 5.1.4, 5.1.5.1 और 5.1.12 के प्रयोजन के लिए, यथास्थिति, 5 वर्ष या 3 वर्ष की अवधि खाते के बंद होने की तारीख से या संघटक की संविदा की समाप्ति या ऐसे विवाद जहां व्यापारिक सदस्य या संघटक के बीच विवाद हों, के अंतिम समझौते या न्यायनिर्णय के पश्चात गणना में ली जाएगी ।

5.2 वार्षिक लेखा और संपरीक्षा

- 1. प्रत्येक व्यापारिक सदस्य 31 मार्च को या ऐसी अन्य तारीख, जैसी एक्सचेंज के एफ एंड ओ खंड को सलाह दी जाए, को समाप्त होने वाले वित्तीय वर्ष के लिए वार्षिक लेखे बनाएगा ।
- व्यापारिक सदस्यों के कारबार की आस्तियां और दायित्व ऐसी रकमों को तुलनएत्र में ऐसे दर्शित किया जाएगा और इसमे ऐसी रीति से वर्गीकृत या विहित किया जाएगा कि वे तुलनपत्र में ।
- 3. प्रत्येक व्यापारिक सदस्य अपनी संपरीक्षित वित्तीय विवरण एक्सचेंज के एफ एंड ओ खंड को देगा और ऐसी रिपोर्ट व्यापारिक सदस्य के वित्तीय वर्ष की समाप्ति के पश्चात् छह मास से अन्यून अवधि के भीतर प्रस्तुत की जानी चाहिए परंतु यह कि जब एक्सचेंज का एफ एंड ओ खंड का यह समाधान हो जाता है कि परिस्थितिवश ऐसी रिपोर्ट को प्रस्तुत करने के लिए समय बढ़ाने के लिए आवश्यक परिस्थितियां विद्यमान हैं तो वह इतना समय बढ़ा सकेगा जितना उचित समझे ।

6. निरीक्षण

6.1 निरीक्षण प्राधिकार

- 6.1.1 जहां एक्सचेंज के एफ एंड ओ खंड को ऐसा करना प्रतीत होता हो वहां वह विनियम 6.1.2 में विनिर्दिष्ट किसी प्रयोजन के लिए व्यापारिक सदस्यों और संघटकों की लेखा बहियों, अन्य अभिलेखो और दस्तावेजों का निरीक्षण करने के लिए किसी एक या उससे अधिक व्यक्तियों को निरीक्षण प्राधिकारी के रूप में नियुक्त कर सकेगा।
 - (क) विनियम 6.1.1 के अधीन एक्सचेंज के एफ एंड ओ खंड द्वारा नियुक्त निरीक्षण प्राधिकारी उसके स्वयं के पदाधिकारियों या से प्राधिकृत व्यक्ति, जैसा कि बोर्ड समय-समय पर नियुक्त करें, में से हां सकेगा !
 - (ख) जब एक्सचेजं का एफ एंड ओ खंड किसी बाहरी वृत्तिकों को निरीक्षण प्राधिकारी के रूप में नियुक्त करता है तब वह निरीक्षण के समय इस प्रकार निरीक्षण प्राधिकारी के रूप में नियुक्त वृत्तिकों या फर्मों के के नाम और पते व्यापारिक सदस्य को बताएगा।
 - (ग) जब बाहरी वृत्तिक व्यापारिक सदस्य की बाबत निरीक्षण प्राधिकारी के रूप में नियुक्त किया जाता है और ऐसे वृत्तिक व्यापारिक सदस्य की किसी अन्य हैसियत से पहले ही संबद्ध हैं तब ऐसा सदस्य एक्सचेंज के एफ एंड ओ खंड को ऐसे नातेदारी की तत्काल सूचना देगा।
 - (घ) जहां व्यापारिक सदस्य की बाबत किसी बाहरी वृत्तिक की निरीक्षण प्राधिकारी के रूप में नियुक्ति के पश्चात् किसी अन्य हैसियत में निरीक्षण प्राधिकारी द्वारा ध्यापारिक सदस्य या उसके किसी सहयोगी को अपनी सेवाओं के लिए नियुक्त करता है तो वहां निरीक्षण प्राधिकारी एक्सचेंज के एफ एंड ओ खंड की पूर्व सहमति के बिना स्वयं को व्यापारिक सदस्य या उसके किसी सहयोगी की हैसियत से ऐसे अन्य वृत्तिक क्षमता में नियुक्त नहीं करेगा।

6.1.2 विनियम 6.1.1 में निर्दिष्ट प्रयोजन निम्नलिखित रूप में होंगे, अर्थात् :--

- (क) यह सुनिश्चित करने के लिए कि विनिर्दिष्ट अभिलेख लेखा बहियां और अन्य बहियां अपेक्षित रीति में रखी जा रही हैं ;
- (ख) यह सुनिश्चित करने के लिए कि सेबी अधिनियम, उसके अधीन बनाए गए नियमों और विनियमों का पालन किया जा रहा है;
- (ग) यह सुनिश्चित करने के लिए कि प्रतिभूति संविदा (विनियमन) अधिनियम और प्रतिभूति संविदा (विनियमन) नियम के उपबंधों का इसके साथ पालन किया जा रहा है:
- (ध) यह सुनिश्चित करने के लिए कि नेशनल स्टाक एक्सचेंज की उपविधियों, नियमों और विनियमों के विभिन्न उपवंधों और इसके अधीन जारी निर्देशों और अनुदेशों का इसके साथ पालन किया जा रहा है
- (ङ) विनिधाता, एज्सचेंज के एफ एंड ओ खंड के अन्य सदस्यों या किसी मामले पर व्यापारिक सदस्य के क्रियाकलाप करने कर्त किसी अन्य व्यक्ति से प्राप्त शिकायतों की जांच करने के लिए ;
- (च) किसी ऐसे अन्य कारण, जहां व्यापारिक सदस्य के क्रियाकलापों में निरीक्षण की ऐसी परिस्थितियां विद्यमान हैं, स्वप्रेरणा से जांच वारने के लिए ;
- (छ) व्यापार से संबंधित एक्सचेंज के एफ एंड ओ खंड हारा जारी किसी सूचना, परिपत्र, अनुदेश या आदेशों की समय-समय पर परीक्षा करने के लिए और व्यापारिक सदस्यों के अन्य क्रियाकलापों का पालन किया जा रहा है;
- (ज) विनियमन प्रिधिकारी, जिसमें भारत सरकार भी है, द्वारा इस निमित्त आरी किन्ही निर्देशों का पालन करने के लिए ;

- 6.1.2 विनियम 6.1.1 के अधीन कोई निरीक्षण आरंभ करने से पूर्व, एक्सचेंज का एफ एंड ओ खंड इस प्रयोजन के लिए व्यापारिक सदस्य को इसकी एक युक्तियुक्त सूचना देगा ।
- 6.2.2 उप विनियम 6.2.1 में अंतर्विष्ट किसी बात के होते हुए भी, जहां एक्सचेंज के एफ एंड ओ खंड की यह राय है कि ऐसी कोई सूचना नहीं दी जानी चाहिए तो वह लिखित में यह निर्देश दे सकेंगा कि व्यापारिक सदस्य के क्रियाकला । का निरीक्षण ऐसी सूचना के बिना किया जाएं।
- 6.2.3 एक विंज के एफ एंड ओ खंड द्वारा नियुक्त निरीक्षण प्राधिकारी निरीक्षण आरंभ करेगा और वह व्यापारिक सदस्य, जि कि विरूद्ध निरीक्षण किया जा रहा है, विनियम 6.3 के अधीन यथाउपबंधित अपनी बाध्यताओं का निर्वहन करने के िए बाध्य होगा ।

6.3 निरीक्षण करने पर व्यापारिक सदस्य की बाध्यताएं

- 6.3.1 व्यापारिक सदस्य के ऐसे प्रंत्येक निदेशक, अधिकारी और कर्मचारी का यह कर्तव्य होगा कि वह निरीक्षण करने वाले व्यक्ति, को अपनी अभिरक्षा या नियंत्रण या व्यवस्था की ऐसी बहियों, अभिलेखों और दस्तावेजों को निरीक्षण प्राधिकारी को प्रस्तुत करे और ऐसी किसी बहियां, अभिलेखों या अन्य दस्तावेजों, जो किसी अन्य व्यक्ति की अभिरक्षा या नियंत्रण में हैं, को प्रस्तुत करे और ऐसे समय के भीतर जैसी उक्त निरीक्षण प्राधिकारी द्वारा अपेक्षा की जाए, ऐसी विवरणियां और ज़ानकारी प्रस्तुत करें।
- 6.3.2 व्यापारिक सदस्य अपने द्वारा या किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अर्जित परिसरों तक युक्तियुक्त रूप से पहुंचने के लिए निरीक्षण प्राधिकारी को अनुज्ञात करेगा और उसके कब्जे या किसी अन्य व्यक्ति के कब्जे में की किसी विहयों, अभिलेखों, दस्तावेजों और कंप्यूटरीकृत आंकड़े की जांच करने के लिए युक्तियुक्त सुविधाएं प्रदान करेगा तथा ऐसे दस्तावेजों या अन्य सामग्रियों, जो निरीक्षण प्राधिकारी की राय में सुसंगत हैं, की प्रतियां भी उपलब्ध कराएगा । ऐसी प्रतियां या सामग्रियां एक्सचेंज के एफ एंड ओ खंड की संपत्ति के रूप में निरीक्षण प्राधिकारी द्वारा प्रतियारित की जाएंगी ।
- 6.3.3 निरीक्षण प्राधिकारी, निरीक्षण के दौरान, य्यापारिक सदस्य के किसी सदस्य, निदेशक, अधिकारी या कर्मचारी या ऐसे व्यापारिक सदस्य के सहयोगी की परीक्षा करने या उसका कथन अभिलिखित करने का हकदार हागा !
- 6.3.4 व्यापारिक सदस्य के प्रत्येक निदेशक, अधिकारी या कर्मचारी या जहां सहयोगी की परीक्षा की लाटी हैं, वहां ऐसे सहयोगी का यह कर्तव्य होगा कि वह निरीक्षण प्राधिकारी को निरीक्षण के संबंध में सभी ऐसी सहायता दे जिसे देने की व्यापारिक सदस्य युक्तियुक्त आशा करें ।
- 6.3.5 निरीक्षण प्राधिकारी, व्यापारिक सदस्य के उसके बैंककारों के पास या किसी अन्य अभिकरण के पास, जिस् सुसंगत प्राधिकारी उचित समझे, धारित वित्तीय कार्यों से संबंधित लेखों की जांच करने का हकदार होगा ।
- 6.3.6 निरीक्षण प्राधिकारी की व्यापारिक सदस्य से संबंधित खातों ओर अन्य अभिलेखों तक पहुंच होगी और रेसी पहुंच जो व्यापारिक सदस्य के सहयुक्त से संबंधित खातों और अन्य अभिलेखो तक एक्सचेंज के एफ एंड की खड़ द्वारा प्राधिकृत की जाए, व्यापारिक सदस्यों को दी गई शक्तियों के भीतर होगी ।

6.4 रिपोर्ट प्रस्तुत करना

- 6.4.1 निरीक्षण प्राधिकारी एक्सचेंज के एफ एंड ओ खंड को ऐसे समय के अंदर, जो इस निमित एक्सचेंज का एफ एंड ओ खंड विनिर्दिष्ट करे, एक रिपोर्ट प्रस्तुत करेगा।
- 6.4.2 (क) एक्सचेंज का एफ एंड ओ खंड निरीक्षण रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात्, इसमें पहले कि निरीक्षण प्राधिकारी के निष्कर्षों पर एक्सचेंज के एफ एंड ओ खंड द्वारा कोई कार्यवाही की जाए, व्यापारिक सदस्य को सुनवाई का अवसर प्रदान करने के लिए निष्कर्षों से उसे संसूचित करेगा ।
- (ख) व्यापारिक सदस्य से स्पष्टीकरण यदि कोई हो, प्राप्त होने पर एक्सचेंज का एफ एंड ओ खंड व्यापारिक सदस्य को ऐसे उपाय करने को कहेगा जो लोकहित में एक्सचेंज का एफ एंड ओ खंड उचित समझे ।
- (ग) विनियम 6.4.2(क) में किसी बात के होते हुए भी, जहां पर एक्सचेंज के एफ एंड ओ खंड की यह राय हो कि कितपय परिस्थितियों में ऐसी सुनवाई का अवसर नहीं दिया जाना चाहिए, वहां वह व्यापारिक सदस्य को सुनवाई का अवसर दिए बिना, तत्काल कार्रवाई कर सकता है।
- 6.4.3 एक्सचेंज का एफ एंड ओ खंड़ अपने स्वविवेक पर, व्यापारिक सदस्य के संघटक से या व्यापारिक सदस्य से व्योहार करने वाले किसी अन्य व्यंक्तियों से ऐसे दस्तावेज, अभिलेख, लेखा विवरण या अन्य सूचना मंगा सकता है जो वह उचित समझे।

अपउत्कथन

कृते नेशनल स्टाक एक्सचेंज आफ इंडिया लिमिटेड

ने. यी चन्छर

जे. रविचन्द्रन कंपनी सचिव और उपाध्यक्ष

अनुबन्ध-।

प्रयोक्ता के रूप में अनुमोदन के लिए आवेदन

प्रेषक : व्यापार करने वाले सदस्य/भाग लेने वाले का नाम आईडी संख्या :

'सेवा में

नेशनल स्टॉक एक्सचेंज ऑफ इंडिया लिमिटेड

प्रिय महोदय,

हम	(व्यापार	करने वाले स	ादस्य/भाग लेने	वाले का	नाम)
एतद्द्वारा	तक वैध अंको	ं के साथ पंजी	करण संख्या		
वाले एनएसई का	फाइनेंशियल मार्केट में	सर्टिफिकेशन	(एनसीएफएम	न) उत्तीर्ण	करते
हुए	राज्य के प्राधिकृत व्यक्ति		 (प्र	योक्ता का	नाम)
के लिए आवेदन कर	रते हैं, जिसे प्रयोक्ता के	रूप में अनुमोवि	देत किया जान	ा है ।	ŕ

हम एतद्द्वारा सहमित देते और सभी कृत्यों ,दर सूची और किए गए लेन-देनों, किए गए अथवा व्यापार प्रणाली पर ऐसे प्रयोक्ता द्वारा व्यापार के लिए उत्तरदायी होने हेतु स्वयं को बाध्य मानते हैं । हम सुनिश्चित करेंगे कि वह स्वयं अपनी ओर से अथवा किसी अन्य की ओर से हमारे द्वारा लिखित में पूर्वानुमोदन वाले ऐसे आदेश के बिना कोई आदेश निष्पादित नहीं करेगा ।

कृते (व्यापार करने वाले सदस्य/भाग लेने वाले का नाम)

प्राधिकृत हस्ताक्षरकर्ता

अनुबन्ध-॥

दूरभाष सं. टेलेक्स सं.

फैक्स सं.

संविदा टिप्पणी

केवल मुम्बई में न्यायालयों के विशिष्ट क्षेत्राधिकार के अधीन

दलालों और एजेंटों के रूप में संघटकों के लिए कार्यरत सदस्यों द्वारा जारी संविदा टिप्पणी

भागीदार/मालिक/प्राधिकृत हरताक्षरकर्ता का नाम

सदस्य का नाम

सदस्य की "सेबी" पंजीकरण संख्या

कार्यवाही करने वाले कार्यालय का पता/दूरभाष सं./टेलेक्स सं./ फैक्स सं.

संविदा सं.

सदस्य की कोड सं.

संगत स्टाम्प अधिनियम

तारीखः

के अधीन लागू उपबंधों

सेट सं.

के अनुसार स्टाम्प लगाया

सेट सेः

को

जाए

सेवा में.

संघटक का नाम/कोड सं./संघटक आदेश संदर्भ सं.

महोदय/महोदया

मैंने/हमने आदेश द्वारा और आपके खाते पर इस तारीख को निम्नलिखित लेन-देन किया:-

सुपुर्दगी/भुगतान हेतु आपके लिए खरीदा गया

सुपुर्दगी/भुगतान हेतु आपके लिए बेचा गया

आदेश व्यापीर सं. सं.	व्यापार समय	यूनिटो की सं,	प्रति यूनिट दर	वलाली प्रतिशत	प्रति यूनिट वसाली की वर	वर + दलाली निवल द्वर	शर्वि (रु.)	संविदा विशिष्टि यां	यूनिटों की सं.	प्रति यूनिट दर	दलाली प्रतिशत	प्रति यूनिट दसाती दर'	दर + दलाली निवल दर	राशि

यहां इसमें दर्शाई लागत के लिए अनुरोध किया गया आपका चेक । कृपया अपनी खरीव/नामे के लिए तत्काल भुगतान करें । आपसे आपको देय राशि के लिए चेक एकत्र करने का अनुरोध किया जाता है।

अन्य लेवी,अगर कोई हो :

दलाली यथावर्णित प्रभारित की गई है और यह दलाली के अधिकारिक पैमाने से अनिधक दर पर नहीं है और इसे पृथक रूप से दर्शाया गया है। यह संविदा नेशनल स्टाक एक्सचेंज ऑफ इंडिया लिमिटेड, मुम्बई के नियमों, उप-नियमों और विनियमों तथा प्रथाओं के अधीन है। यह संविदा केवल मुम्बई में न्यायालयों के विशिष्ट क्षेत्राधिकार के अधीन है।

इन लेन-देनों से आपके और मेरे/हमारे बीच किसी दावे (चाहे स्वीकार किया गया हो अथवा नहीं), मतभेद और विवाद की इस दशा में मामला नेशनल स्टाक एक्सचेंज ऑफ इंडिया लिमिटेड, मुम्बई के नियमों, उप-नियमों और विनियमों में यथाप्रदत्त है, विवाचन को भेजा जाएगा।

यह संविदा जैसा पृष्ठ की दूसरी ओर यथाप्रदत्त है आपके और मेरे/हमारे बीच एक करार निर्मित करती है अथवा निर्मित करनी समझी जाएगी कि इस संविदा (इस प्रश्न सिहत कि क्या ऐसी कार्यवाही, लेन-देन अथवा संविदा की गई है अथवा नहीं) की तारीख के पूर्व अथवा पश्चात् किसी तारीख की कार्यवाही, लेन-देन और संविदा के संबंध में किसी मतभेद और विवाद को विवाचन को प्रस्तुत किया और उसका निर्णय उनके द्वारा दिया जाएगा, जैसा नियमों, उप-नियमों में यथाप्रदत्त है और पृष्ठ की दूसरी ओर मुद्रित उपबंध संविदा का भाग हैं।

ं भवदीय

नेशनल स्टाक एक्सचेंज ऑफ इंडिया लिमिटेड के सदस्य

मुम्बई तारीख

विवाचन को भेजा जाना

- (1) (क) एक्सचेंज के उप-नियमों, नियमों और विनियमों अथवा उसके प्रासंगिक किसी संदर्भ में अथवा उसके अनुसरण में अथवा उनके निर्माण, पूर्ति अथवा वैधता के संबंध में या अधिकार दायित्व और देयताओं के अधीन एक्सचेंज पर किए गए लेन-देन के संबंध में अथवा उससे उत्पन्न किसी व्यापार करने वाले सदस्य और संघटक के बीच हुए सभी मतभेद और विवादों को जैसा एक्सचेंज के उप-नियमों, नियमों और विनियमों में यथाप्रदत्त है, विवाचन को भेजा और उसका निर्णय किया जाएगा।
- (ख) उप-खंड (क) में यथाप्रदत्त विवाचन के अधीन और उसमें समामेलित विवाचन के लिए इस प्रावधान सिंदत किसी संविदा की स्पष्ट अथवा अन्तर्हित कोई स्वीकृति व्यापार करने वाले सदस्य और संबंधित संघटक के बीच एक करार बनाएगा और बनाना समझा जाएगा कि संविदा की तारीख के पूर्व अथवा पश्चात् किसी तारीख को सभी कार्यवाही, लेन-देन और संविदा के संबंध में उप-खंड (क) में उल्लिखित प्रकृति के सभी दावे, मतभेद और विवाद एक्सचेंज के उप-नियमों, नियमों और विनियमों में यथाप्रदत्त और उसके संबंध में कोई प्रश्न कि क्या ऐसी कार्यवाही, लेन-देन और संविदा की गई है अथवा नहीं विवाचन को प्रस्तुत किया जाएगा और उसका निर्णय किया जाएगा।

संविदा का प्रचालन

(2) सभी कार्यवाही, लेन-देन और संविदाएं, जो एक्सचेंज के उप-नियमों, नियमों और विनियमों के अधीन हैं और प्रत्येक विवाचन करार जिनपर एक्सचेंज के उप-नियम, नियम और विनियम लागू होते हौ, को हर प्रकार से एक्सचेंज के उप-नियमों, नियमों और विनियमों के अधीन समझा जाएगा और ऐसी कार्यवाहियों, लेन-देन, संविदाओं और करारों के पक्षों द्वारा एक्सचेंज के उप-नियम, नियम और विनियमों को लागू करने के प्रयोजन से मुम्बई में न्यायालय के क्षेत्राधिकार में प्रस्तुत किया माना जाएगा।

विवाचकों की नियुक्ति

- (3) (क) इन उप-नियमों, नियमों और विनियमों के अधीन विवाचन को भेजे जाने के लिए अपेक्षित सभी दावे, मतभेद और विवाद दोनों पक्षों को सहमत्य इस प्रयोजन के लिए गठित विवाचकों के पैनल से किसी व्यक्ति के विवाचन को भेजे जाएंगे।
 - (ख) संगत प्राधिकारी द्वारा समय-समय पर निर्दिष्ट अविध के भीतर किसी विवाचक की नियुक्ति पर दोनों पक्षों की सहमति नहीं होने पर संगत प्राधिकारी इस प्रयोजन के लिए एक विवाचक नियुक्त कर सकते हैं।

कार्यवाहियां

(4) विवाचक नियत अवधि के भीतर लिखित विवरणी दाखिल करने में ।वेफल रहते हुए भी संदर्भ के साथ, कार्यवाही कर सकता है और किसी अथवा सभी पक्षों, जो विधिवत् सूचना देने के बाद नियत समय और स्थान पर भाग नहीं ले पाते अथवा अस्वीकार करते हैं, की अनुपस्थिति में भी संदर्भ के साथ कार्यवाही कर सकता है।

दोनों पक्ष उपस्थित

(5) विवाचन संदर्भ का कोई पक्ष अगर विवाचक द्वारा निर्धारित समय और स्थान में उपस्थित नहीं है तो विवाचक संदर्भ की एकपक्षीय सुनवाई कर और उसपर निर्णय दे सकता है और अगर संदर्भ के दोनों पक्ष उपस्थित नहीं है तो विवाचक संदर्भ को शीघ्र ही वर्खास्त कर सकता है।

पक्षों और उनके प्रतिनिधियों पर बाध्यकारी निर्णय

(6) विवाचन संदर्भ के पक्ष हर प्रकार से विवाचक के निर्णय, जो निर्णय देने के पूर्व अथवा बाद में किसी पक्ष की मृत्यु अथवा कानूनी अयोग्यता होते हुए भी पक्षों और उनके संबंधित प्रतिनिधियों पर अंतिम और बाध्यकारी होंगे, का पालन करेंगे और उसे तत्काल लागू करेंगे तथा ऐसी मृत्यु अथवा कानूनी अयोग्यता संदर्भ अथवा निर्णय के प्रतिसंहरण के रूप में प्रचालित नहीं होगी।

अगला निर्णय

(7) इन उप-नियमों, नियमों और विनियमों के अधीन दिया गया निर्णय जब भी यह निर्देश देता है कि संदर्भ के किसी एक पक्ष द्वारा कितपय कृत्य अथवा कार्य किया जाए और ऐसा पक्ष निर्णय का अनुपालन करने में विफल रहता है तो अन्य पक्ष ऐसी विफलता के कारण से देय क्षित अथवा प्रतिपूर्ति की राशि के लिए अगला निर्णय देने हेतु विवाचन को नया संदर्भ दे सकता है और उसमें दिए गए निर्णय को अलग से अथवा मूल निर्णय के साथ फाइल किया जा सकता है।

क्षतिपूर्ति और प्रति-दावा

(8) किसी एक पक्ष द्वारा विवाचन को संदर्भ देने पर अन्य पक्ष क्षतिपूर्ति का दावा करने अथवा पहले पक्ष के विरुद्ध प्रति-दावा करने का हकदार होगा बशर्ते कि ऐसी क्षतिपूर्ति अथवा प्रति-दावा एक्सचेंज के उप-नियमों, नियमों और विनियमों के अधीन की गई कार्यवाही, लेन-देनों और संविदाओं से उत्पन्न हुआ हो अथवा उससे संबंधित हो और उसमें यथाप्रदत्त विवाचन के अधीन हो और आगे बशर्ते कि ऐसी क्षतिपूर्ति अथवा प्रति-दावा एक साथ पूरे विवरण के साथ संदर्भ की पहली सुनवाई को अथवा उसके पूर्व परन्तु जब तक विवाचक द्वारा अन्यथा अनुमत्य नहीं हो बाद में प्रस्तुत किया जाता है।

लागत

(9) लागत, प्रभार, फीस और अन्य व्यय सहित संदर्भ और निर्णय की लागत विवाचक के विवेकाधिकार में होगा, जो निर्णय में यह निश्चित करेगा और निर्देश देगा कि किसके द्वारा और किस तरीके से और किस समानुपात से ऐसी लागत, प्रभार, फीस और अन्य व्यय अथवा उसका कोई भाग पक्षों द्वारा वहन किया और अदा किया जाएगा और इस प्रकार अदा की जाने वाली राशि अथवा उसके किसी भाग पर कर लगा और निपटा सकता है। निर्णय में किसी निर्देश का पालन करने में विफल रहने पर लागत, प्रभार, फीस और अन्य व्यय संदर्भ के पक्षों द्वारा बराबर समानुपात में वहन किया जाएगा। निर्णय का पालन करना अस्वीकार करने वाला पक्ष न्यायालय में निर्णय दाखिल करने और जब तक न्यायालय निर्देश नहीं दे उसको लागू करने से संबंधित अटानीं और मुवक्किल के बीच लागत का भुगतान करेगा।

नोटिस और पत्र

- (10) व्यापार करने वाले सदस्य अथवा संघटक को नोटिस और पत्र निम्नलिखित किसी एक अथवा अधिक या सभी तरीके से भेजा जाएगा और नीचे (क) से (च) के अधीन कोई नोटिस अथवा पत्र उसके सामान्य कारोबारी पते और/अथवा उसके सामान्य निवासस्थान के पते पर और/अथवा उसके अंतिम ज्ञात पते पर दिया जाएगा।
 - (क) उसे हाथ से सुपुर्द करना
- (च) उसके अंतिम ज्ञात कारोबारी अथवा निवासस्थान के पते में दरवाजे पर चिपकाना ।
- (ख) उसे पंजीकृत डाक से भेजना
- (छ) किसी तीसरे व्यक्ति की उपस्थिति में पक्ष को उसका मौखिक संप्रेषण ।
- (ग) उसे डाक प्रमाणपत्र के अधीन भेजना
- (ज) उसे किसी विख्यात दैनिक समाचारपत्र में एक बार विज्ञापित करना ।
- (घ) उसे एक्सप्रेस सुपुर्दगी डाक से भेजना
- (ड.) उसे तार द्वारा भेजना

(झ) एक्सचेंज की व्यापारिक प्रणाली पर रखी नोटिस

सुपुर्दगी लेने से अस्वीकार करना

(11) किसी मामले में नोटिस अथवा पत्र की सुपुर्दगी लेने से अस्वीकार करना उसकी सेवा की वैधता को प्रभावित नहीं करेगा ।

दूरभाष सं. टेलेक्स सं. फैक्स सं.

संविदा टिप्पणी

केवल मुम्बई में न्यायालयों के विशिष्ट क्षेत्राधिकार के अधीन

मूल के रूप में संघटकों के साथ लेन-देन करने वाले सदस्यों द्वारा जारी संविदा टिप्पणी

भागीदार/मालिक/प्राधिकृत हस्ताक्षरकर्ता का नाम

सदस्य का नाम

सदस्य की "संबी" पंजीकरण संख्या

कार्यवाही करने वाले कार्यालय का पता/दूरभाष सं./टेलेक्स सं./ फैक्स सं.

सदस्य की कोड सं.

संगत स्टाम्प अधिनियम के अधीन लागू उपबंधों के अनुसार स्टाम्प लगाया

तारीखः सेट सं.

संविदा सं.

सेट सेः

को

सेवा में,

संघटक का नाम/कोड सं./संघटक आदेश संदर्भ सं.

जाए

महोदय/महोदया

मैंने/हमने इस दिन को मूल से मूल के रूप में निम्नलिखित लेन-देन किया है :-

सुपुर्दगी/भुगतान हेतु आपसे खरीदा गया

सुपुर्दगी/मुगतान हेतु आपको बेचा गया

आदेश सं.	्य्यापार सं.	य्यापार समय	यूनिटों की सं.	प्रति यूनिट दर	राशि (रुपए)	संविदा विशिष्टियां	यूनिटॉ की सं.	प्रति यूनिट वर	शशि (स्मए)

आपसे आपको देय राशि के लिए चेक एकत्र करने का अनुरोध किया जाता है । यहां इसमें दर्शाई लागत के लिए अनुरोध किया गया आपका चेक । कृपया अपनी खरीद/नामे के लिए तत्काल भूगतान करें ।

अन्य लेवी,अगर कोई हो :

दलाली यथावर्णित प्रभारित की गई है और यह दलाली के आधिकारिक पैमाने से अनिधक दर पर नहीं है और इसे पृथक से दर्शाया गया है। यह संविदा नेशनल स्टाक एक्सचेंज ऑफ इंडिया लिमिटेड, मुम्बई के नियमों, उप-नियमों और विनियमों तथा प्रथाओं के अधीन है। यह संविदा केवल मुम्बई में न्यायालयों के विशिष्ट क्षेत्राधिकार के अधीन है।

इन लेन-देनों से आपके और मेरे/हमारे बीच किसी दावे (चाहे स्वीकार किया गया हो अथवा नहीं), मतभेद और विवाद की इस दशा में मामला नेशनल स्टाक एक्सचेंज ऑफ इंडिया लिमिटेड, मुम्बई के नियमों, उप-नियमों और विनियमों में यथाप्रदत्त है, विवाचन को भेजा जाएगा।

यह संविदा जैसा पृष्ठ की दूसरी ओर यथाप्रदत्त है आपके और मेरे/हमारे बीच एक करार निर्मित करती है अथवा निर्मित करनी समझी जाएगी कि इस संविदा (इस प्रश्न सिहत कि क्या ऐसी कार्यवाही, लेने-देन अथवा संविदा की गई है अथवा नहीं) की तारीख के पूर्व अथवा पश्चात् किसी तारीख की कार्यवाही, लेन-देन और संविदा के संबंध में किसी मतभेद और विवाद को विवाचन को प्रस्तुत किया और उसका निर्णय उनके द्वारा दिया जाएगा, जैसा नियमों, उप-नियमों में यथाप्रदत्त है और पृष्ठ की दूसरी ओर मुद्रित उपबंध संविदा का भाग हैं।

भवदीय नेशनल स्टाक एक्सचेंज ऑफ इंडिया लिमिटेड के सदस्य

मुम्बई तारीख

विवाचन को भेजा जाना

- (1)(क) एक्सचेंज के उप-नियमों, नियमों और विनियमों अथवा उसके प्रासंगिक किसी संदर्भ में अथवा उसके अनुसरण में अथवा उनके निर्माण, पूर्ति अथवा वैधता के संबंध में या अधिकार दायित्व और देयताओं के अधीन एक्सचेंज पर किए गए लेन-देन के संबंध में अथवा उससे उत्पन्न किसी व्यापार करने वाले सदस्य और संघटक के बीच्च हुए सभी मतभेद और विवादों को जैसा एक्सचेंज के उप-नियमों, निग्रमों और विनियमों में यथाप्रदत्त है, विवाचन को भेजा और उसका निर्णय किया जाएगा।
- (ख) उप-खंड (क) में यथाप्रदत्त विवाचन के अधीन और उसमें समामेलित विवाचन के लिए इस प्रावधान सहित किसी संविदा की स्पष्ट अथवा अन्तर्हित कोई स्वीकृति व्यापार करने वाले सदस्य और संबंधित संघटक के बीच एक करार बनाएगा और बनाना समझा जाएगा कि संविदा की तारीख के पूर्व अथवा पश्चात् किसी तारीख को सभी कार्यवाही, लेन-देन और संविदा के संबंध में उप-खंड (क) में उल्लिखित प्रकृति के सभी दावे, मतभेद और विवाद एक्सचेंज के उप-नियमों, नियमों और विनियमों में यथाप्रदत्त और उसके संबंध में कोई प्रश्न कि क्या ऐसी कार्यवाही, लेन-देन और संविदा की गई है अथवा नहीं विवाचन को प्रस्तुत किया जाएगा और उसका निर्णय किया जाएगा।

संविदा का प्रचालन

(2) सभी कार्यवाही, लेन-देन और संविदाएं, जो एक्सचेंज के उप-नियमों, नियमों और विनियमों के अधीन हैं और प्रत्येक विवाचन करार जिनपर एक्सचेंज के उप-नियम, नियम और विनियम लागू होते ही, को हर प्रकार से एक्सचेंज के उप-नियमों, नियमों और विनियमों के अधीन समझा जाएगा और ऐसी कार्यवाहियों, लेन-देन, संविदाओं और करारों के पक्षों द्वारा एक्सचेंज के उप-नियम, नियम और विनियमों को लागू करने के प्रयोजन से मुम्बई में न्यायालय के क्षेत्राधिकार में प्रस्तुत किया माना जाएगा।

विवाचकों की नियुक्ति

- (3) (क) इन उप-नियमों, नियमों और विनियमों के अधीन विवाचन को भेजे जाने के लिए अपेक्षित सभी दावे, मतभेद और विवाद दोनों पक्षों को सहमत्य इस प्रयोजन के लिए गठित विवाचकों के पैनल से किसी व्यक्ति के विवाचन को भेजे जाएंगे।
 - (ख) संगत प्राधिकारी द्वारा समय-समय पर निर्दिष्ट अविध के भीतर किसी विवाचक की नियुक्ति पर दोनों पक्षों की सहमति नहीं होने पर संगत प्राधिकारी इस प्रयोजन के लिए एक विवाचक नियुक्त कर सकते हैं।

कार्यवाहियां

(4) विवाचक नियत अवधि के भीतर लिखित विवरणी दाखिल करने में विफल रहते हुए भी संदर्भ के साथ, कार्यवाही कर सकता है और किसी अथवा सभी पक्षों, जो विधिवत् सूचना देने के बाद नियत समय और स्थान पर भाग नहीं ले पाते अथवा अस्वीकार करते हैं, की अनुपस्थिति में भी संदर्भ के साथ कार्यवाही कर सकता है।

दोनों पक्ष उपस्थित

(5) विवाचन संदर्भ का कोई पक्ष अगर विवाचक द्वारा निर्धारित समय और स्थान में उपस्थित नहीं है तो विवाचक संदर्भ की एकपक्षीय सुनवाई कर और उसपर निर्णय दे सकता है और अगर संदर्भ के दोनों पक्ष उपस्थित नहीं है तो विवाचक संदर्भ को शीघ्र ही बर्खास्त कर सकता है।

पक्षों और उनके प्रतिनिधियों पर बाध्यकारी निर्णय

(6) विवाचन संदर्भ के पक्ष हर प्रकार से विवाचक के निर्णय, जो निर्णय देने के पूर्व अथवा बाद में किसी पक्ष की मृत्यु अथवा कानूनी अयोग्यता होते हुए भी पक्षों और उनके संबंधित प्रतिनिधियों पर अंतिम और बाध्यकारी होंगे, का पालन करेंगे और उसे तत्काल लागू करेंगे तथा ऐसी मृत्यु अथवा कानूनी अयोग्यता संदर्भ अथवा निर्णय के प्रतिसंहरण के रूप में प्रचालित नहीं होगी।

अगला निर्णय

(7) इन उप-नियमों, नियमों और विनियमों के अधीन दिया गया निर्णय जब भी यह निर्देश देता है कि संदर्भ के किसी एक पक्ष द्वारा कितपय कृत्य अथवा कार्य किया जाए और ऐसा पक्ष निर्णय का अनुपालन करने में विफल रहता है तो अन्य पक्ष ऐसी विफलता के कारण से देय क्षिति अथवा प्रतिपूर्ति की राशि के लिए अगला निर्णय देने हेतु विवाचन को नया संदर्भ दे सकता है और उसमें दिए गए निर्णय को अलग से अथवा मूल निर्णय के साथ फाइल किया जा सकता है।

क्षतिपूर्ति और प्रति-दावा

(8) किसी एक पक्ष द्वारा विवाचन को संदर्भ देने पर अन्य पक्ष क्षतिपूर्ति का दावा करने अथवा पहले पक्ष के विरुद्ध प्रति-दावा करने का हकदार होगा बशर्ते कि ऐसी क्षतिपूर्ति अथवा प्रति-दावा एक्सचेंज के उप-नियमों, नियमों और विनियमों के अधीन की गई कार्यवाही, लेन-देनों और संविदाओं से उत्पन्न हुआ हो अथवा उससे संबंधित हो और उसमें यथाप्रदत्त विवाचन के अधीन हो और आगे बशर्ते कि ऐसी क्षतिपूर्ति अथवा प्रति-दावा एक साथ पूरे विवरण के साथ संदर्भ की पहली सुनवाई को अथवा उसके पूर्व परन्तु जब तक विवाचक द्वारा अन्यथा अनुमत्य नहीं हो बाद में प्रस्तुत किया जाता है।

लागत

(9) लागत, प्रभार, फीस और अन्य व्यय सहित संदर्भ और निर्णय की लागत विवाचक के विवेकाधिकार में होगा, जो निर्णय में यह निश्चित करेगा और निर्देश देगा कि किसके द्वारा और किस तरीके से और किस समानुपात से ऐसी लागत, प्रभार, फीस और अन्य व्यय अथवा उसका कोई भाग पक्षों द्वारा वहन किया और अदा किया जाएगा और इस प्रकार अदा की जाने वाली राशि अथवा उसके किसी भाग पर कर लगा और निपटा सकता है। निर्णय में किसी निर्देश का पालन करने में विफल रहने पर लागत, प्रभार, फीस और अन्य व्यय संदर्भ के पक्षों द्वारा बराबर समानुपात में वहन किया जाएगा। निर्णय का पालन करना अस्वीकार करने वाला पक्ष न्यायालय में निर्णय दाखिल करने और जब तक न्यायालय निर्देश नहीं दे उसको लागू करने से संबंधित अटार्नी और मुवक्किल के बीच लागत का भुगतान करेगा।

नोटिस और पत्र

- (10) व्यापार करने वाले सदस्य अथवा संघटक को नोटिस और पत्र निम्नलिखित किसी एक अथवा अधिक या सभी तरीके से भेजा जाएगा और नीचे (क) से (च) के अधीन कोई नोटिस अथवा पत्र उसके सामान्य कारोबारी पते और/अथवा उसके सामान्य निवासस्थान के पते पर और/अथवा उसके अंतिम ज्ञात पते पर दिया जाएगा।
 - (क) उसे हाथ से सुपुर्द करना
- (च) उसके अंतिम ज्ञात कारोबारी अथवा निवासस्थान के पते में दरवाजे पर चिपकाना ।
- (ख) उसे पंजीकृत डाक से भंजना
- (छ) किसी तीसरे व्यक्ति की उपस्थिति में पक्ष को उसका मौखिक संप्रेषण ।
- (ग) उसे डाक प्रमाणपत्र के अधीन भेजना
- (ज) उसे किसी विख्यात दैनिक समाचारपत्र में एक बार विज्ञापित करना ।
- (घ) उसे एक्सप्रेस सुपुर्दगी डाक से भेजना
- (ड.) उसे तार द्वारा भेजना

(झ) एक्सचेंज की व्यापारिक प्रणाली पर रखी नोटिस

सुपुर्दगी लेने से अस्वीकार करना

(11) किसी मामले में नोटिस अथवा पत्र की सुपुर्दगी लेने से अस्वीकार करना उसकी सेवां की वैधता को प्रभावित नहीं करेगा ।

अनुबन्ध-॥।

सदस्य और संघटक करार

साक्ष्य में :

जबिक "लदस्य" नेशनल स्टाक एक्सचेल (यहां इसके बाद जिसे एनएसई कहा गया है) के व्यापारिक सदस्य के रूप में व्युत्पन बाजार खंड पर पंजीकृत है।

जबिक "संघटक" एनएसई के उप-नियमों में यथापरिभाषित एनएसई के व्युत्पन्न बाजार खंड पर कार्यवाही करने के लिए उन स्वीकृत संविदाओं में निवेश करने/व्यापार करने का इच्छुक हैं।

जबिक "संघटक" ने एनएससई के व्युत्पन्न बाजार खंड पर कार्यवाही करने के लिए स्वीकृत उन संविदाओं में "सदरय" के कार्य करने की क्षमता से स्वयं की सन्तुं ब्लिक्ट कर ली है और उसके माध्यम से अपने आदेश निष्पादित करने का इच्छुक है और "संघटक" उसके माध्यम से किसी आदेश के निष्पादित करने के पूर्व "सदस्य" की ऐसी क्षमता से उसकी सन्तुष्टि करता रहेंगा।

जबिक "सदस्य" ने "संघटक" की वित्तीय सुदृढ़ता और सत्यता और प्रदान की जाने वाली सेवाओं के संगत निवेश उद्देश्यों के प्रति सन्तुष्टि कर ली है और वह स्वयं की सन्तुष्टि करता रहेगां।

जबिक "सदस्य" ने अपने कृत्यों में देयता और क्षमता पर किसी सीमाबद्धता सहित किए जाने वाले कारोबार के लिए "सदस्य" की देयता की प्रकृति से "संघटक" को अवगत कराने के लिए कदम उठाया है और वह उसके लिए कदम उठाएगा।

नेशनल स्टाक एक्सचेंज के व्युत्पन्न बाजार खंड पर किए गए व्युत्पन्न लेन-देनों का आपके प्रहस्तन करने पर विचार करते हुए मैं सहमति देता हूं कि

- (1) मैंने इसके साथ संलग्न जोखिम प्रकटन दस्तावेज को पढ़ लिया है और व्यापार तथा इन लिखतों के व्यापार करने में शामिल जोखिम को समझ लिया है और मैं इन लिखतों में अपने लेन-देनों के लिए पूर्णतः उत्तरदायी हूं।
- (2) मैं नेशनल स्टाक एक्सचेंज और नेशनल सिक्यूरिटीज़ क्लियरिंग कारपोरेशन लिमिटेड के संविधान , उप-नियमों, नियमों, विनियमों और प्रथाओं द्वारा बाध्य रहूंगा।
- (3) मैं उस राशि, प्रतिभूतियों अथवा अन्य संपत्ति, जिसकी अपेक्षा मेरा खाता खोलने और/अथवा रखने के लिए होगी, आपके पास जमा करूंगा।
- (4) मैं अकेले अथवा अन्यों के सहयोग से कार्यस्त, प्रत्यक्षतः अथवा अप्रत्यक्षतः एक्सचेंज द्वारा समय-समय पर यथानिर्धारित अनुमत्य भावी संविदाओं की अधिक संख्या धारित और नियंत्रित नहीं करूंगा ।
- (5) मैं अकेले अथवा अन्यों के साथ मिलकर प्रत्यक्षतः अथवा अप्रत्यक्षतः कार्य करते हुए दीर्घ अथवा लघु स्थिति का प्रयोग नहीं करूंगा । मैंने एक्सचेंज द्वारा समय-समय पर जैसा नियत किया जाए अनुमत्य भावी संविदाओं की संख्या के आधिक्य में प्रयोग किया है।
- (6) सभी राशियां, प्रतिभूतियां अथवा अन्य संपत्ति, जिसे आप मेरे खाते में धारित करेंगे, इस करार के अधीन आपके प्रति मेरे दायित्वों के निर्वहन के लिए सामान्य पुनर्ग्रहणाधिकार के अधीन धारित होंगे ।
- (7) मैं एतद्द्वारा आपको अपने विवेक पर अगर आप अपने पास मेरे खाते में धारित सभी व्युत्पन्न संविदाओं अथवा उसके हिस्से की बिक्री करने, खरीदने अथवा बंद करने के लिए अपनी सुरक्षा के लिए आवश्यक समझें, के लिए प्राधिकृत करता हूं। आपके द्वारा व्यय किए गए किसी अथवा ऐसे सभी प्रासंगिक व्यय की मेरे द्वारा प्रतिपूर्ति की जाएगी।

इसलिए, अब इस करार में यथानिर्धारित परस्पर सहमति पर विचार करते हुए उसके पक्षों ने निम्नानुसार शर्ती पर अपनी सहमति दी है:

- 1. व्यापार करने वाले सदस्य और संघटक के बीच किया गया करार एक-दूसरे को कम से कम एक महीने की नोटिस देकर पक्षों की परस्पर सहमति से समाप्त माना जाएगा । ऐसे समापन का समापन की नोटिस की तारीख के पूर्व निष्पादित लेन-देनों पर कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा और पक्ष वही अधिकार प्राप्त करने रहेंगे और ऐसे लेन-देनों के संबंध में उनका वही दायित्व होगा ।
- 2. संघटक की मृत्यु होने अथवा उसके दीवालिया होने अथवा उसके अन्यथा उन प्रतिभूतियों, जिसे संघटक ने बेचने अथवा खरीदने का आदेश दिया है, को प्राप्त करने और उसका भुगतान करने अथवा सुपुर्दगी करने अथवा स्थानान्तरित करने में अक्षम हो जाने की दशा में व्यापार करने वाली सदस्य एक्सचेंज के अनुमोदन से संघटक के लेन-देनों को बंद कर सकता है और संघटक अथवा उसके कानूनी प्रतिनिधि किसी क्षति, लागत के लिए उत्तरदायी होंगे और उसके परिणाम से होने वाले किसी अधिशेष के हकदार होंगे।
- 3. सभी व्यापार, लेन-देन और संविदाएं एक्सचेंज के नियमों, उप-नियमों और विनियमों के अधीन हैं और उन्हें एक्सचेंज के नियमों, उप-नियमों और विनियमों के उपबंधों को लागू के प्रयोजन के लिए मुम्बई शहर में पूर्णतः किया गया, करार किया और निष्पादित किया गया माना जाएगा और प्रभावी माना जाएगा।

इसके	साक्ष्य	में	करार	市	पक्षों	ने	इन	विलेखों	को	ऊपर	लिखित	दिन	और	वर्ष	को
निष्पार्	देत कि	या													

के लिए और की ओर से हस्ताक्षरित
सदस्य
द्वारा
हस्ताक्षर
शीर्षक
साक्ष्य
के लिए और की ओर से हस्ताक्षरित
संघटक
द्वारा
हस्ताक्षर
शीर्षक
*** * *

संघटक की सूचना

अनुबन्ध-iv

संघटक पंजीकरण प्रपत्र का प्ररूप

(यह सूचना व्यापार करने वाले सदस्य/दलाली गृह की एकमात्र संपत्ति है और जब तक कानून के अधीन अपेक्षित नहीं हो किसी को प्रकट नहीं किया जाए)

कार्यालय प्रयोजन के लिए :	
संघटक का कोड :(दलाली फर्म द्वारा प्रविष्ट की जाए)	सेल्समेन का कोड : (कर्मचारी कोड/दलाली फर्म द्वारा समनुदेशित उप-दलाल का कोड)
द्वारा सत्यापित	द्वारा प्राधिकृत ———————
व्यापार करने वाले सदस्य का नाम, पता, दूरभाष सं.	निपटान करने वाले सदस्य का नाम, पता, दूरभाष सं.
" सेबी" पंजीकरण सं.	" सेबी" पंजीकरण सं.

फोटो

कृपया फोटो पर

हस्ताक्षर करें

संघटक का नाम :				يوه مينا مين ميد خدم ريومانه جيء مياد فاقا يويه ومنا جاي ويده مدر ياد خد الدا الآلو الدور في 184 اليود ي
(1404) 4/1 (III)	(कुल नाम)	(नाम))	(पिता/पति का नाम)
लिंग : पुरूष्/महिला				
जन्म तिथि :		दिन	महीना	वर्ष
आयु :	वर्ष			
निवास स्थान का पत	· · · · · · · · · · · · · · · · · · ·			•
नगर : पिन कोड : राज्य : देश राष्ट्रीयता दूरभाष संख्या(निवास) नियोक्ता का नाम कार्यालय का पता				क्स सं.

						•		
भारत	का	राजपत्र,	जन	3.	2000	(ज्यष्ठ	13.	1922

नगर पिन कोड राज्य देश दूरभाष संख्या(कार्यालय निवासी स्थिति : भारती	•		फैक्स सं./टेलेक्स सं	
पासपोर्ट सं. ————व्यवसाय ———वैवाहिक स्थिति : अवि				
पति/पत्नी की सूचना				
पति/पत्नी का नाम :	(कुल नाम)	(नाम)	 (मध्यनाम)	
जन्म तिथि	ंदिन	महीना	वर्ष	
व्यवसाय :				
अगर नियोजित हैं तो । 	नियोक्ता का नाम,	/स्व-नियोजन वि	विरण :	

संघटक का वित्तीय विवरण

स्थायी खाता सं. आय सीमा (प्रतिवर्ष) : 1,00,000 रुपए से कम 1,00,000 रुपए से 2,00,000 रुपए तक 2,00,000 रुपए से 5,00,000 रुपए तक 5,00,000 रुपए से अधिक

(जो लागू नहीं हो **उसे काट दें)**

निवेशक किस्म

त्याष्टि/हिन्दू अविभाजित परिवार/भागीदारी फर्म/विदेशी संस्थात्मक निवेशक/वित्तीय संस्थान/म्यूचुअल फंड/एनबीएफसी

व्याष्टि के लिए (अगर नियोजित हैं):

नियोक्ता का नाम:

पता :

उद्देखक 🕝

ांभान नियानता के पास ----वर्ष----महीने से कार्यरत हैं।

व्यष्टि के लिए (अगर स्व-नियोजित हैं) प्रतिष्ठान का नाम :
पता :
पथनाम :
प्रतिष्ठानमहीने से है ।
हिन्दू अविभाजित परिवार के लिए
नियोक्ता का नाम :
पता :
पदनाम
क्या कर्ता/परिवार के सदस्य हैं:
भागीदारी फर्म/कारपोरेट/बैंकों/विदेशी संस्थात्मक निवेशक/वित्तीय संस्थान/म्यूचुअल फंड/ एनबीएफसी के लिए नाम :
सेबी पंजीकरण संख्या (अगर लागू हो) :
कर्मचारियों की कुल संख्या
राजकोष/निवेश विभाग में कर्मचारियों की संख्या
पृष्ठ कार्यालय में कर्मचारियों की संख्या
कंपनी की निवल संपत्ति
संगठन के निदेशकों की सं.
कंपनी के निदेशकों का नाम और पताः

संगठन की शेयरधारिता का क्या स्वरूप है ? (निर्दिष्ट करें)

शेयरधारी	शेयरधारियों का नाम	जारित प्रतिशत
भारतीय संस्थात्मक निवेशक		
विदेशी संस्थात्मक निवेशक	,	
राज्य सरकार/केन्द्र		
मूल धारक कंपनी		
खुदरा शेयरधारक	(केवल संख्या निर्दिष्ट करें)	
निदेशक/प्रवर्त्तक का दाव		
(स्टेक)		

बैंक खाते का ब्यौरा
बैंक का नाम : (बहु बैंक हो तो ब्यौरा दें)
शाखा :
पता :
खाता सं. :
खाते की किस्म : बचत/चालू/अनिवासी भारतीय
दूरभाष संख्या :
निवेश अनुभव
रटाक में वर्ष

क्या आप किसी विशिष्ट स्टाक एक्सचेंज पर व्यापार करना चाहते हैं :-

निम्नलिखित बाजार खण्डों पर नेशनल स्टाक एक्सचेंज :

(संगत खानों में निशान लगाएं)

- 1. थोक ऋण बाजार
- 2. पूंजी बाजार
- 3. व्युत्पन्न बाजार

क्या किसी अन्य दलाल-सदस्य के साथ पंजीकृत हैं:

दलाल का नाम :		
एक्सचेंज का नाम	:	
ग्राहक की कोड सं	Ì.	

दलाली फर्म को प्रस्तुत संपार्श्विक

संपार्श्विक	घोषित मूल्य	प्रतिशत हेयरकट	समनुदेशित मूल्य

- 1. नकद
- विपणन योग्य प्रतिभृतियां
- 3. बैंक गारिटयां
- 4. अचल संपत्ति
- 5. जेवरात
- 6. अन्य(निर्दिष्ट करें)

संदर्भ
्कुल नाम) (नाम) (पिता/पित का नाम) परिचित कराने वाले संघटक का कोड :

मेरे/(संगठन का नाम) द्वारा प्रस्तुत विवरण मेरी/(संगठन का नाम) सर्वोत्तम जानकारी और विश्वास में सत्य है । अगर उपरोक्त कोई सूचना असत्य अथवा गलत पाई जाती हैं तो मैं/(संगठन का नाम) उसके लिए उत्तरदायी हूं ।

(व्यष्टि संघटक का हस्ताक्षर) हिन्दू अविभाजित परिवार के मामले में तब

(कर्ता का हस्ताक्षर)

कृपया निम्नलिखित की प्रतिलिपि संलग्न करें (केवल संगत) :

- 1. पिछले 2 वित्तीय वर्षों के लिए आयकर विवरणी
- 2. पिछले 2 वित्तीय वर्षों के तुलनपत्र की प्रति
- 3. भागीदारी फर्म के मामले में भागीदारी विलेख की प्रति
- 4. व्युत्पन्न व्यापार में भाग लेने के लिए निदेशक मंडल के अनुमोदन की प्रति
- 5. अचल संपत्ति के मामले में मूल्यांकक के प्रमाणपत्र की प्रति
- 6. व्यष्टि के मामले में कृपया
 - पासपोर्ट की प्रति
 - राशन कार्ड की प्रति
 फोटो की ——— सं. (दलाल की आवश्यकतानुसार)
 - पिछले महीने के लिए संघटक के वेतन पर्ची की प्रति प्रस्तुत करें।

अनुबन्ध-٧

जोखिम प्रकटन दस्तावेज

(इस दस्तावेज को व्युत्पन्न व्यापार में प्रवेश करने के पूर्व प्रत्येक संभावित संघटक द्वारा पढ़ा जाना चाहिए और इसे नेशनल स्टाक एक्सचेंज ऑफ इंडिया के भावी विनियमों के खण्ड 4.3.3 के साथ पढ़ा जाना चाहिए)

एन.एस.ई.आई.एल. ने इस व्यापार खण्ड में भाग लेने की योग्यता पारित नहीं की है और न ही एनएसईआईएल ने इस प्रकटन दस्तावेज की पर्याप्तता अथवा यथार्थता ही पारित की है। संक्षिप्त विवरण सभी जोखिमों और व्यापार के अन्य महत्वपूर्ण पहलुओं को प्रकट नहीं करता। जोखिम को देखते हुए आपको केवल ऐसा लेन-देन करना चाहिए अगर आप संविदा(और संविदात्मक संबंध) जिसे आप कर रहे हैं की प्रकृति और आपके जोखिम के प्रति उद्भासन की सीमा को समझते हैं। व्युत्पन्न में व्यापार मे क्षति का जोखिम पर्याप्त होता है। आपको सावधानीपूर्वक विचार करना चाहिए कि क्या व्यापार आपके अनुभव, उद्देश्य, वित्तीय संसाधनों और अन्य संगत परिस्थितियों के दृष्टिगत उपयुक्त है या नहीं। इस प्रकार भावी व्यापार न केवल वित्तीय संसाधनों बल्क वित्तीय और भावनात्मक स्वभाव की भी अपेक्षा करता है। भावी और वैकल्पिक खण्ड में किसी दुष्परिणाम अथवा क्षति के मामले में संघटक ऐसी क्षति के लिए अकेले उत्तरदायी होगा और एक्सचेंज अथवा सेबी उसके लिए उत्तरदायी नहीं होगा और कोई भी ग्राहक यह बहाना नहीं कर सकता कि कोई पर्याप्त प्रकटन नहीं किया गया था अथवा उसे शामिल जोखिम का स्पष्टीकरण सदस्य द्वारा नहीं दिया गया था। ग्राहक परिणामों के लिए अकेले उत्तरदायी होगा और उसके कारण किसी संविदा का विलोप नहीं हो सकता।

भावी संविदाओं में व्यापार करने में शामिल जोखिम

"लिवरेज" अथवा "गियरिंग" का प्रभाव

प्रारंभिक मार्जिन की राशि भावी संविदा के मूल्य की अपेक्षा कम है इसलिए

लेनदेन का "लिवरेज" अथवा "गियरिंग" किया जाता है ।

स्टाक सूचकांक भावी व्यापार, जो अपेक्षतया मार्जिन की कम राशि के साथ संचालित किया जाता है, मूल निवेश राशि की तुलना में अत्यधिक लाभ अथवा हानि की संभावना प्रदान करता है। परन्तु भावी में लेन-देन में जोखिम की अधिक मात्रा रहती है।

इसलिए आपको स्टाक सूचकांक भावी में वास्तविक रूप से व्यापार करने से पूर्व निम्नलिखित विवरण पूरी तरह समझ लेना चाहिए और किसी की परिस्थितियों ,वित्तीय संसाधनों आदि को ध्यान में रखते हुए सावधानी से व्यापार करना चाहिए ।

- क. अगर भावी मूल्य आपके विरुद्ध जाता है तो आप अपेक्षतया कम समय में मूल निवेश राशि के समतुल्य पूरी मार्जिन अथवा उसके हिस्से की क्षति उठा सकते हैं। इसके अतिरिक्त यह क्षति मूल मार्जिन राशि से अधिक हो सकती है।
- ख. भावी व्यापार में सभी स्थितियों का दैनिक निपटान शामिल होता है। प्रत्येक दिन खुली स्थिति को सूचकांक के बंद स्तर पर आधारित बाजार को अंकित किया जाता है। अगर सूचकांक आपके विरुद्ध संचलित हुआ हो तो आपको ऐसे संचलन से होने वाली परिणामी क्षति(धारणात्मक) की राशि जमा करने की अपेक्षा होगी। इस मार्जिन का भुगतान साधारणतया अगले दिन व्यापार प्रारम्भ होने के पूर्व निर्दिष्ट समय के भीतर करना होगा।
- ग. अगर आप अतिरिक्त मार्जिन निर्धारित तारीख तक जमा नहीं कर पाते अथवा आपके खाते में बकाया ऋण होता है तो दलाल/सदस्य पूर्ण स्थिति अथवा उसके भाग समापन कर सकता हैं अथवा प्रतिभूतियां प्रतिस्थापित कर सकता हैं । इस मामले में आप ऐसे क्लोज-आऊट के कारण हुई किसी क्षति के लिए उत्तरदायी होंगे ।
- घ. कतिपय बाजार दशाओं के अधीन निवेशक लेन-देन निष्पादित करना कठिन अथवा असंभव पा सकता है । उदाहरणार्थ, यह स्थिति खराब नकदी जैसे कारकों के कारण उत्पन्न हो सकती है अर्थात् जब अपर्याप्त बोलियां अथवा प्रस्ताव हो अथवा मूल्य सीमा अथवा सर्किट ब्रेकर आदि के कारण व्यापार का निलम्बन हो ।
- ड. बाजार स्थायित्व बनाए रखने के लिए निम्नलिखित उपाय अपनाए जा सकते हैं : मार्जिन दर में परिवर्तन, नकद मार्जिन दर अथवा अन्य में वृद्धि । ये नए उपाय मौजूदा खुले हितों में प्रयोग किए जा सकते हैं । ऐसी दशा में आपसे अतिरिक्त मार्जिन प्रस्तुत करने अथवा अपनी स्थिति घटाने की अपेक्षा होगी ।

च. आपको अपने दलाल से उन भावी संविदाओं, जिसमें आप व्यापार करना चाहते हैं का पूरा ब्यौरा अर्थात् संविदा विशिष्टियां और संबद्ध दायित्वों को प्रदान करने के लिए करना चाहिए।

आपको यह ध्यान में रखना चाहिए कि ऊपर उल्लिखित विवरण सभी जोखिमों और भावी व्यापार की विशेषताओं को प्रकट नहीं कर सकते । इसलिए,भावी(वायदा) बाजार में व्यापार करने की अपेक्षा रखने वाले निवेशकों को ऐसा ऐसे व्यापार की कार्यविधि और संगत उपबंधों को समझने के बाद करना चाहिए ।

जोखिम कम करने वाले आदेश और कार्यनीतियां

कतिपय आदेश(यथा, "क्षिति बंद" आदेश अथवा "सीमा बंद" आदेश) प्रस्तुत करना, जिनका अभिप्रायः कतिपय राशि तक क्षिति सीमित करना है, प्रभावी नहीं हो सकते क्योंकि बाजार दशाएं ऐसे आदेशों को निष्पादित करना असंभव कर सकते हैं। विस्तार स्थिति जैसी स्थितियों के संयोजन का प्रयोग करते हुए कार्यनीतियां साधारण दीर्घ अथवा लघु स्थितियां लेने के समान जोखिमपूर्ण हो सकती हैं।

व्यापार और मूल्य निर्धारण संबंधों का निलम्बन अथवा प्रतिबंधन

बाजार दशाएं (अर्थात् खराब नकदी) और/अथवा कतिपय बाजारों के नियमों की प्रचालन (यथा, मूल्य सीमा अथवा सर्किट ब्रेकर के कारण किसी संविदा अथवा संविदा महीने में व्यापार का निलम्बन) स्थितियों को परिसमाप्त/समंजित करने की अयोग्यता के कारण क्षति का जोखिम बढ़ा सकता है।

जमा की गई नकदी और संपत्ति

आपकी किसी फर्म के दीवालिया होने की विशेष दशा में जमा की गई राशि अथवा संपत्ति को प्रदान की गई सुरक्षा से स्वयं को परिचित कराना चाहिए । आप जिस सीमा तक अपनी राशि अथवा संपत्ति वसूल कर सकते हैं, का नियंत्रण विशिष्ट विधान अथवा स्थानीय नियमों द्वारा हो सकता है । कुछ क्षेत्राधिकारों में, संपत्ति जो आपकी रवय के रूप में विशेष रूप से पहचाने योग्य, है को कमी की दशा में वितरण के प्रयोजन के लिए नकद के समान तरीके से यथानुपात किया जाएगा । सदस्य के साथ किसी विवाद के मामले में, वह एक्सचेंज के उप-नियमों /विनियमों के अनुसार विवाचन के अधीन होगा ।

कमीशन और अन्य प्रभार

आप जब व्यापार शुरू करें, उसके पूर्व आपको सभी कमीशन, फीस और अन्य प्रभारों, जिसके लिए आप दायी होंगे, की स्पष्ट व्याख्या प्राप्त कर लेनी चाहिए । ये प्रभार आपके निवल लाभ (अगर कोई हो) को प्रभावित करेंगे अथवा आपकी क्षति में वृद्धि करेंगे।

व्यापार की सुविधाएं

एक्सचेंज व्यापार करने की इलेक्ट्रानिक सुविधाएं प्रदान करता है, जो आदेश भेजने निष्पादनर, समतुलीकरण, पंजीकरण अथवा व्यापार के निपटान के लिए कम्प्यूटर आधारित प्रणाली है। सभी सुविधाओं और प्रणालियों की तरह वे अस्थायी बाधा अथवा खराबी के अधीन होते हैं। कतिपय, क्षतियों को बसूलने की आपकी योग्यता प्रणाली प्रदानकर्ता, बाजार भुगतान गृह और /अथवा सदस्य फर्मों द्वारा अधिरोपित देयता पर सीमा के अधीन हो सकती है। ऐसी सीमाएं भिन्न हो सकती हैं; आपको उस फर्म, जिसके साथ आप कारोबार करते हैं, से इस संबंध में ब्यौरे मांगने चाहिए।

एक्सचेंज से अलग लेन-देन

कुछ श्रेत्राधिकारों में और केवल प्रतिबंधित परिस्थितियों में फर्मों को एक्सचेंज से अलग लेन-देन करने के लिए अनुमित दी जाती है। फर्म, जिसके साथ आप लेन-देन करते हैं, लेन-देन में आपके प्रतिपक्ष के रूप में कार्यरत हो सकते हैं। मौजूदा स्थिति को परिसमाप्त करना, मूल्य निर्धारित करना, उचित मूल्य निर्धारित करने अथवा जोखिम के प्रति उद्भासन निर्धारित करना, कठिन अथवा असंभव हो सकता है। इन कारणों से इन लेनदेनों में बढ़ी हुई जोखिमें शामिल हो सकती हैं। एक्सचेंज से अलग लेन-देन कम विनियमित हो सकता है अथवा किसी पृथक विनियामक संस्था के अधीन हो सकता है। जब आप ऐसा लेन-देन करें उसके पूर्व आपको स्वयं लागू नियमों और जोखिमों से परिचित हो जाना चाहिए।

मैं एतद्द्वारा मानता हूं कि मैंने इस जोखिम प्रकटन विवरण को प्राप्त कर और समझ लिया है। ग्राहक का हस्ताक्षर(अगर भागीदार,कारपोरेट अथवा अन्य हस्ताक्षरकर्ता हो तो कपनी दी मुहर से अभिप्रमाणित करें।)

दिन

महीना

वर्ष

मेशनल स्टाक एक्सचेंज ऑफ इंडिया लिमिटेड

नेशनल स्टाक एक्सचेंज ऑफ इंडिया लिमिटेड की उपविधियों में किए गये संशोधन नीचे दिए गये हैं :-

[1] 1. एक्सचेज की उपविधि की "परिभाषा" की विद्यमान उपविधि (11) के स्थान पर निम्नलिखित उपविधि रखने का प्रस्ताव है :

उत्कथन

"(11) "सुसंगत प्राधिकारी" से बोर्ड, भारतीय प्रतिशृधि और विनिग्ध बोर्ड या ऐसा अन्य प्राधिकारी अभिप्रेत है जो विनिर्दिष्ट प्रयोजन के लिए यथासुसंगत बोर्ड द्वारा समय-समय पर विनिर्दिष्ट किया जाए ।"

अपउत्कथन

2. एक्सचेंज की उपविधि के अध्याय 1 की विद्यमान उपविधि (4) के पश्चात् लपविधि (5) अंत स्थापित किए जाने का प्रस्ताव है :

उत्कथन

"(5) भावी और विकल्प व्यापारिक संह

सेबी द्वारा अनुमोदित व्युत्पनी संविदाएं भावे। और विकास व्यापारिक खंड पर व्यवहार के लिए ग्रहण की जा सकेंगी ।"

अपउत्कथन

विद्यमान उपविधि (5) को उपविधि (6) के हव में पून, राख्यांकित किया जापूरण ।

3. एक्सचेंज की उपविधि के अध्याय 7 की विद्यानान उपविधि (6) के परवात, जपविधि (7) के रूप है निम्मलिखित अंत स्थापित किए जाने का प्रास्ताय है

उत्कथन

"व्यापारिक सदस्यों पर प्रतिबंध

(7) जब तक कि एक्सवेंज अन्यथा चिनिर्दिष्ट न कर, ग्यापारिक सदस्य अन्य व्यापारिक सदस्य के घटक नहीं होंगे ।

अपउत्कथन

4. एक्सचेज की उपविधि के अध्याय 9 की विद्यमान अपविधि (18) के पश्चात् उपविधि (18क) के रूप में निम्नलिखित अंत स्थापित किए जाने का प्रस्ताव है -

उत्कथन

"समय-समय पर सुसंगत प्राधिकारी द्वारा विहित विनियमों के अधीन रहते हुए, एक्सचेंज पर प्रतिभूतियों द्वारा किया गया कोई सव्यवहार ऐसी परिस्थितियों के अधीन एक्सचेंज के ऐसे व्यापारिक खंड की बाबत एक व्यापारिक सदस्य से दूसरे व्यापारिक सदस्य को अंतरित किया जा सकेगा जैसािक सुसंगत प्राधिकारी द्वारा समय-समय पर विनिर्दिष्ट किया जाए।"

अपउत्कथन

5. एक्सचेंज की उपविधि के अध्याय 9 की विद्यमान उपविधि (20) निम्नलिखित उपविधि द्वारा प्रतिस्थापित किए जाने का प्रस्ताव है :

उत्कथन

मार्जन प्राप्ति के रूप

इन उपविधियों और विनियमों के अधीन व्यापारिक सदस्य द्वारा प्रस्तुत की जाने वाली मार्जिन अन्य रूपों के साथ-साथ नकद रूप में या जमा प्राप्ति के रूप में होगी अथवा सुसंगत प्राधिकारी द्वारा अनिमोदित बैंक द्वारा दी गई गारंटी के रूप में या उराके द्वारा अनुमोदित प्रतिभृतियों के रूप में होगी जो ऐसी शतों और निबंधनों के अध्यधीन होंगी जैसा समय-समय पर अधिरोपित किया जाए । नकद जमा राशि पर ब्याज नहीं दिया जाएगा और व्यापारिक सदस्य द्वारा जमा प्रतिभृतियां प्रचलित व्यापार मृत्य पर आंकने पर उनके द्वारा समय-समय पर उनके द्वारा आंकादित मार्जिन रकम से इतना अधिक होना चाहिए जितना कि सुसंगत प्राधिकारी समय-समय पर विनिर्दिष्ट करे।

अपउत्कथन

6 एक्सचेंज की उपविधि के अध्याय 10 की विद्यमान उपविधि (2) निम्निलिखित उपविधि द्वारा प्रतिस्थापित किए जाने का प्रस्ताव है :

उत्कथन

जहां ऐसी कार्रवाई या युक्तियुक्त आधारों पर परिस्थितियों को न्यायोचित समझा जाए वहां व्यापारिक सदस्य प्रतिभूतियों के क्रय, विक्रय आदि के लिए संघटकों के आनुदेश या आदेश स्वीकार नहीं करेगा। जहां ऐसी इंकारी की जाती है वहां उसे संघटक को संसूचित किया जा सकता है। व्यापारिक सदस्य या उसके द्वारा किए जा रहे अनुरोध पर ऐसी निकासी के लिए संघटक को कारण भी बताएगा।

अपउत्कथन

7 एक्सचेंज की उपविधि के अध्याय 10 की उपविधि (15) में निम्नि**लिखित खंड अंतःस्थापित किए जाने** का प्रस्ताव है :

उत्कथन

(क) ऐसी परिस्थितियों में और एक्सचेज के ऐसे व्यापारिक खंड की बाबत जैसा कि सुसंगत प्राधिकारी द्वारा समय-समय पर विहित किया जाए, एक्सचेंज संघठक की खुली आवस्थिति की बंदी कर सकेगा या उनकी खुली आवस्थिति का अन्य व्यापारिक सदस्य को अंतरण कर सकता है।

अपउत्कथन

उपविधि (5) के विद्यमान खंड (क) और (ख) को क्रमशः, (ख) और (ग) के रूप में पुनःसंख्यांकित किया जाएगा।

8. उपविधि के अध्याय 10 की विद्यमान उपविधि (8) निम्नलिखित उपविधि द्वारा प्रतिस्थापित किए जाने का प्रस्ताव है :

उत्कथन

"संविदा के निष्पादन में असफल रहने पर संघटकों द्वारा बंद किया जाना/अंतरण

(1) यदि व्यापारिक सदस्य इन उपविधियों, नियमों और विनियमों के उपबंधों के अनुसार, परिदान या सदाय द्वारा संविदा के कार्य निष्पादन को पूरा करने में असफल रहता है तो संघटक, व्यापारिक सदस्य और एक्सचेंज को लिखित में सूचना देने के पश्चात् एक्सचेंज के अन्य व्यापारिक सदस्य के माध्यम से ऐसी संविदा को यथाशीघ्र बंद कर देगा या एक्सचेंज को अन्य व्यापारिक सदस्य की संविदाओं को अंतरण के लिए आवेदन करेगा और, यथास्थिति, ऐसे बंद या अंतरण के परिणामस्वरूप उपगत कोई हानि या नुकसानी तत्काल व्यतिक्रमी व्यापारिक सदस्य द्वारा संघटक को संदेय की जाएगी । यदि इसमे यथा उपबंधित बंदी या अंतरण प्रमावी नहीं होता है तो पक्षकारों के बीच हुई नुकसानी को ऐसे आधार पर अवधारित किया जाएगा है सम स्संगत प्राधिकारी द्वारा समय-समय पर विनिर्दिष्ट किया जाए तथा संगठक और व्यापारिक सदस्य के एक दूसरे के विरुद्ध आशय के सभी भावी अधिकार समहपृत हो जाएंगे। ।"

अपउत्कथन

[II] 1. अध्याय 11 की उपविधि (1) को निम्नलिखित उपविधि द्वारा प्रतिस्थापित किए जाने का प्रस्ताव है :

उत्कथन

व्यापारिक सदस्यों के आपस में और व्यापारिक सदस्यों और उनके संघटको के बीच एक्सचेंज मे निष्पादित या रिपोर्ट किए गए और एक्सचेंज की उपविधियों, नियमों और विनियमों के अध्यधीन किए गए व्यौहारों, संविदाओं और संव्यवहारों या उसके अनुषंगिक किसी निर्देश से या उसके अनुसरण में या उसके पक्षकारों की विधिमान्यता, संरचना, निर्वचन, पूर्ति या अधिकार बाध्यताएं और दायित्वों से उद्मृत या के संबंध में सभी दावे, मतभेद या विवाद इन उप विधियों और विनियमों के उपबंधों के अनुसार माध्यस्थम् के लिए प्रस्तुत किए जाएंगें।

अपउत्कथन

2. अध्याय 11 की विद्यमान उपविधि 1 के पस्तात् उपविधि 1क के रूप में, निम्नलिखित उपविधि अंतःस्थापित किए जाने का प्रस्ताव है :

उत्कथन

" (1क) व्यापारिक सदस्यों और उप-दलालों और उप-दलालों और उनके ग्राहकों के बीच एक्सचेंज में निष्पादित या रिपोर्ट किए गए और एक्सचेंज की उपविधियों, नियमों और विनियमों के अध्यधीन किए गए व्यौहारों, संविदाओं और संव्यवहारों या उसके अनुषंगिक किसी निर्देश से या उसके अनुसरण में या उसके पक्षकारों की विधिमान्यता, संरचना, निर्वचन, पूर्ति या अधिकार बाध्यताएं और दायित्वों से उद्भृत या के संबंध में सभी दावे, मतभेद या विवाद इन उप विधियों और विनियमों के उपबंधों के अनुसार माध्यस्थम् के लिए प्रस्तुत किए जाएंगें।

स्पष्टीकरण— इन उपविधियों के प्रयोजन के लिए उप-दलालों और ग्राहकों का वही अर्थ होगा जो सेबी (स्टाक-ब्रोकर और सब-ब्रोकर) विनियम, 1992 में है परंतु यह कि उप-दलाल ने एक्सचेंज के व्यापारिक सदस्य के अंतर्गत सेबी रिजस्ट्रीकरण अभिप्राप्त कर लिया हो। "

अपउत्कथन

3. अध्याय 11 की उपविधि 1क के पश्चात् उपविधि 1ख के रूप में निम्नलिखित उपविधि अंतःस्थापित किए जाने का प्रस्ताव है

उत्कथन

"(1ख) व्यापारिक सदस्यों के आपस में, व्यापारिक सदस्यों और सहभागियों में तथा आपस में सहभागियों के बीच एक्सचेंज में निष्पादित या रिपोर्ट किए गए और एक्सचेंज की उपविधियों, नियमों और विनियमों के अध्यधीन किए गए व्यौहारों, संविदाओं और संव्यवहारों या उसके अनुषंगिक किसी निर्देश से या उसके अनुसरण में या उसके पक्षकारों की विधिमान्यता, संरचना, निर्वचन, पूर्ति या अधिकार बाध्यताएं और दायित्वों से उद्भृत या के संबंध में सभी दावे, मतभेद या विवाद इन उप विधियों और विनियमों के उपबंधों के अनुसार माध्यस्थम के लिए प्रस्तुत किए जाएंगें।"

अपउत्कथन

4. अध्याय 11 की उपविधि (1ख) के पश्चात् उपविधि (1ग) के रूप में निम्नलिखित उपविधि अंतःस्थापित किए जानें का प्रस्ताव है :

उत्कथन

"(1ग.) एक्सचेंज की उपविधि, नियमों और विनियमों के अधीन किए गए सभी व्यवहारों, संविदाओं और संव्यवहारों में उल्लिखित पक्षकारों के बीच सभी दावों, मतभेदों, विवादों के लिए उपविधि (1), (1क) और (1ख) लागू हो जाएंगी, परंतु यह कि ऐसे व्यवहार, संविदाएं और संव्यवहार उनमें वर्णित पक्षकारों ने उस तारीख से पहले किए हैं जिस तारीख को व्यापारिक सदस्य व्यतिक्रमी घोषित कर दिया गया है या निष्पाषित कर दिया गया है या उसने अपनी व्यापारिक सदस्यता अभ्यर्पित कर दी है।

अपउत्कथन

5. अध्याय 12 की विद्यमान उपविधि 29 के पश्चात् उपविधि 30 के रूप में निम्नलिखित उपविधि अंतःस्थापित किए जाने का प्रस्ताव है।

उत्कंथन

''इस अध्याय के प्रयोजन के लिए ' व्यतिक्रमी' समिति, ऐसी समिति होगी जो निदेशक बोर्ड द्वारा समय-समय पर गठित की जाए । किसी भी समय व्यतिक्रमियों की समिति के 60 प्रतिशत से अन्यून सदस्य अव्यापारिक सदस्यों में से होंगे जो सेबी के पूर्व अनुमोदन से एक्सधेंज द्वारा नामनिर्दिष्ट किए जाएंगे।''

अपउत्कथन

6. अध्याय 12 की उपविधि 30 के पश्चात् उपविधि 31 के रूप में निम्नलिखित उपविधि अंतःस्थापित किए जाने का प्रस्ताव है।

उत्कथन

"(31) इस अध्याय में किसी प्रतिकृत बात के होते हुए भी जब हस्ताक्षरों में भिन्नता या अन्यथा उद्भूत कंपनी आपितायों के परिशोधन के लिए दाखिल की जाती है तो एक्सचेंज या नेशनल सक्योरिटिज क्लीरिंग कारपोरेशन लिमिटेड (समाशोधन निगम) प्राप्तकर्ता सदस्य / प्राप्तकर्ता सदस्य के ग्राहक की वास्तविकता के संबंध में अपना समाधान करने के पश्चात् उनके फायदे के लिए प्रतिभूतियां अपने नाम अर्जित करेगा या प्राप्तकर्ता सदस्य/ प्राप्तकर्ता सदस्य के ग्राहक के लिए न्यसतः अर्जित करेगा । एक्सचेंज / समाशोधन निगम स्वयं द्वाश यथा विहित प्रभारों के संदाय पर इस प्रकार अर्जित ग्रितभूतियों का विक्रय कर सकता है या का व्ययन कर सकता है या दावे का पूर्ण और अंतिम तुष्टि के लिए प्राप्तकर्ता सदस्य / प्राप्तकर्ता सदस्य के ग्राहक को अंतरित कर सकेगा । परंतु यह कि एक्सचेंज / समाशोधन निगम ऐसे प्राप्तकर्ता सदस्य के ग्राहक को अंतरित कर सकेगा । परंतु यह कि एक्सचेंज / समाशोधन निगम ऐसे प्राप्तकर्ता सदस्य / प्राप्तकर्ता सदस्य के ग्राहक को लिए पूर्व शर्त के रूप में अपेक्षा करने के लिए स्वतंत्र होगा । परंतु यह और भी कि विक्री के ऐसे संदाय या प्राप्तकर्ता सदस्य / प्राप्तकर्ता सदस्य के ग्राहक को प्रतिभूतियों के अंतरण पर वह वावे का पूर्ण रूप से निपटाश करेगा और व्यतिक्रमी के विरुद्ध किसी भी आधार पर जो भी हो, कोई दावा नहीं करेगा ।

अपरत्कथन

7. अध्याय 12 की उपविधि 10, 11 और 12 का लोप करने का प्रस्ताय है।

कृते नेशनल स्टाक एक्सचेंज आफ इंडिया लिमिटेड

जे. रविचन्द्रन कंपनी संचिव और उपाध्यक्ष

नेशनल सिक्यूरिटीज़ क्लियरिंग कारपोरेशन लिमिटेड

नेशनल सिक्यूरिटीज क्लीयरिंग कारपोरेशन लिमिटेड के भावी और विकल्प खंड के नियमों को नीचे दिया गया हैं:-

नेशनल सिक्यूरिटीज़ क्लियरिंग कारपोरेशन लिमिटेड (वायदा और विकल्प खण्ड) नियम,2000

अध्याय-।: परिभाषाएं

।. बोर्ड

बोर्ड का अर्थ नेशनल सिक्यूरिटीज़ क्लियरिंग कारपोरेशन लिमिटेड का निदेशक मंडल है।

2. उप-नियम

जब तक परिप्रेक्ष्य अन्यथा इंगित नहीं करता, उप-नियम का अर्थ वर्तमान में लागू क्लियरिंग कारपोरेशन के वायदा और विकल्प खण्ड का उप-नियम है।

3. क्लियरिंग बैंक

क्लियरिंग बैंक, ऐसे बैंक हैं, जिन्हें क्लियरिंग कारपोरेशन क्लियरिंग कारपोरेशन के माध्यम से भुगतान किए गए वायदा और विकल्प खंड के संबंध में सभी लेन-देनों के लिए मार्जिन राशि के संग्रहण और भुगतान करने वाले सदस्य और क्लियरिंग कारपोरेशन और भुगतान करने वाले सदस्यों के बीच किसी अन्य निधि निस्सरण के लिए निधि निपटान एजेंसी के रूप में नियुक्त करे।

4. क्लियरिंग कारपोरेशन

"क्लियरिंग कारपोरेशन" का अर्थ नेशन**ल सिक्यूरिटीज़ क्लियरिंग कारपोरेशन लिमिटे**ड है ।

5. भुगतान करने वाला सदस्य

"भुगतान करने वाले सदस्य" का अर्थ क्लियरिंग कारपोरेशन के वायदा और विकल्प खंड के सदस्य है और इसमें वायदा और विकल्प खंड में क्लियरिंग कारपोरेशन द्वारा जैसी स्वीकृति दी जाए भुगतान करने वाले सदस्यों की सभी श्रेणियां शामिल हैं परन्तु यह क्लियरिंग कारपोरेशन के शेयरधारक को प्रदर्शित नहीं करता ।

6. वायदा और विकल्प खंड

"वायदा और विकल्प खंड" अथवा "एफ.एण्ड.ओ." खंड का अर्थ क्लियरिंग कारपोरेशन का वायदा और विकल्प खंड है और इसमें समय-समय पर संगत प्राधिकारी द्वारा जैसा वर्गीकृत किया जाए, लेन-देनों के भुगतान और निपटान के लिए विभिन्न क्लियरिंग उप-खंड अथवा उसके विभाजन शामिल होते हैं।

7. लेन-देन

"लेन-देन" का अर्थ जब तक परिप्रेक्ष्य अन्यथा प्रदर्शित नहीं करे, ऐसा लेन-देन होता है, जिसे क्लियरिंग कारपोरेशन के एफ.एण्ड.ओ. खंड के माध्यम से भुगतान करने और निपटान की अनुमित दी जाती है।

8. विनियम

"विनियम" का अर्थ तत्समय लागू क्लियरिंग कारपोरेशन के एफ.एण्ड.ओ. खंड का विनियम है और इसमें क्लियरिंग कारपोरेशन के एफ.एण्ड.ओ. खंड के प्रचालन के लिए समय-समय पर संगत प्राधिकारी द्वारा जारी कारोबारी नियम,आचार संहिता और ऐसी अन्य कार्यविधियां तथा विनियम,परिपत्र,निर्देश और आदेश शामिल होते हैं।

9. संगत प्राधिकारी

"संगत प्राधिकारी" का अर्थ बोर्ड, भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड अथवा किसी निर्दिष्ट प्रयोजन के लिए यथासंगत समय-समय पर बोर्ड द्वारा यथानिर्दिष्ट अन्य प्राधिकारी है।

10. निपटान निधि

"निपटान निधि" का अर्थ एफ.एण्ड.ओ. खंड के संबंध में उप-नियमों के संगत उपबंधों के अनुसार स्थापित और अनुरक्षित निधि है ।

11. व्यापार करने वाले सदस्य

"व्यापार करने वाले सदस्य" का अर्थ किसी एक्सचेंज के एफ.एण्ड.ओ.खंड में उस एक्सचेंज के नियमों, उप-नियमों और विनियमों के अनुसार सदस्य के रूप में स्वीक्त कोई व्यक्ति है।

टिप्पणी : ऊपर परिभाषित शब्दों का समान अर्थ होगा जब तक परिप्रेक्ष्य अन्यथा प्रदर्शित नहीं करें जब उनका प्रयोग उप-नियमों के निचले मामले में किया जाए ।

अध्याय-॥

बोर्ड

- बोर्ड को क्लियरिंग कारपोरेशन के एफएण्डओ खंड को संगठित अनुरक्षित, नियंत्रित, विनियमित करने और उसके प्रचालन तथा भुगतान करने वाले सदस्यों के सभी कार्यकलापों को सुविधाजनक बनाने के लिए शक्तियां प्राप्त हैं।
- बोर्ड को क्लियरिंग कारपोरेशन के एफएण्डओ खंड के व्यापार, भुगतान करने वाले (क्लियरिंग) सदस्यों, भुगतान करने वाले सदस्यों के बीच परस्पर तथा साथ ही भुगतान करने वाले सदस्यों और व्यक्तियों, जो भुगतान करने वाले सदस्य नहीं हैं, के बीच कारोबार और लेन-देन के संचालन से संबंधित सभी अथवा किसी मामले में समय-समय पर नियम, उप-नियम और विनियम बनाने और ऐसे सभी लेन-देनों और कार्यवाहेयों को नियंत्रित, परिभाषित और विनियमित करने तथा वे सभी कार्य और बातें, जो क्लियरिंग कारपोरेशन के एफ.एण्ड.ओ. खंड के प्रयोजन के लिए आवश्यक है, करने की शक्तियां प्राप्त हैं।
- 3. पूर्वोक्त की सामान्यता को हानि पहुंचाएं बिना बोर्ड को निम्नलिखित सभी अथवा किसी मामले में विनियम बनाने की शक्ति प्राप्त है :

- 1. क्लियरिंग कारपोरेशन के एफ.एण्ड.ओ. खंड के कारोबार का संचालन।
- 2. क्लियरिंग कारपोरेशन के किसी प्रयोजन के लिए किसी समिति अंथवा समितियों की नियुक्ति और विसर्जन ।
- 3. प्रचालन की तरीका और एक्सचेंज, अभिरक्ष्कों, निक्षेपागार और भुगतान करने वाले बैंक (बैंकों) के साथ परस्पर कार्य करना ।
- 4. क्लियरिंग कारपोरेशन के एफएण्डओ खंड की सदस्यता में प्रवेश के लिए मानदंड, कार्यविधि और शर्ते बनाना ।
- क्लियरिंग कारपोरेशन के एफएण्डओ खंड की क्लियरिंग सदस्यता की शर्ते, प्रवेश के लिए लेबी अथवा प्रवेश अथवा जारी रहने के लिए अभिदान।
- 6. क्लियरिंग कारपोरेशन के कारोबार के संबंध में भुगतान करने वाले(क्लियरिंग) सदस्यों का संचालन ।
- 7. समय-समय पर पूंजी पर्याप्तता और अन्य मानदंड निर्धारित करना, जिनकी अपेक्षा भुगतान करने वाले (क्लियरिंग) संदस्यों की विभिन्न श्रेणियों द्वारा रखने की होगी।
- 8. जैसा समय-समय पर निर्धारित किया जाए, क्लियरिंग कार्श्वारंशन के एफएण्डओ खंड के माध्यम से किए गए कारोबार के लिए भुगतान करने वाले (क्लियरंग) सदस्यों द्वारा देय प्रभार।
- 9. जैसा समय-समय पर निर्दिष्ट किया जाए भुगतान करने वाले (क्लियरिंग) सदस्यों द्वारा रिकार्ड और लेखा बहियां रखना ।
- 10. भुगतान करने वाले (क्लियरिंग) सदस्यों की वित्तीय दशा, कारोबार संचालन और लेन-देनों की जांच ।
- 11. किसी नियम, उप-नियम और विनियमों और आचार संहिता की किसी अपेक्षा के उल्लंघन के लिए क्लियरिंग कारपोरेशन के एफ.एण्ड.ओ. खंड

- से भुगतान करने वाले (क्लियरिंग) सदस्यों के निलम्बन/निष्कासन सहित समय-समय पर दंड, जुर्माने और अन्य परिणामों का निर्धारण और प्रशासन।
- 12. किसी भुगतान करने वाले (क्लियरिंग) सदस्य के विरूद्ध अनुशासनिक कार्रवाई/कार्यविधि ।
- 13. भुगतान करने वाले (क्लियरिंग) सदस्यों के निलम्बन अथवा निष्कासन सहित क्लियरिंग कारपोरेशन के एफ.एण्ड.ओ. खंड के उप-नियमों, नियमों और विनियमों अथवा सामान्य अनुशासन का पालन नहीं करने अथवा उल्लंघन करने के लिए दण्ड।
- 14. किसी भी भुगतान करने वाले (क्लियरिंग) सदस्य को चूककर्ता के रूप में घोषित करना अथवा क्लियरिंग सदस्यता से निलम्बन अथवा त्थागपत्र अथवा निष्कासन और उसके अन्य परिणाम ।
- 15. क्लियरिंग कारपोरेशन के संबंध में ऐसे अन्य मामले जिसे संस्था के अन्तर्नियम, उप-नियम अथवा इन नियमों के उपबंधों के अधीन निर्दिष्ट किया जाए अथवा जो क्लियरिंग कारपोरेशन के संगठन, अनुरक्षण, प्रबन्ध, विनियमन और प्रचालन को सुविधाजनक बनाने के लिए आवश्यक अथवा समीचीन हों।
- 4. बोर्ड को समय-समय पर कार्यकारी सिमिति(सिमितियों) अथवा अन्य किसी सिमिति (सिमितियों) अथवा प्रबन्ध निदेशक अथवा किसी व्यक्ति को उसमें विहित शक्तियों को और ऐसी शर्तों पर जिसे वह सही समझे क्लियरिंग कारपोरेशन के एफएण्डओ खंड के सभी अथवा किसी कार्य का प्रबन्ध करने के लिए प्रत्यायोजित करने और समय-समय पर ऐसी सभी अथवा किसी शक्ति को खण्डित करने, वापस लेने, परिवर्तित करने अथवा भिन्न करने की शक्ति प्राप्त है।
- 5. बोर्ड समय-समय पर बोर्ड के सदस्यों अथवा ऐसे अन्यों, जिसे बोर्ड अपने विवेक पर उचित अथवा आवश्यक समझे, को शामिल करते हुए एक अथवा अधिक समितियां गठित कर सकता है और ऐसी समितियों को ऐसी शक्तियां, जिसे बोर्ड सही समझे प्रत्यायोजित कर सकता है और बोर्ड समय-समय पर ऐसा प्रत्यायोजन खंडित कर सकता है।

6. बोर्ड को समय-समय पर कार्यपालक समिति अथवा अन्य किसी समिति अथवा अन्य किसी व्यक्ति अथवा व्यक्तियों, जिन्हें बोर्ड द्वारा शक्तियां प्रत्यायोजित की गई हैं, निर्देश जारी करने का प्राधिकार है।

इस शक्ति के प्रयोग में जारी ऐसा निर्देश, जो नीतिगत प्रकृति का हो सकता है अथवा जिसमें किसी विशेष मामला अथवा मुद्दा निपटाने का निर्देश शामिल हो सकता है, संबंधित समिति (समितियों) अथवा व्यक्ति (व्यक्तियों) पर बाध्यकारी होगा।

- 7. बोर्ड को उसके द्वारा "सेबी" के पूर्वानुमोदन से बनाए गए उप-नियमों और नियमों को परिवर्तित, निरसित करने अथवा परिवर्धन करने की शक्ति होगी ।
- 8. बोर्ड अपने द्वारा बनाए गए विनियमों को परिवर्तित करने, संशोधित करने, निरसित करने अथवा परिवर्धित करने के लिए प्राधिकृत है । ऐसे परिवर्तन 24 घण्टे के भीतर "सेबी" को सूचित किए जाएंगे ।

अध्याय-॥।

कार्यकारी समिति

1. गठन

क्लियरिंग कारपोरेशन के एफएण्डओ खंड के विभिन्न क्लियरिंग उप-खंड (खंडों) के दिन-प्रतिदिन कार्य का प्रबन्ध करने के प्रयोजन के लिए बोर्ड द्वारा एक अथवा अधिक समिति(समितियां) नियुक्त की जा सकती है । बोर्ड कार्यकारी समिति (समितियों) के गठन, अविध और शक्तियों, कार्यकारी समिति (समितियों) के नामनिर्देशन और उससे नामितियों को हटाने तथा अधिकारियों की नियुक्ति करने और कार्यकारी समिति(समितियों) के कार्यकरण के लिए नियम और कार्यविधियों का निर्णय कर सकता है।

2. कार्यकारी समिति की शक्तियां

(1) बोर्ड समय-समय पर कार्यकारी समिति (समितियों) को उसमें विहित और ऐसी शर्तों पर जैसा वह उचित समझे, शक्तियां क्लियरिंग कारपोरेशन के एफएण्डओ खंड के सभी अथवा किसी कार्य से प्रबन्ध के लिए प्रत्यायोजित कर सकता है

और समय-समय पर ऐसी सभी अथवा किसी शक्ति को खंडित, वापस, परिवर्तित अथवा भिन्न कर सकता है।

(2) कार्यकारी समिति (समितियां) बोर्ड द्वारा समय-समय पर जारी किसी निर्देश को पूरा और कार्यान्वित करने के लिए बाध्य और उत्तरदायी होगी और जैसा निर्दिष्ट किया जाए कार्यकारी समिति (समितियों) की शक्तियों पर प्रत्यायोजन और सीमाबद्धता की सभी शर्तों का अनुपालन करने के लिए बाध्य होगी।

अध्याय-iv

क्लियरिंग सदस्यता

1. बहु श्रेणी

भुगतान करने वाले (क्लियरिंग) सदस्य के अधिकार, विशेष अधिकार कर्त्तव्य और उत्तरदायित्व नियम, उप-नियम और विनियमों के अधीन और उसके अनुसार होंगे । संगत प्राधिकारी एक ही क्लियरिंग खंड अथवा विभिन्न क्लियरिंग उप-खंडों के लिए भुगतान करने वाले (क्लियरिंग) सदस्यों की एक से अधिक श्रेणी परिभाषित और स्वीकृत कर सकता है और विभिन्न उप-खंडों के लिए सदस्यता की पात्रता, प्रवेश और समापन सहित विभिन्न मानदंड निर्दिष्ट कर सकता है।

2. प्रवेश और फीस

- (1) संगत प्राधिकारी भुगतान करने वाले (क्लियरिंग) सदस्यों की विभिन्न श्रेणियां और ऐसी प्रत्येक श्रेणी के लिए अर्हता, निवल संपत्ति, आधारभूत ढांचों से संबंधित अपेक्षाएं तथा अन्य संगत मानदंड निर्दिष्ट कर सकता है।
- (2) संगत प्राधिकारी, क्लियरिंग कारपोरेशन के एफ.एण्ड.ओ. खंड के सभी अथवा किसी क्लियरिंग उप-खंड के भुगतान करने वाले (क्लियरिंग) सदस्यों के प्रवेश के लिए आवेदन, समापन, पुनः प्रवेश आदि के लिए पूर्वाश्यकताएं, शर्तें, प्ररूप और कार्यविधियां निर्दिष्ट कर सकता है। संगत प्राधिकारी, अपने संपूर्ण विवेक पर सभी अथवा किसी क्लियरिंग उप-खंडों में भुगतान करने वाले (क्लियरिंग) सदस्य के रूप में प्रवेश देने के लिए किसी आवेदक को अनुमति अस्वीकार कर सकता है।

(3) भुगतान करने वाले (क्लियरिंग) सदस्य के रूप में प्रवेश और उसकी लगातार नियुक्ति के लिए प्रवेश के पूर्व संगत प्राधिकारी द्वारा जैसा निर्दिष्ट किया जाए ऐसी फीस, जमानत राशि, अंशदान और अन्य राशि देय होगी।

3. पात्रता

- 1. निम्नलिखित व्यक्ति, क्लियरिंग कारपोरेशन के एफएण्डओ खंड के भुगतान करने वाले (क्लियरिंग) सदस्य बनने के पात्र होंगे :
 - (क) व्यष्टि
 - (ख) पंजीकृत फर्म
 - (ग) निगमित निकाय; और
 - (घ) कंपनी अधिनियम, 1956 में यथापरिभाषित कंपनियां
- 2. अगर ऐसे प्रस्तावित सदस्य निम्न हों तो किसी व्यक्ति को भुगतान करने वाले (क्लियरिंग) सदस्य के रूप में प्रवेश नहीं दिया जाएगा :
 - (क) ऐसा व्यष्टि हो, जिसने 21 वर्ष की आयु पूरी नहीं की हो ।
 - (ख) दीवालिया घोषित किया गया हो अथवा व्यक्ति के विरुद्ध दीवालिया होने का प्रापण आदेश दिया गया हो अथवा व्यक्ति को यहां तक कि अपनी अंतिम चुकौती प्राप्त करने पर भी दिवालिया सिद्ध किया गया हो ।
 - (ग) ऋण की पूर्ण चुकौती से कम के लिए अपने ऋणदाता के साथ सुलह किया हो ।
 - (घ) धोखाधड़ी अथवा बेईमानी वाले किसी अपराध का दोषी पाया गया हो ।
 - (ड.) एक निगमित निकाय हो, जिसने ऐसा कोई कार्य किया हो, जो उसे कानून के उपबंधों के अधीन बंद करने योग्य बनाता हो ।
 - (च) एक निगमित निकाय हो, जिसके पास व्यक्ति के लिए अनन्तिम परिसमापक अथवा प्रापक अथवा सरकारी परिसमापक नियुक्त किया गया हो ।

- (छ) किसी भी समय किसी अन्य स्टाक एक्सचेंज अथवा क्लियरिंग कारपोरेशन द्वारा चूककर्ता के रूप में निष्कासित अथवा घोषित किया गया हो ।
- (ज) अस्वीकृति की तारीख से एक वर्ष की अवधि गुजरते तक उसे क्लियरिंग सदस्यता अस्वीकार की गई हो ।

अतिरिक्त पात्रता मानदंड

कोई भी व्यक्ति क्लियरिंग सदस्यता के लिए प्रवेश का पात्र नहीं होगा जब तक व्यक्ति क्लियरिंग सदस्यों और क्लियरिंग उप-खंडों की विभिन्न श्रेणियों के लिए समय-समय पर बोर्ड अथवा संगत प्राधिकारी द्वारा निर्धारित ऐसा अतिरिक्त पात्रता मानदंड पूरा नहीं करता हो।

आगे बशर्ते कि संगत प्राधिकारी प्रवेश की सभी अथवा किसी शर्त के अनुपालन से छूट दे सकता है और अपने विवेक पर ऊपर निर्धारित अपेक्षाओं से छूट दे सकता है अगर उनकी यह राय है कि प्रवेश मांगने वाले व्यक्ति को संगत प्राधिकारी द्वारा अन्यथा उसके साधनों, स्थिति सत्यनिष्ठा, प्रतिभूतियों के कारोबार के ज्ञान और अनुभव के कारण क्लियरिंग सदस्य के रूप में प्रवेश देने के लिए अर्हक समझा जाता है।

5. प्रवेश

- (1) क्लियरिंग सदस्य बनने का इच्छुक कोई व्यक्ति क्लियरिंग कारपोरेशन के एफएण्डओ खंड के संगत क्लियरिंग उप-खंड की क्लियरिंग सदस्यता में प्रवेश के लिए क्लियरिंग कारपोरेशन के एफएण्डओ खंड को आवेदन करेगा । प्रत्येक आवेदक पर संगत प्राधिकारी द्वारा विचार किया जाएगा, जो अपने विवेक पर ऐसे आवेदन को स्वीकार अथवा अस्वीकार करने का हकदार होगा ।
- (2) प्रत्येक खंड के लिए क्लियरिंग सदस्य के प्रवेश के लिए आवेदन ऐसे प्रपन्न में किया जाएगा; जिसे समय-समय पर संगत प्राधिकारी द्वारा निर्दिष्ट किया जाए।
- (3) आवेदन ऐसे रूप में और तरीके से, जिसे समय-समय पर संगत प्राधिकारी द्वारा निर्दिष्ट किया जाए ऐसी फीस, जमानत राशि और अन्य राशियों के साथ प्रस्तुत किया जाना होगा।

- (4) आवेदक को समय-समय पर संगत प्राधिकारी द्वारा जैसा निर्दिष्ट किया जाए वैसी घोषणा,वचन, प्रमाणपत्र ,पुष्टि और ऐसे अन्य दस्तावेज अथवा कागजात प्रस्तुत करने होंगे ।
- (5) संगत प्राधिकारी को आवेदक से समय-समय पर क्लियरिंग कारपोरेशन के एफएण्डओ खंड द्वारा रखी जाने वाली निपटान निधि और अन्य किसी निधि में ऐसी फीस अथवा जमाराशि, नकद, अथवा वस्तु में ऐसी अतिरिक्त जमानत राशि, जमाराशि अथवा अंशदान अदा करने कोई अतिरिक्त गारंटी प्रस्तुत करने अथवा कम्प्यूटरीकरण निधि, प्रशिक्षण निधि को अंशदान अथवा फीस, अगर कोई हो, जिसे संगत प्राधिकारी समय-समय पर निर्धारित करे, अदा करने की अपेक्षा करने का अधिकार होगा।
- (6) संगत प्राधिकारी अनित्तम रूप से आवेदक को क्लियरिंग सदस्यता के एक रूप में प्रवेश दे सकता है बशर्ते कि आवेदक संगत प्राधिकारी द्वारा यथानिर्दिष्ट ऐसी शतों के अधीन आवेदन की पात्रता शर्त है अन्य कार्यविधियों और अपेक्षाओं की पूर्ति करता है। संगत प्राधिकारी के इस बात पर सन्तुष्ट होने कि क्लियरिंग सदस्यता के लिए अन्य सभी शर्ते और अन्य अपेक्षाओं का अनुपालन किया गया है, आवेदक को क्लियरिंग सदस्य के रूप में प्रवेश दिया जा सकता है। अनन्तिम सदम्यता आवेदक को क्लियरिंग सदस्यता के लाभ और अधिकार का हकदार नहीं बनाएगी।
- (7) संगत प्राधिकारी अपने पूर्ण विवेक पर प्रवेश के लिए किसी आवेदन को उसका कारण सूचित किए बिना अस्वीकार कर सकता है।
- (8) अगर किसी कारण से आवेदन अस्वीकृत किया जाता है तो आवेदन फीस अथवा प्रवेश फीस, अगर कोई हो, जैसा भी मामला हो अथवा उसका भाग, जैसा संगत प्राधिकारी द्वारा निर्णय किया जाए उसके विवेक पर ब्याज के बिना आवेदक को वापस कर दी जाएगी।
- (9) संगत प्राधिकारी क्लियरिंग सदस्यता में प्रवेश की तारीख से किसी भी समय प्रवेश को वापसव ले सकता है और किसी क्लियरिंग सदस्य को निष्कासित कर सकते हैं अगर उसने सदस्यता के प्रवेश के लिए आवेदन के समय अथवा उसके प्रवेश के पूर्व संगत प्राधिकारी द्वारा की गई जांच के दौरान निम्न किया हो :
 - (क) जानबूझकर कोई गलत विवरण दिया हो ।

- (ख) उससे अपेक्षित अपने चरित्र और पूर्ववृत्त के संबंध में किसी वास्तविक जानकारी को छिपाया हो ।
- (ग) उसने प्रत्यक्षतः अथवा अप्रत्यक्षतः कोई गलत विवरण अथवा सूचना दी हो अथवा झूठी घोषणा की हो ।
- 10. (क) सदस्यता में प्रवेश क्लियरिंग कारपोरेशन के सदस्य के रूप में किसी स्वामित्व का अधिकार प्रदान नहीं करता और जैसा यहां नीचे उल्लिखित है, को छोड़कर स्थानान्तरणीय अथवा प्रेषणीय नहीं होगी।
- (ख) संगत प्राधिकारी समय-समय पर जैसा निर्धारित करे उन शर्तों और संगत प्राधिकारी के लिखित पूर्वानुमोदन के अधीन क्लियरिंग सदस्यता का स्थानान्तरण निम्नानुसार किया जा सकता है:
 - (i) इन नियमों के अधीन नामनिर्देशन देकर
 - (ii) किसी क्लियरिंग सदस्य कंपनी के समामेलन अथवा विलयन द्वारा
 - (iii) किसी क्लियरिंग सदस्य कंपनी के अधिग्रहण द्वारा
 - (iv) किसी क्लियरिंग सदस्य फर्म की क्लियरिंग सदस्यता किसी नई फर्म, जिसमें सभी मौजूदा भागीदार, भागीदार नहीं हैं, में स्थानान्तरण द्वारा; और
 - (v) एक नई भागीदार फर्म/कंपनी बनाने के लिए एक साथ आने वाले दो अथवा अधिक क्लियरिंग सदस्य/क्लियरिंग सदस्य फर्मीं द्वारा
- (ग) कोई क्लियरिंग सदस्य अथवा उसके उत्तराधिकारी क्लियरिंग सदस्यता के लिए नामनिर्देशन दे सकते हैं । किसी क्लियरिंग सदस्य अथवा किसी क्लियरिंग सदस्य अथवा किसी क्लियरिंग सदस्य के उत्तराधिकारी द्वारा दिया गया नामनिर्देशन निम्नलिखित शर्तों के अधीन होगा, यथा;
 - (i) नामिति उस समय जब नामनिर्देशन प्रभावी हो जाता है, ऐसे व्यक्ति होंगे जो क्लियरिंग कारपोरेशन के क्लियरिंग सदस्य के रूप में प्रवेश पाने के लिए अर्हक होंगे।
 - (ii) नामिती संगत प्राधिकारी को अपने नामनिर्देशन की शर्तरहित और अप्रत्यादेय स्वीकृति देंगे ।
 - (iii) क्लियरिंग सदस्य उत्तराधिकार कानून के अनुसार अपने एक अथवा अधिक उत्तराधकारी नामित करेंगे । अगर क्लियरिंग सदस्य का क्लियरिंग

सदस्यता के वहन के लिए इच्छुक कोई उत्तराधिकारी नहीं है तो क्लियरिंग सदस्य अपने उत्तराधिकारी के अतिरिक्त किसीं व्यक्ति को नामित कर सकता है

- (iv) अगर क्लियरिंग सदस्य ने किसी व्यक्ति को नामित नहीं किया है और उसे शारीरिक अपंगता के कारण क्लियरिंग कारपोरेशन के एफ.एण्ड.ओ. खंड पर अपना कारोबार करने में अक्षम माना गया है तब क्लियरिंग सदस्य छः महीने की अवधि के भीतर उपरोक्त उप-खंड (iii) के उपबंधों के अनुसार नामनिर्देशन करेगा।
- (v) अगर क्लियरिंग सदस्य ने किसी व्यक्ति को नामित नहीं किया है तो क्लियरिंग सदस्य का उत्तराधिकारी क्लियरिंग सदस्य की मृत्यु की तारीख से छः महीने के भीतर अपने में से एक अथवा अधिक व्यक्ति को नामित कर सकता है।
- (vi) अगर क्लियरिंग सदस्य का नामनिर्देशन ऐसा है कि ऐसे संगत प्राधिकारी द्वारा नामनिर्देशन लागू हो जाने के समय लागू नहीं किया जा सकता है तब ऐसे क्लियरिंग सदस्य का उत्तराधिकारी नामनिर्देशन के लागू हो जाने की तारीख से छः महीने के भीतर किसी अन्य व्यक्ति (व्यक्तियों) को नामित कर सकता है।
- (vii) अगर क्लियरिंग सदस्य अथवा उत्तराधिकारी द्वारा एक से अधिक व्यक्ति नामित किए जाते हैं तब ऐसे नामित व्यक्ति से क्लियरिंग सदस्थता का कार्य करने के लए एक कंपनी गठित करना अपेक्षित होगा ।
- (viii) क्लियरिंग सदस्य अथवा उत्तराधिकारी द्वारा किया गया नामनिर्देशन संगत प्राधिकारी के लिखित पूर्वानुदोदन से और ऐसी शर्तों, जिसे संगत प्राधिकारी समय-समय पर निर्धारित करें, के अधीन खंडित की जा सकती हैं। ऐसा खंडिन नामनिर्देशन के लागू होने के बाद अनुमृत्य नहीं होगा।
- (ix) नामनिर्देशन किसी क्लियरिंग सदस्य द्वारा किए गए नामनिर्देशन के मामले में उसकी मृत्यु अथवा शारीरिक अपगता की तारीख अथवा संगत प्राधिकारी के अनुमादन की तारीख ,इनमें से जो भी बाद में हो, से और उत्तराधिकारी द्वारा किए गए नामनिर्देशन के मामले में उस तारीख, जिस दिन ऐसा नामनिर्देशन किया जाता है अथवा संगत प्राधिकारी द्वारा अनुमोदन की तारीख, इनमें से जो भी बाद में हो, से लागू होगा।
- (घ) संगत प्राधिकारी निम्नलिखित परिस्थितियों में क्लियरिंग सदस्यता के स्थानान्तरण की अनुमति दे सकता है:
- (i) क्लियरिंग सदस्य क़ी मृत्यु

- (ii) अगर संगत प्राधिकारी की राय में, क्लियरिंग सदस्य को शारीरिक अपंगता के कारण क्लियरिंग कारपोरेशन के एफएण्डओ खंड पर अपना कारोबार करने में सक्षम माना जाता है;
- (iii) क्लियरिंग सदस्य कंपनी के समामेलन अथवा विलयन पर;
- (iv) किसी क्लियरिंग सदस्य कंपनी के अधिग्रहण पर; और
- (v) किसी क्लियरिंग सदस्य फर्म के भागीदार की मृत्यु अथवा त्यागपत्र अथवा विघटन की नोटिस पर और ऐसे फर्म में भागीदारों द्वारा अथवा ऐसे फर्म में भागीदारों और बाहर जाने वाले भागीदार के नामितियों/उत्तराधिकारियों द्वारा अथवा ऐसे फर्म में भागीदार और बाहर जाने वाले भागीदार के नामितियों/उत्तराधिकारियों के अतिरिक्त व्यक्ति(व्यक्तियों) द्वारा किसी नई

फर्म में ऐसी मृत्यु ,त्यागपत्र अथवा विघटन की नोटिस की तारीख से छः महीने की अवधि के भीतर पुनःमेलन।

- (ड.) संगत प्राधिकारी स्थानान्तरण की अनुमित देते हुए समय-समय पर ऐसी स्थानान्तरण फीस निर्धारित कर सकता है, जिसे यह निम्निलिखित परिस्थितियों में सही समझें, यथा :
- (i) लागू कानूनों के अधीन उत्तराधिकारी के अतिरिक्त किसी व्यक्ति को क्लियरिंग सदस्य द्वारा नामित करना :
- (ii) अगर नामिती उत्तराधिकारियों में से नहीं है तो क्लियरिंग सदस्य के उत्तराधिकारी द्वारा नामनिर्देशन ;
- (iii) किसी क्लियरिंग सदस्य क्ंपनी का किसी गैर-क्लियरिंग सदस्य कंपनी में समामेलन अथवा विलयन ,जिसके कारण क्लियरिंग सदस्य कंपनी के अधिकांश शेयरधारकों द्वारा अधिकांश शेयरधारिता और/अथवा प्रबन्ध के नियंत्रण की हानि हों ;
- (iv) क्लियरिंग सदस्य कंपनी का किसी गैर- क्लियरिंग सदस्य द्वारा अधिग्रहण जिसमें क्लियरिंग सदस्य कंपनी के अधिकांश शेयरधारकों द्वारा अधिकांश शेयरधारिता और/अथवा प्रबन्ध के नियंत्रण की हानि हो; और
- (v) खंड (घ) के उप-खंड(v) के मामले में अगर बाहर जाने वाले भागीदार को नामितियों/उत्तराधिकारियों के अतिरिक्त व्यक्ति नई फर्म की पूंजी में कम से कम 51 प्रतिशत शेयरधारित करते हों।

उपरोक्त उप-खंड (iii) और (iv) के प्रयोजन के लिए वाक्यांश "अधिकांश शेयरधारिता की हानि" का अर्थ क्लियरिंग सदस्य कंपनी में 51 प्रतिशत अथवा उससे अधिक शेयर/हित धारित करने वाले शेयरधारक अथवा शेयरधारकों का समूह है, जिसकी क्लियरिंग सदस्य कंपनी अथवा उस समामेकित कंपनी, जो किसी गैर-क्लियरिंग सदस्य कंपनी के साथ क्लियरिंग सदस्य कंपनी के समामेलन पर क्लियरिंग सदस्यता लेगा, में 51 प्रतिशत शेयर/हित धारित करना समाप्त कर देता है।

व्याख्या-॥

उपरोक्त उप-खंड (iii) और (iv) के प्रयोजन के लिए वाक्यांश "प्रबन्ध में नियंत्रण की हानि" का अर्थ अधिकांश निदेशकों की नियुक्ति करने अथवा व्यक्तिगत रूप से अथवा संयुक्त रूप से प्रत्यक्षतः अथवा अप्रत्यक्षतः अपनी शेयरधारिता अथवा प्रबन्ध अधिकार अथवा शेयरधारक करार अथवा मतदान करार अथवा अन्य किसी तरीके से किसी व्यक्ति अथवा व्यक्तियों द्वारा प्रयोग किए जाने वाले प्रबंध अथवा नीतिगत निर्णय की हानि है।

- (च) खंड (ख) से (ड.) के प्रयोजन के लिए वाक्यांश "क्लियरिंग सदस्य" में लागू सीमा तक किसी क्लियरिंग सदस्य फर्म का भागीदार अथवा क्लियरिंग सदस्य कंपनी का शेयरधारक शामिल होगा । शब्द उत्तराधिकारी में लागू सीमा तक किसी क्लियरिंग सदस्य फर्म का भागीदार अथवा किसी क्लियरिंग सदस्य कंपनी के शेयरधारक का उत्तराधिकारी शामिल होगा ।
- (छ) नियमों के अन्य किसी उपबंध को हानि पहुंचाए बिना क्लियरिंग सदस्यता ऐसी अवधि, जिसे संगत प्राधिकारी सही समझे, के लिए निम्निलिखित परिस्थितियों में निलम्बित की जा सकती है:
 - (i) किसी व्यष्टि क्लियरिंग सदस्य अथवा क्लियरिंग सदस्य फर्म के भागीदार अथवा क्लियरिंग सदस्य कंपनी के शेयरधारक के संगत प्राधिकारी की राय में शारीरिक अपंगता के कारण अपना करोबार करने में अक्षम माने जाने पर';
 - (ii) किसी व्यष्टि क्लियरिंग सदस्य अथव क्लियरिंग सदस्य फर्म के भागीदार की मानसिक अपंगता पर बशर्ते कि भागीदार ऐसे फर्म के लाभ और हानि में कम से कम 51 प्रतिशत शेयर अथवा पूंजी में कम से कम 51 प्रतिशत अथवा पूंजी में कम से कम 51 प्रतिशत

किसी क्लियरिंग सदस्य कंपनी का शेयरधारक बशर्ते कि शेयरधारक ऐसी क्लियरिंग सदस्य कंपनी में अधिकांश शेयरधारक हो;

- (iii) किसी व्यष्टि क्लियरिंग सदस्य अथव क्लियरिंग सदस्य फर्म के भागीदार की मृत्यु पर बशर्ते कि भागीदार ऐसे फर्म की लाभ और हानि में कम से कम 51 प्रतिशत शेयर धारित करता हो अथवा किसी क्लियरिंग सदस्य कंपनी का शेयरधारक बशर्ते कि शेयरधारक ऐसी क्लियरिंग सदस्य कंपनी में अधिकांश शेयरधारक हो ;और छःमहीने की अवधि के दौरान, जिसके भीतर ऐसे व्यष्टि क्लियरिंग सदस्य भागीदार अथवा शेयरधारक के उत्तराधिकारी ऐसे मृतक व्यष्टि क्लियरिंग सदस्य अथवा भागीदार अथवा शेयरधारक के दांव/शेयरें के लेने के लिए व्यक्ति नामित कर सकता है;
- (iv) किसी क्लियरिंग सदस्य फर्म के खंड (घ) के उप-खंड (v) में यथा उल्लिखित छः महीने की अवधि के दौरान विघटन होने पर; और
- (v) किसी क्लियरिंग सदस्य फर्म अथवा क्लियरिंग सदस्य कंपनी के प्रबन्ध में अवरोध होने पर जो संगत प्राधिकारी की राय में ऐसे क्लियरिंग सदस्य फर्म अथवा क्लियरिंग सदस्य कंपनी की अपन, कारोबार करने की योग्यता को प्रभावित करेगा । क्लियरिंग सदस्य इस उप-खंड के अधीन निलम्बित किए जाने के पूर्व संगत प्राधिकारी के समक्ष अभ्यावेदन का अवसर दिए जाने का हकदार होगा परन्तु संगत प्राधिकारी का निर्णय अंतिम होगा ।

व्याख्या-।

इस उप-खड के प्रयोजन के लिए "प्रबन्धन में अवरोध" का अर्थ ऐसी स्थिति है, जिसमें किसी क्लियरिंग सदस्य फर्म के भागीदारों अथवा किसी क्लियरिंग सदस्य कंपनी के निदेशकों/शेयरधारकों में विश्वास की समाप्ति अथवा असहमित हैं, जो संगत प्राधिकारी की राय में क्लियरिंग सदस्य फर्म अथवा क्लियरिंग सदस्य कंपनी, जैसा भी मामला हो द्वारा कारोबार के संचालन अथवा क्लियरिंग सदस्य कंपनी के निदेशकों अथवा शेयरधारकों की बैठक में मत की समानता को प्रभावित करेगा अथवा जिसकें प्रभावित करने की संभावना हो।

(ज) नियमों के किसी अन्य प्रावधान को हानि पहुंचाए बिना, क्लियरिंग सदस्यता संगत प्राधिकार द्वारा समाप्त किया जा सकता है अगर कोई स्वीकार्य नामनिर्देशन अथवा पुन मेलन, जैसा भी मामला हो, छः महीने की उक्त अवधि के भीतर संगत प्राधिकारी की सन्तुष्टि नहीं होता है।

(झ) किसी क्लियरिंग सदस्य फर्म के नामिती, उत्तराधिकारी, भागीदार अथवा ऐसे अन्य व्यक्ति, जैसा भी मामला हो, उपरोक्त खंड(ज) के अधीन समाप्त किए जाने के पूर्व संगत प्राधिकारी के समक्ष अभ्यावेदन देने का अवसर प्राप्त करने के हकदार होंगे परन्तु संगत प्राधिकारी का निर्णय अंतिम होगा ।

क्लियरिंग सदस्य की कानूनी स्थिति का परिवर्तन

- (ञ) ऐसी शर्तो जिसे संगत प्राधिकारी समय-समय पर निर्धारित करे और संगत प्राधिकारी के लिखित पूर्वानुमोदन के अधीन किसी क्लियरिंग सदस्य की कानूनी स्थिति का परिवर्तन निम्नानुसार किया जा सकता है:
- (i) किसी व्यष्टि क्लियरिंग सदस्य के भागीदारी फर्म/कंपनी में परिवर्तन द्वारा ।
- (ii) किसी क्लियरिंग सदस्य फर्म के कंपनी में परिवर्तन द्वारा ।
- (ट) संगत प्राधिकारी क्लियरिंग सदस्य की कानूनी स्थिति में परिवर्तन की अनुमित निम्नलिखित परिस्थितियों में दे सकता है :
- (i) खंड (ञ) के उप-खंड (i) के मामले में अगर व्यष्टि क्लियरिंग सदस्य भागीदारी फर्म के लाभ/हानि कम से कम 51 प्रतिशत और/अथवा पूंजी में कम से कम 51 प्रतिशत के शेयर धारित करता हो अथवा कंपनी, जो क्लियरिंग कारपोरेशन की क्लियरिंग सदस्यता लेगी, में कम से कम 51 प्रतिशत शेयरधारिता/हित रखता हो।
- (ii) खंड (ञ) के उप-खंड (iii) के मामले में क्लियरिंग सदस्य फर्म के लाभ/हानि से कम से कम 51 प्रतिशत और/अथवा पूंजी में कम से कम 51 प्रतिशत शेयरधारित करने वाला भागीदार उस कंपनी, जो क्लियरिंग कारपोरेशन की क्लियरिंग सदस्यता लेगा, जो कम से कम 51 प्रतिशत शेयरधारिता/हित धारित करता हो अथवा जारी रखता हो।
- 11. कोई भी क्लिसयिंग सदस्य अपनी सदस्यता का अधिकार अथवा अन्य कोई अधिकार अथवा उससे संबद्ध हितलाभ समनुदेशित नहीं करेगा, बंधक, पट्टा नहीं रखेगा भाराक्रांत अथवा प्रभारित नहीं करेगा और न ही उसे ऐसे अधिकारों और हितलाभों के संबंध में लाइसेंस देने अथवा मुख्तारनामा देने का अधिकार ही होगा और किसी भी प्रयोजन के लिए ऐसा कोई भी प्रयास किया गया समनुदेशन, बंधक, पट्टा भाराक्रांत अथवा प्रभार अथवा लाइसेंस अथवा मुख्तारनामा क्लियरिंग कारपोरेशन के विरुद्ध प्रभावी नहीं होगा और न ही किसी क्लियरिंग सदस्यता में क्लियरिंग सदस्य के वैयक्तिक अधिकार अथवा हित को छोड़कर उसमें अन्य कोई

अधिकार अथवा हित को क्लियरिंग कारपोरेशन द्वारा मान्यता दी जाएगी, जो इस नियम के उपबंधों के उल्लंघन में कार्य करने का प्रयास करता है अथवा करता है अथवा यह जैसा सही समझे, अन्य कोई अनुशासनिक कार्रवाई कर सकता है।

6. **श**र्ते

- (1) क्लियरिंग सदस्य नियमों, उप-नियमों और विनियमों का पालन करेंगे और ऐसे प्रचालनात्मक पैरामीटर, निर्णय, नोटिस , मार्गनिर्देश और जैसा लागू हो, संगत प्राधिकारी के अनुदेशों का अनुपालन करेंगे ।
- (2) स्वीकृत लेन-देन के लिए सभी संविदाएं नियम, उपनियमों और विनियमों के अनुसार और उनके अधीन होगी।
- (3) क्लियरिंग सदस्य ऐसे मामलों से संबंधित और ऐसे रूप में जैसा समय-समय पर संगत प्राधिकारी द्वारा निर्दिष्ट किया जाए घोषणापत्र, वचनपत्र, पुष्टि और ऐसे अन्य दस्तावेज और कागजात प्रस्तुत करेंगे ।
- (4) क्लियरिंग सदस्य क्लियरिंग कारपोरेशन के एफएण्डओ खंड को ऐसे समय, जिसे निर्दिष्ट किया जाए के भीतर यह प्रमाणित करते हुए कि उनके प्रचालन से संबंधित समय-समय पर संगत प्राधिकारी द्वारा जैसा निर्दिष्ट किया जाए सभी निर्दिष्ट अपेक्षाओं का अनुपालन किया गया है, शेखापरीक्षक का वार्षिक प्रमाणपत्र प्रस्तुत करेंगे।
- (5) क्लियरिंग सदस्य अपने प्रचालनों से संबंधित ऐसी सूचना और आवधिक विवरणियां प्रस्तुत करेंगे, जैसी संगत प्राधिकारी द्वारा समय-समय पर अपेक्षा की जाए ।
- (6) क्लियरिंग सदस्य क्लियरिंग कारपोरेशन के एफएण्डओ खंड को ऐसे लेखापरीक्षित और/अथवा अलेखापरीक्षित वित्तीय अथवा गुणात्मक सूचना और विवरणी ऐसे तरीके, जिसकी संगत प्राधिकारी द्वारा समय-समय पर अपेक्षा की जाए, से प्रस्तुत करेंगे।
- (7) क्लियरिंग सदस्य अपने क्लियरिंग सदस्य के रूप में कार्यकलापों से संबंधित विज्ञापनों, पुस्तिकाओं और परिपत्र जारी किए जाने के संबंध में ऐसी अपेक्षाओं का अनुपालन करेगा, जैसा संगत प्राधिकारी द्वारा समय-समय पर निर्दिष्ट किया जाए ।

(8) क्लियरिंग सदस्य किसी लेन-देन, निपटान, लेखाकरण और/अथवा अन्य संबद्ध मामलों के संबंध में निरीक्षण अथवा लेखापरीक्षा के लिए ऐसे तरीके से, जिसकी संगत प्राधिकारी अथवा क्लियरिंग कारपोरेशन के प्राधिकृत व्यक्ति द्वारा अपेक्षा की जाए पूर्ण सहयोग प्रदान करेगा और सूचना तथा व्याख्या प्रस्तुत करेगा।

.7. भागीदारी

- (1) कोई भी क्लियरिंग सदस्य कोई भागीदारी नहीं करेगा अथवा किसी मौजूदा भागीदारी में किसी नए भागीदार को शामिल करेगा अथवा ऐसे रूप और तरीके से और ऐसी अपेक्षाओं के अधीन, जिन्हें संगत प्राधिकारी समय-समय पर निर्दिष्ट करे संगत प्राधिकारी को सूचना दिए और पूर्वानुमोदन के बिना मौजूदा भागीदारी के नाम में कोई परिवर्तन नहीं करेगा; इन अपेक्षाओं में अन्य बातों के साथ-साथ जमाराशियां घोषणाएं, गारंटियां और भागीदारों द्वारा पूरी की जाने वाली और जो उनपर बाध्यकारी होंगी, अन्य शर्ते शामिल हो सकती हैं।
- (2) कोई भी क्लियरिंग सदस्य एक ही समय एक से अधिक भागीदाररी फर्म, जो क्लियरिंग कारपोरेशन का क्लियरिंग सदस्य है, का भागीदार नहीं होगा।
- (3) कोई भी क्लियरिंग सदस्य, जो किसी भागीदारी फर्म में भागीदार है, ऐसी भागीदारी फर्म में अपना हित समनुदेशित नहीं करेगा अथवा किसी भी प्रकार से उनपर नहीं लादेगा।
- (4) भागीदारी फर्म ऐसे प्राधिकारियों के साथ पंजीकृत होगी, जैसा संगत कानूनों के अधीन अपेक्षित हो और वह क्लियरिंग कारपोरेशन के एफ.एण्ड.ओ. खंड की ऐसे पंजीकरण का साक्ष्य प्रस्तुत करेगी।
- (5) फर्म के भागीदार फर्म की ओर से और संयुक्त रूप से भागीदारी फर्म के नाम में कारोबार करेंगे । कोई भी अकेला भागीदार अथवा भागीदारों का समूह अपनी भागीदारी फर्म से अलग क्लियरिंग सदस्यता के किसी अधिकार और हितलाभ का हकदार नहीं है।
- (6) भागीदार फर्म के भागीदार सभी भागीदारों अथवा उत्तरजीवी भागीदारों के हस्ताक्षर के अधीन या तो विघटन द्वारा अथवा किसी भागीदार अथवा भागीदारों की

सेवानिवृत्ति या मृत्यु द्वारा ऐसे भागीदारी में किसी परितर्वन की सूचना लिखित रूप में क्लियरिंग कारपोरेशन को देगा ।

(7) भागीदारी के विघटन की सूचना देते हुए क्लियरिंग कारपोरेशन की किसी नोटिस में यह विवरण विहित होगा कि विघटित भागीदारी फर्म को सभी बकाया संविदाओं और देयताओं का निपटान करने का उत्तरदायित्व कौन लेता है परन्तु उसे अन्य भागीदार अथवा भागीदारों को ऐसी बकाया संविदाओं और देश्ताओं के लिए उसके अथवा उनके उत्तरदायित्व से मुक्त करना नहीं समझा जाएगा।

(8) सदस्यता की समाप्ति

- (1) कोई भी क्लियरिंग सदस्य कोई सदस्य नहीं रह सकता अगर एक वथवा अधिक आवेदन करें:
- (क) त्यागपत्र द्वारा;
- (ख) मृत्यु द्वारा ;
- (ग) उप-नियमों, नियमों और विनियमों में विहित उपबंधों के अनुसार निष्कासन द्वारा:
- (घ) उप-नियमों, नियमों और विनियमों के अनुसार चूककर्ता घोषित किए जाने पर;
- (ड.) भागीदारी फर्म के मामले में विघटन द्वारा;
- (च) लिमिटेड कंपनी के मामले में बंद करने अथवा विघटन द्वारा ;
- (छ) एक अथवा अधिक एक्सचेंजों, जिसका वह सदस्य है, पर एक्सचेंज हे नियम, उप-नियम और विनियम में विहित उपबंधों के अनुसार व्यापारिक सदस्य न्हीं रहने पर।
- (2) क्लियरिंग सदस्यता की समाप्ति किसी भी प्रकार ऐसी समाप्ति के पूर्व क्लियरिंग सदस्य द्वारा किए गए किसी दायित्व और देयताओं से क्लियरिंग सदस्य को मुक्त नहीं करेगी।
- (9) त्यागपत्र

- (1) कोई क्लियरिंग सदस्य, जो क्लियरिंग कारपोरेशन के एफएण्डओ खंड की क्लियरिंग सदस्यता से त्यागपत्र देना चाहता है, इस आशय की लिखित सूचना क्लियरिंग कार,पोरेशन को देगा।
- (2) ऐसे स्थागप श्र पर आपित्त करने वाला क्लियरिंग सदस्य अपनी आपित्त का आधार पत्र द्वारा ऐसी अवधि के भीतर जिसे समय-समय पर संगत प्राधिकारी द्वारा निर्दिष्ट किया जाए संगत प्राधिकारी को सूचित करेगा ।
- (3) संगत प्राधि कारी या तो बिना शर्त अथवा ऐसी शर्तों, जिसे वह सही समझे, पर क्लियरिंग सदस्य का त्यागपत्र स्वीकृत कर सकता है अथवा ऐसे त्यागपत्र को स्वीकार करने से इन्कार कर सकता है और विशेषकर, तब तक ऐसे त्यागपत्र को स्वीकार करने से इन्कार कर सकता है, जब तक वह इस बात से सन्तुष्ट नहीं हो कि ऐसे क्लियरिंग सदस्य के पास सभी बकाया लेन-देनों का निपटारा हो गया है।

10. मृत्यु

किसी किसविरंग सदस्य की मृत्यु होने पर, उसके कानूनी प्रतिनिधि और प्राधिकृत प्रतिनिधि, अगर कोई हो उसकी विधिवत् सूचना लिखित रूप में तत्काल संगत प्राधिक। री को देगा और क्लियरिंग सदस्य के सभी भावी कार्यकलाप उसकी मृत्यु के पूर्व पिछले दायित्वों से संबंधित को छोड़कर, तत्काल समाप्त हो जाएंगे।

11. प्रभार अदा करने में विफल रहना

उप-नियमों, नियमों और विनियमों में अन्यथा प्रदत्त को छोड़कर अगर कोई सदस्य अपना वार्षिक अभिदान, फीस, जमाराशि अथवा निपटान निधि (निधियों) को अंशदान, ज्रुर्माना, दंड, अन्य प्रभार अथवा अन्य राशियां, जो क्लियरिंग कारपोरेशन को उसके द्वारा देय हैं; क्लियरिंग कारपोरेशन द्वारा लिखित में नोटिस देने के बाद समय-समय पर संगत 'प्राधिकारी द्वारा निर्धारित समय के मीतर अदा नहीं कर पाता तो संगत प्राधिकारी द्वारा उसके भुगतान किए जाने तक निलम्बित किया जा सकता है, और अगर अगनी और अवधि जिसे समय-समय पर निर्दिष्ट किया जाए, के भीतर वह ऐसा भुगतान करने में विफल रहता है तो उसे चूककर्ता घोषित किया जा सकता है अथवा सं 1त प्राधिकारी द्वारा निष्कासित किया जा सकता है।

12. लगातार प्रवेश

संगत प्राधिकारी समय-समय पर क्लियरिंग सदस्यता में लगातार प्रवेश के लिए शर्ते और अवेक्षाएं निर्धारित करेंगे, जिसमें अन्य बातों के साथ-साथ अनुरक्षण जमाराशि अथवा निपटान निधि को अंशदान, न्यूनतम निवल संपत्ति और पूंजी पर्याप्तता शामिल हो सकती है। किसी व्यक्ति, जो इन अपेक्षाओं को पूरा नहीं कर पाता, की क्लियरिंग सदस्यता समाप्त करने योग्य होगी।

13. चूककर्ता का पुनः प्रवेश

- (1) किसी क्लियरिंग सदस्य की सदस्यता उसके चूककर्ता घोषित होते ही तत्काल व्यपगत हो जाएगी और क्लियरिंग कारपोरेशन में विहित होगी। क्लियरिंग सदस्य के रूप में क्लियरिंग सदस्य की संपत्ति अथवा निधि के प्रयोग करने के अधिकार अथवा उसपर किसी दावे अथवा किसी हित सहित क्लियरिंग कारपोरेशन के एफएण्डओ खंड के पास अपने सभी अधिकार और हितलाम जब्त करा देगा।
- (2) संगत प्राधिकारी किसी चूककर्ता सदस्य को पुनःप्रवेश देने का अधिकार सुरक्षित रखता है और वह किसी चूककर्ता को संगत प्राधिकारी द्वारा समय-समय पर निर्दिष्ट उपबंधों, शर्तों के अधीन क्लियरिंग सदस्यं के उन्म में पुनःप्रवेश दे सकता है।
- (3) संगत प्राधिकारी केवल ऐसे चूककर्ता को पुनःप्रवेश दे सकता है, जिसने उसकी राय में :
- (क) क्लियरिंग कारपोरेशन , अन्य क्लियरिंग सदस्यों और संघटकों को सभी बकाए का भूगतान कर दिया है ;
- (ख) उसके विरुद्ध किसी न्यायालय में दीवालियापन की कोई कार्यवाही नहीं हो अथवा जिसे किसी न्यायालय द्वारा दीवालिया घोषित नहीं किया गया हो;
- (ग) मूल, जिसे उसने उचित रूप से अपनी वचनबद्धताओं के प्रति, बने रहने की आशा की है, की चूक के कारण चूक की है;
- (घ) वह उप-नियम, नियम और विनियम के अविश्वास का दोषीं नहीं हो अथवा उनका उल्लंघन नहीं किया हो ।

अध्याय-V:अनुशासनिक कार्यवाही, दंड,निलम्बन और निष्कासन

1. अनुशासनिक क्षेत्राधिकार

संगत प्राधिकारी किसी क्लियरिंग सदस्य को निष्कासित अथवा निलम्बित कर सकता है और/अथवा असहमति के अधीन दंड और /अथवा चेतावनी दे सकता है और/अथवा सदस्यता के सभी अथवा किसी अधिकार को वापस ले सकता है अगर वह क्लियरिंग कारपोरेशन के एफ.एण्ड.ओ. खंड अथवा संगत प्राधिकारी अथवा किसी अन्य समिति अथवा इसके लिए प्राधिकृत क्लियरिंग कारपोरेशन के किसी अधिकारी के उप-नियम, नियम और विनियम अथवा किसी संकल्प, आदेश निर्णय प्रामाणिक आदेश के अथवा **अथवा** उल्लंघन, अननुपालन, अवज्ञा, अवहेलना अथवा वंचन का दोषी है अथवा कारोबार के किसी आचरण, कार्यवाही अथवा विधि; जिसे संगत प्राधिकारी अपने पूर्ण विवेक पर क्लियरिंग सदस्य के लिए अनुचित, अपमानजनक अथवा अयोग्य अथवा उचित और समान सिद्धान्तों के असंगत अथवा क्लियरिंग कारपोरेशन के हित ख्याति अथवा कल्याण के प्रति हानिकर अथवा उसके उद्देश्यों और प्रयोजनों का हानिकारक अथवा विनाशक मानता हो ।

2. नियमों, उप-नियमों और विनियमों के उल्लंघन के लिए दंड

प्रत्येक क्लियरिंग सदस्य, अपनी क्लियरिंग सदस्यता के सभी अध्यवा किसी अधिकार के निलम्बन, निष्पासन अथवा वापसी का और/अथवा जुर्माने के भुगतान और/अथवा इन नियमों, उप-नियमों और विनियमों अथवा उसके अधीन क्लियरिंग कारपोरेशन के एफएण्डओ खंड प्रतिभूति संविदा(विनियम) अधिनियम, 1956 और /अथवा उसके अधीन नियमों, भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड अधिनियम, 1992 और/अथवा उसके अधीन नियमों, निदेशक बोर्ड, कार्यकारी समिति, क्लियरिंग कारपोरेशन के प्रबन्ध निदेशक अथवा किसी अधिकारी के किसी संकल्प, आदेश, नोटिस, निर्देश, निर्णय अथवा प्रामाणिक निर्णय का उल्लंघन करने, अवझा, नहीं मानने अथवा इच्छापूर्वक वंचन करने अथवा कारोबार के बदनामीपूर्ण अथवा घोखाधड़ीपूर्ण लेन-देन अथवा कार्यवाही अथवा विधि, जिसे निदेशक मंडल अपने पूर्ण विवेक पर क्लियरिंग कारपोरेशन के क्लियरिंग सदस्य के लिए अनुवित अथवा उचित और समान सिद्धान्तों के असंगत मानता हो, के लिए दोषी माने जाने, निंदा करने अथवा चेतावनी देने योग्य होगा।

3. कदाचार, कारोबार नहीं करने योग्य आच्रुरण और अव्यावसायिक आचरण के लिए दंड

(1) कोई भी क्लियरिंग सदस्य इसके लिए यहां इसमें प्रदान किए गए उपबंधों में यथाप्रदत्त किसी कचादार, कारोबार नहीं करने योग्य आचरण अथवा अव्यावसायिक आचरण के लिए निष्कासन अथवा निलम्बन अथवा सदस्यता के उसके सभी अथवा किसी अधिकार की वापसी और/अथवा जुर्माने के भुगतान और/अथवा दंड और/अथवा दोषी माने जाने , निन्दा करने अथवा चेतावनी देने योग्य होगा !

(1) कदाचार

- (क) धोखाधड़ी: अगर वह किसी अपराध का दोषी पाया जाता है अथवा कोई धोखा अथवा धोखाधड़ीपूर्ण कार्य करता है, जो संगत प्राधिकारी की राय में उसे क्लियरिंग सदस्य के लिए अयोग्य करता है;
- (ख) उल्लंघन: अगर उसने क्लियरिंग कारपोरेशन, क्लियरिंग सदस्य और सामान्यतः प्रतिभूति कारोबार के कार्यकलापों, कारोबार और प्रचालन को नियंत्रित करने वाली संविधि के उपबंधों का उल्लंघन किया हो;
- (ग) अनुचित आचरण: अगर संगत प्राधिकारी की राय में वह क्लियरिंग कारपोरेशन पर असम्मानीय अथवा अशोभनीय अथवा अव्यवस्थित अथवा अनुचित आचरण करने अथवा क्लियरिंग कारपोरेशन के कारोबार में बाधा डालने का दोषी पाया जाता है।
- (घ) नियमों, उप-नियमों और विनियमों का उल्लंघन: अगर वह किसी क्लियरिंग सदस्य, जिसे वह किसी उप-नियम, नियम और विनियम अथवा संगत प्राधिकारी अथवा किसी समिति अथवा उसके लिए प्राधिकृत क्लियरिंग कारपोरेशन के किसी अधिकारी के किसी संकल्प, आदेश, नोटिस अथवा उसके अधीन निर्देश, प्रतिभूति संविदा (विनियमन) अधिनियम, 1956 और/अथवा उसके अधीन नियमों भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड अधिनियम, 1992 और/अथवा उसके अधीन नियमों का उल्लंघन अथवा वंचन करते हुए जानता है, का बचाव अथवा सहायता करता है अथवा सूचित करने में चूकता है।
- (ड.) संकल्प का अनुपालन नहीं कर पाना: अगर वह संगत प्राधिकारी अथवा किसी समिति अथवा क्लियरिंग कारपोरेशन के अधिकारी अथवा उसके लिए उप-नियमों, नियमों और विनियमों के अधीन प्राधिकृत किसी अन्य व्यक्ति के किसी संकल्प, आदेश, नोटिस, निर्देश, निर्णय अथवा

प्रामाणिक निर्णय का उल्लंघन करता है अथवा अखीकार करता है अथवा उनका अनुपालन नहीं करता है;

- (च) विवाचन के समक्ष प्रस्तुत अथवा पालन नहीं कर पाना : अगर वह संगत प्राधिकारी अथवा किसी समिति अथवा क्लियरिंग कारपोरेशन के उसके लिए प्राधिकृत किसी अधिकारी को ऐसी पुस्तकें, पत्राचार, दस्तावेज और कागजात अथवा उसका कोई भाग, जिसे प्रस्तुत करने की अपेक्षा हो, प्रस्तुत करने में अथवा उपस्थित होने और उनके समक्ष साक्षी देने अथवा अपने किसी भागीदार, अटार्नी, एजेंट, प्राधिकृत प्रतिनिधि अथवा कर्मचारी को संगत प्राधिकारी अथवा ऐसी समिति अथवा क्लियरिंग कारपोरेशन के अधिकारी अथवा उसके लिए प्राधिकृत किसी अन्य व्यक्ति के समक्ष उपस्थित होने और साक्षी देने में लापरवाही करता अथवा विफल रहता है या अस्वीकार करता है;
 - (छ) साक्षी अथवा सूचना नहीं दे पाना: अगर यह संगत प्राधिकारी अथवा किसी समिति अथवा क्लियरिंग कारपोरेशन के उसके लिए प्राधिकृत किसी अधिकारी को ऐसी पुस्तकें, पत्राचार, दस्तावेज और काग्जात अथवा उसका कोई भाग, जिसे प्रस्तुत करने की अपेक्षा हो, प्रस्तुत करने में अथवा उपस्थित होने और उनके समक्ष साक्षी देने अथवा अपने किसी भागीदार, अटार्नी, एजेंट, प्राधिकृत प्रतिनिधि अथवा कर्मचारी को संगत प्राधिकारी अथवा ऐसी समिति अथवा क्लियरिंग कारपोरेशन के अधिकारी अथवा उसके लिए प्राधिकृत किसी अन्य व्यक्ति के समक्ष उपस्थित होने और साक्षी देने में लापरवाही करता अथवा विफल रहता है या अस्वीकार करता है:
- (ज) विशेष विवरणियां प्रस्तुत नहीं कर पाना : अगर वह इसके लिए अधिसूचित समय के भीतर संगत प्राधिकारी को ऐसे रूप; जिसे संगत प्राधिकारी समय-समय पर निर्धारित करे, जिसे जब परिस्थितियां अपेक्षा करे, संगत प्राधिकारी द्वारा अपेक्षित ऐसी अन्य सूचना के साथ विशेष विवरणियां, जो संगत प्राधिकारी की राय में यह वांछनीय होता है कि ऐसी

विशेष विवरणियां अथवा सूचना सभी अथवा किसी क्लियरिंग सदस्य द्वारा प्रस्तुत की जानी चाहिए, प्रस्तुत करने की उपेक्षा करता अथवा विफल रहता या अस्वीकार करता है:

- (झ) लेखापरीकित लेखे प्रस्तुत नहीं कर पाना : अगर यह क्लियरिंग कारपोरेशन के संगत प्राधिकारी द्वारा समय-समय पर निर्दिष्ट समय के भीतर अपने लेखापरीक्षित लेखे प्रस्तुत करने की उपेक्षा करता, विफल रहता या अस्वीकार करता है।
- (अ) चूककर्ता के साथ तुलना अथवा लेखे प्रस्तुत नहीं कर धाना : अगर वह संगत प्राधिकारी से अपने लेखे की तुलना अथवा एक चूककर्ता के साथ अपने लेखे की विवरणी अथवा एक प्रमाणपत्र कि उसका ऐसा कोई लेखा नहीं है अथवा अगर वह उसमें झूठा अथवा भ्रामक विवरण देता है , प्रस्तुत करने में उपेक्षा करता अथवा विकल रहता है ।
- (ट) गलत अथवा भ्रामक विवरणियां : अगर वह उप नियमों, नियमों और विनियमों के अधीन क्लियरिंग कारपोरेशन के एफएण्डओ खंड को प्रस्तुत किए जाने के लिए अपेक्षित अपने क्लियरिंग प्रपन्न अथवा विवरणी प्रस्तुत करने में उपेक्षा करता अथवा विफल रहता या अस्वीकार करता है अथवा गलत अथवा भ्रामक विवरण देता है:
- (ठ) उद्विग्न करने वाली शिकायतें: अगर वह अथवा उसके एजेंट संगत प्राधिकारी अथवा किसी समिति अथवा क्लियरिंग कारपोरेशन के अधिकारी या इसके लिए प्राधिकृत अन्य व्यक्ति के समक्ष कोई आरोप,शिकायत अथवा मुदकमा लाता है,जो संगत प्राधिकारी की राय में अनर्थक, उद्विग्न करने वाला अथवा द्वेषपूर्ण हो ।
- (ड) बकाया और फीस अदा नहीं कर पाना : अगर वह अपना अभिदान, फीस, विवाचन प्रभार अथवा अन्य कोई राशि, जो उसके द्वारा देय हो अथवा उसपर अधिरोपित कोई जुर्माना अथवा दंड अदा नहीं कर पाता है।

(2) कारोबार नहीं करने योग्य आचरण

क्लियरिंग सदस्य को निम्नलिखित किसी एक अथवा समान कार्य अथवा चूक के लिए कारोबार नहीं करने योग्य आचरण का दोषी माना जाएंगा, दथा;

(क) गलत नाम : अगर वह स्वयं अपना अथवा अपने संघटक का कारोबार गलत नामों से करता है अथवा अगर वह क्लियरिंग कारपोरेशन के एक से अधिक क्लियरिंग खंड में गलत नाम से कारोबार करता है;

- (ख) अफवाह फैलाना : अगर वह किसी तरीके से अफवाह फैलाता है अथवा उसे फैलने देता है।
- (ग) अनुचित कारोबार: अगर वह बाजार में असावधान अथवा अनुचित अथवा कारोबार नहीं करने योग्य लेन-देन करता है अथवा अपने संघटक के लेखे अथवा किसी लेखे, जिसमें वह प्रत्यक्षतः अथवा अप्रत्यक्षतः दिलचस्पी रखता है; के लिए बिक्री अथवा खरीद करता है, जो बिक्री अथवा खरीद उसके संघटक के अथवा स्वयं उसके साधनों और वित्तीय संसाधनों की दृष्टि में अथवा ऐसी सुखा के लिए बाजार की दृष्टि में अत्यधिक है।
- (च) निपटारा: अगर वह किसी क्लियरिंग सदस्य की निजी विफलता पर आनाकानी करता है अथवा प्रतिभूति में लेन-देन से उत्पन्न किसी क्लियरिंग सदस्य द्वारा देय ऋण के निपटान में पूर्ण और सही राशि से कम भुगतान स्वीकार करता है।
- (डं.) वापस किए गए चेक: अगर वह किसी अन्य क्लियरिंग सदस्य अथवा उसके संघटकों अथवा क्लियरिंग कारपोरेशन को चेक जारी करता है, जो किसी भी कारण से प्रस्तुत किए जाने पर वापस कर दिया जाता है।
- (च) संघटकों के साथ लेन-देन करने में विफल रहना : अगर वह संगत प्राधिकारी की राय में अपने संघटकों के साथ अपने वचनबद्ध लेन-देन करने में विफल रहता है !

(3) अव्यावसायिक आचरण :

क्लियरिंग सदस्य को निम्नलिखित किसी अव्यावसायिक आचरण अथवा समान कार्य अथवा चूक का दोषी माना जाएगा, यथा :

- (क) प्रतिभूतियों में कारोबार, जिनमें लेन-देन अनुमत्य नहीं है: अगर वह उन प्रतिभूतियों, जिनमें लेन-देन अनुमत्य नहीं है, में लेन-देन करता है;
- (ख) चूककर्ता संघटक के लिए कारोबार : अगर वह कोई कारोबार पर प्रत्यक्षतः अथवा अप्रत्यक्षतः कार्यवाही करता है अथवा लेन-देन करता है अथवा किसी संघटक, जो उसकी जानकारी में प्रतिभूतियों से संबंधित कार्य पूरा करने में

विफल रहता है और दूसरे क्लियरिंग सदस्य के प्रति चूक करता है, के लिए आदेश निष्पादित करता है, जब तक ऐसे संघटक ने उस क्लियरिंग सदस्स, जो उसका ऋणदाता है, के साथ सन्तोषजनक व्यवस्था नहीं की हो ।

- (ग) दीवालिए के लिए कारोबार: अगर पहले संगत प्राधिकारी की सहमति प्राप्त किए बिना यह प्रत्यक्षतः अथवा अप्रत्यक्षतः किसी व्यक्ति, जो दीवालिया हो गया हो, के साथ कारोबार में दिलचस्पी रखता हो अथवा संबद्ध हो अथवा कोई कारोबार करता हो, यहां तक कि यद्यपि ऐसे व्यक्ति ने किसी दीवालिया घोषित करने वाले न्यायालय से अपता अंतिम निपटान प्राप्त कर लिया हो।
- (ध) जब निलम्बनाधीन हो, अनुमित के बिना कारोबार: अगर संगत प्राधिकारी की अनुमित के बिना वह स्वयं अपनी ओर से अथवा किसी मूल के लिए उस अवधि के दौरान जब उससे संगत प्राधिकारी द्वारा क्लियरिंग कारपोरेशन पर कारोबार निलम्बित करने की अपेक्षा की जाती है, के माध्यम से कारोबार करता है;
- (ड.) किसी निलम्बन, निष्कासित और चूककर्ता क्लियरिंग सदस्य के लिए अथवा उसके साथ कारोबार: अगर संगत प्राधिकारी की विशेष अनुमति के बिना वह किसी क्लियरिंग सदस्य, जिसे निलम्बिन, निष्कासित अथवा चूककर्ता घोषित किया गया है, के साथ दलाली की हिस्सेदारी करता है अथवा कारोबार करता है या लेन-देन करता है।
- (च) अन्य क्लियरिंग सदस्य के कर्मधारियों के लिए कारोबार : अगर वह किसी ऐसे नियोक्ता क्लियरिंग सदस्य की लिखित सहमति के बिना दूसरे क्लियरिंग सदस्य के प्राधिकृत प्रतिनिधि अथवा कर्मधारी के साथ प्रत्यक्षतः अथवा अप्रत्यक्षतः कारोबार करता है अथवा लेन-देन निष्पादित करता है।
- (छ) मार्जिन अपेक्षाओं का बंचन : अगर वह इच्छापूर्वक इन उप-नियमों और विनियमों में निर्दिष्ट मार्जिन अपेक्षाओं का इच्छापूर्वक वंचन करता है अथवा वंचन करने का प्रयास करता है अथवा वंचन करने में सहायता करता है।
- (ज) फीस चुकाना: अगर वह इच्छापूर्वक फीस चुकाने से संबंधित उप-नियमों और विनियमों का वंचन करता है अथवा वंचन करने का प्रयास करता है अथवा वंचन करने में सहायता करता है।

- 4. भागीवार, एजेंटों और कर्मचारियों के लिए उत्तरवायी क्लियरिंग सवस्य : कोई भी क्लियरिंग सदस्य अपने प्राधिकृत अधिकारियों, अटानीं, एजेंटों, प्राधिकृत प्रतिनिधियों और कर्मचारियों के कृत्य और चूक के लिए पूर्णतः उत्तरदायी हैं और अगर ऐसा कोई कृत्य अथवा चूक संगत प्राधिकारी द्वारा ऐसा माना जाए, जो क्लियरिंग सदस्य द्वारा किया अथवा उत्तमें चूक की जाए, उसे उप-नियम, नियम और विनियम में यथाप्रदत्त किसी भी दंड के अधीन लाया जाएगा तब ऐसा क्लियरिंग सदस्य उसके लिए उसी सीमा तक समान दंड के योग्य होगा मानों ऐसा कृत्य अथवा चूक उसके द्वारा किया गया हो।
- 5. मार्जिन जमाराशि, जमाराशि अथवा निपटान निधि को अंशदान प्रदान करने अथवा पूंजी पर्याप्तता मानदंड पूरा करने में विफल रहने पर निलम्बन ।

संगत प्राधिकारी किसी क्लियरिंग सदस्य को निलम्बित कर सकता है और/अथवा किसी क्लियरिंग सदस्य से अपना कारोबार बंद करने की अपेक्षा कर सकता है अगर वह मार्जिन जमाराशि; जमा प्रदान करने और निपटान निधि को अंशदान देने और/अथवा इन उप-नियमों, नियमों और विनियमों में यथाप्रदत्त पूंजी पर्याप्तता मानदंड पूरा करने में विफल रहता है और कारोबार का निलम्बन क्लियरिंग सदस्य के आवश्यक मार्जिन जमाराशि प्रस्तुत करने अथवा निपटान निधि को जमा/अंशदान करने अथवा पूंजी पर्याप्तता मानदंड पूरा करने तक जारी रहेगा । संगत प्राधिकारी इस उपबंध के उल्लंघन में कार्यरत क्लियरिंग सदस्य को निष्कासित कर सकता है।

6. कारोबार का निलम्बन

- (1) संगत प्राधिकारी किसी क्लियरिंग सदस्य को निलम्बित कर सकता है अथवा क्लियरिंग सदस्य से किसी क्लियरिंग खंड पर अपना कारोबार पूर्णतः अथवा अंशतः बंद करने की अपेक्षा कर सकता है।
- (क) अनुचित कारोबार: जब संगत प्राधिकारी की राय में क्लियरिंग सदस्य अनुचित कारोबार में संलग्न है अथवा अपने संघटक को लेखे अथवा किसी अन्य लेखे, जिसमें वह प्रत्यक्षतः अथवा अप्रत्यक्षतः दिलचस्पी रखता है, के लिए लेन-देन करता है, जो लेन-देन उसके संघटक अथवा स्वयं उसके साधनों और वित्तीय संसाधनों के दृष्टिगत अथवा ऐसी प्रतिभूति के लिए बाजार की दृष्टि में अत्यधिक है।

(अ) असन्तोष वित्तीय दशा: जब संगत प्राधिकारी की राय में क्लियरिंग सबस्य ऐसी वित्तीय दशा में है कि उसे अपने ऋणदाताओं अथवा क्लियरिंग कारपोरशन की सुरक्षा सहित कारोबार करने की अनुमति नहीं दी जा सकती।

7. निलम्बन हटाना

ऊपर यथाउल्लिखित कारोबार का निलम्बन जारी रहेगा जब तक क्लियरिंग सदस्य को संगत प्राधिकारी द्वारा ऐसी जमाराशि अदा करके अथवा ऐसा कार्य करके अथवा ऐसी चीज प्रदान करके, जिसकी संगत प्राधिकारी अपेक्षा करें अपना कारोबार दुवारा प्रारम्भ करने की अनुमित नहीं दी जाती।

8. उल्लंघन के लिए दंड

क्लियरिंग सदस्य, जिसे निलम्बित किया गया है अथवा जिससे अपने कारोबार अथवा उसके हिस्से को निलम्बित करने की अपेक्षा की गई है, संगत प्राधिकारी द्वारा निष्कासित किया जा सकता है अगर वह ऐसे निलम्बन अथवा अपेक्षा के उल्लंघन में कार्य करता है।

9. क्लियरिंग सदस्य और अन्य को साक्ष्य देना और सूचना प्रदान करना

क्लियरिंग सदस्य संगत प्राधिकारी के समक्ष अथवा अन्य समिति (समितियों) अथवा इसके लिए प्राधिकृत क्लियरिंग कारपोरेशन के किसी अधिकारी के समक्ष उपस्थित होगा और साक्ष्य देगा और अपने भागीदारों, अटानीं, एजेंटों, प्राधिकृत प्रतिनिधियों और कर्मचारियों को उपस्थित होने और साक्ष्य देने के लिए कहेगा और संगत प्राधिकारी के समक्ष अथवा अन्य समिति(समितियों) अथवा उसके लिए प्राधिकृत क्लियरिंग कारपोरेशन के अधिकारी के समक्ष ऐसी पुस्तिकाएं, पत्राचार, दस्तावेज, कागजात और रिकार्ड अथवा उसपर कोई भाग प्रस्तुत करेगा, जो उसके कब्जे में हो और जिसे किसी जांच अथवा अन्वेषण के अधीन संगत तथा वस्तुनिष्ठ समझा जाए।

10. कानूनी प्रतिनिधित्व के लिए अनुमति आवश्यक

किसी भी व्यक्ति को संगत प्राधिकारी अथवा किसी अन्य समिति के समक्ष किसी जांच अथवा सुनवाई में व्यावसायिक परामशैंदाता, अटानीं, वकील अथवा अन्य

प्रतिनिधियों द्वारा प्रतिनिधित्व किए जाने का अधिकार नहीं होगा जब तक संगत प्राधिकारी अथवा अन्य समिति ऐसी अनुमति नहीं दे ।

11. निष्कासन के पूर्व स्पष्टीकरण

क्लियरिंग सदस्य संगत प्राधिकारी के समक्ष बुलाए जाने और निष्कासित किए जाने के पूर्व स्पष्टीकरण के लिए अवसर प्रदान किए जाने का हकदार होगा परन्तु सभी मामलों में संगत प्राधिकारी का निष्कर्ष अंतिम और निर्णायक होगा ।

12. दंड का अधिरोपण

निलम्बन का दंड, सदस्यता के सभी अथवा किसी अधिकार को वापस लेना, जुर्माना, निन्दा करना अथवा चेतावनी संगत प्राधिकारी द्वारा अकेले अथवा संयुक्त रूप से दी जा सकती है। निष्कासन का दंड संगत प्राधिकारी द्वारा किया जा सकता है।

13. वंड का पूर्व-निर्धारण

संगत प्राधिकारी को दंड, किसी निलम्बन की अवधि, विशेष सदस्यता अधिकार की वापसी और जुर्माने की राशि , जो किसी उप-नियम, नियम अथवा विनियम अथवा क्लियरिंग कारपोरेशन के एफएण्डओ खंड, संगत प्राधिकारी अथवा किसी अन्य समिति अथवा इसके लिए प्राधिकृत क्लियरिंग कारपोरेशन के अधिकारी के किसी संकल्प आदेश, नोटिस, निर्देश, निर्णय अथवा उसके प्रामाणिक आदेश के उल्लंघन, अननुपालन, अवज्ञा, उपेक्षा और वंचन के लिए अधिरोपित की जाएगी, का पूर्व-निर्धारण करने की शक्ति होगी।

14. परिवर्तन

संगत प्राधिकारी अपने विवेक पर किसी मामले में निष्कासन के दंड के बदले क्लियरिंग सदस्य को निलम्बित कर सकता है अथवा सदस्यता के सभी अथवा कोई अधिकार वापस ले सकता है अथवा निलम्बन या निष्कासन के दंड के बदले जुर्माना अधिरोपित कर सकता है और यह निर्देश दे सकता है कि दोषी क्लियरिंग सदस्य की निन्दा की जाए अथवा उसे चेतावनी दी जाए अथवा ऐसी शतौं; जिसे वह उचित और निष्पक्ष समझे कोई ऐसा दंड घटा अथवा लगा सकता है।

15. पुनर्वित्तार/समीका

संगत प्राधिकारी स्वयं अथवा संबंधित क्लियरिंग सदस्य द्वारा अपील किए जाने पर क्लियरिंग सदस्य की सदस्यता के सभी अथवा किसी अधिकार को वापस लेते अथवा चेतावनी देते और निन्दा करते हुए अपने आदेश पर पुनर्विचार कर सकता, खंडन का सकता, प्रतिसंहरित अथवा संशोधित कर सकता है । इसी तरीके से संगत प्राधिकारी किसी क्लियरिंग सदस्य को निलम्बित अथवा निष्कासित करते हुए अपने संकल्प का खंडन, प्रतिसंहरण और संशोधन कर सकता है ।

16. जुर्माना और दंड अदा नहीं कर पाना :

अगर कोई क्लियरिंग सदस्य अपने ऊपर अधिरोपित जुर्माना अथवा दंड ऐसी अवधि, जिसे संगत प्राधिकारी द्वारा समय-समय पर निर्दिष्ट किया जाए, अदा नहीं कर पाता तो उसे संगत प्राधिकारी द्वारा निलम्बित किया जा सकता है जब तक वह भुगतान नहीं करता और अगर समय-समय पर यथानिर्दिष्ट अगली अयधि के भीतर वह ऐसा भुगतान नहीं कर पाता तो उसे संगत प्राधिकारी द्वारा निष्कासित किया जा सकता है।

17. निलम्बन का परिणाम

क्लियरिंग सदस्य के निलम्बन के निम्नलिखित परिणाम हो सकते हैं :-

(1) सदस्यता के अधिकार का निलम्बन

निलम्बत क्लियरिंग सदस्य अपने निलम्बन की अवधि के दौरान सदस्यता के सभी अधिकारों और हितलाओं से वंचित और निष्कासित रहेगा परन्तु निलम्बन के पूर्व अथवा पश्चात् उसके द्वारा किए गए किसी अपराध के लिए संगत प्राधिकारी द्वारा उसके विरुद्ध कार्यवाही की जा सकती है और संगत प्राधिकारी किसी अन्य क्लियरिंग सदस्य द्वारा उसके विरुद्ध किए गए दावे पर कार्यवाही करने का संज्ञान लेने से वंचित नहीं होगा ।

(2) ऋणवाताओं का अधिकार कम नहीं होगा

निलम्बन उन क्लियरिंग सदस्यों ,जो निलम्बित क्लियरिंग सदस्य के ऋण्यातः हैं और क्लियरिंग कारपोरेशन के अधिकार को प्रभावित नहीं करेगा ।

(3) लेन-देनों और दायित्यों की पूर्ति

निलम्बित क्लियरिंग सदस्य अपने निज्ञान के समय क्षणाय होत वनो और दायित्यों को पूरा करने के लिए बाध्य होगा !

(4) आगे कारोबार निषिद्ध

निलम्बित क्लियरिंग सदस्य अपने निलम्बन की अविध के दौरान कोई कारोबार नहीं करेगा बशतें कि यह अपने निलम्बन के समय बकाया लेन-देनों की रांगत प्राधिकारी की अनुमति से समाप्त कर सकता है।

18. निकासन का परिणाम

किसी क्लियरिंग सदस्य के निष्कासन का निम्नलिखित परिणाम होगा यथा :

(1) क्लियरिंग सदस्यता अधिकार जब्त

निष्कासित क्लियरिंग सदस्य क्लियरिंग कारपोरेशन की किसी संपत्ति अथवा निष्टियों में कोई हित अथवा किसी दावे के प्रयोग के अधिकार सहित क्लियरिंग सदस्य के रूप में सभी अधिकार और हितलाभ तथा क्लियरिंग सदस्यता का अपना अधिकार क्लियरिंग कारपोरेशन को जब्द करा देगा परन्तु क्लियरिंग कारपोरेशन अथवा किसी क्लियरिंग सदस्य के प्रति ऐसे किसी क्लियरिंग सदस्य की देयता जारी रहेगी और उसके निष्कासन द्वारा अप्रभावित रहेगी!

(2) पद रिक्त करना

निष्कासन से निष्कासित क्लियरिंग सदस्य द्वारा धारित किसी पव अथवा पदवी में रिक्ति हो जाएगी ।

(3) ऋणवाताओं का अधिकार अक्षतिग्रस्त

निष्कासन उन क्लियरिंग सदस्यों , जो निष्कासित क्लियरिंग सदस्य के ऋणदाता हैं, के अधिकारों को प्रभावित नहीं करेगा।

(4) लेन-वेन और वायित्यों की पूर्ति

निष्कासित क्लियरिंग सदस्य अपने निष्कासन के समय बकाया लेन-देनों और दायित्वों की पूर्ति करने के लिए बाध्य होगा और वह संगत प्राधिकारी की अनुमति से ऐसे बकाया लेन-देन समाप्त कर सकता है।

(5) क्लियरिंग सदस्य लेन-देन नहीं करेंगे

कोई भी क्लियरिंग सदस्य संगत प्राधिकारी की पूर्वानुमित को छोड़कर निष्कासित क्लियरिंग सदस्य के लिए अथवा उसके साथ लेन-देन नहीं करेगा।

(६) निष्कासन नियम लागू होंगे

जब कोई क्लियरिंग सदस्य मृत्यु चूक अथवा त्यागपत्र के अन्यथा इन उप-नियमों और नियमों के उपबंधों के अधीन क्लियरिंग सदस्य नहीं रहता तो यह ऐसा होगा मानों क्लियरिंग सदस्य को संगत प्राधिकारी द्वारा निष्कासित किया गया है और उस दशा में इन नियमों में विहित निष्कासन से संबंधित सभी उपबंध हर प्रकार से ऐसे क्लियरिंग सदस्य पर लागू होंगे।

19. दंड और कारोबार समाप्त करने की नोटिस

(1) संबंधित क्लियरिंग सदस्य और सामान्य रूप से सभी क्लियरिंग सदस्यों को ऐसे तरीके; जिसका संगत प्राधिकारी समय-समय पर निर्णय करे, से निष्कासम अथवा निलम्बन अथवा चूक अथवा क्लियरिंग सदस्य द्वारा कारोबार समाप्त करने अथवा उसपर अथवा उसके भागीवारों अथवा अन्य कर्मचारियों पर अधिरोपित किसी अन्य वंड की नोटिस दी जाएगी। संगत प्राधिकारी अपने पूर्ण विवेक पर और ऐसे तरीके, जिसे यह सही समझे, से क्लियरिंग सदस्य अथवा जनता को अधिसूचित करेगा अथवा कराएगा कि कोई व्यक्ति, जिसका ऐसी अधिसूचना में नाम है, को निष्कासित, निलम्बित, वंडित किया अथवा चूककर्ता घोषित किया गया है अथवा उसने अपना कारोबार समाप्त कर दिया है अथवा क्लियरिंग सदस्य

नहीं रह गया है। ऐसी अधिसूचना के प्रकाशन अथवा परिचालन के लिए किलयरिंग कारपोरेशन अथवा संगत प्राधिकारी अथवा किलयरिंग कारपोरेशन के अधिकारी अथवा कर्मचारी के विरुद्ध ऐसे व्यक्ति द्वारा किसी भी परिस्थिति में कोई कार्रवाई अथवा अन्य कार्यवाही नहीं की जा सकती। किलयरिंग सदस्यता के लिए आवेदन अथवा संघटित अटार्नी अथवा प्राधिकृत प्रतिनिधि के रूप में पंजीकरण के लिए आवेदन अथवा संबंधित व्यक्ति द्वारा आवेदन लाइसेंस के रूप में कार्य करेगा ओर ये उप-नियम और नियम ऐसे विज्ञापनों अथवा अधिसूचनाओं को मुद्रित ,प्रकाशित अथवा परिचालित कराने के साधन के रूप में कार्य करेंगे और तदनुसार बहस करने योग्य होंगे।

(2) ऐसा करना आवश्यक है तो वह लिखित रूप में दर्ज किए जाने वाले कारणों से अस्थायी रूप से संगत प्राधिकारी द्वारा इस अध्याय के अधीन निलम्बन की उपयुक्त कार्यवाहियों के समापन को लंबित रखते हुए तत्काल क्लियरिंग सदस्य को निलम्बित कर सकता है और सुनवाई की कोई नोटिस ऐसे अस्थायी निलम्बन के लिए अपेक्षित नहीं होगी और ऐसे अस्थायी निलम्बन का उस अध्याय के अधीन निलम्बन का वही परिणाम होगा, बशर्ते कि इस अध्याय में प्रदत्त उपयुक्त कार्यवाही ऐसे अस्थायी निलम्बन के 10 दिनों के भीतर क्लियरिंग सदस्य को कारण बताओं नोटिस जारी करके प्रारम्भ की जाएगी । ऐसा कोई अस्थायी निलम्बन लिखित रूप में दर्ज किए जाने वाले कारणों के लिए संगत प्राधिकारी के विवेक पर खंडित किया जा सकता है अगर संगत प्राधिकारी इस बात से सन्तुष्ट है कि निलम्बित करने के लिए संगत प्राधिकारी की राय बनने वाली परिस्थितियां समाप्त हो गई हैं अथवा उन्हें सन्तोषजनक ढंग से हल कर लिया गया है।

अपउत्कथन

कृते नेशनल सिक्यूरिटीज़ क्लियरिंग कारपोरेशन लिमिटेड

आत. जयकपार.

आर. जयकुमार सहायक कंपनी सचिव

नेशनल सिक्योरिटीज क्लिअरिंग कार्पोरेशन लिमिटेड

नेशनल सिक्यूरिटीज क्लीयरिंग कारपोरेशन लिमिटेड के भावी और विकल्प खंड के विनियम नीचे दिए गये हैं :-

नेशनल सिक्योरिटीज क्लिअरिंग कार्पोरेशन लिमिटेड (माबी और विकल्प खंड) विनियम, 2000

प्रस्तावना :

बनाए गए निम्नलिखित विनियमों का नाम नेशनल सिक्योरिटीज क्लिअरिंग कार्पोरेशन (भावी और विकल्प खंड) विनियम, 2000 है।

लागू होना :

ये विनियम क्लिअरिंग कार्पोरेशन के भावी और विकल्प खंड (एफ. एंड ओ. खंड) में व्यवहार करने वाले सभी समाशोधन सदस्यों को लागू होंगे !

1. परिश्राषाएं :

जब तक कि संदर्भ में स्पष्ट रूप से अन्यथा कथित न हो, इसमें प्रयुक्त किंतु परिभाषित नहीं और निम्नलिखित में परिभाषित शब्दों और पदों के वहीं अर्थ होंगे जो क्रमशः उनमें समनुदेशित किए गए हैं

- 🍍 प्रतिभृति संविदा (विनियमन) अधिनियम, 1956 और / या उसके अधीन नियम
- भारत का प्रतिभृति और विनिमय बोर्ड अधिनियम, 1982 और / उसके अधीन नियम
- कंपनी अधिनियम, 1956
- * निक्षेपागार अधिनियम, 1998
- * नेशनल स्टाक एक्सचेंज आफ इंडिया लिमिट्रेड के नियम, उपविधियां और / या विनियम
- नेशनल सिक्योरिटीज क्लिअरिंग कार्पोरेशन लिमिटेड के भावी और विकल्प खंड के नियम और उपविधियां

यदि कोई पद एक से अधिक अधिनियमों में परिभाषित किया गया है तो जब तक कि संदर्भ में स्पष्ट रूप से अन्यथा कथित न हो, उपरोक्त क्रम में पहले आने वाले अधिनियम में यथा परिभाषित अर्थ को अधिमान दिया जाएगा !

1.1 लेखा पुस्तकें, अभिलेख और दस्तावेज

लेखा पुस्तको, अभिलेखो और दस्तावेजो के अंतर्गत एफ. एंड ओ. खंड विनियमों के अध्याय 8 के अधीन रखे जाने के लिए. अपेक्षित लेखा पुस्तकें, अभिलेख और दस्तावेज तथा किसी कंप्यूटर में या अन्य चुंबकीय रूप में रखे गए अभिलेख आते हैं।

1.2 नकद व्यवस्थापित व्युत्पन्नी संविदा

नकद व्यवस्थापित व्युत्पन्न संविदा से ऐसी व्युत्पन्नी राविदा अभिप्रेत है जिसका पालन दी गई प्रतिभूति के परिदान द्वारा किए जाने के बजाए नकद व्यवस्थापन द्वारा किया जाएगा

1.3 समाशोधन बँक

समाशोधन बैंक ऐसा बैंक है जसे समाशोधन निगम द्वारा इसके माध्यम से समाशोधित सभी व्यवहारों के लिए और समाशोधन सदस्यों और समाशोधन निगम के बीच तथा समाशोधन रावस्यों के बीच किसी अन्य निधि संचलन के लिए, समाशोधन निगम द्वारा समय-समय पर दिए गए निवेशों के अनुसार मार्जिन धन एकत्र करने के लिए नियुक्त किया जाए।

1.4 अंतिम क्रय संव्यवहार

से ऐसा क्रय संव्यवहार अभिप्रेत है जिसका प्रभाव भागतः या पूर्णतः लघू रिथति का मुजरा करना हो ।

1.8 अंतिम विक्रय संव्यवहार

से ऐसा विक्रय संव्यवहार अभिप्रेत है जिसका प्रभाव भागतः या पूर्णतः दीर्घ स्थिति का मुजरा करना हो ।

1.6 संविद्या मास

संविदा मास से ऐसा मास अभिप्रेत है जिसमे समाशोधन निगम नियमों में व्यत्यन्ती संविदा का अंततः व्ययस्थापन अपेक्षित हो ।

1.7 मुविक्किल / संघटक

मुविकाल / संघटक से ऐसा व्यक्ति अभिप्रेत है जिसके अनुदेशों पर और जिसके बयान पर समाशोधन सदस्य व्यवहारों का समाशोधन और व्यवस्थापन करना है और समाशोधन सदस्य के साथ उस प्रभाव का करार करता है । इस प्रयोजन के लिए 'मुविकाल' पद के अंतर्गत विनिर्दिष्ट एक्सबेज के व्यापारिक सदस्यों के सभी रिजस्ट्रीकृत संघटक आते हैं।

1.8 व्यत्पन्नी संविदा

ऐसी संविदा का जो-अबना मूल्य दी गई प्रतिभूतियाँ की कीमतो या कीमतों के सूधकांक से प्राप्त करता है, ध्यापार ऐसी रीति में किया जाएगा जो इन विनियमों के अधीन उपबंधित है।

रपष्टीकरण— इस परिभाषा, के प्रयोजन के लिए ब्युत्यन्ती के अंतर्गत किसी ऋण लिखत, शेयर, उधार, वाहे प्रतिभूत हो या अप्रतिभूत, जोखिम लिखत या मार्जिनों के लिए संविदा अथवा किसी अन्य रूप की संविदा से प्राप्त प्रतिभृति है।

1.9 एफ. एंड ओ. खंड विनियम

एफ. एंड ओ. खंड विनियम से वेशनल शिक्योरिटीज क्लिओरेंग कार्पोरेशन (भावी और विकल्प खंड) विनियम अभिप्रेत हैं और इसके अंतर्गत कारबार नियम, आचार संहिता और ऐसी अन्य प्रक्रियाएं, परिषञ्ज, निदेश या आदेश हैं जो समय-समय पर इसके अधीन सुसंगत प्राधिकारी द्वारा जारी किए जाएं।

्र1.10 अवसान विवस

ऐसा दिन जिसको किसी व्यूत्पन्नी संविदा मे अंतिम व्यवस्थापन बाध्यसा अवधारित की जाए ह

1.11 भावी संविवा

से भविष्य में दी गई प्रतिभृति को क्रय या विकय करने के लिए दिशिक रूप से किया गया बाध्यकारी करार अभिप्रेत है ।

1.12.अंतिम व्यापारिक विवस

से ऐसा दिन अमिप्रेत है जिस तक विनिर्विष्ट एक्सचेंज में व्यापार के लिए कोई व्युत्पन्नी संविदा उपलब्ध हो।

1.13 दीर्घ स्थिति

किसी व्युत्पन्नी संविद्या में दीर्घ स्थिति से किसी समय व्युपन्नी संविदा की बाबत उत्कृष्ट क्रय बाध्यता अभिप्रेत है ।

1.14 सदस्यों की आरंभिक स्थिति

सदस्यों की आरंभिक स्थिति से समाशोधन निगम के पास शेष किसी या सब व्युत्पन्नी संविदाओं में सदस्य या उसके मुवक्किल की वीर्घ और लघु स्थिति का जोड़ अभिप्रेत हैं।

1.15 अधिसूचना, सूचना या संसूचना

यह ऐसी प्रश्नापना को निर्दिष्ट करती है जिसकी तामील निम्नितिखित एक या अधिक तरीकों से समाशोधन निगम झारा समाशोधन सदस्य को पक्षकार के सामान्य कारबार पते पर और/ या उसके सामान्य निवास स्थान पर और / या उसके अंतिम झात पते पर की जा सकती हो—

- (क) इसे डाक से भेजकर
- (ख) इसे रजिस्ट्रीकृत डाक से भेजकर
- (ग) इसे डाक में डाले जाने के प्रमाणपत्र के अधीन भेजकर
- (घ) इसे तुरंत वितरण डाक / कुरियर सेवा से भेजकर
- (अ) इसे तार द्वारा भेजकर
- (व) अंतिम ज्ञात कारबार के या निवास स्थान के द्वार पर चस्पा करके
- (छ) इसका किसी एक प्रमुख दैनिक समाचार पत्र में कम से कम एक बार विज्ञापन देकर
- (ज) विनिर्दिष्ट एक्सचेज की व्यापारिक प्रणाली के माध्यम से संदेश देकर
- (झ) इलेक्ट्रॉनिक डाक या फैक्स से ।

1.18 अनिर्णीत ब्याज

अनिर्णीत ब्याज से दी गई प्रतिभूति की व्युत्पन्नी संविदाओं की ऐसी कुल संख्या अभिप्रेत है जिसका अभी मुजरा नहीं किया गया है और जिसे विरोधी संव्यवहार द्वारा निर्णीत नहीं किया गया है और न ही नकद या दी गई प्रतिभूति के परिदान द्वारा उसकी पूर्ति की गई है। अनिर्णीत ब्याज की संगणना के लिए व्युत्पन्नी संविदा के केवल एक पक्ष को हिसाब में लिया जाता है।

1.17 बकाया बाध्यता

बकाया बाध्यता से ऐसी बाध्यता अभिप्रेत है जिसे न तो बंद किया गया है और न ही उसका व्यवस्थापन किया गया है ।

1.18 आरंभिक क्रय संव्यवहार

से ऐसा क्रय संध्यवहार अभिप्रेत है जो वीर्घ स्थिति सुजित करने या उसमें वृद्धि करने का प्रभाव रखे ।

1.19 आएंभिक विक्रय संव्यवहार

से ऐसा विक्रय संख्यवहार अभिप्रेत है जो लघु स्थिति सुजित करने या उसमें वृद्धि करने का प्रभाव रखे ।

1,20 व्यवस्थापन तारीख

से ऐसी तारीख अभिप्रेत है जिसको किसी व्युत्पन्नी संविदा में किसी बकाया बाध्यता का व्यवस्थापन किया जाना अपेक्षित हो जैसा कि इन विनियमों में उपबंधित है।

1.21 लघु स्थिति

व्युत्पन्नी संविदा मे लघु स्थिति से किसी भी समय व्युत्पन्नी रांविदा की बाबत बकाया विक्रय बाध्यताएं अभिप्रेत हैं।

1.22 अंतरनिहींत प्रतिभूति

से ऐसी प्रतिभूति अभिप्रेत है जिसके निर्देश से समय-समय पर विनिर्धिष्ट एक्सचेंज के एफ. एंड ओ. खंड पर व्युत्पन्नी संविदां में व्यापार करना अनुज्ञात किया जाता है ।

2. एफ. एंड ओ. खंड

2.1 विनिर्विष्ट एक्सचेंज

सुसंगत प्राधिकारी समय-समय पर विनिर्दिष्ट एक्सचेंजों भे सेबी का पूर्वानुमोदन प्राप्त करने के बाद निष्पादित संव्यवहार स्वीकार कर सकेंगा ।

इन विनियमों के प्रयोजन के लिए निम्नलिखित एक्सचेंज विनिर्दिष्ट किया जाता है

नेशनल स्टाक एक्सचेंज का भावी और विकला खंड, जिस एक्सचेंज को इसमें इसके पश्चात्, इन विनियमों के प्रयोजनों के लिए एन.एस.ई. कहा जाएगा ।

2.2 एफ. एंड ओ. समाशोधन सदस्य

'एफ. एंड ओ. समाशोधन सदस्य' से समाशोधन निगम का सदस्य अभिप्रेत है और इंसके अंतर्गत समाशोधन सदस्यों के वे सभी प्रवर्ग हैं जिन्हें समाशोधन निगम द्वारा एफ. एंड ओ. खंड में इस रूप में प्रविष्ट किया जाए ।

2.3 एफ. एंड ओ. समाशोधन सदस्यों के प्रवर्ग

एफ, एंड ओ, समाशोधन सदस्यों के निम्नलिखित प्रवर्ग विनिर्दिष्ट किए जाते हैं :

टी. एम. समाशोधन सदस्य

टी. एम. समाशोधन सदस्य से विनिर्दिष्ट एक्सचेज का ऐसा सदस्य अभिप्रेत है जिसे सुसंगत प्राधिकारी द्वारा समाशोधन निगम के एफ. एंड ओ. खंड पर समाशोधन सदस्य के रूप में ग्रहण किया गया है और जो इन विनियमों में विनिर्दिष्ट रीति में स्वयं या अपने संघटकों के कारण संव्यवहारों का समासोधन और व्यवस्थापन कर सके।

अभिरक्षक समाशोधन सदस्य

अभिरक्षक समाशोधन सदस्य से अभिप्रेत है और इसके अंतर्गत अभिरक्षक और अन्य फर्म **हैं जिन्हें एफ. एंड ओ. समाशोधन** सदस्यों के रूप में सुसंगत प्राधिकारी द्वारा ग्रहण किया गया है और जो इन विनिधमों में विनिर्दिष्ट रीति में विनिर्दिष्ट एक्सचेंज के सदस्यों के संघटकों के लिए व्यवहारों का समाशोधन और व्यवस्थापन कर सकें।

वृत्तिक संमाशोधन सदस्य

ृत्तिक समाशोधन सदस्य से ऐसा एफ. एंड ओ. समाशोधन सदस्य अभिप्रेत है जिसे सुसंगत प्राधिकारी द्वारा ग्रहण किया गया है और जो व्यवहारों का समाशोधन और व्यवस्थापन स्वयं अपने संघटकों के कारण और विनिर्दिष्ट एक्सचेंज के सदस्यों और या इसके संघटकों के कारण कर सके।

3. व्युत्पन्नी संविदा के समाशोधन और व्यवस्थापन के संबंध में उपबंध व्यवहार, संव्यवहार और व्यीहार

व्यवहारों, संव्यवहारों और व्यौहारों

इन विनियमों के प्रयोजन के लिए "व्यवहारों", "संख्यवहारों" और "व्योहारों" पदों के अर्थ एक ही और समान होंगे, जब तक कि संदर्भ द्वारा अन्य उपदर्शित न हो ।

3.1 समाशोधन और व्यवस्थापन विनियम संविदाओं का भाग

व्युत्पन्नी संविदा के समाशोधन और व्यवस्थापन के लिए किसी प्रक्रिया से संबंधित समय-समय पर प्रवृत्त विनियम और इस समय प्रवृत्त सुसंगत प्राधिकारी के संकल्प, सूचनाएं, निदेश और विनिश्चय, प्रत्येक व्युत्पन्नी संविदा के निबंधनों और शर्तों का भाग होंगे ।

3.2 व्युत्पन्नी संविदा का प्रतिवेदन

एफ. एंड ओ. समाशोधन सदस्यो द्वारा निष्पादित व्युत्पन्नी संविदा समाशोधन निगम के एफ. एंड ओ. खंड को ऐसी रीति और प्ररूप तथा ऐसे समय के भीतर प्रतिवेदित की जाएगी जो समय-समय पर सुसंगत प्राधिकारी द्वारा विनिर्दिष्ट किया जाए ।

3.3 व्युत्पन्नी संविदा का समाशोधन और व्यवस्थापन

ब्युत्पन्नी संविदा पर संब्यवहारों का समाशोधन और व्यवस्थापन समाशोधन निगम के माध्यम से ऐसी प्रक्रिया या प्रक्रियाओं से किया जाएगा जो सुसंगत प्राधिकारी समय-समय पर विहित करे ।

3.4 व्यवस्थापन प्रक्रिया में परिवर्तन

सुसंगत प्राधिकारी किसी भी समय ऐसा आदेश करने के लिए सक्षम होगा कि किए गए या किए जाने वाले किसी या सभी व्यवहारों का व्यवस्थापन समय-समय पर विनिश्चित किसी अन्य समुचित प्रक्रिया से किया जाए और प्रत्येक संव्यवहार व्यवस्थापन प्रक्रिया में किए गए किसी ऐसे परिवर्तन के अधीन होगा।

3.5 सूचनाएं और निदेश

सभी एक. एंड ओ. समाशोधन सदस्य, समाशोधन निगम के प्रचालन से संबंधित सभी नामलों में सुसंगत प्राधिकारी के अनुदेशों, संकल्पों, आदेशों, सूचनाओं, निदेशों और विनिश्चयों का पासन करेंगे ।

3.6 मिध्या और भ्रामक कथन

इन विनियमों या इनके अधीन सुसंगत प्राधिकारी के किसी संकल्प, आदेश, सूचना, निदेश और विनिश्चय के अनुसरण में प्रस्तुत किए जाने के लिए अपेकित समाशोधन प्ररूपों में मिध्या या भ्रामक कथन करने वाले किसी एफ. एंड ओ. समाशोधन सदस्य पर सुसंगत प्राधिकारी, जुर्माना कर सकेगा, उसे निलंबित या निकासित कर सकेगा।

3.7 समाशोधन के लिए प्रमार

सुसंगत प्राधिकारी, समय-समय पर, समाशोधन निगम के माध्यम से संव्यवहारों के समाशोधन और व्यवस्थापन के लिए समाशोधन प्रभारों के मापमान विष्ठित करेगा।

3.8 समाशोधन निगम विस

समाशोधन निगम का एफ. एंड ओ. खंड इसके माध्यन से समाशोधन और व्यवस्थापित संव्यवहारों के लिए एफ. एंड ओ. समाशोधन सदस्यों द्वारा समाशोधन निगम को संदेय समाशोधन प्रभारों और ऐसी अन्य फीस, जुर्माने और अन्य बकाया रकमों के बिल आविधिक रूप से प्रस्तुत करेगा और ऐसे सदस्यों द्वारा संदेय रकम उनके समाशोधन खातों में विकलित करेगा।

3.9 सनाशोधन निगन का वायित्व

समाशोधन निगम द्वारा अपने प्रचालन के अनुस्त्य में कोई बात किए जाने या उसके लोग के फलरवस्त्य इसका वायित्य समाशोधन निगम या सुसंगत प्राधिकारी या समाशोधन निगम के किसी कर्मचारी / अभिकर्ता से संबद्ध नहीं होगा ।

3.10 समाशोधन विवस और अनुसूचित समय

भुसंगत प्राधिकारी समय-समय पर विमिन्न समाशोधन दिवस नियत करेगा जिसमें किसी या सभी व्युत्पन्नी संविदाओं के समाशोधन और व्यवस्थापन प्रचालन से संबंधित पालन किए जाने वाले संदाय प्राप्त करने या देने के दिवस और अनुसूचित समय भी है। स्रसंगत प्राधिकारी, समय-समय पर किसी या सभी एक. एंड ओ. समाशोधन सदस्यों के लिए भिन्न-भिन्न समय सूची विनिर्दिष्ट करेगा।

3.11 समारोधम विवसों और अनुसुवित समय में परिवर्तन

सुसंगत प्राधिकारी, किसी भी समय किसी या सब व्युत्पन्नी संविदाओं की बाबत समस्त समाशोधन या किसी अध्या समी समाशोधन दिवसों और अनुसूचित समय में कमी, वृद्धि, परिवर्तन या उसे मुख्तवी कर सकेगा।

3.12 आरंगिय स्थिति

किसी धुरपन्नी संविदा के क्रय या विक्रय के लिए सभी संविदाएं चालू और प्रवृत्त रहेंगी और जब तक संविदा के मुजरा द्वारा या किसी ऐसी रीति उनका समापन नहीं किया जाए जो समय-समय पर सुसंगत प्राधिकारी द्वारा विनिर्विष्ट की जाए, ये एफ, एंड ओ. समाबोधन सबस्यों पर बाध्यकारी बनी रहेंगी।

3.13 <u>मुजरा, स्वतः नहीं</u>

समान संविदा मास और / या समय-समय पर सुसंगत प्राधिकारी द्वारा जारी अन्य विनिर्देश और सांपत्तिक लेखा से संबंधित ब्युत्पन्नी संविदाओं में व्यवहार की दशा में क्रय संव्यवहार और विक्रय संव्यवहार एक दूसरे का मुजरा संभव सीमा तक स्वतः ही कर थेगे । समान संविदा मास और / या समय-समय पर सुसंगत प्राधिकारी द्वारा जारी अन्य विनिर्देश और मुवक्किल लेखा से संबंधित व्युत्पन्नी संविदाओं में व्यवहार की दशा में क्रय संव्यवहार और विक्रय संव्यवहार एक दूसरे का तब तक मुजरा नहीं करेगे जब तक कि उसी ग्राहक से व्यापार करते समय मुजरा के लिए विनिर्देश्ट रूप से व्यवहार में न कहा जाए।

3.14 सनाशोधन सवस्य द्वारा संवाय

समाशोधन निगम का एक. एंड ओ. खंड एक. एंड ओ. समाशोधन सवस्यों द्वारा संवत्त सभी राशियों को किसी मालिक द्वारा संवत्त राशि समझेगा और समाशोधन निगम के पास ये राशियां किसी न्यास या अन्य साम्यापूर्ण ब्याज के साथ अंकित नहीं की जाएंगी। समाशोधन निगम द्वारा किसी समाशोधन सवस्य को किया गया कोई संवाय समुचित और पर्याप्त उन्मोचन होगा।

4. मार्जिन और समाशोधन / अनाबरण सीमाएं

4.1 मार्जिंग

समाशोधन निगम का एफ, एंड ओ. खंड, समय-समय पर एफ, एंड ओ. समाशोधन सवस्यों के लिए मार्जिन अपेक्षाएं विनिर्दिष्ट करेगा जिसके अंतर्गत आरंभिक स्थितियों पर जोखिम आधारित वशमलव प्रणाली के माध्यम से प्रारंभिक मार्जिन भी है। एफ, एंड ओ. समाशोधन सवस्य ऐसे मार्जिनों को ऐसे प्ररूप में और ऐसी अवधि के भीतर प्रस्तुत करेंगे और बनाए रखेंगे जो समाशोधन निगम एफ, एंड ओ. खंड द्वारा विनिर्दिष्ट की जाए। प्रत्येक एफ, एंड ओ. समशोधन सवस्य की, समय समय पर समाशोधन निगम के एफ, एंड ओ. खंड द्वारा अनुवंधित स्तर पर और अवधि के लिए मार्जिन बनाए रखने की निरंतर बाध्यता है।

समाशोधन निगम का एफ, एंड औ, खंड, समाशोधन सबस्य द्वाज अपने खाते में और मूवक्किला की और से जमा मार्जिन को ऐसी रीति में पृथक करेगा जो वह उपयुक्त समझे ।

4.2 मार्जिन के संबाध का रंग

एफ, एंड ओ, समाशोधन सवस्य द्वारा मार्फिन का था तो नकव, जमा रसीवी, बैंक (कीं) की प्रत्याभूति और सुसंगत प्राधिकारी द्वारा अनुमोदित प्रतिभृति करूप मे या ऐसे ढंग से और ऐसे निबंधनों और शर्ती के अधीन प्रस्तुत किया जाना अपेक्षित है जैसा कि सुसंगत प्राधिकारी समय-समय पर विनिर्दिष्ट करें।

4.3 नार्जिम रोक्सना

समाशोधन निगम का एफ. एंड ओ. खंड अपने विवेक से या विनिर्विष्ट एक्सचेज के अनुवेशों के अनुसार विनिर्विष्ट एक्सचेज / समाशोधन निगम द्वारा अपेक्षित किसी अवधि के लिए एफ, एंड ओ. समाशोधन सवस्य द्वारा समाशोधन निगम को प्रस्तुत किसी मार्जिन को रोक / जारी करेगा, यदि ऐसे एफ. एंड ओ. समाशोधन सवस्य की आरंभिक स्थिति हो तो उसे समाशोधन निगम द्वारा इस प्रकार रोके गए मार्जिन को विचार में लिए बिना आगे मार्जिन या अन्य बाध्यता का संवाय करते रहना चाहिए।

4.4 अतिरिक्त मार्जिन

यदि समाशोधन के एफ, एंड औ. खंड की शय में विनिर्दिक्ट एक्सबेंज हाश प्रवासित किसी बाजार के आक्रिक्क उतार बढ़ाय प्रकट हैं तो समाशोधन निगम अतिरिक्त मार्जिन के लिए कह सकता है। अतिरिक्त मार्जिन ऐसी शिति में और ऐसी अवधि के भीतर संवेध होगा जो समय-समय पर विनिर्दिक्ट किया जाए।

4.8 संघटकों से नार्जिन

- (क) एफ. एंड ओ. समाशोधन सबस्य अपने संघटकों से ऐसे मार्जिन धन की मांग करेंगे जो समाशोधन सबस्य को इन विनियमों को अधीन ऐसे संघटकों के लिए एफ. एंड ओ. समाशोधन सबस्यों ह्यारा किए गए व्यवहारों के संबंध में बेना होता है।
- (छ) एफ, एंड ओ, सनाशोधन सवस्य संघटकों की और से ब्युत्यन्नी संधिवाओं में समाशोधन और ध्यवस्थापन केवल ऐसा कन से-कम मार्जिन प्राप्त होने पर करेंगे जो सुसंगत प्राधिकारी द्वारा समय-समय पर विनिश्चित किया जाए, जब तक कि संघटकों का समाशोधन सवस्थों से साथ समतुल्य प्रत्यय न हो । समाशोधन सवस्थ संघटकों से इतना उच्चतर मार्जिन प्राप्त कर सकेगा जो वह डीक समझे ।
- (ग) जब कभी समाशोधम निगम द्वारा अमेबित हो, समाशोधन सदस्य उसके संघटकों की और से मार्जिन के रूप में जमा की गई रक्षम की बाबत विनिर्देश्य रूप से समाशोधन निगम को सुचित करेगा ।
- (घ) समाशोधन सबस्य एक मुबक्किल हारा संबत्त मार्जिन धन का उपयोग उसके अपने खाते में या अन्य मुबक्किल से वैय मार्जिन धन के लिए अनुहात नहीं करेगा ।

4.6 मार्जिन का संयाय

समाशोधन निगम समाशोधन सबस्य द्वारा संबत्त सभी मार्जिन और अन्य धन को खराके द्वारा या स्वयं उसकी और से संबत्त समझेगा और तबनुसार उनका विभिधीग ऐसे प्रयोजनों के क्रिए करेगा जैसा कि उपविधियों और विनियमों के अधीन डीक समझे ।

परंतु यह कि समानोधन सबस्य उसके द्वारा समानोधन निगम को किए गए मार्जिन के संबाय की शनाव्या और उसे ऐसे पृथक कर सकेगा कि क्या वह उसके अपने खाते में अधवा उसके मुबक्किल के खाते में संबस की गई है।

4.7 मार्जिन के संदाय में कमी / व्यतिक्रम का कथन

समाशोधन सदस्य द्वारा अपनी बाध्यता के अननुपालन या उसके व्यतिक्रमी घोषित किए जाने की दशा में, ऐसा समाशोधन सदस्य समाशोधन निगम में ऐसा विवरण प्रस्तुत करेगा जिसमें मुवक्किल कोड की सूची, मुवक्किलों के नाम, प्रत्येक मुवक्किल की आरंभिक स्थिति, समाशोधन कंपनी को देय और संदत्त मुवक्किल-कर मार्जिन स्कम, समाशोधन निगम को संदेय / उससे प्राप्य मुवक्किल-कर व्यवस्थापन रकम अंतर्विष्ट हो । समाशोधन सदस्य मार्जिन के संदाय में और / या स्वयं अथवा उसके मुवक्किल से देय व्यवस्थापन में ऐसी असफलता / कमी / व्यतिक्रम तथा ऐसी कमी / व्यतिक्रम की रकम को भी विनिर्दिष्ट रूप से अंकित करेगा ।

समाशोधन निगम, समाशोधन सदस्य द्वारा दिए गए ऐसे विवरण का उपयोग, जब तक कि समाधान निगम / व्यतिक्रम समिति के समाधान के प्रतिकूल साबित न हो, यथास्थिति, बाध्यता की कमी / व्यतिक्रम की सीमा तक समाशोधन निगम के बकाया का भुगतान करने और मुवक्किलों को देय रकमों का व्यवस्थापन करने के प्रयोजन के लिए समाशोधन निगम के साथ मार्जिन धन को विनियोजित करने के लिए करेगा।

समाशोधन निगम मार्जिन धन को समाशोधन सदस्यों के बकाया का व्यवस्थापन करने के पूर्व मुवक्किलों के बकाया का व्यवस्थापन करने के लिए विनियोजित करेगा !

उप्पर किसी बात के होते हुए भी, किसी समाशोधन सदस्य के व्यतिक्रमी घोषित किए जाने की दशा में व्यापारिक सदस्य द्वारा ऐसे समाशोधन सदस्य के प्रस्तुत विवरण, जिसमें व्यापारिक सदस्य द्वारा अपने खाते एर संदत्त या अपने मुवक्किल की ओर से संदत्त रकमें दी गई हैं, जब तक कि समाशोधन निगम / व्यतिक्रम समिति के समाधान के प्रतिकृल साबित न हो, उस पर, उसके समाशोधन सदस्य और उसके मुवक्किल पर बाध्य होगा ।

4.8 समाशोधन / अनावरण सीमा

समाशोधन निगम, किसी भी समय अपने पूर्णविवेकाधिकार से-

किसी या सब एफ. एंड ओ. समाज्ञोधन सदस्यों और उनके मुवक्किलों के लिए अधिकतम दीर्घ और या लघु आरंभिक स्थितियां विहित कर सकेगा जिसमें किसी या सभी व्युत्पन्ती संविदाओं की मात्रा और या मुख्य सम्मिलित है:

मात्रा या मूल्य में बाजार की प्रकार के लिए या समाशोधन सदस्य की आधार पूंजी की प्रतिशतता के रूप में या उपरोक्त में से किन्हीं के संयोजन के लिए समाशोधन / अनावरण सीमा या ऐसी रीबि विहित कर सकेगा जो सुसंगत प्राधिकारी समय-समय पर किसी या सब एफ. एंड ओ. समाशोधन सदस्यों के लिए विनिश्चित करे:

समाशोधन निगम किसी भी समय विनिर्दिष्ट एक्सचेंज और सुसंगत एफ. एंड ओ. समाशोधन सदस्य (यों) को अधिसूचित करके कोई भी समाशोधन / अनावरण सीमा अधिरोपित, वृद्धि / कमी या हटा सकेगा । इस प्रकार अधिसूचित समाशोधन / अनावरण में किया गया अधिरोपण, हटाया जाना या परिवर्तन उस रूप में प्रभावी होगा जैसा कि उस अधिसूचना में अनुबंधित हो ;

समाशोधन निगम अपने विवेक से एक. एंड ओ. समाशोधन सदस्यों कों समाशोधन निगम में अतिरिक्त आधार पूंजी का निवेश करने पर उनकी समाशोधन / अनावरण सीमा बढाए जाने को अनुकात कर सकेगा । समाशोधन निगम समय-समय पर आधार पूंजी की संगणना की रीति और अतिरिक्त आधार पूंजी के निक्षेप का ढंग विनिर्दिष्ट करेगा ।

4.9 समाशोधन / अनावरण सीमा में वृद्धि

यदि कोई एफ. एंड ओ. समाशोधन सदस्य, अधिरोपित समाशोधन / अमावरण सीमा में वृद्धि करता है तो समाशोधन निगम एफ. एंड ओ. समाशोधन सदस्य से यह अपेक्षा करने का हकदार होगा कि वह आरंभिक स्थिति बंद कर दे या वह ऐसे अन्य उपाय कर सकेगा जो समय-समय पर सुसंगत प्राधिकारी द्वारा विनिर्दिष्ट किए जाएं और जो समाशोधन निगम की राय में एफ. एंड ओ. समाशोधन सदस्य द्वारा समाशोधन / अनावरण सीमाओं का पालन हो ।

यदि एफ. एंड ओ. समाशोधन सदस्य, समाशोधन निगम की किसी अपेक्षा को पूरा करने में असफल रहता है तो समाशोधन निगम, एफ. एंड ओ. समाशोधन सदस्य की ओर से आरंभिक स्थितियों को बंद कर सकेगा या ऐसे अन्य उपाय करेगा जो समाशोधन । अनावरण सीमाओं के पालन के लिए अपेक्षित हों जिसके अंतर्गत व्यापारिक और । या समाशोधन सुविधा का वापस लिया जाना है।

5. बाजार व्यवस्थापन और वायदा-संविदाओं का अंतिम व्यवस्थाओं का प्रतिदिन अंकन

5.1 वायदा-संविवाओं के लिए बार्जार व्यवस्थापन का प्रतिविन अंकन

- (क) वायदा संविदाओं में एफ. एंड ओ. समाशोधन सदस्य की सभी आरंभिक स्थितियां; चाहे वे दीर्घ हों या लघु प्रतिदिन व्यवस्थापन कीमत पर बंद मानी जाएंगी, और ऐसा सदस्यं, यथास्थिति, वायदा संविदा की क्रय या विक्रय की गई कीमत अथदा पूर्व व्यापारिक दिवस को व्यवस्थापन कीमत और व्यापारिक दिवस की समाप्ति पर संव्यवहार की प्रतिदिन व्यवस्थापन कीमत के बीच फर्क द्वारा प्रतिनिधित्य में, यथास्थिति, किसी हानि या लाभ के लिए समाशोधन निगम को संदाय करने या प्राप्त करने का हकदार होगा ।
- (ख) समाशोधन निगम से ऐसा व्यवस्थापन करने के पश्चात् ऐसा सवस्य, ऐसी वायवा संविदा के लिए, यथास्थिति, प्रतिविन व्यवस्थापन कीमत पर लंबा या छोटा समझा जाएगा । प्रतिदिन व्यवस्थापन बाध्यता का संवाय केवल नकद रूप में किया जाएगा ।

5.2 प्रतिदिन व्यवस्थापन कीमत

प्रतिदिन व्यवस्थापन कीमत, किसी व्यापारिक विवस के लिए वायदा संविदा की अंतिन कीमत या ऐसी अन्य कीमत होगी जो समय-समय पर सुसंगत प्राधिकारी द्वारा विभिश्चित की जाए ।

5.3 <u>व्यवस्थापन के लिए प्रतिदिन अंक</u>न हेतु अग्रिम मांग

यदि बाजार की स्थिति या कीमत के उतार चढांब ऐसे हैं कि सुसंगत प्राधिकारी की राय में प्रभावित एक. एंड ओ. समाशोधन सवस्यों द्वारा ऐसे समय के लिए निक्षेप करना आवश्यक है जो सुसंगत प्राधिकारी द्वारा विनिर्दिष्ट किया जाए और जो ऐसे व्यवस्थापन के लिए आवश्यक हो तो वह ऐसे निक्षेप के लिए अग्रिम रूप में अपेक्षा कर सकेगा।

5.4 अंतिम व्यवस्थापन

अंतिम व्यापारिक विवस को वायवा संविदा में व्यापार समाप्त करते समय नकद व्यवस्थापित वायवा संविदा में आरंभिक स्थिति रखने वाले समाशोधन सदस्य अंतिम व्यवस्थापन कीमत के तुल्य व्यवस्थापन कीमत पर आधारित विनियम 5.1 (क) में यथा विनिर्दिख्य व बाजार व्यवस्थापन प्रक्रिया के प्रतिविन अंकन के अनुसरण में समाशोधन निगम को संदाय करेगा या उससे संदाय प्राप्त करेगा।

अंतिम व्यवस्थापन के पूर्ण होने पर आरंभिक स्थिति अस्तित्व में नहीं रहेगी ।

5.5 अंतिम व्यवस्थापन कीमत

अंतिम व्यवस्थापन कीमत संविदा के अंतिम व्यापारिक दिवस पर की गई प्रतिभृति की अंतिम कीमत या ऐसी अन्य कीमत होगी जो सुसंगत प्राधिकारी द्वारा समय-समय पर विनिर्दिष्ट की जाए ।

5.6 समाशोधन फार्म

सभी समाशोधन फार्म ऐसे होंगे जो संबंधित विनियम में विनिर्विष्ट किए जाएं या ऐसे अन्य प्ररूप (पों) में होंगे जो सुसंगत' प्राधिकारी इसके अतिरिक्त या उपांतरण में अधवा प्रतिस्थापन में समय-समय पर विडित करें।

5.7 प्रतिदिन और अंतिम व्यवस्थापन बाध्यता कथन

समाशोधन निगम वायदा संविदाओं की विभिन्न किस्मों के संव्यवहारों से संबंधित प्रतिविन और अंतिम व्यवस्थापन बाध्यता कथन तैयार करेगा और प्रत्येक एफ, एंड ओ, समाशोधन सवस्य को देगा ।

5.8 संदाय का डंग

सभी एफ. एंड ओ. सदस्य, संदाय प्राप्त किए जाने के अभिहीत दिवस को उनके समाशोधन खाते में उनकी निधि बाध्यता की सीमा तक निधियों का स्पष्ट अतिशेष रखेंगे । परन्तु यह कि सुसंगत प्राधिकारी, सभी या किसी एफ एंड ओ समाशोधन सदस्यों के लिए निधियों के संदाय के मिन्न-भिन्न ढंग विनिर्दिष्ट कर सकेगा ।

5.9 निधियों की प्राप्ति

समाशोधन बैंक ऐसे एफ एंड ओ समाशोधन सदस्यों के समाशोधन खातों में प्रस्थय करेगा जिनके द्वारा समाशोधन निगम के अनुदेशों के अनुसार निधियां प्राप्त की जानी है । एफ एंड ओ समाशोधन सदस्यों को देय सभी निधियां उनके खातों में प्रस्थय हो जाएंगी जब तक कि (क) एफ एंड ओ समाशोधन सदस्य समाशोधन निगम के प्रति अपनी बाध्यता का पालन न करे या (ख) सुसंगत प्राधिकारी द्वारा अन्यथा आदेश न किया जाए ।

परन्तु यह कि सुसंगत प्राधिकारी सभी या किसी एफ एंड ओ समाशोधन सदस्यों के लिए निधियों के भिन्न-भिन्न ढंग विनिर्दिष्ट कर सकेगा ।

६. समापन

6.1 आरंभिक स्थितियां और समापन के अंतरण कब प्रभावित होंगे :

एफ एंड ओ समाशोधन सदस्य द्वारा मार्जिनों (मार्जिन) समाशोधन / अनावरण समीओं, बाजार व्यवस्थापन के प्रतिदिन अंकन और अंतिम व्यवस्थापन से संबंधित उपबंधों का पालन किए जाने में असफल, रहने पर ऐसे निबंधन और शर्तों को पूरा करने में असफल रहने पर जिनके अधीन वायदा संविदाओं में संव्यवहार किए गए है या ऐसे कारणों के फलस्वरूप असफल रहने पर जो सुसंगत प्राधिकारी समय-समय पर विनिर्दिष्ट करे:

मुवक्किलों की सभी या किसी आरंभिक स्थिति का या व्यतिक्रमी समाशोधन सदस्य की ऐसी अन्य आरंभिक स्थितियों का जो समय-समय पर विनिश्चित की जाएं, अंतरण किसी ऐसे एफ एंड ओ समाशोधन सदस्य को कर सकेगा जो ऐसे निबंधनों और शर्तों के अधीन ऐसा अंतरण स्वीकार करने के लिए सहमत हो जो सुसंगत प्राधिकारी द्वारा समय-समय पर विनिर्दिष्ट की जाएं और / या

व्यतिक्रम एफ एंड ओ समाशोधन सदस्य के विरुद्ध क्रय अथवा विक्रय द्वारा सभी या किसी आरंभिक स्थिति का समापन कर संकेगा ।

6.2 विनिर्दिष्ट मामलों में समापन

उम्पर विनिर्दिष्ट उपबंध की व्यापकता पर प्रतिकूल प्रभाव डाले बिना संबंधित विनियमों में विनिर्दिष्ट मामलों में या ऐसे मामलों में समापन प्रभावित हो सकता है जो सुसंगत प्राधिकारी इसके अतिरिक्त या इसके उपांतरण ने समय-समय पर विनिर्दिष्ट करे।

6.3 समाशोधन निगम सूचना के बिना समापन का हकदार

समाशोधन निगम के माध्यम से वायदा संविदाओं की बाबत, समाशोधन निगम व्यतिक्रम करने वाले पक्षकार के विरुद्ध समापन का हकदार होगा । ऐसे मामलों में एफ एंड ओ समाशोधन सदस्य को, जिसके विरुद्ध समापन को प्रभावी किया जाना है, समापन की सूचना नहीं की जाएगी ।

उपरोक्त उपबंघ की व्यापकता पर प्रतिकूल प्रभाव डाले बिना सूचना के बिना समापन को ऐसे मामलों में, जो संबंधित विनियमों में विनिर्दिष्ट हैं या ऐसे मामलों में प्रभावी बनायां जा सकता है जो सुसंगत प्राधिकारी समय-समय पर उसके आंतरिक या उसके उपांतरण में या इसके प्रतिस्थापन में विनिर्दिष्ट करे।

6.4 व्यतिक्रमी एफ एंड ओ समाशोधन सदस्य के साथ समापन संविदा

यदि कोई एफ एंड ओ समाशोधन सदस्य व्यतिक्रमी घोषित कर दिया जाता है तो समाशोधन निगम व्यतिक्रम से संबंधित सभी विनियमों के अनुसार सभी आंतरिक स्थितियों का समापन करके बकाया बाध्यताएं उसके विरुद्ध अवधारित करेगा ।

6.5 मृतक एफ एंड ओ समाशोधन सदस्य के साध समापन संविदा

बकाया बाध्यता वाले एफ एंड ओ समाशोधन सदस्य की मृत्यु हो जाने पर, सुसंगत प्राधिकारी अपने विवेक से निबंधनों के अनुसार उन बकाया बाध्यताओं का अवधारण करने के लिए उसके वारिसों, या विधिक प्रतिनिधियों को अनुझात कर सकेगा । ऐसी अनुझा के लिए आवेदन न किए जाने या प्रदान न किए जाने की स्थिति में, समाशोधन निगम, तत्काल समापन द्वारा सभी बकाया बाध्यताएं मृतक सदस्य के विरुद्ध अवधारित करेगा । ऐसे समापन से हुई हानि, यदि कोई हो तो मृतक सदस्य के वारिसों या विधिक प्रतिनिधियों से वसूल की जाएगी और लाम यदि कोई हो तो उसका संदाय उसके वारिसों या विधिक प्रतिनिधियों को सुसंगत प्राधिकारी से अनुमोदन प्राप्त करने के पश्चात समाशोधन निगम द्वारा किया जाएगा । यदि मृतक सदस्य के वारिस या विधिक प्रतिनिधि उनसे दावा की गई रकम का संदाय करने में असफल रहते हैं तो यह माना स्थापना कि ऐसा सदस्य व्यतिक्रम भी घोषित किया गया है और उस दशा में व्यतिक्रम से संबंधित उपविधियां और विनियम लागू होगे ।

6.6 समापन कैसे प्रभावी हंगा

समाशोधन निगम द्वारा एफ एंड ओ समाशोधन सदस्यों के विरुद्ध समापन को निम्नलिखित रीति में प्रभावी बनाया जाएगा : समाशोधन निगम द्वारा प्रारम्भ की गई नीलामी में एफ एंड ओ समाशोधन सदस्य के विरुद्ध क्रय या विक्रय द्वारा ; समापन को ऐसी कीमत के विरुद्ध घोषित करके, जो सुसंगत प्राधिकारी द्वारा विनिश्चित की जाएं ; विनिर्दिष्ट एक्सचेज में आदेश देकर एफ एंड ओ समाशोधन सदस्य के विरुद्ध क्रय या विक्रय द्वारा ; किसी ऐसी अन्य रीति द्वारा, जो सुसंगत प्राधिकारी समय-समय पर विनिश्चित करे।

6.7 बोली और पुरस्थापना

जब तक की सुसंगत प्राधिकारी द्वारा अन्यथा अनुज्ञात न किया जाए, ऐसे सदस्यों से भिन्न एफ एंड ओ समाशोधन सदस्य जिन के विरुद्ध समापन प्रभावी किया गया है, ऐसे समापन के दौरान बोली लगा सकते हैं या पुरस्थापन प्रस्तुत कर सकते हैं । सुसंगत प्राधिकारी दी गई किसी बोली या पुरस्थापना को अपने विवेक से रद्द कर सकता है ।

6.8 समापन समाशोधन सदस्य की जिम्मेवारी

अन्यथा उपबंधित के सिवाय, एफ एंड ओ समाशोधन सदस्य जिसके कहने पर या जिसकी ओर से समापन के प्रत्येक के लिए समाशोधन निगम द्वारा क्रय या विक्रय किया गया है, किए गए व्यवहार के लिए जिम्मेवार होगा और समाशोधन निगम या उसके कर्मचारियो की ऐसे समापन के अनुसरण में किए गए किसी व्यवहार की कोई जिम्मेदारी या दायित्व नहीं होगा ।

6.9 सुसंगत प्राधिकारी द्वारा मुल्तवी किया जाना

यदि सुसंगत प्राधिकारी की राय में समापन के लिए कोई उचित बाजार उपलब्ध नहीं है या ऐसी परिस्थितियों जो वह समय-समय पर विनिर्दिष्ट करे, किसी विशिष्ट मामले में, समापन आस्थिगित कर सकेंगा किंतु ऐसा आस्थागन व्यतिक्रमी पक्षकार को परिणामिक नुकसानियों से या अंतर्वर्ती पक्षकारों को उनके दायित्व से मुक्त नहीं करेगा।

6.10 समापन का निलंबन या मुक्तवी किया जाना

किसी व्युत्पन्नी संविदा की बाबत क्रय या विक्रय को सुसंगत प्राधिकारी निलंबित या मुल्तवी कर सकता है और समय-समय पर ऐसे निलंबन और मुल्तवी किए जाने की अवधि को आगे बढ़ा सकता है या मुल्तवी कर सकता है यदि उसकी राय में ऐसा निलंबन या मुल्तवी किया जाना सामान्य हित में वांछनीय हो ।

6.11 व्यतिक्रमी के विरुद्ध समापन

जब, उम्मर उपबंधित के अनुसार समापन प्रभावी हो और संबंधित एफ एंड ओ समाशोधन सदस्य व्यतिक्रमी घोषित किया जाए तो समापन से उत्पन्न फर्क उस सदस्य से वसूल किया जाएगा या व्यतिक्रम से संबंधित उपविधियों और विनियमों के अनुसार वितरित किया जाएगा ।

6.12 समापन के लिए प्रमार

जब समापन समाशोधन निगम की सलाह पर प्रभावी हो तो वह एफ एंड ओ समाशोधन सदस्य, जिसके विरूद्ध समापन हुआ है, समाशोधन निगम को ऐसे प्रभारों का संदाय करेगा जैसाकि सुसंगत प्राधिकारी समय-समय पर विहित करे।

ş

6.13 समापन से उत्पन्न हानि

जब समापन एफ एंड ओ समाशोधन सदस्य द्वारा अपनी बाध्यता पूरा करने में (जिसके अंतर्गत मार्जिन बाध्यता है) असफल रहने के कारण समाशोधन निगम की सलाह पर प्रभावी हो तो पारिणामिक हानि ऐसे सदस्य को प्रोद्भृत होगी और तुरंत समाशोधन निगम को उसके द्वारा संदत्त होगी ।

6.14 समापन से उत्पन्न लाभ

जब समापन एफ एंड ओ समाशोधन सदस्य द्वारा अपनी बाध्यता पूरी करने में (जिसके अंतर्गत मार्जिन बाध्यता है) असफल रहने के कारण समाशोधन निगम की सलाह पर प्रभावी हो तो उससे उत्पन्न लाभ व्यवस्थापक निधि के खाते में या ऐसी अन्य निधि में जमा किया जाएगा जो सुसंगत प्राधिकारी द्वारा समय-समय पर समाशोधन निगम द्वारा ऐसे प्रयोजन के लिए धारित करने हेतु स्थापित की जाए जो सुसंगत प्राधिकारी द्वारा विनिर्दिष्ट किया जाए ।

6.15 समापन हानि और नुक्सानिया संदत्त न करने पर व्यतिक्रम

यदि ऐसा एफ एंड ओ समाशोधन सदस्य, जिसके विरुद्ध व्यवहार का समापन इन विनियमों के उपबंधों के अधीन हुआ है, समापन से होने वाली हानि और नुक्सानियों का, यदि कोई हो, संदाय ऐसी अवधि के भीतर करने में असफल रहता है जो सुसंगत प्राधिकारी द्वारा समय-समय पर अनुबंधित की जाए तो उसे व्यतिक्रमी धोषित किया जाएगा ।

7. समाशोधन बैंक

7.1 विनियमित करने के लिए समाशोधन निगम

सुसंगत प्राधिकारी, समय-समय पर ऐसी प्रक्रिया, प्रणाली और प्रचालन विनिर्दिष्ट करेगा जिनका समाशोधन बैक(को) के साथ अपने समाशोधन खातो के माध्यम से निधि संव्यवहारों के प्रयोजन के लिए पालन किया जाना प्रत्येक एफ एंड ओ समाशोधन सदस्य द्वारा अपेक्षित है।

7.2 समाशोधन बैंक के कृत्य

समाशोधन निगम, इसके माध्यम से किए जाने वाले सभी संव्यवहारों के लिए मार्जिन धन एकत्र करने के लिए और एफ एंड ओ समाशोधन सदस्यों के बीच एंव समाशोधन सदस्यों और एफ एंड ओ समाशोधन सदस्य के बीच किसी अन्य विधि संचालन के प्रयोजन के लिए समाशोधन बैंक(को) की नियुक्ति करेगा ।

7.3 एफ एंड ओ समाशोधन सदस्यों का समाशोधन बैंक में खाता होगा

समाशोधन निगम के प्रत्येक एफ एंड ओ समाशोधन सदस्य का अभिहित समाशोधन बैंक की शाखा(ओं) मे समाशोधन खाता होगा । एफ एंड ओ समाशोधन सदस्य, समाशोधन खाते का संचालन मार्जिन धन के संदाय के लिए या ऐसे अन्य प्रयोजन के लिए जो सुसंगत प्राधिकारी द्वारा समय-समय पर विनिर्दिष्ट किए जाएं केवल समाशोधन निगम के माध्यम से किए गए व्यवहारों के व्यवस्थापन के प्रयोजन के लिए करेंगे समाशोधन खाते ऐसे किसी या सभी खंड़ों के लिए हो सकते हैं जो सुसंगत प्राधिकारी द्वारा विनिर्दिष्ट किए जाएं । एफ एंड ओ समाशोधन सदस्य, समाशोधन खातो का संचालन किसी अन्य प्रयोजन के लिए नहीं करेंगे ।

7.4 समाशोधन बैंक, समाशोधन निगम के अनुदेशों के अनुसार कार्य करेगा

समाशोधन निगम, समाशोधन बैंक को एफ एंड ओ समाशोधन सदस्यों के बीच निधि व्यवस्थापन के लिए किए जाने वाले विकलन और प्रत्यय की बाबत अनुदेशित करेगा । समाशोधन बैंक, निधियों के संचालन के लिए समाशोधन निगम से प्राप्त अनुदेशों के अनुसार कार्यवाही करेगा । एफ एंड ओ समाशोधन सदस्यों के खातों के विकलन और प्रत्यय से संबंधित समाशोधन निगम के अनुदेश, एफ एंड ओ समाशोधन सदस्य द्वारा अपने खाते में विकलन और / या प्रत्यय, जैसा कि अनुदेश में विनिर्दिष्ट है, पुष्ट आदेश समझा जाएगा ।

7.5 निधियमों के व्यवस्थापन को व्यतिक्रम की सूचना समाशोधन बैंक समाशोधन निगम को देगा

यदि समाशोधन निगम से प्राप्त अनुदेशों से कोई निधि व्यतिक्रम होता है तो समाशोधन बैंक इसकी सूचना तुरंत समाशोधन निगम को देगा।

7.6 सदस्य समाशोधन बैंक को प्राधिकृत करेंगे

एफ एंड ओ समाशोधन सदस्य, समाशोधन निगम से प्राप्त अनुदेशों के अनुसार अपने खातों में विकलन और प्रत्यय के लिए समाशोधन बैंक को अपने खातो तक पहुंच के लिए प्राधिकृत करेंगे ।

.7.7 समाशोधन बैंक में समाशोधन निगम के समाशोधन खाते

जब तक कि सुसंगत प्राधिकारी द्वारा किसी व्यवहार की बाबत अन्यथा विनिर्दिष्ट न हो, किसी भी समाशोधन सदस्य या उसके माध्यम से द्वारा करने वाला किसी अन्य व्यक्ति को समाशोधन निगम के समाशोधन बैंक में समाशोधन खाते में या ऐसे अन्य खाते को, जो सुसगंत प्राधिकारी समय-समय पर विहित करे, कोई अधिकार, हक या हित नहीं होगा या समझा जाएगा ।

सुसंगत प्राधिकारी समय-समय पर ऐसे व्यवहार विनिर्दिष्ट कर सकेगा जिनकी बाबत किसी एफ एंड ओ समाशोधन सदस्य के उसका हकदार होने के कारण समाशोधन निगम के किसी समाशोधन खाते में या ऐसे खाते में संदत्त समस्त धनराशि, जो सुसंगत प्राधिकारी समय-समय पर विहित करे, समाशोधन निगम द्वारा अभिकर्ता के रूप में और ऐसे समशोधन सदस्य के लिए न्यास के रूप में धारित की जाएंगी। ऐसे मामलों में ऐसे संदाय किया जाना या प्रत्यय प्रविष्टि ऐसे समाशोधन सदस्य को संदाय या प्रत्यय समझा जाएगा।

7.8 समाशोधन संख्या और समाशोधन फार्म

समाशोधन सदस्य को समाशोधन संख्या आबंटित की जाएगी जिसे समाशोधन निगम के प्रचालन से संबंधित समाशोधन सदस्य द्वारा सभी फार्मी पर लिखा जाना चाहिए । एफ एंड ओ समाशोधन सदस्यों द्वारा प्रयोग किए जाने वाले समाशोधन फार्म और फार्मेंट ऐसे होंगे जो समाशोधन निगम द्वारा विनिर्दिष्ट किए जाएं और जब तक कि अन्यथा अनुज्ञात न किया जाए किसी अन्य फार्म या फार्मेंट का उपयोग नहीं किया जाएगा ।

7.9 समाशोधन फार्म पर हस्ताक्षर

सभी समाशोधन फार्म एफ एंड ओ समाशोधन सदस्य या उसके प्राधिकृत हस्ताक्षरकर्ता द्वारा हस्ताक्षरित किए जाएंगे ।

7.10 नमूना हस्ताक्षर

एफ एंड ओ समाशोधन सदस्य अपने हस्ताक्षर और अपने प्राधिकृत प्रतिनिधियों के हस्ताक्षरों के नमूने समाशोधन निगम में फाइल करेगा । नमूना हस्ताक्षर कार्ड पर समाशोधन निगम के एक अधिकारी की उपस्थिति में एफ एंड ओ समाशोधन सदस्य द्वारा और उसके प्राधिकृत प्रतिनिधियों द्वारा हस्ताक्षर किए जाएंगे ।

8. अभिलेख, कार्षिक लेखा और संपरीक्षा

8.1 अमिलेख

एफ एंड ओ समाशोधन सदस्य लेखा और अभिलेख रखने से संबंधित सभी सुसंगत कानूनी अधिनियमों का पालन करेगा जिनके अंतर्गत प्रतिभूति संविदा (विनियमन) अधिनियम, 1956 और उसके अधीन नियम, 1957 और भारत का प्रतिभूति एक्सचेज बोर्ड अधिनियम, 1992 और उसके अधीन बनाए गए नियम, विनियम और मार्गदर्शक सिद्धांत और केन्द्रीय सरकार या किसी कानूनी निकाय या स्थानीय प्राधिकारी या केन्द्रीय सरकार के प्राधिकारी अथवां निदेशाधीन कार्यरत् किसी निकाय अथवा प्राधिकरण द्वारा जारी किसी अधिसूचना, निदेश और मार्गदर्शक सिद्धांतों की अपेक्षाएं हैं।

उपरोक्त विनियम के अनुसार अपेक्षा के अतिरिक्त, प्रत्येक एफ एंड ओ समाशोधन सदस्य, समाशोधन निगम के सुसंगत समाशोधन खंड की सदस्यता की बाबत लेखा पुस्तकों, अभिलेखों और दस्तावेजों से संबंधित निम्नलिखित अपेक्षाओं और ऐसी अन्य अपेक्षाओं का पालन करेगा जो समाशोधन निगम द्वारा इस निमित्त समय-समय पर अधिसूचित की जाएं। समाशोधन निगम का प्रत्येक एफ एंड ओ समाशोधन सदस्य अपने कारबार के संबंध में पांच वर्षों के लिए निम्नलिखित अभिलेख रखेगा । विवाद की स्थिति, में, विवाद के अंतिम व्यवस्थापन और न्यायनिर्णयन के पश्चात् सुसंगत दस्तावेज / अभिलेख पांच वर्षों के लिए रखे जाएंगे ।

समाशोधन(ओं) से प्राप्त बाध्यताओं के विवरण ।

व्यवस्थापन अभिकरणों से प्राप्त सभी विवरणों के अभिलेख और उनके साथ पत्राचार के अभिलेख ।

संघटकों से लिखित में प्राप्त सभी अनुदेशों की प्रतियां ।

उद्यार लिए गए और दिए गए धन, जिसमें प्राप्त धन है, की बाबत अभिलेख ।

संघटकों से पृथक रूप में संगृहीत समाशोधन प्रभारों की बाबत अभिलेख ।

संव्यवहारों का एक रिजस्टर जिसमें अन्य बातों के साथ-साथ किए गए सभी क्रय / विक्रय संवयवहार, ऐसे संवयवहारों के पक्षकार ऐसे संव्यवहार के निव्यादन की तारीख और समय वायदा संविद्या के क्रय / विक्रय की कीमत, संबटकों के नाम और समाशोधन सदस्य द्वारा प्रभादित समाशोधन प्रभार, यदि कोई हों, से संबंधित ब्यौरे अंतर्विष्ट हों ।

प्रत्येक एक एंड ओ समाशोधन सदस्य अपनी और मुवक्किल की सूचना में विभेद करने के लिए जिसके अंतर्गत संव्यवहारों, मार्जिन और व्यवस्थापन सूचना भी है, ऐसे अमिलेख और लेखा पुस्तके रखेगा जो आवश्यक हों।

प्रत्येक एक एंड ओ समाशोधन सवस्य ऐसी लेखा पुस्तकें रखेगा जो उसके कारबार के संबंध में उसे समाशोधन सवस्य के रूप में दर्शित और सुभिन्न बनाएं ।

उसके प्रत्येक मुवक्किल से या उसके खाते से प्राप्त अधवा उसके मुवक्किल को या उसके खाते में संवाय धन और समाशोधन सदस्य के अपने खाते में प्राप्त धन और उससे संदत्त धन ।

प्रत्येक एक एंड ओ समाशोधन सदस्य के लिए यह आवश्यक होगा कि वह अपने मुवक्किलों का धन अलग खाते में और अपना स्वयं का धनं अलग खाते में रखें । ऐसे संव्यवहार का कोई भी संदाय जिसमें समाशोधन सदस्य की स्थिति प्रमुख की है, मुवक्किल के खाते में नहीं किया जाएगा ।

8.2 मुवक्किल के खाते में और एससे अंतरण

मुविक्किल के खातों से समाशोधन सवस्य के खाते में अंतरण संबंधित विनियमों में उपबंधित परिस्थितियों के अधीन अनुझात किया जाएगा।

धन का संवाय मुबक्किल खाते में करने की बाध्यता

प्रत्येक ऐसा एफ एंड ओ समाशोधन सदस्य जो मुवक्किल के कारण धन धारित करता है या प्राप्त करता है, ऐसे धन का संदाय तुरंत बैंक में "मुवक्किल" शीर्षक वाले सदस्य के नाम में रखे गये चालू या जमा खाते में करेगा (जिसे इसमें इसके पश्चात् "मुवक्किल खाता" कहा जाएगा)। एक एंड ओ समाशोधन सदस्य सभी मुवक्किलों का एक संचित मुवक्किल खाता रख सकेगा या प्रत्येक मुवक्किल के नाम में अलग खाता रख सकेगा, जैसा भी वह उचित समझे परन्तु यह कि जब किसी समाशोधन सदस्य को मुवक्किल के लिए भाग धन प्रतिनिधित्व वाला कोई चैक या झूफ्ट प्राप्त हो और जिसके धन का कुछ भाग समाशोधन सदस्य के लिए हो तो वह इस पूरे चैक या झूफ्ट को मुवक्किल खाते में जमा करेगा और संबंधित विनियम में अधिकथित रीति में पश्चात्वर्ती अंतरण को प्रभावी बनाएगा।

मुविक्किल खाते को संवत्त किए जाने वाला धन

निम्नलिखित से मिन्न किसी भी धन का संदाय मुयक्किल खाते में नहीं किया जाएगा :

मुवक्किल के महे धारित और प्राप्त किया गया धन एफ एंड ओ समाशोधन के ऐसे धन जो खाता खोलने या रखने के प्रयोजन के लिए आवश्यक हो

किसी ऐसी धनराशि के प्रतिरथापन के लिए धन जो गलती से या आकस्मिक रूप से खाते से निकाली गई हो

एफ एंड ओ समाशोधन सदस्य द्वारा प्राप्त ऐसा चैक या झाफ्ट जिसमें धन का कुछ भाग मुवक्किल का हो और कुछ भाग समाशोधन सदस्य को देव हो ।

मुबक्किल खाते से निकाला जाने वाला धन

निम्नलिखित से मिन्न कोई भी घन मुदक्किल खाते से नहीं निकाला जाएगा :

मुविक्किल से एफ एंड ओ समाशोधन सदस्य को देय किसी ऋण के संदाय के लिए मुविक्किल को या उसकी ओर से संदाय के लिए उचित रूप से अपेक्षित धन, या मुविक्किल के प्राधिकार से निकाला गया धन, या ऐसा धन जिसकी बाबत मुविक्किल का एफ एंड ओ समाशोधन सदस्य के प्रति दायित्व है ; परन्तु यह कि इस प्रकार निकाल गया धन ऐसे प्रत्येक मुविक्किल के लिए उस समय धारित धन से अधिक नहीं होगा ।

एफ एंड ओ समाशोधन सदस्य का ऐसा धन जो मुवक्किल खाते में जमा कर दिया गया हो, जैसाकि उपरोक्त दिनियम में उल्लिखित है।

ऐसा धन जो गलती से या आकस्मिक रूप से ऐसे खाते मे जमा कर दिया गया हो ।

8.3 धारणधिकार, मुजरा का अधिकार प्रमावित नही होगा

इस धारा की कोई बात एफ एंड ओ समाशोधन सदस्य को मुवक्किल खाते में जमा उपलब्ध धन के विरुद्ध अन्यथा किसी रीति या अधिकार से वंचित नहीं करेगी चाहे वह घारणधिकार हो, मुजरा हो, प्रति दावा प्रभार हो ।

8.4 अभिलेख एखना

प्रत्येक एफ एंड ओ समाशोधन सदस्य, समाशोधन निगम की अपेक्षाओं के अनुसार अपने प्रत्येक संघटक के साथ निष्पादित करारों की प्रतियां स्थायी रूप से रखेगा ।

प्रत्येक एक एंड ओ समाशोधन सदस्य प्रत्येक व्यवस्थापन अभिकरण या बैंक के साथ निष्पादित करारों की प्रतियां स्थायी रूप से रखेगा ।

प्रत्येक एफ एंड ओ समाशोधन सदस्य अपने कारबार से संबंधित समाशोधन सदस्य द्वारा प्राप्त सभी संसूचनाओं की मूल प्रतियां और भेजी गई संसूचनाओं की प्रतियां (जिसके अंतर्गत अंतर कार्यालय क्वापन और संसूचनाएं हैं) रखेगा ।

प्रत्येक एफ एंड ओ समाशोधन सदस्य किसी खाते की बाबत की गई सभी गांरिटयां और अटर्नी की सभी शक्तियां और विवेकाधिकार प्राधिकार देने के लिए अन्य साक्ष्य और समाशोधन सदस्य की ओर से कार्य करने के लिए अमिकर्ता सशक्त बनाने वाले संकल्पों की प्रतियां रखेगा ।

प्रत्येक एक एंड ओ समाशोधन सदस्य अपने कारबार के संबंध में उस समाशोधन सदस्य द्वारा किए गए सभी लिखित करार (या उनकी प्रतियां) रखेगा जिसके अंतर्गत किसी खाते के संबंध में करार भी है।

प्रत्येक एफ एंड ओ समाशोधन सदस्य किसी संघटक का खाता बंद होने के पश्चात्, ऐसे खाते के खोले जाने और रखे जाने, संघटक के साथ करार किए जाने की तारीख, उसके उपांतरण की तारीख, समाप्ति की तारीख और प्रत्येक मामले में हस्ताक्षर करने वाले संघटक के प्रतिनिधि की बाबत निबंधनों और शर्तों से संबंधित कोई अमिलेख कम से कम पांच वर्षों की अवधि तक परिरक्षित रखेगा।

विवाद की स्थिति में, सुसंगत दस्तावेज / अभिलेख, विवाद के अंतिम व्यवस्थापन या न्यायनिर्णयन के पश्चात् पांच वर्षों की अविव के लिए रखे जाएंगे ।

एफ एंड ओ समाशोधन सदस्य ऐसे अभिलेख रखे जाने और संपरीक्षा / निरीक्षण के लिए उपलब्ध होने के स्थान की सूचना, समाशोधन निगम को देगा ।

अभिलेख रखने से संबंधित उपरोक्त अपेक्षाएं न केवल एफ एंड ओ समाशोधन सदस्यों के प्रधान कार्यालय के अभिलेख को लागू होगी बल्कि उसके किसी शाखा कार्यालय और समाशोधन सदस्य का कारबार चलाने के प्रयोजन के लिए एफ एंड ओ समाशोधन सदस्य की स्वामित्व या नियंत्रण वाली किसी नामनिर्दिख्ट कंपनी को भी लागू होगी। प्रत्येक एफ एंड ओ समाशोधन सदस्य अपने संघटकों की सभी लिखित शिकायतों का अभिलेख, संघटक की संदर्भ संख्या, तारीख, संघटक का नाम, शिकायत की विशिषटियां, समाशोधन सदस्य द्वारा की गई कार्रवाई और यदि मामला माध्यस्थम् के लिए समाशोधन निगम को निर्देशित किया जाता ह तो उसकी विशिष्टियां दर्शाते हुए रकेगा और परिख्वण करेगा।

प्रत्येक एफ एंड ओ र नमाशोधन सदस्य ऐसी प्रतिभूतियों के ब्यौरे जो एफ एंड ओ समाशोधन सदस्य की संपत्ति हैं, यह दर्शाते हुए रखेगा कि वे किसके पास निक्षेप की गई है और यदि सदस्य से अन्यथा द्वारा धारित हैं तो क्या उन्हे उधार या अग्रिमों के लिए संपार्शिक प्रतिभूति के रूप में दर्ज किया गया है।

8.5 वार्षिक लेखा ओर संपरीश हा

प्रत्येक एफ एंड ओ समाशोधन सदस्य 31 मार्च को या ऐसी अन्य तारीख को समाप्त होने वाले, जो समाशोधन निगम द्वारा निर्दिष्ट की जाए, प्रत्येक वित्ताय वर्ष के लिए वार्षिक लेखा बनाएगा ।

एफ एंड ओ समाशोधन सदस्यों के कारबार आस्तियों और दायित्वों के लेखाओं को तुलन पत्र में ऐसे दर्शित, वर्गीकृत और वर्णित किया जाएगा कि वे तैयार की जाने वाली तारीख को कारबार की स्थिति का सही और उचित दृष्टिकोण पेश कर सके।

प्रत्येक एफ एंड ओ 'समाशोधन सदस्य अपना संपरीक्षित विवरण समाशोधन निगम को प्रस्तुत करेगा और ऐसी रिपोर्ट समाशोधन सदस्य के वित्तीय वर्ष की समाप्ति के बाद छह मास के अपश्चात् प्रस्तुत की जानी चाहिए ; परंतु यदि समाशोधन निगम का यह समाधान हो जाता है कि ऐसी रिपोर्ट, प्रस्तुत करने के लिए समय विस्तारण के लिए आवश्यक परिस्थितियां विद्यमान हैं तो वह इतना समय बढ़ा सकता है जितना उनित रामझे !

9, निरीक्षण

9.1 निरीक्षण प्राधिकारी

समाज्ञोधन निगम, सदस्य की लेखा पुस्तकों और किसी अन्य दस्तावेज का निरीक्षण वर्ष में कम से कम एक बार या इतनी बार करेगा जो वह उचित समझे । जब समाज्ञोधन निगम को ऐसा करना प्रतीत हो तो वह एफ एंड ओ समाज्ञोधन सदस्यों की लेखा पुस्तकों, अन्य अभिलेखों और दश्सावेजो का निरीक्षण करने के लिए एक या अधिक व्यक्तियों को निरीक्षण प्राधिकारी के रूप में नियुक्त कर सकेगा जिसके अंतर्गत संबंधित विनियम मे विनिर्दिष्ट कोई प्रयोजन है।

समा शोधन निगम द्वारा नियुक्त निरीक्षण प्राधिकारी के अपने कर्मचारी या बाहर के वृत्तिक हो सकेंगे।

यदि समाशोधन निगम बाहर के वृत्तिकों को निरीक्षण प्राधिकारी के रूप में नियुक्त करती है तो वह निरीक्षण के समय इस प्रकार निरीक्षण प्राधिकारी के रूप में नियुक्त वृत्तिकों या फर्म के नाम और पते एफ एंड ओ समाशोधन सदस्य को बताएगा ।

जब बाहरी वृत्तिक किसी एफ एंड ओ समाशोधन सदस्य की बाबत निरीक्षण प्राधिकारी के रूप में नियुक्त किए **बाते है औ**र ऐसे वृत्तिक से किसी अन्य क्षमता में पहले ही संबंधित हैं तो ऐसा सदस्य तुरन्त समाशोधन निगम को ऐसे संबंध की सूचना देगा ।

जहां एफ एंड ओ समाशोधन सदस्य की बाबत किसी बाहरी वृत्तिक के निरीक्षण प्राधिकारी के रूप में नियुक्ति के पश्चात् समाशोधन सदस्य या इसका कोई साथी निरीक्षण प्राधिकारी को किसी अन्य क्षमता में अपनी सेवाओं के लिए नियोजित कर लेता है तो निरीक्षण प्राधिकारी समाशोधन सदस्य या उसके किसी साथी के साथ समाशोधन निगम की पूर्व सहमित के बिना स्वयं की ऐसी अन्य वृत्तिक क्षमता में नियोजित नहीं करेगा।

9.2 निरीक्षण के लिए कारण

समाशोधन निगम किसी एफ एंड ओ समाशोधन सदस्य का निरीक्षण ऐसे प्रयोजनों के लिए कराएगा जिनमें निम्नलिखित सम्मिलित हो सकते हैं:

यह सुनिश्चित करने के लिए कि लेखा पुस्तकों और अन्य बहियां अपेक्षित रीति में रखी जा रही हैं ;

यह सुनिश्चित करने के लिए कि भारत के प्रतिभूति और एक्सचेज बोर्ड अधिनियम उसके अधीन बनाए गए नियमों और विनियमों के उपबंघों का पालन किया जा रहा है ;

यह सुनिश्चित करने के लिए कि प्रतिभूति संविदा (विनियमन) अधिनियम और उसके अधीन बनाए गए नियमों तता विनियमों के उपबंधों का पालन किया जा रहा है ; यह सुनिश्चित करने के लिए कि समाशोधन निगम की विभिन्न उपविधियों, नियमों और विनियमों के उपबंधों तथा उनके अधीन जारी निदेशों या अनुदेशों का पालन किया जा रहा है ; समाशोधन सदस्य के क्रियाकलायों से संबंधित किसी मामले में विनिधानकर्ताओं, समाशोधन निगम के अन्य सदस्यों या किसी अन्य व्यक्ति से प्राप्त शिकायत का अन्वेषण करने के लिए ; जहां परिस्थितियों की ऐसी मांग हो वहां लोक हित में किसी कारण से समाशोधन सदस्य के कार्यों का स्वतः अन्वेषण के लिए ; यह जांच करने के लिए कि क्या एफ एंड ओ समाशोधन सदस्य के व्यापारिक और अन्य क्रियाकलायों के संबंध में समाशोधन सदस्य द्वरा समय पर जारी सूचनाओं, परिपन्नों, अनुदेशों या आदेशों का पालन किया जा रहा है ;

किसी विनियमन प्राधिकारी द्वारा, जिसमें भारत सरकार सम्मिलित है, इस निमित्त जारी अनुदेशों कांपालन करने के लिए ।

9.3 सूचमा

उपरोक्तपुसार कोई निरीक्षण करने के पूर्व समासोधन निगम समासोधन सदस्य को उस प्रयोजन के लिए एक युक्तियुक्त सूचना देगा ।

जगर अंतर्विष्ट किसी बात के होते हुए भी, जहां समाहोधन निगम की यह राय हो कि ऐसी सूचना नहीं दी जानी चाहिए, वहां वह ऐसा लिखित आदेश कर सकेगा कि एफ एंड ओ समाशोधन सदस्य के कार्यों का निरीक्षण सूचना के बिना किया जाए ।

समाज्ञोधन निगम के पदधारी या निरीक्षण करने के लिए समाज्ञोधन निगम द्वारा आदिष्ट निरीक्षण प्राधिकारी, निरीक्षण करेगे और एफ एंड ओ समाज्ञोधन सदस्य, जिसके विरूद्ध निरीक्षण किया जा रहा है इन विनियमों में यथा उपबधित उनकी बाध्वताओं का निर्वहन करने के लिए आबद्ध होगा ।

9.4 निरीक्षण पर एफ एंड ओ समाशोधन सदस्य की बाध्याताएं

निरीक्षत किए जाने वाले एफ एंड ओ समाशोधन सदस्य के प्रत्येक निदेशक, अधिकारी और कर्मधारी का यह कर्तव्य होगा कि वह निरीक्षण प्राधिकारी को ऐसी बहिया, लेखा और अन्य दरतावेज प्रस्तुत करे जो उसकी अभिरक्षा या नियंत्रण में है या जहां ऐसी बहियां, लेखा और अन्य दस्तावेज किसी अन्य व्यक्ति की अभिरक्षा या नियंत्रण में है तो उन्हें प्रस्तुत करने की व्यवस्था करे और ऐसे विवरण संधा जानकारी ऐसे समय के भीतर प्रस्तुत करे जैसा कि उस निरीक्षण प्राधिकारी द्वारा अपेक्षित हो।

एफ एंड ओ समाजोधन सदस्य निरीक्षण प्राधिकारी या उसकी ओर से किसी अन्य व्यक्ति को उसके अधिमोग वले परिसर में युक्तियुक्त पहुंच के लिए अनुजात करेगा और उसके ककों में बहियों, अभिलेख दस्तावेजों और कंप्यूटरीकृत आंकड़ों अधवा किसी व्यक्ति की जांच करने के लिए समी युक्तियुक्त सुविधाएं प्रदान करेगा एवं ऐसी दस्तावेजों की प्रतियां और अन्य सामग्री मी उपलब्ध कगएगा जो निरीक्षण प्राधिकारी की राय में सुसंगत हों। ऐसी प्रतियों और सामग्री को निरीक्षण प्राधिकारी द्वारा समाजोश्चन निगम की संपत्ति के रूप में रखा जाएगा।

निरीक्षण के अनुक्रम में निरीक्षण प्राधिकारी एफ एंड ओ समाशोधन सदस्य के निदेशक, अधिकारी और कर्मचारी या ऐसे समाशोधन सदस्य के किसी साथी की परीक्षा करने और उनके कथन अभिलिखित करने का हकदार होगा ।

एफ एंड ओ समाजोधन सदस्य के प्रत्येक निदेशक, अधिकारी और कर्मचारी या जहां साथी की परीक्षा की जाएं, यहां ऐसी साथी का यह कर्तव्य होगा कि वह निरीक्षण के संबंध में निरीक्षण प्राधिकारी को ऐसी हर संभव सहायता प्रदान करे जैसा कि समाजोधन सदस्य द्वारा युक्तियुक्त रूप से अपेक्षित हो ।

निरीक्षण प्राधिकारी एफ एंड ओ समाज्ञोधन सदस्य के बैंकरों या किसी अन्य अभिकरण द्वारा धारित इसके वित्तीय कार्यों से

संबंधित ऐसे अभिलेखों की जांच करने का हकदार होगा, जो निरीक्षण प्राधिकारी के लिए सुसंगत हों।

निरीक्षण प्राधिकारी को एफ एंड ओ समाज्ञोधन सदस्य से संबंधित लेखाओं और अभिलेखों तक पहुंच प्राप्त होगी या समाज्ञोधन सदस्य के किसी साथी से संबंधित लेखाओं और अभिलेखों तक ऐसी पहुंच प्राप्त होगी जो समाज्ञोधन निगम द्वारा प्राधिकृत हो और जैसी व्यवस्था करना समाज्ञोधन सदस्य की शक्ति में हो ।

9.5 रिपोर्ट प्रस्तुत खरना

निरीक्षण प्राधिकारी; यथा संभव शीध्र, समाशोधन निगम को निरीक्षण रिपोर्ट प्रस्तुत करेगा ।

निरोक्षण प्राधिकारी को प्रस्तुत की गई सभी दस्तावेजें, कागजात, विवर्रणियां या उनकी प्रतियां, समाशोधम निगम की ओर इसके द्वारा रखी जा सकेगीं । वह इस संबंध में पूर्ण गोपनीयता रखेगा और उसमें अंतर्विष्ट कोई भी जानकारी का प्रकटन किसी व्यक्ति, फर्म, कंपनी या प्राधिकारी को तब तक नहीं किया जाएगा जब तक कि उस समय प्रवृत किसी विधि द्वारा ऐसा अपेक्षित न हो और इस संबंध में समाशोधन निभम का अनुमोदन न हों !

समाशोधन निगम, निरीक्षंप रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् उसके निष्कर्षों से समाशोधन सदस्य को अवगत कारएगा और निरीक्षण प्राधिकाश के निष्कर्षों पर समाशोधन निगम द्वारा कार्रवाई किए जाने के पूर्व उसे सुने जाने का अवसर प्रदान करेगा।

समाशोधन सदस्य से स्पष्टीकरण, यदि कोई हो, प्राप्त होने के पश्चात् समाशोधन निगम, समाशोधन सदस्य से ऐसे उपाय करने के लिए कह सके को समाशोधन निगम लोक हित में उचित समझे ।

उपर अंद्वी वेंष्ट किसी बात के होते हुए भी, यदि समाशोधन निगम की यह राय हो कि कतिपय परिस्थितियों में ऐसी सुनवाई का अवसर नहीं दिया जाना जाहिए तो वह सुने जाने का अवसर दिए बिना तुरंत कार्रवाई कर सकेगा ।

10.एफ एंड ओ समाशोधन सदस्यों के लिए आचार संहिता

10.1 साधारण सिद्धांत'

व्यवसायिकता

एफ एंड ओ सम्मशोधन सदस्य, अपने कारबार के संचालन में व्यापार के उचित और साम्या सिद्धांतों के वाणिज्यिक सम्मान के उच्च मानक अपनाएगा । एफ एंड ओ सम्मशोधन सदस्य अपने कारबारी क्रियाकलापों के उचित पालन के लिए आवश्यक स्रोत और प्रक्रियाएं रखेगा और उन्हें प्रभावी रूप से नियंजित करेगा ।

समाशोधन व्यवहारों के लिए संसंक्ति

एफ एंड ओ समार ौंघन सर्वस्य संगोधोधन निगम के नियमो विनियमो और उपविधियों का अनुसरण करेंगे और सुसंगत प्राधिकारी के ऐसे संक्रियात्मक मानदंडों, नजींरों, सूचनाओं, मार्गदर्शक सिद्धांतों और अनुदेशों का पालन करेंगे जो समय-समय पर उसे लागू हों।

ईमानदारी और निष्यक्षता

अपने कारबार के क्रियाकलाय के संचालन में एफ एंड ओ समाशोधन सदस्य अपने संघटकों के उत्तम हितों में ईमानदारी और निष्यक्षता से कार्य करेगा ।

10.2 व्यवस्थापन सिद्धांत

एफ एंड ओ समाशोधन सदस्य यह सुनिश्चित करेंगे कि विभिन्न कानूनी अधिनियमो और विनियमों द्वारा उनपर और उनके कर्मचारियों पर अन्य उन्हें क्यांसी और अन्य बाध्यताओं का पीन्नन किया जाए ।

एफ एंड ओ समाशोधन सदस्य यह सुनिश्चित करें कि कर्मचारी ऐसे सुसंगत समाशोधन खंड के कार्यों में पर्याप्त रूप से प्रशिक्षित हों जिससे वे व्यवहाद समाशोधन और व्यवस्थापन कार्स हो, अपनी अपने संगठन के दायित्वों से और समाशोधन सदस्यों को शासित करने वाले कानूनी अधिनियों, नियम), विनियमों और समाशोधन निगम की उपविधियों से, जिसके अंतर्गत परिवर्धन और संशोधन हैं, से परिचित हों।

संघटकों की ओर से संब्यवहार करते समय, एफ एंट्रें औं समाशोधन सदस्य यह सुनिश्चित करेंगे कि वे इन विनियमों के वर्तमान अध्याय में वर्णित आचार संहिता और विनियमों का पालन करें।

कोई भी एफ एंड ओ समाशोधन सक्स्य या एफ एंड ओ र साशोधर, संदस्य से सहयुक्त कोई व्यक्ति संघटकों की प्रतिभृतियों या निधियों का अन्चित उपयोग नहीं करेगा ।

संव्यवहार करते समय या उसकी व्यवस्था करते समय, एफ एंड ओ समाशोधन सदस्यों को यह सुनिश्चित करना ज़ाहिए कि संव्यवहार की प्रकृति के किसी भी रूप में मिथ्या निरूपण न करने के लिए हर समय पूर्ण सावचानी बरती जाए। कोई भी एफ एंड ओ समाशोधन सदस्य तब तक खाते के संबंध में अपने विवेकाधिकार का प्रयोग नहीं करेगा जब तक कि ऐसे मुविक्कल ने कथित व्यक्ति(यों) को पूर्व लिखित प्राधिकारी न दे दिया हो और समाशोधन सदस्य द्वारा लेखे स्वीकार न कर लिए गए हों, जैसा कि समाशोधन सदस्य द्वारा लिखित में दर्शित है।

10.3 साधारण मार्गदर्शक सिद्धांत

एफ एंड ओ समाशोधन सदस्य, समाशोधन निगम के कारबार का संचालन करते समय निम्ना लेखित व्यवहारों से बचेगा ।

परिस्थप और सहावता

कोई भी एफ एंड ओ समाशोधन सदस्य ऐसे समाशोधन सदस्य का परिख्याण या सहायता नहीं करेगा या उसकी रिपोर्ट करने में नहीं चूकेगा जिसके बारे में वह जानता हो कि उसने समाशोधन निगम के किसी नियम, उपिधि या विनियम का या उसके अधीन शासनकारी बोर्ड या प्रबंध निदेशक के या इस निमित्त प्राधिकृत समाशोधन निगम की किसी समिति या अधिवकारी के किसी संकल्प, आदेश, सूचना या निदेशा का मंग किया है।

11. समाशोधन सदस्यों द्वारा कारबार का संचालन

11.1 कार्यां स्व से संबंधित प्रक्रिया

प्रत्येक एफ एंड ओ समाजोधन सदस्य यह सुनिश्चित करेगा कि उसके लिए क'र्य करने 'वाले माभी व्यक्ति हर समय वृत्तिक विशेषशता और निष्ठा के उच्च मानकों को अपनाएं।

प्रत्येक एफ एंड ओ समाजोधन सदस्य हर समय ऐसी अवसंश्वना, कर्मचारीवृन्द खंघार सुनुधिधाएं और अभिलेख रखेगा जिसके कि वह समाधानप्रद रूप से और समाजोधन निगम की उपविधियों, नियमो और विनियमो या उस समय प्रवृत्त िक्सी अन्य सुसंगत विधि(यों) में वर्णित अपेक्षाओं के अनुसार अपने संसंघटकों को सेवा देने में समर्थ हो सके 1

यदि समाशोधन निगम लोक हित में ऐसा करना आवश्यक समझे, वह स्वप्रेरणा से गा अन्य एप ए एंड ओ समाशोधन सदस्य या मुविकिकल की सिकायत पर एफ एंड ओ समाशोधन सदस्य से सेवा के स्तर या समाशोधन सदस्य के वृत्तिक आचरण या उसके किसी कर्मचारी के संबंध में स्पष्टीकरण की ईप्सा कर सकेगा, जहां ऐसी सेवा या आचरण श्वसमाग्वानप्रद पाया गया हो या समाशोधन निगम की उपविधियों, नियमों और विनियमों अथवा उसके अधीन जारी अधिसुचनाओं, निदेशों या पिरान्तों में वर्णित रिग्नद्वांतों के प्रतिकृत हो ।

11.2 पर्यवेशन

अपनाई जाने बाली प्रक्रियाएं

- 1. प्रत्येक एफ एंड ओ समाशोधन सदस्य अपने कारबार के पर्यवेक्षण और आपने ऐसे कर्मचारियों के क्रियाकलापों के पर्यवेक्षण के लिए प्रक्रियाओं को स्थापित, अनुरक्षित और लागू करेगा जिनके द्वारा समाशोध न निगम की उपविधयों, नियमों और विनियमों और उनके अधीन प्रारी अधिसूचनाओं, निदेशों आदि तथा सूसंगत कानूनी अधिनियमों का युक्तियुक्त रूप में पालन किया जाना अभिकल्पित है।
- 2. एफ एंड ओ समाशोधन सदस्य, पर्यवेक्षणीयू कार्मिकों के रूप में अभिं, हेत सभी व्यक्तियों के नामों और ऐसी तारीखों का आंतरिक अभिलेख स्खेगा जिसके लिए पदनाम प्रभावी था या है।
- 3. प्रत्येक एफ एंड ओ समाशोधन सदस्य ऐसे व्यक्ति या व्यक्तियों को विनिर्दिष्ट रूप में लिखित में प्रधिकृत करेगा जो समाशोधन सदस्य की ओर से संव्यवहार कर सके और ऐसे अन्य कार्य कर सके जो समाशोधन सदस्य ऐसे व्यक्ति को प्रत्योजित करने की वांछा करे और ऐसे मुख्तार नामे की एक प्रति समाशोधन निगम को ऐसे व्यक्ति द्वास समाशोधन निगम में कोई कारबार आरंभ करने के पूर्व उपलब्ध कराई जाएगी।
- 4. एक एंड ओ समाशोधन सदस्य ऐसा अभिलेख और समाशोधन निगम द्वारा इस निमित्त व्यक्ति को ऐसे समाशोधन सदस्य की वित्तीय स्थिति से संबंधित जानकारी उपलब्ध कराएगा जैसा कि अभाशोधन निगम द्वारा इस प्रयोजन के लिए विनिर्दिष्ट किया जाए ।
- 5. एफ एंड ओ समाशोधन सदस्य, समाशोधन निगम द्वारा ऐसे अमय और ऐसी रीति में अपेक्षित ऐसी फीस, प्रभार और अन्य राशि का संदाय करेगा जो समाशोधन निगम द्वारा समय-समय पर अधि सूचित किए जाएं।

6. एफ एंड ओ समाशोधन सदस्य को समाशोधन सदस्य के आस्तित्व की प्रास्थिति और गठन, प्रचालन, क्रियाकलाप में हुए किसी परिवर्तन से समाशोधन निगम को सूचित करना चाहिए ।

आंतरिक निरीक्षण

प्रत्येक एफ एंड ओ समाशोधन सदस्य को कम से कम वर्ष में एक बार अपने कारबार का पुनर्विलोकन करना चाहिए जो युक्तियुक्त रूप से उपविधियो, नियमों और विनियमों के अतिक्रमण का पता लगाने और निवारण करने में तथा उनका पालन करने मे सहायक होने की दृष्टि से अभिकल्पित हो ।

लिखित अनुमोदन

प्रत्येक एफ एंड ओ समाशोधन सदस्य, किसी 'संव्यवहार की याचना' से संबंधित अपने कर्मचारियों के सभी पत्राचारों और आंतरिक अभिलेख पर लिखित में समुन्नित ज्येष्ठ प्राधिकारी द्वारा पुनर्विलोकन एंव पृष्ठांकन के लिए प्रक्रियाएं स्थापित करेगा ।

11.3 संघटकों के साथ संबंध

किसी नए मुवक्किल के साथ संबंध स्थापित करते समय, एफ एंड ओ समाशोधन सदस्य को ऐसे व्यक्ति और उसके उद्देशयों की पृष्ठमूमि, यथार्थता, वित्तीय दृढ़ता का पता लगाने के लिए युक्तियुक्त कार्रवाई करनी चाहिए।

एफ एंड ओ समाशोधन सदस्य संचालित किये जाने वाले कारबार के लिए समाशोधन सदस्य के दायित्व की संक्षिप्त प्रकृति से संघटक को अवगत कराएगा, जिसके अंतर्गत उस दायित्व की सीमा तथा क्षमता जिसमें वह समाशोधन सदस्य कार्य करता है और उसपर घटकों का दायित्व है।

एफ एंड ओ समाशोधन सदस्य, संघटकों को एफ एंड ओ समाशोधन सदस्य और संघटकों के मध्य संबंध को शासित करने वाली सीमा तक समाशोधन निगम के एफ एंड ओ खंड या किसी विनियम प्राधिकारी की उपविधियों, नियमो और विनियमो, सुसंगत मैनुअलों, अधिसूचनाओं, परिपत्रों और इनमें किए गए परिवर्धनों तथा संशोधनों आदि में विनिर्दिष्ट एफ एंड ओ समाशोधन सदस्य के संघटकों के संघटकों के रूप में अधिकारों, बाध्यताओं को शासित करने वाले सुसंगत उपबंधों के उद्धरण बिना किसी अतिरिक्त कीमत के उपलब्ध कराएगा । एफ एंड ओ समाशोधन सदस्य, समाशोधन निगम या किसी विनियम प्राधिकारी द्वारा उस पर अधिरोपित किसी अभ्यारोपण, शास्तियों आदि से भी अपने संघटकों को सूचित करेगा ।

11.4 संघटकों के लिए सिफारिशे

एफ एंड ओ समाज्ञोघन सदस्य अपने संघटकों के साथ व्यवहार में सुसंगत तात्विक जानकारी का प्रयोप्त रूप से प्रकटन करेगा। कोई भी एफ एंड ओ समाज्ञोघन सदस्य या समाज्ञोघन सदस्य के साथ सहयुक्त व्यक्ति, समाज्ञोघन सदस्य द्वारा ऐसे संघटकों के साथ या उसके लिए किए गए संव्यवहारों में हानि के विरुद्ध गारंटी नहीं देगा ।

12. समाशोधन और अन्य कार्य

12.1 समासोधन कार्व, विशेष विवरणियां और अन्य फार्म

इन उपविधियों और विनियमों में निर्दिष्ट तथा पृथक रूप से विनिर्दिष्ट न किए गए समाशोधन फार्म, विशेष विवरणियां और अन्य फार्म ऐसे प्ररूप में होंगे जो सुसंगत प्राधिकारी समय-समय पर उनके अतिरिक्त या उनके उपांतरण अथवा संशोधन में विहित करे ।

12.2 समारोधन संख्या और समारोधन फार्म

समाशोधन सदस्य को समाशोधन संख्या आबंटित की जाएगी जिसे समाशोधन निगम के प्रचालन के संबंध में समाशोधन सदस्य द्वारा प्रयोग किए गए सभी फार्मों पर लिखा जाना चाहिए ।

12.3 समाशोधन फार्मी पर हरताक्षर

सभी समाशोधन फार्म एफ एंड ओ समाशोधन सदस्य या उसेक समाशोधन सहायक द्वारा हस्ताक्षारित किए जाने चाहिए 🎉

12.4 मिथ्या या भ्रामक कथन

सुसंगत प्राधिकारी ऐसे एफ एंड ओ समाशोधन सदस्य पर जुर्माना कर सकता है या उसे निलंबित अथवा निष्कासित कर सकता है जो इन विनियमों या उनके अधीन सुसंगत प्राधिकारी के किसी संकल्प, आदेश, सूचना, निदेश और विनिश्चय के अनुसरण में प्रस्तुत किए जाने के लिए अपेक्षित समाशोधन फार्म में मिथ्या या भ्रामक कथन करे।

नेशनल सेक्योरिटिज़ क्लिअरिंग कार्पोरेशन लिमिटेड के लिए

3-11र जयकपार

आर. जयकुमार सहायक कंपनी सचिव

नेशनल सिक्यूरिटीज क्लीयरिंग कारपोरेशन लिमिटेड

नेशनल सिक्यूरिटीज क्लींयरिंग कारपोरेशन लिमिटेड के भावी और विकल्प खंड की उपविधियों को नीचे दिया गया हैं:-

उत्कथन

उपविधि (भावी और विकत्य खंड) अध्याय 1 : परिभाषाएं

1. "बोर्ड" से नेशनल सिक्यूरिटीज क्लीयरिंग कारपोरेशन लिमिटेड का निदेशक बोर्ड अभिप्रेत है ।

2. उपविधि

जब तक संदर्भ से अन्यथा अपेक्षित न हो, उपविधि से समाशोधन निगम के भावी और विकल्प खंड की तत्समय प्रवृत्त उपविधि अभिप्रेत है ।

3. समाशोधन और परिनिर्धारण

जब तक संदर्भ से अन्यथा अपेक्षित न हो, भावी और विकल्प खंड की बाबत व्यौहारों का ऐसी रीति से और शतों के अध्यक्षीन, जैसा सुसंगत प्राधिकारी द्वारा समय-समय पर विनिर्दिष्ट किया जाए "समाशोधन और परिनिर्धारण" से समाशोधन या परिनिर्धारण या समाशोधन और परिनिर्धारण अमिप्रेत है।

4. समाशोधन बैंक

समाशोधन बैंक से ऐसे बैंक जिन्हें समाशोधन निगम, भावी और विकल्प खंड द्वारा समाशोधित सभी व्यौहारों के मार्जिन धन के संग्रहण के लिए और समाशोधन सदस्यों तथा समाशोधन निगम और समाशोधन सदस्यों के बीच जैसा कि समय-समय पर समाशोधन निगम द्वारा निदिष्ट किया जाए, वित्त परिनिर्धारक अभिकरण के रूप में, कार्य करने के लिए नियुक्त किया जाए।

5. **सम्प्रतोधन निम्**रत

"समाशोधन निगम" से नेशनल सिक्यूरिटीज क्लीयरिंग कारपोरेशन लिमिटेड् अभिप्रेत है।

6. समाशोधन सदस्य

"समाशोधन सदस्य" से समाशोधन निगम के भावी और विकल्प खंड का सदस्य अभिप्रेत है और इसमें समाशोधन सदस्यों के ऐसे सभी प्रवर्ग सम्मिलित हैं जो समाशोधन निगम द्वारा इसी हैसियत में ग्रहण किए जाएं किंतु इसमें समाशोधन निगम के शेयरधारक सम्मिलित नहीं हैं।

7. संघटक

ग्राहक/घटक से ऐसा व्यक्ति अभिप्रेत है जिसके निर्देश और खाते की समाशोधन सदस्य समाशोधन करता है और व्यौहारों का निपटान करता है । इस प्रयोजन के लिए "ग्राहक" पद में विनिर्दिष्ट एक्सचेंजों के सभी रजिस्ट्रीकृत व्यापारिक सदस्यों के संघटक सम्मिलित हैं ।

स्पष्टीकरण : "संघटक" और "ग्राहक" पद का जो इन उपविधियों, नियमों और विनियमों में एक दूसरे के स्थान पर अयुक्त हैं और उनके वही अर्थ होंगे जो इसमें हैं।

8. भावी और विकल्प खंड

"भावी और विकल्प खंड" या "भावी और विकल्प खंड" से समाशोधन निगम का भावी और विकल्प खंड अभिप्रेत है और इसके अंतर्गत सुसंगत प्राधिकारी द्वारा समय-समय पर व्यौहारों के, जैसा सुसंगत प्राधिकारी द्वारा समय-समय पर वर्गीकृत किया जाए, के समाशोधन और परिनिर्धारण के लिए विभिन्न समाशोधन उपखंड या उनके भाग सम्मिलित हैं।

9. व्योहार

जब तक कि संदर्भ से अन्यथा अपेक्षित न हो, व्यौहार से ऐसा व्यौहार अमिप्रेत है जिसे समाशोधन निगम के भावी और विकल्प खंड के माध्यम से समाशोधन और परिनिर्धारण के लिए स्वीकार किया जाए ।

10. परिदान सदस्य

परिदान सदस्य से, जब तक कि संदर्भ से अन्यथा अपेक्षित न हो, ऐसा समाशोधन सदस्य अभिप्रेत है, जिसे ये नियम, उपविधियां और विनियम लागू होते हैं, जिसने संविदा पूरी करने के लिए दस्तावेज परिदत्त करने हैं या किए हैं।

11. प्राप्तिकर्ता सदस्य

प्राप्तिकर्ता सदस्य से, जब तक कि संदर्भ से अन्यथा अपेक्षित न हो, ऐसा समाशोधन सदस्य अभिप्रेत है जिसे ये नियम, उपविधियां और विनियम लागू होते हैं, जिसने संविदा पूरी करने के लिए दस्तावेज परिक्त करने है या किए हैं।

12. विनियम

"विनियम" से तत्समय प्रवृत्त भावी और विकल्प खंड के विनियम अभिप्रेत हैं और इसमें कारबार नियम, आचार संहिता और ऐसी ही अन्य प्रक्रियाएं तथा भावी और विकल्प खंड के प्रचालन के लिएं सुसंगत प्राधिकारी द्वारा समय-समय पर जारी विनियम, परिपत्र, निदेश और आदेश सम्मिलित हैं।

13. सुसंगत प्राधिकारी

"सुसंगत प्राधिकारी" से बोर्ड, भारतीय प्रतिभूति विनियम बोर्ड या वैसा ही कोई प्राधिकारी अभिप्रेत हैं जैसाकि बोर्ड द्वारा समय-समय पर, सुसंगत विनिर्दिष्ट प्रयोजनों के लिए विनिर्दिष्ट किया जाए ।

14. नियम

जब तक कि संदर्भ से अन्यथा अपेक्षित न हो, 'नियम' से तत्समय प्रवृत्त भावी और विकल्प खंड के नियम अभिप्रेत हैं।

15. सेबी

'सेबी' से भारतीय प्रतिभृति और विनिमय बोर्ड अभिप्रेत है ।

16. प्रतिभृतियां

"प्रतिभृतियां" पद का वही अर्थ होगा जो प्रतिभृति संविदा (विनियमन) अधिनियम, 1956 में है और इसके अंतर्गत लिखतों के अन्य वर्ग या उत्पाद, धनीय या अधनीय, स्क्रिप रहित या अन्यथा जैसे कि समाशोधन और परिनिर्धारण के लिए भावी और विकल्प खंड द्वारा स्वीकार किया जाए ।

17. परिनिर्धारण निधि

"परिनिर्धारण" निधि से ऐसी निधि अभिप्रेत है जिसका उपविधि के सुसंगत उपबंधों के अनुसार, स्थापना की जाए और उसका अनुरक्षण किया जाए ।

18. विनिर्दिष्ट एक्सचेंज

"विनिर्दिष्ट एक्सचेंज" से प्रतिभूति संविदा (विनियमन) अधिनियम, 1956 के अधीन मान्यताप्राप्त स्टाक एक्सचेंज/मान्यताप्राप्त स्टाक एक्सचेंज का खंड अभिप्रेत है जिसमें सुसंगत प्राधिकारी द्वारा समय-समय पर जारी ऐसे निबंधन और शर्तों के अधीन समाशोधन निगम के भावी और विकल्प खंड में समाशोधन और परिनिर्धारण के लिए व्यौहार रवीकार किए जा सकें।

19. व्यापारिक सदस्य

"व्यापारिक सदस्य" से किसी एक्सचेंज के नियमों, उपविधि और विनियमों के अनुसार किसी एक्सचेंज में सदस्य के रूप में प्रविष्ट कोई व्यक्ति अभिप्रेत है । टिप्पण : 'जब तक कि संदर्भ से अन्यथा अपेक्षित न हो, उपर्युक्त परिभाषित निबंधनों का वही अर्थ होगा जब वे उपविधि और विनियमों में छोटे अक्षरों में प्रयुक्त हों ।

अध्याय 2 : भावी और विकल्प खंड के समाशोधन उपखंड

समाशोधन निगम भावी और विकल्प खंड में एक से अधिक उपखंड या प्रभाग स्थापित कर सकती है जैसा कि सुसंगत प्राधिकारी द्वारा समय-समय पर, विनिर्दिष्ट किया जाए । ऐसे व्यौहार, जो समाशोधन और परिनिर्धारण के प्रयोजनों के लिए भावी और विकल्प खंड के उपखंडों और प्रभागों में स्वीकार किए जा सकेंगे, सुसंगत प्राधिकारी द्वारा समय-समय पर, विनिर्दिष्ट किए जाएंगे ।

अध्याय 3 : कार्यपालिका समिति

- 1. समाशोधन निगम के भावी और विकल्प खंड के दिन-प्रतिदिन कार्यों के प्रबंधन के प्रयोजनों के लिए बोर्ड कार्यपालिका समिति (समितियों) का ऐसी रीति से गठन कर सकेगा जैसा नियमों में अधिकथित है ।
- 2. भावी और विकल्प खंड की कार्यपालिका समिति के ऐसे दायित्व और शक्तियां होंगी जो बोर्ड द्वारा उसे प्रत्यायोजित किए जाएं।
- 3. भावी और विकल्प खंड की कार्यपालिका समिति में समाशोधन सदस्यों और व्यापारिक सदस्यों का कोई प्रतिनिधित्व नहीं होगा । ऐसी कार्यपालिका समिति का गठन, भारतीय प्रतिभृति और विनिमय बोर्ड (सेबी) के पूर्व अनुमोदन के अधीन होगा ।

अध्याय 4 : विनियम

- बोर्ड, भावी और विकल्प खंड के कृत्य और प्रचालन तथा भावी और विकल्प खंड के समाशोधन सदस्यों के कृत्य और प्रचालन के विनियमन लिए समय-समय पर नियम विहित कर सकेगा ।
- 2. बोर्ड, उपर्युक्त की व्यापकता पर कोई प्रतिकृल प्रभाव डाले बिना, अन्य बातों के साथ-साथ, समय-समय पर निम्नलिखित की बाबत विनियम विहित कर सकेगा :
 - (1) एक्सचेंजों की स्वीकृति के लिए सन्नियम, प्रक्रिया निबंधन और शर्तें ।
 - (2) समाशोधन निगम द्वारा भावी और विकल्प खंड में समाशोधन और परिनिर्धारण के लिए, व्यौहारों की प्रविष्टि के लिए वे सन्नियम, प्रक्रियाएं, निबंधन और शर्तें, जिन्हें पूरा किया जाना है।
 - (3) भावी और विकल्प खंड में व्यौहारों के समाशोधन और परिनिर्धारण के लिए सन्नियम, प्रक्रियाएं, निबंधन और शर्ते ।
 - (4) उन व्यौहारों के, जो किए जाने हैं, प्ररूप और निबंधन और समाशोधन सदस्यों के आपस में या समाशोधन सदस्यों और उनके संघटकों के बीच व्यौहारों के निष्पादन का समय, पद्धति और रीति ।
 - (5) भावी और विकल्प खंड द्वारा प्रत्याभूत परिनिर्धारण के लिए सन्नियम, प्रक्रिया, निबंधन और शर्ते।

- (6) भावी और विकल्प खंड के समाशोधन सदस्यों के व्यतिक्रमों के लिए निलंबन और निष्कासन सहित समय-समय पर अन्य चिरभोग और शास्तियों, जुर्माना तथा अन्य परिणाम का प्रशासन ।
- (7) विभिन्न प्रकार के मार्जिन और अन्य प्रभारों के अधिरोपण और प्रशासन के सन्नियम, प्रक्रियाएं, निबंधन और शतैं तथा निर्वन्धन जो कि भावी और विकल्प खंड द्वारा समय-समय पर अधिरोपित की जा सकेंगी।
- (8) भावी और विकल्प खंड के समाशोधन सदस्यों द्वारा समाशोधन निगम को, रामय-समय पर संदेय फीसो, प्रणाली अनुप्रयोग प्रमारों, निक्षेपों, मार्जिन और संदेय अन्य धनो का विनिर्धारण तथा समाशोधन और अन्य प्रमारों का मापमान, जो कि ऐसे समाशोधन सदस्यो द्वारा संगृहित किए जाएं ।
- (9) प्रचालनों का पर्यवेक्षण और ऐसे कारबार नियमों और आचार सहिता जैसा कि वह उचित समझे, का पर्यवेक्षण ।
- (10) अमिलेखों और लेखा बहियों की जांच और लेखापरीक्षा ।
- (11) समाशोधन सदस्यों के आपस में और साथ ही उन व्यक्तियों के बीच जो समाशोधन सदस्य नहीं हैं मावी और विकल्प खंड के माध्यम से प्रतिभूतियों में किए गए किसी व्यौहार के संबंध, उद्भूत विवादों के निपटारे, शिकायतों, दावों का परिनिर्धारण, इसमें माध्यस्थम से परिनिर्धारण भी सम्मिलित है।
- (12) माध्यस्थम् के लिए सन्नियम्, प्रक्रिया, निबंधन और शर्ते ।
- (13) भावी और विकल्प खंड द्वारा स्थापित समग्र निधि (निधियों) इसमें परिनिर्धारण निधियां भी सम्मिलित हैं, का प्रशासन, अनुस्तण और विनिधान ।
- (14) समाशोधन गृह की स्थापना, सन्नियम, निबंधन और शर्तें, कृत्य और प्रक्रिया, निक्षेपागार के माध्यम से समाशोधनं या समाशोधनं और परिनिर्धारण के लिए अभिरक्षा सेवाओं सहित अन्य प्रबंध ।
- (16) व्यौहारों की बंदी की बाबत, अनुषंगी या पारिणामिक सन्नियम, प्रक्रियाएं, निबंधन और शर्ते ।
- (16) सूचना और प्रसारणों का प्रसार ।
- (17) कोई अन्य मामला जो बोर्ड द्वारा विनिश्चित किया जाए ।

अध्याय 5 : समाशोधन सदस्य

1. सुसंगत प्राधिकारी, सेवी द्वारा विहित न्यूनतम वित्तीय अपेक्षाओं के अध्यधीन, नियम और विनियमों के अनुसार, समाशोधन सदस्य प्रविष्ट करने के लिए सशक्त है। ऐसे समाशोधन सदस्य, समाशोधन सदस्य के रूप में प्रविष्ट होने पर और सतत् प्रविष्ट रहने के लिए समय-समय पर, ऐसी फीस प्रतिभृति निक्षेपों या अन्य धन का संदाय करेगा जैसा बोर्ड या सुसंगत प्राधिकारी द्वारा विनिर्दिष्ट किया जाए। समाशोधन निगम के पास, समय-समय पर किसी समाशोधन सदस्य द्वारा संदत्त फीस, प्रतिभृति निक्षेप, अन्य धन या कोई अतिरिक्त संदत्त निक्षेप चाहे वह नकद रूप में हो, बैंक प्रतिभृति, प्रतिभृति या अन्यथा के रूप में हो, समाशोधन निगम के किसी भी समाशोधन खंड के प्रति देय किसी राशि और समाशोधन सदस्य के विरुद्ध वचनबंधों, समाशोधन निगम के किसी भी समाशोधन खंड में उपविधि, िश्चम और विनियम के अधीन किए

गए किसी व्यौहार से उद्भूत या अनुषंगी कोई वचनबंधों, बाध्यताओं और दायित्वों के सर्वोपरि धारणाधिकार के अधीन होगा । समाशोधन निगम, समाशोधन सदस्य के किसी निर्देश के बिना समाशोधन सदस्य के विरुद्ध अन्य दावों को अपवर्जित करने के लिए ऐसी फीसों, निक्षेपों या अन्य धनों को ऐसे शोध्य और दावों के लिए समायोजित या विनियोजित करने का हकदार होगा ।

- किसी भी उपखंड का समाशोधन सदस्य उस उपखंड से संबद्ध समाशोधन निगम के माध्यम से व्यौहारों का ऐसे निबंधनों और शर्तों के अधीन रहते हुए, जो कि समाशोधन सदस्य के लिए विहित किए जाएं, समाशोधन और परिनिर्धारण कर सकेगा ।
- 3. समाशोधन सदस्य, व्यौहारों का समाशोधन या पिरिनिर्धारण स्वतः या अपने ग्राहकों की ओर से कर सकेगा जब तक कि सुसंगत प्राधिकारी द्वारा ऐसे निबंधनों और शर्तों के अधीन, जो कि समय-समय पर विहित की जाएं, अन्यथा न विनिर्दिष्ट किया जाए ।

अध्याय 6 : व्यौहारों का समाशोधन और परिनिर्धारण

क. समाशोधन और परिनिर्धारण के लिए व्योहार

1. व्यौहारों का समाशोधन और परिनिर्धारण

- (1) समाशोधन निगम का भावी और विकल्प खंड यथाउपबंधित के सिवाय उपविधि और विनियमों में उपबंधित अनुसार, व्यौहारों का समाशोधन और परिनिर्धारण नहीं करेगा ।
- (2) उपर्युक्त की व्यापकता पर प्रतिकूल प्रभाव डाले बिना, सुसंगत प्राधिकारी ऐसे निर्बन्धनों के अधीन स्वविवेकानुसार किसी भी व्यौहार को स्वीकार कर सकता है।

2. व्यौहारों का स्वीकार किया जाना

- (1) समाशोधन निगम में उन व्योहारों का, जो समय-समय पर भावी और विकल्प खंड में सुसंगत प्राधिकारी द्वारा उपविधि और विनियमों के उपबंधों के अनुसार, स्वीकार किए जाते हैं, को समाशोधन और परिनिर्धारण के लिए स्वीकार किया जाएगा।
- (2) सुसंगत प्राधिकारी समय-समय पर उन प्रतिभूतियों के विनिर्दिष्ट कर सकेगा जिनमें उपविधि और विनियमों के उपबंधों के अनुसार व्यौहार स्वीकार किए जा सकते हैं।
- (3) सुसंगत प्राधिकारी समय-समय पर स्टाक एक्सचेजो को विनिर्दिष्ट कर सकेगा जिनमें भावी और विकल्प खंड द्वारा उपविधि और विनियमों के उपबंधों के अनुसार समाशोधन और परिनिर्धारण के लिए व्यौहारों को स्वीकार किया जा सकेगा ।

समाशोधन और परिनिर्धारण के लिए शर्तें और अपेक्षाएं

सुसंगत प्राधिकारी एक्सचेंज में व्यौहार किए गए व्यौहारों को इस शर्त के अधीन प्रवेश दे सकता है कि उपविधि और विनियमों में विनिर्दिष्ट सभी शर्तो और अपेक्षाओं और ऐसी अन्य शर्तों और अपेक्षाओं का पालन किया गया है जिन्हें सुसंगत प्राधिकारी समय-समय पर विहित करे।

4. व्यौहारों को स्वीकार करने से इंकार

सुसंगत प्राधिकारी अपने स्वविवेकानुसार ऐसी शर्तों के अनुसार, जिन्हें वह उचित समझे, भावी और विकल्प खंड में समाशोधन और परिनिर्धारण के लिए व्यौहारों को स्वीकार कर सकता है या आस्थगित कर सकता है या अस्वीकृत कर सकता है।

विनिर्दिष्ट व्योहार

सुंसंगत प्राधिकारी समुचित मामलों में अपने स्वविवेकानुसार, प्रतिमृतियों के मामले में जो कि स्वीकार नहीं किए गए हैं या तत्समय प्रतिषिद्ध या निलंबित हैं, समय-समय पर विनिश्चित करके भावी और विकल्प खंड के माध्यम से, विनिर्दिष्ट व्यौहारों का समाशोधन और परिनिर्धारण कर सकता है।

6. व्यौहारों के स्वीकार करने पर निलंबन

सुसंगत प्राधिकारी किसी भी समय ऐसी अवधि के लिए जो वह विनिश्चित करे, व्यौहारों की स्वीकृति को निलंबित कर सकता है इसमें प्रतिभृति या विनिर्दिष्ट एक्सचेंज या भावी और विकल्प खंड के व्यौहार भी हैं और ऐसे व्यौहारों को ऐसी शर्तों के अधीन पुनःस्थापित कर सकता है जो वह उचित समझे ।

व्यौहारों की स्वीकृति का प्रत्याहरण

सुसंगत प्राधिकारी, किसी भी समय, जहां वह आवश्यक समझे, विनिर्दिष्ट एक्सचेंज के व्यौहारों की स्वीकृति का, स्वीकृति की किसी शर्त या अपेक्षा का अनुपालन न करने पर या किसी भी अन्य कारण से प्रत्याहरण कर सकता है।

8. व्योहारों को पुनः स्वीकार करना

सुसंगत प्राधिकारी अपने स्वविवेकानुसार विनिर्दिष्ट एक्सचेंज के व्यौहारों को जिनका पूर्व में प्रत्याहरण कर लिया गया था, पुनः स्वीकार कर सकेगा ।

ख. व्यौहारों का समाशोधन और परिनिर्धारण

9. समाशोधन और परिनिर्धारण

भावी और विकल्प खंड में व्यौहारों का समाशोधन नेटेड आधार पर या सकल आधार पर या व्यापार से व्यापार आधार पर या सुसंगत प्राधिकारी द्वारा समय-समय पर विनिर्दिष्ट किसी अन्य आधार पर हो सकेगा। परिनिर्धारण समाशोधन सदस्यों द्वारा परिदान देने और लेने तथा सुसंगत प्राधिकारी द्वारा समय पर उपविधि और विनियमों में यथा विनिर्दिष्ट अनुसार, निधियों का संदाय करने और लेने से प्रभावी होगा।

10. संविदात्मक संबंध

(1) यहां उपबंधित के सिवाय, उपविधि और विनियमों में दिए अनुसार परिदान देने और लेने वाले समाशोधन सदस्यों के बीच प्रत्यक्ष संविदा विद्यमान न होने पर भी यह समझा जाएगा कि उन्होंने एक दूसरे के साथ विक्रेता और क्रेता के रूप में संविदा की है । यद्यपि, परिदाता और प्राप्तिकर्ता सदस्य के अधिकार और दायित्व तत्कालिक संविदाकारी पक्षों के संबंध में प्रभावित हुए नहीं समझे जाएंगे । इसके सिवाय कि विक्रेता सदस्य को प्राप्तिकर्ता सदस्य द्वारा प्राप्त (जब तक कि वह स्वयं परिदाता

सदस्य न हो) हक, स्वामित्व, वास्तविकता, सतत् और दस्तावेजों की वैधता के संबंध में दायित्व से और इससे होने वाले नुकसान से मुक्त कर दिया जाएगा, जिसके लिए उपविधि और विनियमों के अनुसार निबटा जाएगा ।

- (2) उन मामलों में, जहां भावी और विकल्प खंड साधारणतः या विनिर्दिष्टतः करे, परिदान करने और लेने वाले समाशोधन सदस्य और उपविधि और विनियमों में उपबंधित के अनुसार निधियों का संदाय करने और लेने वाले समाशोधन सदस्यों के बीच प्रत्यक्ष संविदा विद्यमान न होते हुए भी यह समझा जाएगा कि समाशोधन निगम के साथ उन्होंने विक्रेता और क्रेता तथा आपस में परिदान करने वाले और प्राप्त करने वाले सदस्यों के रूप में संविदा की है। परंतु यह और कि ऐसी दशा में भावी और विकल्प खंड में परिदाता और प्राप्तकर्ता सदस्य के अधिकार और दायित्व प्रभावित हुए नहीं समझे जाएंगे सिवाय इसके कि भावीं और विकल्प खंड परिदत्त और प्राप्त दस्तावेजों के हक, स्वामित्व, वास्तविकता, सततः और दस्तावेजों की विधिमान्यता और उनके फलस्वरूप होने वाली हानि और नुकसान के लिए उत्तरदायीं नहीं होगा, जिससे उपविधि और विनियमों के उपबंधों के अनुसार निपटा जाएगा।
- (3) ऊपर दी गई किसी बात के होते हुए भी, समाशोधन निगम साधारणतः या विनिर्दिष्टतः विनिर्दिष्ट करेगा कि कब उपविधि और विनियमों में उपबंधित अनुसार, समाशोधन सदस्य द्वारा व्यौहारों का समाशोधन और परिनिर्धारण करते हुए, इस बात के होते हुए भी कि उनके बीच कोई प्रत्यक्ष संविदा नहीं है, यह समझा जाएगा कि उन्होंने आपस में विक्रेता और क्रेसा के रूप में संविदा की है और ऐसी संविदा समाशोधन निगम को विक्रेता के क्रेता और क्रेता के क्रेप में प्रस्तुत की जाएगी।

11. समाशोधन और परिनिर्धारण के लिए प्रबंध

- (1) समाशोधन सदस्यों द्वारा, व्यौहारों का समाशोधन और प्रिनिर्धारण ऐसे प्रबंध, प्रणाली, अभिकरण या प्रक्रिया का अंगीकरण करके किया जाएगा जैसाकि सुसंगत प्राधिकारी द्वारा समय-समय पर विनिर्दिष्ट किया जाए । उपर्युक्त की व्यापकता पर प्रतिकृल प्रमाव डाले बिना, सुसंगत प्राधिकारी समय-समय पर ऐसी अभिस्तक, निद्दोपकारी और अन्य सेवाएं विहित या विनिर्दिष्ट कर सकता है जो वह समाशोधन सदस्यों और उनके संघटकों द्वारा, समाशोधन और परिनिर्धारण या प्रणाली के सुचारु संचालन में सहायता करने के लिए अंगीकरण और प्रयोग के लिए आवश्यक समझे ।
- (2) समाशोधन और परिनिर्धारण कृत्यों का निष्पादन भावी और विकल्प खंड या अन्य किसी अभिकरण द्वारा अथवा इस प्रयोजन के लिए सुसंगत प्राधिकारी द्वारा पता लगाये गए किसी एजेंसी की सहायता लेकर किया जाएगा ।
- (3) उपविधि और विनियमों में जैसा अमिव्यक्त रूप से उपबंधित है, उनके सिवाय, जब प्रतिभृतियों का समाशोधन और/विनिर्धारण विनिर्दिष्ट प्रबंध के अधीन किया जाता है, परिनिर्धारण दायित्व पूर्णरूपेण संविदा के प्रतिस्थानियों पर होगा और/या यथास्थिति, समाशोधन सदस्यों पर और समाशोधन निगम समाशोधन सदस्यों के प्रतिभृतियों का परिदान देने या लेने और निधियों का संदाय करने के लिए प्रधान होने के नाते दायित्व और बाध्यता उपगत किए बिना सामान्य अभिकर्ता के रूप में कार्य करेगा ।

12. समाशोधन के लिए प्रचालन पैरामीटर

(1) सुसंगत प्राधिकारी भावी और विकल्प खंड में, जिससे कि समाशोधन सदस्य अनुषक्त होंगे, समाशोधन निगम में, व्यौहारों के समाशोधन के संबंध में, प्रचालन पैरामीटर विहित करेगा और समय-समय पर उनकी घोषणा करेगा ।

- (2) प्रचालन पैरामीटरों में अन्य बातों के साथ-साथ निम्नलिखित होंगे
- (क) अनुज्ञात समाशोधन/अवस्थिति परिसीमा, जिसमें शुद्ध मूल्य और पूंछी प्रचुरता सन्नियमों के प्रति संदर्भ सहित, समाशोधन/अवस्थिति परिसीमा है।
- (ख) समाशोधन, प्रिमाण और परिसीमा जिस पर समाशोधन सदस्य के लिए भावी और विकल्प खंड कों सूचित करना आवश्यक होगा ।
- (ग) विभिन्न परिनिर्धारण प्रकारों के लिए परिदान लाटों का नियतन ।
- (घ) व्यापक लोकहित को मद्देनजर रखते हुए, अन्य मामले जो व्यौहारों के सुचारु समाशोधन को प्रभावित कर सकते हैं।
- (ड) समाशोधन सदस्य और प्रतिभृति के लिए अनुज्ञात व्यौहारों की किस्म का अवधारण ।
- (च) प्रणाली डिजाइन, प्रयोगकर्ता अवसंरचना और प्रणाली प्रचालन सहित समाशोधन और परिनिर्धारण कृत्यों के विस्तार का अवधारण ।

13. समाशोधन घंटे

- (1) समाशोधन निगम के भावी और विकल्प खंड के समाशोधन और परिनिर्धारण के घंटे ऐसे समय के दौरान होंगे जों सुसंगत प्राधिकारी द्वारा समय-समय पर विनिश्चित किया जाए । सुसंगत प्राधिकारी समय-समय पर विभिन्न व्यौहारों और भावी और विकल्प खंड के विभिन्न उपखंडों या प्रभागों के लिए समाशोधन घंटे विनिर्दिष्ट करेगा ।
- (2) सुसंगत प्राधिकारी कैलेंडर वर्ष में छुट्टियों की सूची की घोषणा कर सकेगा है। सुसंगत प्राधिकारी समय-समय पर इन उपबंधों के अनुसार, नियत की गई किसी भी छुट्टी को परिवर्तित या निरस्त कर सकेगा। यह कारणों को अभिलिखित करते हुए, छुट्टियों से भिन्न दिवसों या छुट्टियों के अतिरिक्त दिवसों पर भावी और विकल्प खंड में समाशोधन और परिनिर्धारण प्रचालनों को निलंबित कर सकेगा।

14. प्रतिनृतियों का परिवान

- (1) भावी और विकल्प खंड में सभी व्यौहारों के संबंध में, सभी प्रतिभृतियों, दस्तावेजों और कागजपत्रों का परिदान तथा संदाय ऐसी रीति और स्थान (स्थानों) पर किया जाएगा जैसाकि सुसंगत प्राधिकारी समय-समय पर विनिर्दिष्ट करे।
- (2) सुसंगत प्राधिकारी, समय-समय पर विनिर्दिष्ट करेगा कि विनिर्दिष्ट रीति से प्रतिभृतियों, दस्तावेजों और कागज-पत्रों का परिदान करना अच्छा परिदान होगा । जहां पर परिस्थितियों से ऐसा 'समुचित आधार हो, समुचित प्राधिकारी कारणों को अभिलिखित करते हुए अवधारित करेगा कि कब कोई परिदान अच्छा परिदान है या नहीं और उसका ऐसा निष्कर्ष पक्षकारों पर बाध्यकर होगा । जहां पर सुसंगत प्राधिकारी यह अवधारित करता है कि कोई परिदान अच्छा परिदान नहीं है, परिदान करने वाला पक्ष यथा विनिर्दिष्ट समय के भीतर अच्छा परिदान करने के लिए अपेक्षित होगा ।

- (3) बाजार लाट, विषम लाट, न्यूनतम लाट, भागतः परिदान, भागतः संदत्त प्रतिभृतियों आदि के परिदान की बाबत परिदान के सन्नियम और प्रक्रिया ऐसी होगी जैसा सुसंगत प्राधिकारी द्वारा समय-समय पर विनिर्दिष्ट किया जाए ।
- (4) विवादग्रस्त परिदान या त्रुटियुक्ति परिदान का अवधारण करने के लिए अपेक्षाएं और प्रक्रियाएं तथा परिदान के विवाद और त्रुटियों को दूर करने के लिए उपाय, प्रक्रिया और प्रणाली या ऐसे परिदानों का परिणाम या उनका संकल्प इस उपविधि के अधीन सुसंगत प्राधिकारी द्वारा समय-समय पर यथाविनिर्दिष्ट होगा।

15. बंदी (क्लोजिंग आउट)

- (1) परिदान, संदाय और व्यौहारों का परिनिर्धारण या उन शर्तों और निबंधनों का अनुपालन करने में असफल रहने पर जिनके अधीन व्यौहार किए गए थे या सुसंगत प्राधिकारी द्वारा समय-समय पर, यथा विनिर्दिष्ट अन्य परिस्थितियों पर, समाशोधन और परिनिर्धारण के लिए स्वीकृत व्यौहार को अन्य समाशोधन सदस्य को उसकी सहमति से अंतरित किया जा सकता है। समाशोधन निगम द्वारा व्यौहार ऐसी रीति से ऐसी समय सीमा के भीतर और ऐसे निबंधनों और प्रक्रिया के अधीन अन्य समाशोधन सदस्य को अंतरित किए जा सकते हैं जिन्हें सुसंगत प्राधिकारी समय-समय पर विहित करे।
- (2) समाशोधन और परिनिर्धारण के लिए स्वीकृत किसी व्यौहार की, समाशोधन सदस्य के परिदान, संदाय और व्यौहारों के परिनिर्धारण से संबंधित किन्ही अनुबंधों का अनुपालन करने में असफल रहने पर या किन्ही शर्तों और निबंधनों को, जिनके अधीन व्यौहार किया गया था या अन्य परिस्थितियां जिन्हें सुसंगत प्राधिकारी समय-समय पर विहित करें को पूरा करने में असफल रहने पर बंदी की जा सकती है। समाशोधन निगम द्वारा बंदी ऐसी रीति से ऐसे समय सीमा के भीतर और ऐसे निबंधनों और प्रक्रियाओं के अधीन की जा सकती है जो सुसंगत प्राधिकारी समय-समय पर विहित करे।
- (3) उपर्युक्त की व्यापकता पर प्रतिकृत प्रभाव डाले बिना, सुसंगत प्राधिकारी अन्य बातों के साथ-साथ निम्नलिखित रूप में समाशोधन सदस्य के विरुद्ध क्रय या विक्रय करके व्यौहार को समाप्त कर सकता है :
- (क) विक्रेता समाशोधन सदस्यों की दशा में, नियत तारीख को परिदान पूरा करने में असफल रहने पर और
- (ख) क्रेता समाशोधन सदस्य की दशा में, नियत तारीख को बकाया राशि का संदाय करने में असफल रहने पर , और
- (ग) ऐसी समाप्ति के कारण होने वाली हानि, नुक्सान या कमी का संदाय उस समाशोधन सदस्य द्वारा, किया जाएगा जो उसका परिदान या सम्यक् भुगतान करने में असफल रहता है ।

16. बाध्यताएं पूरी करने में असफल रहना

समाशोधन सदस्य के समाशोधन निगम के प्रति स्वीकार व्यौहारों के समाशोधन और प्रचालन से उद्भूत, बाध्यताएं पूरी करने में असफल रहने की दशा में, सुसंगत प्राधिकारी, समाशोधन सदस्य पर ऐसा प्रमार ब्याज, ऐसी शास्तियां अधिरोपित कर सकता है और ऐसी अनुशासनिक कार्रवाई कर सकता है जो वह समय-समय पर विहित करें। उपर्युक्त के अनुसरण में, सुसंगत प्राधिकारी द्वारा की गई किसी अनुशासनिक

कार्रवाई से समाशोधन सदस्य के समाशोधन निगम के प्रति किसी बाध्यता या लागू विधि के अधीन किसी उपचार जिसका वह हकदार हैं; पर कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा ।

अध्याय 7 : समाशोधन सदस्यों द्वारा व्यौहार

1. अधिकारिता

- (1) भावी और विकल्प खंड में। समाशोधन निगम द्वारा स्वीकृत सभी व्यौहार, जब तक कि सुसंगत प्राधिकारी द्वारा अन्यथा स्पष्ट रूप से। उपबंध न किया गया हो, मुंबई शहर में किए गए समझे जाएंगे।
- (2) सुसंगत प्राधिकारी समय-समय पर व्यौहारों को, उनकी प्रकृति, वह एक्सचेंज, जिसमें व्यौहार किया गया है, और अन्य सुसंगत कारकों को ध्यान में रखते हुए, विशिष्ट अधिकारिता के अधीन विनिर्दिष्ट करेगा।

2. साक्य के लिए अभिलेख

केंद्रीय प्रसंस्करण इकाई या प्रसंस्करण इकाइयों के समूह या कंप्यूटर प्रसंस्करण इकाइयों द्वारा यथा अनुरक्षित या चाहे किसी अन्य रीति से अनुरक्षित हों, भावी और विकल्प खंड के अभिलेख समाशोधन निगम के माध्यम से समाशोधित और परिनिर्धारित व्यौहारों के संबंध में, सहमत और अधिप्रमाणित अभिलेख होंगे । व्यौहारों के समाशोधन और परिनिर्धारण के संबंध में, किसी विवाद के प्रयोजनों के लिए, भावी और विकल्प खंड द्वारा यथा अनुरक्षित अभिलेख, संघटकों और समाशोधन सदस्य के बीच या समाशोधन सदस्यों के आपस में या समाशोधन सदस्य और भावी और विकल्प खंड के बीच किसी विवाद या दावे के लिए वैध सक्टर होंगे।

3. व्योहारों में समाशोधन सबस्यों का ही केवल पक्षकार होना

समाशोधन निगम अपने भावी और विकल्प खंड में अपने समाशोधन सदस्यों के अतिरिक्त किन्हीं अन्य व्यक्तियों को पक्षकार के रूप में मान्यता नहीं देता है और प्रत्येक समाशोधन सदस्य ऐसे समाशोधन सदस्य के साथ प्रत्यक्षतः और पूर्णतः दायी है जिसके अनुसार ऐसे समाशोधन सदस्य का सम्यक् रूप से अनुपालन के लिए कोई व्यवहार या भावी और विकल्प खंड का व्यवहार जैसा कि सुसंगत प्राधिकारी द्वारा विनिर्दिष्ट किया जाए, शेष है, वाहे ऐसा व्यवहार, व्यवहार करने वाले समाशोधन सदस्य के लेखे में हो या किसी संघटक के लिए हो।

सभी ब्यौहारों का नियमों, उपविधि और विनियमों के अधीन होना

सभी व्यौहार नियम, उपविधि और विनियमों के अधीन किए जाएंगे और ये ऐसे व्यौहारों की शर्तों और निबंधनों के भाग होंगे और व्यौहार सुसंगत प्राधिकारी में निहित उपविधि; नियम और विनियमों के संबंध में शक्तियों के प्रयोग के अधीन होंगे ।

स्वीकृत व्योहारों की अनितक्रमणीयता

(1) उपियिष्ट, नियम और विनियम के अधीन भावी और विकल्प खंड में समाशोधन निगम के प्रतिभूतियों में सभी व्यौहार अनितक्रमणीय होंगे और उपियिष्ट, नियम और विनियमों के अनुसार, परिनिर्धारित किए जाएंगे । यद्यपि समाशोधन निगम इस निमित्त किसी समाशोधन सदस्य के नोटिस पर व्यौहारों को बातिल कर सकेगा यदि व्यौहार (व्यौहारों) में अन्य पक्ष/पक्षकारों को सुनने के पश्चात् सुसंगत, प्राधिकारी

को यह समाधान हो जाता है कि व्यौहार कपट, जानबूझकर दुर्व्यपदेशन या तात्विक भूल के कारण बातिल करने के योग्य है।

- (2) सुसंगत प्राधिकारी का कारणों को अभिलिखित करते हुए, यह समाधान हो जाता है कि व्यौहार कपट, तात्विक भूल, दुर्व्यपदेशन या बाजार या कीमत अभिचालन के कारण और इस तरह के कारणों से दूषित हो गए हैं तो, उपर्युक्त खंड (1) में किसी बात के होते हुए भी, समाशोधन निगम प्रतिमृतियों में विनिधानकर्ताओं के हितों की संख्ता के लिए और प्रतिभृति बाजार के समुचित विनियमन के लिए स्वप्रेरणा से व्यौहार (व्यौहार) को किसी भी समय बातिल कर सकेगा।
- (3) उपर्युक्त खंड (1) और (2) के अनुसरण में किया गया कोई बातिलीकरण अंतिम होगा और पक्षकारों पर बाध्यकर होगा । ऐसी दशा में, समाशोधन सदस्य अपने संघटकों के साथ सुसंगत व्यौहार (व्यौहारों) को निरस्त करने का हकदार होगा ।

प्रतिनिधि समाशोधन सदस्यों द्वारा किए गए व्यौहार

सुसंगत प्राधिकारी की पूर्व अनुज्ञा से विनिर्दिष्ट अविध के लिए कोई समाशोधन सदस्य दूसरे समाशोधन सदस्य को अपने प्रतिनिधि के रूप में, कार्य करने के लिए अनुज्ञात कर सकता है।

7. क्षतिपूर्ति

समाशोधन सदस्य की किसी कार्रवाई या समाशोधन सदस्य के नाम से किसी अन्य व्यक्ति की कार्रवाई चाहें प्राधिकृत हो या अप्राधिकृत हो, इसमें भावी और विकल्प खंड में समाशोधन निगम के माध्यम से समाशोधित और परिनिर्धारित व्यौहार भी है, के लिए समाशोधन निगम, जैसा उपबंधित है और उस विस्तार तक जितना कि उपविधि और विनियमों में उपबंध किया गया है, के लिए दायी नहीं होगा।

अध्याय 8 : मार्जिन

1. मार्जिन अपेक्षाएं

- (1) भावी और विकल्प खंड में समाशोधन निगम के माध्यम से समाशोधित और परिनिर्धारित व्योहारों के लिए सुसंगत प्राधिकारी समय-समय पर, अपेक्षाएं विहित करेगा और समाशोधन सदस्य पूर्व शर्त के रूप में ऐसे गार्जिन प्रस्तुत करेगा ।
- (2) प्रत्येक समाशोधन सदस्य का ऐसे स्तर पर और ऐसी अविधयों के दौरान जिसे समय-समय क्लियरिंग कारपोरेशन द्वारा निर्दिष्ट किया जाए, बनाये रखने का लगातार दायित्व रहेगा।

2. मार्जिन का प्ररूप

भावी और विकल्प खंड में उपविधि और विनियमों के अधीन समाशोधन सदस्य द्वारा प्रस्तुत किया जाने वाला मार्जिन लेकर में होगा । सुसंगत प्राधिकारी अपने विवेकानुसार निक्षेप पावितयों, सुसंगत प्राधिकारी द्वारा अनुमोदित प्रतिभूतियों या किसी अन्य ढंग जैसे सुसंगत आधिकारी द्वारा अनुमोदित प्रतिभूतियों या किसी अन्य ढंग जैसे सुसंगत आधिकारी द्वारा समय-समय पर अनुमोदित किया जाए, ऐसी शर्तों और निबंधनों के अधीन उद्गृहीत कर सकेगा । निक्षेप पावितयां, इसके द्वारा अनुमोदित प्रतिभूतियां या सम्यक् रूप से अनुमोदित कोई अन्य ढंग

जैसे ऐसे प्रतिस्थापन भावी और विकल्प खंड में समाशोधन निगम के पक्ष में, यथास्थिति, गिरवी और/या आडमानित समझे जाएंगे। *

3. मार्जिन की मात्रा

मार्जिन निक्षेप करने वाला समाशोधन सदस्य गिरवी या अन्यथा ऐसी अन्य पद्वति के द्वारा, जैसा सुसंगत प्राधिकारी द्वारा संमय-समय पर विनिर्देश्ट किया जाए, प्रतिमृतियों के रूप में सुसंगत प्राधिकारी के समाधानप्रद रूप में और प्रतिभृति का उपबंध करके तत्समय उसके द्वारा आने वाली अपेक्षित मात्रा से अन्यून उसके मृत्य को हमेशा बनाए रखेगा जो उक्त मृत्य को अवधारित करेगा और जिसका मृत्यांकन समय-समय पर होने वाली स्कम की किसी कमी को निश्चायक रूप से नियत करेगा।

भावी और विकल्प खंड के संबंध में मार्जिन समाशोधन निगम द्वारा धृत

भावी और विकल्प खंड के संबंध में मार्जिन समाशोधन निगम द्वारा धृत होंगे और जब वह बैंक निक्षेप पावितयों और प्रतिभृतियों के रूप होंगे, ऐसी पावितयां और प्रतिभृतियां ऐसे व्यक्तियों को या अभिरक्षक के नाम या समाशोधन निगम द्वारा अनुमोदित निकाय के नाम अंतरित कर दी जाएंगी । सभी मार्जिन निक्षेप समाशोधन निगम द्वारा धृत किए जएंगे और/या अनुमोदित व्यक्तियों द्वारा और/या अनुमोदित अभिरक्षक द्वारा धृत होंगे, ऐसे रूप में और ऐसे आधार पर ,निक्षेपकर्ता समाशोधन सदस्य या उनके प्रति जो ऐसे विवेक के प्रयोग पर प्रश्न उठा सकते हैं के प्रति बिना किसे अधिकार के जो समाशोधन निगम ठीक समझे ।

5. **मार्जिन का धारणाञ्चिकार**

मार्जिन या बैंक निक्षेप पावितयां या अन्य प्रतिभूतियों के रूप में संदत्त धन या उपविधि और विनियमों के उपबंधों के अधीन मार्जिन के स्थान पर गिरवी या आखान परिसंपत्तियां भावी और विकल्प खंड के संबंध में समाशोधन निगम को संदेय सभी शशियों के प्रथम और सर्वोपरि धारणाधिकार के अधीन होगी । समाशोधन सदस्य के प्रति उपविधि, नियम और विनियमों के अधीन किए गए व्यौहार से या उससे अनुषंगी या उनके अनुसरण में, किसी बात से उद्भृत बाध्यताओं और देनदियों को सम्यक् रूप से पूरा करने में सभी अन्य दावों के लिए मार्जिन अधिमानतः उपलब्ध होगा ।

बाध्यता पूरी करने में असफल रहने पर अनुप्रयोग

समाशोधन सदस्य के भावी और विकल्प खंड में उपविधि और भैनियमों के अनुसार, उपबंधित व्यौहारों के समाशोधन और परिनिर्धारण प्रचालनों से उद्भूत समाशोधन निग्म के प्रति बाध्यताओं को पूरा करने में असफल रहने की दशा में, सुसंगत प्राधिकारी ऐसे सदस्य द्वारा गर्जिन के रूप में संदत्त या भावी और विकल्प खंड में समाशोधन और परिनिर्धारण के लिए रखे गए संदाय को उपयोग करने का हकदार है।

मार्जिन आवश्यकताओं का अपवंचन निषिद्ध

समाशोधन सदस्य, उपविधि और विनियमों के अधीन विनिर्दिष्ट मार्जिन अश्वाओं के अपवेचन के प्रयोजन के लिए कोई समाशोधन सदस्य प्रत्यक्षतः या अप्रत्यक्षतः किसी इंतजाम में शमिल नहीं होगा या कोई प्रक्रिया नहीं अपनाएगा ।

8. मार्जिन का संदाय करने में असफल रहने पर निलंबन

यदि समाशोधन सदस्य उपविधियों और विनियमों में यथाउपदर्शित मार्जिन का संदाय करने में असफल रहता है तो सुसंगत प्राधिकारी ऐसी कार्रवाई कर सकेगा जैस्त वक्क ठीक समझे और समय-समय पर, जिसमें निलंबन भी है, विनिर्दिष्ट करेगा।

9. ब्याज, लागांश और मांगें

- (1) प्राप्तिकर्ता सदस्य, ऐसे सभी वाउचर, कूपन, लामांश, नकद बोनस, बोनस इश्यू, अधिकार और अन्य विशेषाधिकार प्राप्त करने का हकदार होगा, जो क्रय सह-वाउचर, सह कूपन, सह लामांश, सह नगद बोनस, सह बोनस इश्यू, सह अधिकार, आदि रें। संबंधित होंगे ! परिदानकर्ता सदस्य ऐसे साल वाउचरों, कूपनों, लामांशों, नकद बोनस, बोनस इश्यू, अधिकार और अन्य विशेषाधिकार प्राप्त करने का अधिकार हकदार होगा, जो प्रतिभृति विक्रय वाउचर को छोड़कर, कूपन को छोड़कर, लामांश को छोड़कर, नकद बोनस को छोड़कर, एक्स बोनस इश्यू को छोड़कर, अधिकार को छोड़कर, आदि से संबंधित होंगे !
- (2) प्राप्तिकर्ता और परिदानकर्ता सदस्य के बीच वाराचर, कूपन, लाभांश, नकद बोनस, बोनस इश्यू अधिकार और अन्य विशेषाधिकार की बाबत समायोजन की रीति, अपेक्षित सूचना पद्वति, परिवर्तन, तारीख और समय, आदि सुसंगत प्राधिकारी द्वारा अमय-समय पर विनिर्दिष्ट किया जाएगा । उपविधि और विनियमों में, जैसा अन्यथा उपबंधित हैं, समाशोधन सदस्य ऐसे समायोजनों को प्रमावी करने के लिए उनके और अपने संघटकों के लिए इन्हरदायी होगा ।
- (3) प्रतिभृतियों के संव्यवहार की बाबत, जो पुनर्निर्माण और पुनर्संगठन की स्कीम के अधीन नए या अन्य प्रतिभृतियों के लिए विनिमय योग्य होगे या होते हैं, परिदानकर्ता सदस्य पुनर्निर्माण या पुनर्संगठन स्कीम के अधीन प्रतिभृतियों और/या विकद और/या अन्य संपत्ति या इसके समकक्ष के लिए प्राप्तिकर्ता सदस्य को परिदान करेगा, जैसाकि ब्रासंगत प्राधिकारी या तो संविदागत प्रतिभृतियों को निदेश दे ।

10. समाशोधन फीस

सुसंगत प्राधिकारी समाशोधन और व्यौहारों के निपटान की बाबत समाशोधन सदस्यों पर उद्गृहीत की जाने वाली फीसों, प्रभारों और वसूलियों को अमय-समय पर, विहित कर सकेगा ।

अध्याय 9 - समाशोधन सरहस्यों और संघटकों के अधिकार तथा दायित्व

1. संघटकों से मार्जिन

समाशोधन सदस्य अपने संघटक से मार्जिन की मांग करेंगे । अपने द्वारा संघटक के लिए किए गए व्यापार की बाबत जो संघटक के नियम, उपविधि और विनियम के अधीन उपलब्ध करनी है । समाशोधन सदस्य अपनी बाध्यताओं को स्पष्ट करने के लिए बचनबंध करने से पूर्व, अपने संघटक से नगद और प्रतिभूतियों में आरंभिक मार्जिन की मांग करेगा और उसे एकत्रित करेगा और यह अनुबद्ध करने के लिए संघटक मार्जिन को संदाय करेंगे या ऐसा अतिरिक्त मार्जिन देंगे जैसा समय-समय पर समाशोधन निगम के भावी और विकल्प. खंड द्वारा िनिर्दिष्ट किया जाए । संघटक जब, समय-समय पर तत्काल आवाहन किया जाता है तो मार्जिन का संदाय करेगा और अपनी बाध्यताओं और जैसा संबद्ध समाशोधन सदस्यों के साथ उसके द्वारा करार किया गया है, की बांबत नियमों, उपविधियों और विनियमों के अधीन यथाअपेक्षित अतिरिक्त मार्जिनों को देगा ।

2. संघटक द्वारा व्यतिक्रम

- (1) समाशोधन सदस्य उस संघटक के लिए, जिसने उसके ज्ञान से किसी अन्य समाशोधन सदस्य के लिए व्यतिक्रम किया है, प्रत्यक्षतः या अप्रत्यक्षतः कारबार का संव्यवहार तब तक नहीं करेगा जब तक कि ऐसे संघटक ने, ऐसे समाशोधन सदस्य, जो उसका लेनदार है, के साथ संतोषजनक ठहराव न किए हों।
- (2) ऐसे लेनदार समाशोधन सदस्य के आवेदन पर, जो नियमों, उपविधियों और विनियमों में यथा उपबंधित व्यतिक्रमी संघटक के विरुद्ध अपना दावा माध्यस्थम् के लिए निर्देशित करता है या उसने किया है, सुसंगत प्राधिकारी उपविधियों, नियमों और विनियमों के व्यौहार की बाबत व्यतिक्रमी संघटक को उसके द्वारा संदेय या परिदत्त लेनदार सदस्य का दावा, उस रकम या मूल्य से अधिक नहीं होगा जो ऐसे किसी धन या प्रतिभृतियों, जो धन या प्रतिभृतियां भावी और विकल्प खंड मे जमा की जाएगी, के व्यतिक्रमी संघटक को संदाय या परिदान करने से व्यतिक्रमी सदस्य द्वारा अवशेध करने पर उसके विरुद्ध आदेश जारी करेगा । निक्षिप धन या प्रतिभृतियां माध्यस्थम् के अधिनिर्णय के निबंधनों के अनुसार व्ययनित की जाएंगी और जब तक क्रेडिटर समाशोधन सदस्य और व्यतिक्रमी संघटक के बीच अथवा परस्पर करार न हो लंबित डिक्री, जब अधिनिर्णय फाइल किया जाता है, संबद्ध न्यायालय के पास जमा की जाएंगी ।

3. संघटकों के लेखा की बंदी

जब तक कि समय-समय पर सुसंगत प्राधिकारी द्वारा अन्यथा विनिर्दिष्ट न किया जाए, जब संघटक के लेखा की बंदी की जाती है तब समाशोधन सदस्य मूल कीमतों के रूप में उसके स्वयं के लेखा को ग्रहण करेगा या ऐसे व्यौहारों को ग्रहण करेगा जो कि बाजार की शर्तों द्वारा उचित और न्यायोचित होते हैं या वह खुले बाजार में बंदी कर सकेगा और उससे उपगत कोई व्यय या हानि संघटक द्वारा वहन की जाएगी।

4. समाशोधन सदस्य का अंतरण के रजिस्ट्रीकरण का पालन करने के लिए दायी न होना

जब तक कि समय-समय पर सुसंगत प्राधिकारी द्वारा अन्यथा विनिर्दिष्ट न किया जाए, समाशोधन सदस्य को संघटक के नाम में प्रतिमूतियों का अंतरण करने और उसके रिजस्ट्रीकरण का पालन करने के लिए किसी बाध्यता के अधीन नहीं समझा जाएगा । यदि वह ऐसे कार्य को सामान्य क्रम में या संघटक के अनुरोध पर या इच्छा या उसकी सहमति से करता है तो इस मामले में, वह संघटक का अभिकर्ता समझा जाएगा और अंतरण में किसी हानि या किसी अन्य दायित्व या बाध्यता, जो नियमों, उपविधियों और विनियमों द्वारा विनिर्दिष्टतः अधिरोपित से मिन्न हो, के अधीन बिना अंतरण के कंपनी के इंकार के लिए दायी नहीं होगा । स्टांप शुल्क, अंतरण फीस और कंपनी को संदेय अन्य प्रभार, प्रतिभूतियों के रिजस्ट्रीकरण करने में लगी फीस और समाशोधन सदस्य द्वारा उपगत डाक महसूल जैसे सभी आनुषंगिक खर्च, संघटक द्वारा वहन किए जाएंगे।

5. प्रतिमूतियों का रिजस्ट्रीकरण जब वे समाशोधन सदस्य या नामनिर्देशिती के नाम हो

(1) जब समाशोधन सदस्य के संघटकों को उपलब्ध समय, अंतरण को पूरा करने और अंतरण बहियों को बंद करने से पूर्व, रजिस्ट्रीकरण के लिए प्रतिभृतियों को जमा करने के लिए पर्याप्त नहीं है और जहां ऐसे प्रतिभृति सह ब्याज, लाभांश, बोनस या अधिकार क्रय किया जाता है जिसे कंपनी आख्यापित या घोषित कर सकेगी, वहां समाशोधन सदस्य प्रतिभृतियों को अपने नाम या अपने नामनिर्देशिती के नाम रजिस्टर कर सकेगा तथा क्रय संघटक से अंतरण फीस, स्टांप शुल्क और अन्य प्रभार वसूल कर सकेगा।

- (2) समाशोधन सदस्य ऐसे स्घटकों के नाम और व्यौहारों का ब्यौरा भावी और विकल्प खंड का तत्काल सूचित करेगा जैसा सुसंगत प्राधिकारी द्वारा समय-समय पर विनिर्दिष्ट किया जाए । समाशोधन सदस्य उसकी तत्काल सूचना क्रय संघटक को भी देगा और ऐसी कार्रवाई द्वारा कारित किसी विलंब के परिणाम के लिए क्षतिपूर्ति देगा ।
- (3) समाशोधन सदस्य यथाशीघ्र मूल संघटक के नाम में प्रतिभृति का अंतरण करने के लिए आबद्ध होगा जो ब्याज, लाभांश, बोनस या अधिकार को छोड़कर हो ।

6. व्योहारों के निष्पादन की असफलता पर संघटक द्वारा बंदी

यदि समाशोधन सदस्य नियमों, उपविधियों और विनियमों के उपबंधों के अनुसार, परिदान या संदाय के निष्पादन को पूरा करने में असफल रहता है तो संघटक समाशोधन सदस्य को लिखित में सूचना देने के पश्चात, यथासमय शीघ्र किसी अन्य समाशोधन सदस्य के माध्यम से ऐसे व्यौहार को बंद कर देगा और ऐसी बंदी के परिणामस्वरूप हुई कोई हानि या नुकसानी, व्यतिक्रमी समाशोधन सदस्य द्वारा संघटक को तत्काल संदेय होगी । यदि इसमें यथाउपबंधित बंदी प्रभावित नहीं होती है तो पक्षकारों के बीच नुकसानी ऐसे आधार पर अवधारित की जाएगी जैसा सुसंगत प्राधिकारी द्वारा समय-समय पर विनिर्दिष्ट किया जाए तथा संघटक और समाशोधन सदस्य के एक दूसरे के विरुद्ध आगे के सभी अधिकार समपद्धत हो जाएंगे ।

7. संघटक द्वारा शिकायत

जब किसी संघटक द्वारा सुसंगत प्राधिकारी के पास कोई शिकायत इस बात के लिए दर्ज की गई है कि समाशोधन सदस्य अपने व्यौहारों का पालन करने में असफल हो गया है तब सुसंगत प्राधिकारी शिकायत की जांच करेगा और यदि उसका यह समाधान हो जाता है कि शिकायत न्यायोचित है तो वह क्लियरिंग कारपोरेशन के भावी और विकल्प खण्ड के नियमों के अध्याय-V में चिहित उपबंधों के अनुसार ऐसी अनुशासनिक कार्रवाई कर सकेगा, जो वह ठीक समझे।

8. समाशोधन सदस्य और संघटक के बीच संबंध

तत्समय प्रवृत्त किसी विधि की व्यापकता पर प्रतिकृल प्रभाव डाले बिना,और इन उपविधियों के अध्यधीन, समाशोधन सदस्यों और उनके संघटकों के बीच एक दूसरे के मुकाबले के पारस्परिक अधिकार और बाध्यताएं ऐसी होंगी जैसा सुसंगत प्राधिकारी द्वारा समय-समय पर विनिर्दिष्ट किया जाए ।

अध्याय 10 - माध्यस्थम्

- मावी और विकल्प खंड की बाबत या उसके संबंध में की गई किसी बात के प्रति निर्देश से या ऐसे व्यौहार के अनुसरण में, समाशोधन निगम द्वारा समाशोधन और परिनिर्धारण के लिए ग्रहण किए गए अन्य के मुकाबले उत्पन्न या उससे संबंधित समाशोधन सदस्यों और संघटकों या समाशोधन सदस्यों के बीध उद्भूत समी दावे, विवाद, मतमेद एन.एस.ई.आई.एल. के नियमों, उपविधियों और विनियमों में यथा उपबंधित माध्यस्थम् को निर्दिष्ट किए जाएंगे और उसके द्वारा विनिश्चित किए जाएंगे यदि व्यौहार उससे या उसके अनुसरण में आरंभ होता है।
- भावी और विकल्प खंड की बाबत या उसके संबंध में की गई किसी बात के प्रति निर्देश से या ऐसे ब्यौहार के अनुसरण में, समाशोधन निगम द्वारा समाशोधन और परिनिर्धारण के लिए ग्रहण किए गए अन्य के

मुकाबले उत्पन्न या उससे संबंधित समाशोधन सदस्यों और संघटकों या समाशोधन सदस्यों के बीच उद्भूत समी दावे, विवाद मतभेद नियमों, उपविधियों और विनियमों में यथा उपिधत माध्यस्थमको निर्दिष्ट किए जाएंगे और उसके द्वारा विनिश्चित किए जाएंगे यदि ब्यौहार एन.एस.ई.आई.एल. को छोड़कर, किसी अन्य एक्सचेंज या उसके अनुसरण में आरंभ होता है। ऐसे माध्यस्थम् के लिए उपबंधित इन उपविधियों के उपबंध नीचे उल्लिखित हैं:---

1. परिभाषा

- (क) 'मध्यस्थ' से एकमात्र मध्यस्थ या मध्यस्थों का पैनल अभिप्रेत है।
- (ख) 'अधिनियम' से माध्यस्थम् और सुलह अधिनियम, 1996 और इसमें सम्मिलित तत्समय प्रवृत्त कोई कानूनी उपांतरण, प्रतिस्थापन या इसकी पुनः अधिनियमितियां अभिप्रेत हैं ।

माध्यस्थम् के प्रति निर्वेश

(2) समाशोधन निगम पर समाशोधन और परिनिर्धारण के लिए ग्रहण किए गए व्यौहारों, संविदाओं और संव्यवहारों से उत्पन्न या के संबंध में अन्य के मुकाबले समाशोधन सदस्यों के बीच और समाशोधन सदस्यों और संघटकों के बींच उपविधियों, नियमों और विनियमों के अध्यधीन या उससे आनुषंगिक किसी बात के प्रति निर्देश से या उसके अनुसरण में या उनकी विधिमान्यता, अर्थान्वयन, निर्वचन, पूर्ति या अधिकार बाध्यता और उसके पक्षकारों के दायित्वों से संबंधित सभी दावे, मतभेद या विवाद इन उपविधियों और विनियमों के उपबंधों के अनुसार, माध्यस्थम् के लिए प्रस्तुत किए जाएंगे।

इन उपविधियों और विनियमों के उपबंधों को सभी व्यौहारों, संविदाओं और संव्यवहारों के भाग के रूप में समझा जाना

(3) ऐसे सभी व्यौहारों, संविदाओं और संव्यवहारों में, जो समाशोधन निगम से उपविधियों, नियमों और विनियमों के अध्यधीन समाशोधन तथा परिनिर्धारण के लिए ग्रहण की जाती हैं, इन उपविधियों तथा विनियमों में यथाउपवंधित माध्यस्थम् से संवंधित उपवंध, व्यौहारों, संविदाओं और संव्यवहारों का रूप होंगी तथा उसके भागरूप समझी जाएंगी और वह पक्षकार विखित में माध्यस्थम् करार किया हुआ समझा जाएंगा जिसके द्वारा उक्त (2) में निर्दिष्ट प्रकृति के सभी दावे, मतभेद या विवाद इन उपविधियों और विनियमों के उपवंधों के अनुसार, माध्यस्थम् को प्रस्तुत किए जाएंगे!

माध्यस्थम् के लिए दावों, मतयेदों या विवादों के निर्देश के लिए परिसीमा अवधि

(4) उत्पर खंड (2) में निर्दिष्ट सभी दावे, मतंभेद या विवाद, उस तारीख से 6 मास की अवधि के भीतर माध्यस्थम् के लिए प्रस्तुत किए जाएंगे जिस तारीख को ऐसे दावे, मतंभेद या विवाद उद्भृत होते हैं या उद्भृत हुए समझे जाएंगे । अधिनियम के उपबंधों के अनुसार, सुलह कार्यवाही, यदि कोई हो, को आरंभ करने और संघालित करने में लगा समय तथा सभी मतंभेदों या विवादों को प्रशासनिक तौर पर निर्धारित करने के लिए सुसंगत प्राधिकारी द्वारा लिया गया समय छह मास की अवधि के अवधारण के प्रयोजन के लिए अपवर्जित कर दिया जाएगा ।

विनियमों को विहित करने की सुसंगत प्राधिकारी की शक्ति

- (5) (क) सुसंगत प्राधिकारी समय-समय पर, निम्नलिखित के लिए विनियम विहित करेगा
- (i) माध्यस्थम् कार्यवाहियों में पक्षकारों द्वारा अनुसरण की जाने वाली प्रक्रिया ।

विशिष्टतया और पूर्वगामी शक्ति की व्यापकता पर प्रतिकूल प्रभाव डाले बिना, ऐसी प्रक्रिया अन्य बातों के साथ-साथ निम्नलिखित के लिए उपबंध कर सकेगी :-

- (क) उपयोग किए जाने वाले प्ररूपों ;
- (ख) संदत्त की जाने वाली फीसों ;
- (ग) दोनों पक्षकारों द्वारा अभिवचन को प्रस्तुत करने के लिए पद्वति, रीति और समय-अविध ;
- (घ) उन्धिययनों का संशोधन या अनुपूरक करने के लिए पक्षकारों के अनुरोध से संबंधित मामले ; और
- (ड) पक्षकारों द्वारा ऐसे अभिवचनों को प्रस्तुत करने में असफल रहने के परिणाम ।
- (ii) माध्यस्थम् कार्यवाही संचालित करने में मध्यस्थ द्वारा अनुसरण की जाने वाली प्रक्रिया ।

विशिष्टतया और पूर्वगामी शक्ति की व्यापकता पर प्रतिकूल प्रभाव डाले बिना, ऐसी प्रक्रिया, अन्य बातों के साथ-साथ निम्नलिखित के लिए उपबंध कर सकेगी :-

- (क) सुनवाई का स्थगन ; और
- (ख) ऐसे निबंधन और शर्तों के अधीन, जिसके लिए मध्यस्थ विनिर्दिष्ट विवा**द्यक पर रिपोर्ट करने के लिए** विशेषज्ञ नियुक्त करे और ऐसी नियुक्ति पर माध्यस्थम् कार्यवाहियों में अनुसरण की जाने वाली प्रक्रिया ।
- (ग) अगर उचित समझा जाए तो अन्तरिम आदेश/निदेश पारित करना ।
- (iii) ऐसी परिस्थितियों और तथ्यों, जैरा। सुसंगत प्राधिकारी उचित समझे, पर विचार करने के पश्चात्, विभिन्न दावों, मतभेदों या विवादों के लिए मध्यस्थम् प्रक्रिया के विभिन्न सेट जिसमें परिस्थितियों और तथ्यों के विषय से संबंधित मामले के मुल्य सम्मिलित होंगे और ऐसे व्यक्ति, जो ऐसे दावों, मतभेदों या विवादों के लिए प्रसक्तारों के रूप में अंतर्विलित होते हैं।
- (iv) माध्यस्थम् राचालित करने और न्यायालय विहित करने के लिए विभिन्न क्षेत्रों या भौगोलिक अवस्थितियां विहित करने के लिए माध्यस्थम् के स्थानों का सृजन, जिसमें अधिनियम के प्रयोजन के लिए अधिकारिता होगी।
- (v) ऐसे दावे, मतभेद या विवाद, जो एकमात्र मध्यस्थ को निर्दिष्ट किए जा सकेंगे और ऐसे दावे, मतभेद या विवाद जो मध्यस्थ के पैनल को निर्दिष्ट किए जा सकेंगे ।
- (vi) मध्यस्थ के रूप में कार्य करने के लिए पात्र व्यक्तियों के चयन की प्रक्रिया ।
- (vii) मध्यस्थ की नियुक्ति की प्रक्रिया ।
- (viii) ऐसे निबंधनों, शतौं और अर्हताओं के अध्यधीन जिसमें कोई मध्यस्थ नियुक्त किया जाए ।

- (ix) मध्यस्थों के पैनल के मामले में मध्यस्थों की संख्या का अवधारण ।
- (x) ऐसी समय-अविध के भीतर जिसमें प्रतिस्थानी मध्यस्थ नियुक्त किया गया हो, यदि मध्यस्थ का पद किसी कारण, चाहे जो भी हो, से रिक्त पड़ा हो ।
- (xi) किसी ऐसे व्यक्ति द्वारा, जो मध्यस्थ के रूप में अपनी हर संभव नियुक्ति के संबंध में प्रस्ताव करता है, प्रकटित किए जाने वाले मामले।
- (xii) किसी मध्यस्थ की नियुक्ति को चुनौती देने के लिए पक्षों द्वारा अपनाई जाने वाली कार्यविधि ।
- (xiii) (क) ऐसे दावे, मतभेद या विवाद जो बिना सुनवाई के मध्यस्थ द्वारा विनिश्चित किए जाएं, जब तक कोई पक्षकार सुनवाई के लिए सुसंगत प्राधिकारी को लिखित में अनुरोध नहीं करता है और ऐसी समयावधि के भीतर उसका अनुरोध किया जाएगा।
 - (ख) ऐसे दावे, मतभेद या विवाद जो पक्षकारों की सुनवाई द्वारा केवल मध्यस्थ द्वारा विनिश्चित किए जाएं, जब तक कि संयुक्त रूप से दोनों पकार ऐसी सुनवाई के लिए अपने अधिकार अधित्यक्त नहीं करते हैं और उस समय अवधि के भीतर ऐसा अधित्यजन किया जाएगा।
- (xiv) प्रत्येक निर्देश के लिए माध्यस्थम् का स्थान और वह स्थान, जहां मध्यस्थ परामर्श, साक्षियों, विशेषज्ञों या पक्षकारों की सुनवाई या दस्तावेज, माल या अन्य संपत्ति के निरीक्षण के लिए मिल सकेगा ।
- (xv) माध्यस्थम् पंचाट देना जिसमें वह रीति भी सम्मिलित है जिसमें मध्यस्थों के पैनल और माध्यस्थम् पंचाट के प्ररूप और अंतर्वस्तु की दशा में, किया जाने वाला विनिश्चय भी है। माध्यस्थम् पंचाट पद के अंतर्गत तय निबंधनों पर माध्यस्थम् पंचाट सम्मिलित किया जाएगा। माध्यस्थम् पंचाट की अंतर्वस्तु के रूप में चिरभोग में लागतों के लिए उपबंध सम्मिलित किए जा सकेंगे और जहां माध्यस्थम् पंचाट धन के संदाय के लिए हैं वहां उसमें शोध्य मूल राशि पर संदेय ब्याज सम्मिलित हो सकेंगा।
- (xvi) लागतों के लिए अग्रिम के रूप में, यथास्थिति, जमा रकम या अनुपूरक जमा में दावा, मतभेद या विवाद की बाबत उपगत प्रत्याशा होगी परंतु जहां माध्यस्थम् के लिए प्रतिदावा प्रस्तुत किया जाता है वहां प्रतिदावे के लिए निक्षेप पृथक रकम भी विनिर्दिष्ट की जा सकेगी।
- (xvii) ऐसी प्रशासनिक सहायता जो भावी और विकल्प खंड माध्यस्थम् कार्यवाहियों के संचालन को सुकर बनाने के लिए आदेश देंगा ।
- (xviii) पक्षकारों द्वारा सूचनाओं और संसूचनाओं को, जो मध्यस्थ को संबोधित भी है, तामील करने की पद्धति और रीति से संवर्धित सभी मामले ।
- (xix) अन्य कोई मामले, जो सुसंगत प्राधिकारी की राय में माध्यस्थम् को सुकर बनाने के लिए विनियमों में विचार किए जाने के लिए अपेक्षित हैं।

(5) (ख) सुसंगत प्राधिकारी, समय-समय पर विनियमों को संशोधित, उपांतरित, परिवर्तित, निरसित या परिवर्धित कर सकेगा ।

माध्यस्थम् के रूप में नियुक्त किए जाने बाले ध्यक्तियों द्वारा प्रकटीकरण

(6) प्रत्येक ऐसा व्यक्ति, जो मध्यस्थ के रूप में अपनी हर संभव नियुक्ति के संबंध में प्रस्ताव करता है, अपने स्वतंत्र और निष्पता के बारे में न्यायोचित शंकाओं के उत्पन्न होने की संभावित किन्हीं परिस्थितियों को लिखित में सुसंगत प्राधिकारी को प्रकट करेगा । यदि ऐसा व्यक्ति ऐसी परिस्थितियों का प्रकटीकरण करता है, जिनसे सुसंगत प्राधिकारी की राय में, उसके स्वतंत्र और निष्पत्तता के बारे में न्यायोचित शंकाएं उद्भृत होने की संभावना है तो, वह मध्यस्थ के रूप में उसे नियुक्त नहीं करेगा ।

माध्यस्थम् के रूप में नियुक्त व्यक्तियों द्वारा प्रखटीकरण

(7) मध्यस्थ, अपनी नियुक्ति के समय से और समस्त माध्यस्थम् कार्यवाहियों में, बिना किसी विलंब के उपरोक्त खंड (6) में निर्दिष्ट किन्हीं ऐसी परिस्थितियों को लिखित में सुसंगत प्राधिकारी को प्रकट करेगा जो मध्यस्थ के रूप में उसकी नियुक्ति के पश्चात् उसकी जानकारी में आते हैं।

माध्यस्थम् की आज्ञा का पर्यवसान

- (8) मध्यस्थ की आज्ञा तब पर्यवसित की जाएगी जब यदि-
- (क) मध्यस्थ किसी कारण से पद से हट जाता है ; या
- (ख) सुसंगत प्राधिकारी की राय में, मध्यस्थ विधितः या वस्तुतः अपने कृत्यों का पालन करने में या बिना किसी अनुचित विलंब के कार्य करने में असफल होने के अन्य कारण के लिए, जिसमें सुसंगत प्राधिकारी द्वारा विनिर्दिष्ट अवधि के भीतर माध्यस्थम् पंचाट की देने में असफलता भी है, असमर्थ हो जाता है। सुसंगत प्राधिकारी का ऐसा विनिश्चय अंतिम और पक्षकारों पर आबद्धकर होगा ; या
- (ग) मध्यस्थ की आज्ञा, माध्यस्थम् के दोनों पक्षकारों से मध्यस्थ की आज्ञा की समाप्ति के लिए लिखित अनुरोध की प्राप्ति पर, सुसंगत प्राधिकारी द्वारा पर्यवसित की जाती है ; या
- (घ) मध्यस्थ खंड (6) और (7) में निर्दिष्ट किन्हीं ऐसी परिस्थितियों को प्रकट करता है जिनसे सुसंगत प्राधिकारी की राय में, उसके स्वतंत्र और निष्पक्षता के बारे में, न्यायोचित शंकाओं को उत्पन्न होने की संभावना होती है ;
- (ड) इसमें यथा उपबंधित माध्यस्थम् कार्यवाहियां पर्यवसित की जाती हैं।

मध्यस्थ के रिक्त पद के लिए नियुक्ति

(9) यदि माध्यस्थम् पंचाट देने से पूर्व, किसी समय पर, किसी कारण से, चाहे जो भी हो, इसके अंतर्गत मध्यस्थ की बीमारी या मृत्यु अथवा सुसंगत प्राधिकारी या अन्यथा द्वारा मध्यस्थ की आज्ञा की समाप्ति के कारण हुआ रिक्त पद भी है, 'माध्यस्थम् का पद खाली रहता है तो रिक्त पद सुसंगत प्राधिकारी द्वारा मध्यस्थ की नियुक्ति के लिए उसके द्वारा यथाविनिर्दिष्ट उसी प्रक्रिया का अनुसरण करके, भरा जाएगा ।

अभिलिखित कार्यवाहियों और साक्ष्य का प्रतिफल

(10) जब तक कि अन्यथा पक्षकारों द्वारा करार न हो, कोई ऐसा मध्यस्थ, जो माध्यस्थम् के पद की रिक्ति के लिए सुसंगत प्राधिकारी द्वारा नियुक्त किया गया है, पूर्व अभिनिर्धारित किसी भी सुनवाई को पुनः दुहरा सकेगा।

पूर्व मध्यस्थ के आदेश या विनिर्णय व्यवस्था का विधिमान्य न होना

(11) मध्यस्थ द्वारा उसकी आज्ञा के पर्यवसान के पूर्व किया गया कोई आदेश या विनिर्णय व्यवस्था अकेले ही अविधिमान्य नहीं होगी क्योंकि उसकी आज्ञा का पर्यवसान हो गया है परंतु यह तब जब कि खंड (7) (घ) के अनुसरण में, पर्यवसान प्रभावी हो गया है तब उसकी आज्ञा के पर्यवसान के पूर्व मध्यस्थ द्वारा किया गया कोई आदेश या विनिर्णय व्यवस्था तब तक अविधिमान्य नहीं होगी जब तक कि दोनों पक्षकारों द्वारा अन्यथा करार न हो।

मध्यस्य द्वारा आदिष्ट अंतरिम माध्यस्थम् पंचाट और अंतरिम उपाय

(12) मध्यस्थ, अंतरिम माध्यस्थम् पंचाट देने और संरक्षण के लिए अंतरिम उपायों का उपबंध के लिए सशक्त होगा । मध्यस्थ अंतरिम उपायों के संबंध में, पक्षकारों की पर्याप्त सुख्ता के लिए उपबंध कर सकेगा ।

काउंसेल, अटर्नी या अधिवक्ता द्वारा माध्यस्थम् कार्यवाहियों में उपसंजाति

(13) ऐसी माध्यस्थम् कार्यवाहिय्रों में, जहां दोनों पक्षकार समाशोधन सदस्य हैं, पक्षकारों को काउंसेल, अटर्नी या अधिवक्ता की ओर से उपसंजात होने के लिए अनुज्ञात नहीं किया जाएगा किंतु जहां पक्षकारों में से एक पक्षकार संघटक है वहां संघटक को काउंसेल, अटर्नी या अधिवक्ता की ओर से उपसंजात होने की अनुज्ञा दी जाएगी । यदि संघटक काउंसेल, अटर्नी या अधिवक्ता की ओर से उपसंजात होने का चयन करते हैं तो समाशोधन सदस्य ऐसे ही विशेषाधिकार अनुदत्त करेगा ।

मध्यस्थ द्वारा माध्यस्थम् पंचाट

(14) मध्यस्थ, निर्देश को ग्रहण करने की तारीख से एक मास के भीतर माध्यस्थम् पंचाट देगा और पंचाट देने के लिए समय, यथास्थिति, दोनों में से किसी पक्षकार या मध्यस्थ के आवेदन पर, सुसंगत प्राधिकारी द्वारा समय-समय पर बढाया जा सकेगा।

इस खंड के प्रयोजन के लिए मध्यस्थ उस तारीख को निर्देश ग्रहण किया हुआ समझेगा जिस तारीख को मध्यस्थ ने उस पर कार्य करना आरंभ कर दिया है या उस कार्य पर लग गया है।

अधिनियम के उपबंधों के अध्यधीन माध्यस्थम् कार्यवाहियां

(15) इन उपविधियों और विनियमों के उपबंधो द्वारा यथाउपबंधित माध्यस्थम् कार्यवाहियां, इन उपविधियो या विनियमों में उपबंधित न की गई सीमा के लिए, अधिनियम के उपबंधों के अध्यधीन होंगी।

निर्देशों का अर्थान्वयन

(16) अधिनियम की धारा 2(6) के प्रयोजनों के लिए, ऐसे सभी दावों, मतभेदों या विवादों में, जो उपविधियों और विनियमों के उपबंधों के अनुसार, माध्यस्थम् के लिए प्रस्तुत की जानी अपेक्षित होती हैं, जब कभी अधिनियम का भाग क पक्षकारों को कुछ विवाद्यक का अवधारण करने की स्वतंत्र इजाजत देता है तो पक्षकार इस विवाद्यक को अवधारित करने के लिए सुसंगत प्राधिकृत प्राधिकारी द्वारा प्राधिकृत किए गए समझे जाएंगे।

प्रशासनिक सहायता

(17) अधिनियम की घारा 6 के प्रयोजन के लिए ऐसे सभी दावों, मतभेदों या विवादों में, जो इन उपविधियों और विनियमों के उपबंधों के अनुसार, माध्यस्थम् को प्रस्तुत किए जाने के लिए अपेक्षित होते हैं, यह समझा जाएगा कि पक्षकार ने माध्यस्थम् कार्यवाहियों के संचालन को सुकर बनाने के लिए सुसंगत प्राधिकारी से प्रशासनिक सहायता ली है।

अधिकारिता

- (18) इन उपविधियों और विनियमों के अधीन माध्यस्थम् से संबंधित सभी पक्षकारों के निर्देश और किसी व्यक्ति द्वारा इसके अधीन किए गए दावे मुंबई के न्यायालयों या किसी अन्य न्यायालय की विशेष अधिकारिता में प्रस्तुत किए गए समझे जाएंगे जैसाकि अधिनियमों के उपबंधों को प्रभावी बनाने के प्रयोजन के लिए सुसंगत प्राधिकारी द्वारा विनिर्दिष्ट किया जाए।
- उपविधि (1) और (2) के उपबंध, भावी और विकल्प खंड की बाबत समाशोधन निगम पर समाशोधन और निपटान हेतु ग्रहण किए गए सभी व्योहारों, संविदाओं और संव्यवहारों के लिए इसमें उल्लिखित पक्षकारों के बीच के सभी दावों, मतभेदों, विवादों के लिए लागू होंगे तथा उपविधियों, नियमों और विनियमों के अध्यधीन किए जाएंगे परंतु ऐसे व्यौहार, संविदा और संव्यवहार उस तारीख को या उससे पूर्व इसमें उल्लिखित पक्षकारों के बीच किए गए हों जिस तारीख को समाशोधन सदस्य ने, उन्हें व्यतिक्रमी घोषित कर दिया था या उन्हें निष्कासित कर दिया गया था या उनकी व्यापार सदस्यता अभ्यर्पित कर दी गई।

अध्याय 11 - व्यतिक्रम

1. व्यतिक्रम की घोषणा

समाशोधन सदस्य को खंड के सुसंगत अधिकारी के निर्देश/परिपत्र/अधिसूचना द्वारा व्यतिक्रमी घोषित किया जा सकेगा यदि:-

- (1) वह किसी स्टाक एक्सचेंज का व्यापारिक सदस्य है और उक्त एक्सचेंज उसको व्यतिक्रमी घोषित करता है ; या
- (2) वह अपने समाशोधन, निपटान या बाध्यताओं को पूरा करने में असमर्थ रहा है ; या

- (3) वह अपने कर्तव्यों, बाध्यताओं और दायित्वों को पूरा करने या उनका निर्वहन करने में अपनी असमर्थता स्वीकार करता है या प्रकट करता है ; या
- (4) वह नियमों, उपविधियों या विनियमों के अधीन उसके विरुद्ध कार्यान्वित की गई बंदी (क्लोजिंग आउट) पर देय होने वाली अंतर-राशि और नुकसानी का विनिर्दिष्ट समय के भीतर संदाय करने में असफल रहा है या असमर्थ रहता है ; या
- (5) वह समाशोधन सदस्य को देय, जैसािक सुसंगत प्राधिकारी द्वारा समय-समय पर विहित किया जाए, किसी राशि का संदाय करने में असफल रहता है ; या
- (6) वह ऐसे समाशोधन सदस्य को, जिसे व्यतिक्रमी घोषित किया गया है, ऐसे समाशोधन सदस्य की घोषणा की ऐसी समय-सीमा के भीतर, ऐसी रीति में ऐसे सदस्य को, जैसा सुसंगत प्राधिकारी निदेश दे, देय सभी धन, प्रतिभृतियों, और अन्य आस्तियों का संदाय या उनका परिदान करने में असफल रहता है; या
- (7) वह नियमों, उपविधियों और विनियमों में यथा अधिकथित माध्यस्थम् पचाट का पालन करने में असफल रहता है ; या
- (8) अगर उसे किसी सक्षम क्षेत्राधिकार के न्यायालय द्वारा उसके किसी ऋणदाता द्वारा दाखिल याचिका में दीवालिए के रूप में अधिनिर्णीत किया जाता है उसे तत्काल एक चूककर्ता घोषित किया जाएगा यद्यपि उसने उसी समय क्लियरिंग कारपोरेशन के प्रति अपने किसी दायित्व के प्रति चूक नहीं भी किया हो; अथवा
 - (9) अगर वह स्वयं दीवालिया अधिनिर्णित करने के लिए सक्षम क्षेत्राधिकार वाले न्यायालय के समक्ष याचिका दाखिल करता है; अथवा
- (10) अन्य किसी परिस्थिति के अधीन जिसका समय-समय पर सुसंगत प्राधिकारी द्वारा निर्णय लिया जाए ।

2. सूचित करने का समाशोधन सदस्य का कर्तव्य

यदि कोई समाशोधन सदस्य अपने दायित्वों का पूर्ण रूप से निर्वहन करने में असफल रहता है तो वह समाशोधन सदस्य, तत्काल समाशोधन निगम को सूचित करने के लिए बाध्य होगा ।

समझौता करने पर प्रतिबंध

समाशोधन सदस्य, भावी और विकल्प खंड के माध्यस्थम् से निकासी संव्यवहार से उद्भूत किसी ऋण का निपटान करने में किसी समाशोधन सदस्य से पूर्ण या वास्तविक धनराशि के संदाय से कम राशि स्वीकार नहीं करेगा।

4: व्यतिक्रम. की घोषणा की सूचना

समाशोधन सदस्य को व्यतिक्रमी घोषित किए जाने पर, समाशोधन निगम के सभी समाशोधन सदस्यों को तत्काल इस आशय की एक सूचना भेजी जाएगी ।

5. स्टाक एक्सचेंज को सूचना

समाशोधन सदस्य को व्यतिक्रमी घोषित किए जाने पर, यदि समाशोधन सदस्य भी उस एक्सचेंज का व्यापारिक सदस्य है तो एक सूचना तत्काल एक्सचेंज को भेजी जाएगी ।

6. व्यतिक्रमी की बही तथा दस्तावेज

जब समाशोधन सदस्य को व्यतिक्रमी घोषित किया गया है तब सुसंगत प्राधिकारी उसके कार्यकलापों का अभिनिश्चयन करने के लिए उसकी सभी लेखा बहियों, दस्तावेजों, कागजातों और वाउचरों को अपने कब्जे में ले लेगा और व्यतिक्रमी ऐसी बहियों, दस्तावेजों, कागजातों और वाउचरों को सुसंगत प्राधिकारी को सौंप देगा।

7. लेनदारों और देनदारों की सूची

व्यतिक्रमी उसके व्यतिक्रम होने की घोषणा पर, जैसा सुसंगत प्राधिकारी निदेश दे, ऐसे समय के भीतर सुसंगत प्राधिकारी के पास ऐसा लिखित कथन फाइल करेगा जिसमें उसके लेनदारों और देनदारों तथा प्रत्येक को दी जाने वाली तथा प्राप्त की जाने वाली राशि की पूरी सूची अंतर्विष्ट होगी।

व्यतिक्रमी द्वारा जानकारी देना

व्यतिक्रमी, सुसंगत प्राधिकारी को अपने कार्यकलापों के ऐसे लेखा विवरण, जानकारी और विशिष्टियां देगा जैसा सुसंगत प्राधिकारी समय-समय पर अपेक्षा करे और यदि वांछित हो तो उसे उसके व्यतिक्रम होने के संबंध में हुई सुसंगत प्राधिकारी की बैठक में उपस्थित होना होगा ।

9. जांच

सुसंगत प्राधिकारी बाजार में व्यतिक्रमी के खातों और व्यौहारों की कडी जांच करेगा और उसके संबंध में समाशोधन सदस्य द्वारा किए गए किसी असंगत, अनुचित या अनुपयुक्त कृत्य, जो उसकी जानकारी में आएंगे, की रिपोर्ट करेगा।

10. व्यतिक्रमी की आस्तियां

सुसंगत प्राधिकारी व्यतिक्रमी द्वारा जमा की गई प्रतिभृति या मार्जिन धन और प्रतिभृतियों को वापस मांग सकता है तथा उपविधियों, नियमों और विनियमों के अध्यधीन किए गए किसी व्यौहार या संव्यवहार की बाबत किसी समाशोधन सदस्य द्वारा व्यतिक्रमी को देय, संदेय या परिदान योग्य सभी धनराशियां, प्रतिभृतियों और अन्य आस्तियों की वसूली कर सकता है तथा ऐसी आस्तियां,भावी और विकल्प खंड के समाशोधन निगम या समाशोधन सदस्यों के फायदे के कारण सुसंगत प्राधिकारी में निहित हो जाएंगी।

11. सुसंगत प्राधिकारी को संदाय

(1) व्यतिक्रमी को देय, संदेय और परिदान योग्य सभी धनराशियां, प्रतिभूतियां और अन्य आस्तियां सुसंगत प्राधिकारी को, व्यतिक्रम की घोषणा के ऐसे समय के भीतर, जैसा सुसंगत प्राधिकारी निदेश दे, संदत्त या परिदत्त की जाएंगी । इस उपबंध का उल्लंघन करने वाले समाशोधन सदस्य को व्यतिक्रमी घोषित किया जा सकेगा ।

- (2) ऐसे समाशोधन सदस्य, जिसने ऐसे लेखा, या व्यौहार के लिए नियत तारीख के पूर्व किसी लेखा में कोई अंतर या प्रतिफल प्राप्त किया हो, ऐसी दशा में, जब उस समाशोधन सदस्य को जिससे उसने ऐसा अंतर या प्रतिफल प्राप्त किया हो, व्यतिक्रमी घोषित किया जाता है तो उसे ऐसी राशि को लेनदार सदस्य के फायदे या के कारण सुसंगत प्राधिकारी को लौटाना होगा । कोई समाशोधन सदस्य, जिसने ऐसे निपटान के दिन के पूर्व, किसी अन्य सदस्य को ऐसे किसी अंतर की राशि या प्रतिफल संदत्त किया हो या किया होगा, उसे पुनः ऐसी राशि को अन्य सदस्य द्वारा व्यतिक्रम किए जाने की दशा में, लेनदार सदस्यों के फायदे या के कारण सुसंगत प्राधिकारी को संदाय करना होगा, या देना होगा।
- (3) ऐसा समाशोधन सदस्य, जो किसी दावा नोट या ऋणनोट के समाशोधन के दौरान, किसी अन्य समाशोधन सदस्य से ऐसी राशि प्राप्त करता है जो राशि उसको अथवा उसके संघटक को देय अंतर की राशि से अलग कोई राशि हो तथा जो उसने उस संघटक की ओर से तथा उसके लिए प्राप्त की हो तो ऐसे अन्य समाशोधन सदस्य को, यदि निपटान के दिन के पश्चात् सुसंगत प्राधिकारी द्वारा यथाविनिर्दिष्ट ऐसे दिनों के भीतर व्यतिक्रमी घोषित किया जाता है तो ऐसी राशि लौटानी होगी । ऐसी लौटाई गई राशि लेनदार सदस्यों के फायदे या के कारण सुसंगत प्राधिकारी को प्रदान की जाएगी और इसका उपयोग ऐसे लेनदार सदस्यों के दावों की पूर्ति के लिए किया जाएगा जिनके दावे नियमों, उपविधियों, और विनियमों के अनुसार स्वीकार किए गए हों ।

12. वितरण

सुसंगत प्राधिकारी लेनदार सदस्यों के जोखिम और खर्चे पर वसूली के दौरान प्राप्त सभी आस्तियों को ऐसे बैंक और/या ऐसे नामों में भावी और विकल्प खंड के पास रखेगा जैसा सुसंगत प्राधिकारी समय-समय पर निदेश दे और नियमों, उपविधियों और विनियमों के अनुसार उन्हें वितरित करेगा।

13. बंदी (क्लोजिंग आउट)

- (1) व्यतिक्रमी के साथ खुले व्यौहार रखने वाला समाशोधन सदस्य व्यतिक्रम की घोषणा के पश्चात् ऐसे व्यौहार की बंदी कर देगा । ऐसी बंदी ऐसी रीति में की जाएगी जैसािक सुसंगत प्राधिकारी द्वारा समय-समय पर विनिर्दिष्ट किया जाए । इस संबंध में, सुसंगत प्राधिकारी द्वारा विनिर्दिष्ट किए गए विनियमों के अध्यधीन, जब सुसंगत प्राधिकारी की राय में स्थितियों की मांग होने पर, ऐसी बंदी ऐसी रीति से कार्यान्वित की गई समझी जाएगी जैसािक सुसंगत प्राधिकारी द्वारा अवधारित किया जाए।
- (2) बंदी के उपरोक्त, समायोजनों में उत्पन्न होने वाले अंतर की राशि के लिए व्यतिक्रमी से दावा किया जाएगा या व्यतिक्रमी के लेनदार समाशोधन सदस्यों के फायदे के लिए सुसंगत प्राधिकारी को संदत्त किया जाएगा।

14. व्यतिक्रमी के विरुद्ध दावे

व्यतिक्रम होने की घोषणा के ऐसे समय के भीतर जैसा कि सुसंगत प्राधिकारी निर्देश दे, भावी और विकत्य खंड पर कारबार करने वाले प्रत्येक समाशोधन सदस्य को, जो उसे करना अपेक्षित होगा, या तो सुसंगत प्राधिकारी के साथ, व्यतिक्रमी को अपने खातों को सम्यक् रूप से समायोजित करना होगा तथा नियमों, उपविधियों, और विनियमों के उपबंधों के अनुसार बनाना होगा या ऐसे प्ररूप या प्ररूपों, जैसा सुसंगत प्राधिकारी द्वारा विहित किया जाए, व्यतिक्रमी के साथ ऐसे खातों का विवरण प्रस्तुत करना होगा या इस आशय का एक प्रमाणपत्र प्रस्तुत करना होगा कि उसके पास ऐसा कोई खाता नहीं है ।

15. खातों की तुलना या प्रस्तुति में विलंब

ऐसे समाशोधन सदस्य को, जो विनिर्दिष्ट समय के भीतर व्यतिक्रमी से संबंधित अपने खातों की तुलना करने या विवरण या प्रमाणपत्र भेजने में असफल रहेगा उसे ऐसे और समय के भीतर, जैसा विनिर्दिष्ट किया जाए, अपने खातों की तुलना करने या ऐसा विवरण या प्रमाणपत्र भेजने के लिए कहा जाएगा।

16. खातों की तुलना करने या उन्हें प्रस्तुत करने में असफल रहने पर शास्ति

सुसंगत प्राधिकारी ऐसे समाशोधन सदस्य पर, जो विनिर्दिष्ट समय के भीतर व्यतिक्रमी के साथ अपने खातों की तुलना करने अथवा विवरण प्रस्तुत करने में या इस आशय का प्रमाणपत्र प्रस्तुत करने में कि उसके पास कोई ऐसा खाता नहीं है, असफल रहता है, ऐसी कार्रवाई करेगा जो वह ठीक समझे इसमें जुर्माना और निलंबन का उदग्रहण भी सम्मिलित है।

17. भ्रामक विवरण

सुसंगत प्राधिकारी, यदि उसका यह समाधान हो जाता है कि ऐसे समाशोधन सदस्य द्वारा व्यतिक्रमी के संबंध में भेजा गया कोई तुलनात्मक विवरण या प्रमाणपत्र असत्य या भ्रामक था तो ऐसी कार्रवाई करेगा जैसा वह ठीक समझे, इसमें जुर्माना और निलंबन का उद्ग्रहण भी सम्मिलित है।

18. सुसंगत प्राधिकारी के लेखे

सुसंगत प्राधिकारी, व्यतिक्रमी को देय सभी धनराशियों, प्रतिभूतियों और अन्य आस्तियों की बाबत, जो उसे प्राप्त होंगी, पृथक् खाता रखेगा तथा उसमें से ऐसी आस्तियों के संग्रहण में या उनके बारे में या व्यतिक्रम के संबंध में की गई किन्हीं कार्यवाहियों के संबंध में उपगत सभी लागतों, प्रभारों और खर्चों की अदायगी करेगा।

19. आस्तियों का उपयोग

सुसंगत प्राधिकारी नियमों, उपविधियों और विनियमों के अधीन अनुज्ञात ऐसी सभी लागतों, प्रभारों और खर्चों की अदायगी करने के पश्चात् हाथ में बची शुद्ध आस्तियों का उपयोग एक्सचेंज की उपविधियों, नियमों और विनियमों के उपबंधों के अनुसार, समाशोधन निगम के दावे पूरा करने और फिर समानुपातिक आधार पर समाशोधन सदस्यों के ऐसे स्वीकृत दावों को, जो संघटकों की ओर से एक्सचेंज पर किए गए व्यौहार से व्यतिक्रमी के विरुद्ध उत्पन्न हुए हों, पूरा करने और उसके पश्चात् उनके अपने खर्चे पर किए गए व्यौहारों से उत्पन्न दावों को पूरा करने के लिए करेगा।

20. कतिपय दावे जिन पर विचार नहीं किया जाएगा

सुसंगत प्राधिकारी व्यतिक्रमी के विरुद्ध ऐसे किसी दावे पर विचार नहीं करेगा :-

(1) जो प्रतिभृतियों की ऐसी संविदा से उत्पन्न होंगे जिनमें व्यौहारों की अनुमति नहीं दी गई है या जो उपविधियों, नियमों और विनियमों के अध्यधीन किए गए नहीं होंगे अथवा जिसमें या तो दावेदार ने, स्वयं भुगतान नहीं किया हो या किसी प्रतिभृति में सौदेबाजी पर मार्जिन के अपवंचन में व्यतिक्रमी के साथ सांठ-गांठ की हो ।

- (2) जो ऐसी संविदा उद्भूत करते हैं जिनके संबंध में खातों की तुलना उपविधियों, नियमों और विनियमों में यथाविनिर्दिष्ट रीति से नहीं की गई है या जब इन नियमों, उपविधियों और विनियमों में यथा उपविधित ऐसे व्यौहारों की बाबत संविदा नोट प्रस्तुत किया हो और कोई तुलना नहीं की गई हो ।
- (3) जो उस दिन जब ऐसे दावे शोध्य हो वास्तविक रूप में पूर्ण रूप से धनराशि के संदाय के बदले में दावों के निपटान के लिए किसी अन्य व्यवस्था से उत्पन्न होंगे ।
- (4) जो प्रतिभूति सहित या प्रतिभूति रहित ऋण की बाबत है।
- (5) जो जैसा सुसंगत प्राधिकारी द्वारा विनिर्दिष्ट किया जाए, व्यतिक्रमी की घोषणा की तारीख से ऐसे समय के भीतर सुसंगत प्राधिकारी के पास फाइल नहीं किए गए हों।

21. व्यतिक्रमी की संपदा पर दावे का समनुदेशन

कोई समाशोधन सदस्य व्यतिक्रमी का लेनदार होने के नाते सुसंगत प्राधिकारी की सहमित के बिना, ऐसे व्यतिक्रमी की संपदा पर अपने दावे की बिक्री, समनुदेशन नहीं करेगा या गिरवी नहीं रखेगा ।

22. व्यतिक्रमी केनाम में कार्यवाही

सुसंगत प्राधिकारी न्यायालय में या तो अपने नाम से या व्यतिक्रमी के नाम से, जैसा कि व्यतिक्रमी की किसी आस्ति की वसूली के लिए उसे सलाह दी जाए, कोई भी कार्यवाही करने का हकदार होगा।

23. सुसंगत प्राधिकारी का संदाय

यदि कोई समाशोधन सदस्य, व्यतिक्रमी के विरुद्ध न्यायालय में उपविधियों, नियमों और विनियमों के अधीन बाजार में किए गए किसी व्यौहार या व्यतिक्रमी की अविध के दौरान या व्यतिक्रमी की संपदा के विरुद्ध किसी दावे को प्रवर्तन कराने के लिए उसके पुनः प्रवेश के दौरान किंतु उसके व्यतिक्रमी घोषित किए जाने पर कोई कार्यवाही ग्रहण करता है और डिक्री प्राप्त करता है और उस पर कोई धनराशि वसूल करता है तो ऐसी रकम या उसके किसी भाग को, जैसािक सुसंगत प्राधिकारी द्वारा नियत किया जाए, ऐसे व्यतिक्रमी के विरुद्ध दावा करने वाले लेनदार सदस्यों के फायदे और उसके कारण सुसंगत प्राधिकारी को संदाय करेगा।

अध्याय 12 - परिनिर्धारण (सेटिलमेंट) निधि

1. परिनिर्धारण निधि को बनाए रखने के लिए समाशोधन निगम

- (1) समाशोधन निगम ऐसे प्रयोजनों के लिए, जैसाकि सुसंगत प्राधिकारी द्वारा, समय-समय पर विनिर्दिष्ट किया जाए, उपखंड (सब-खंड) के विभिन्न समाशोधन की बाबत परिनिर्धारण निधियों को बनाए रखेगा।
- (2) सुसंगत प्राधिकारी प्रत्येक परिनिर्धारण निधि को शासित करने वाले ऐसे सन्नियमों, प्रक्रियाओं, निबंधनों और शर्तों को समय-समय पर विहित कर सकेगा जिसमें अन्य बातों के साथ-साथ, जमा रकम या सुसंगत निधि के लिए प्रत्येक समाशोधन सदस्य द्वारा किया जाने वाला अंशदान, जमा के निबंधन, रीति और पद्वित या जमा के अंशदान और पुनर्सदाय की शर्ते या निधि से अंशदान का निकाला जाना, उपयोग के लिए प्रमार, उसके अननुपालन के लिए शास्तियां और अनुशासनिक कार्रवाइयां विनिर्दिष्ट की जा सकेंगी।

2. परिनिर्धारण निधि के लिए अंशदान

- (1) प्रत्येक समाशोधन सदस्य को सुसंगत परिनिर्धारण निधि के लिए, जैसा सुसंगत प्राधिकारी द्वारा समय-समय पर अवधारित किया जाए, अंशवन और जमा का उपबंध करना आवश्यक होगा जो कि इन उपविधियों और विनियमों में यथाउपबंधित लामू किए जाने वाले एफ, एंड. ओ. खंड द्वारा अभिनिर्धारित किया जाएगा।
- (2) सुसंगत प्राधिकारी प्रत्येक समाशोधन सदस्य और/या सदस्यों के प्रवर्ग द्वारा किए जाने वाले अंशदान या जमा की रकम विनिर्दिष्ट करेगा जिसमें अन्य बातों के साथ-साथ, प्रत्येक समाशोधन सदस्य द्वारा उपंबंधित की जाने वाली न्यूनतम रकम सम्मिलित होगी।
- (3) सुसंगत प्राधिकारी ऐसे अतिरिक्त अंशदान या जमा को भी विनिर्दिष्ट करेगा जिसमें परिनिर्धारण निधि के भाग प्ररूप के लिए समय-समय पर परिनिर्धारण निधि हेतु उपबंध किए जाने होंगे।

अंशदान/जमा का प्ररूप

सुसंगत प्राधिकारी परिनिर्धारण निधि के लिए अंशदान या जमा के प्ररूप को समय-समय पर विहित करेगा। सुसंगत प्राधिकारी अपने विवेकानुसार, अंश करने के लिए समाशोधन सदस्य को अनुज्ञात करेगा या जमा को या तो नगद, प्रतिभृतियों, बैंक गारंटी के रूप में उपबंधित करेगा या ऐसी अन्य पद्धित के द्वारा और ऐसे शर्तों और निबंधनों के रूप में उपबंधित करेगा जैसा समय-समय पर, विनिर्दिष्ट किया जाए।

4. जमा का प्रतिस्थापन

भावी और विकल्प खंड को उचित सूचना देकर और ऐसी शर्तों के अध्यद्यीन, जैसा सुसंगत प्राधिकारी द्वारा समय-समय पर विनिर्दिष्ट किया जाए, समाशोधन सदस्य गिरवी रखने वाले से विशेषित प्रतिभृतियां वापस ले सकेगा, या के प्रतिग्राह्य प्रत्यय पत्र या बैंक गारंटी को प्रतिसंहत करने के लिए भावी और विकल्प खंड को कारित करेगा, जो परिनिर्धारण निधि हेतु समाशोधन सदस्यों के अंशदान या जमा को प्रतिभृत करेगा, परंतु

यह तब जब कि समाशोधन सदस्य ऐसे प्रत्याहरण या प्रतिसंहरण के साथ सम-सामयिक रूप से प्रभावी होने पर भावी और विकल्प खंड के पास नकद या गिरवी रखी गई विशेषित प्रतिमृतियां जमा करेगा या ऐसी अन्य पद्धति से जमा करेगा जैसाकि अपेक्षित अंशदान या जमा पूरा करने के लिए भावी और विकल्प खंड, समय-समय पर अनुमोदित करे।

5. परिनिर्धारण निधि का प्रशासन और उपवोग

- (1) परिनिर्धारण निधि ऐसे प्रयोजनों के लिए उपयोग की जाएगी जैसा उपविधियों और विनियमों में और ऐसी शर्तों के अध्यधीन उपबंधित किया जाए जो सुसंगत प्राधिकारी समय-समय पर विहित करे, जिसमें निम्नलिखित सम्मिलित होगा :-
- (क) सृजित खर्चों की अदायगी, परिनिर्धारण निधि का अनुरक्षण और पुनर्सदाय ,
- (ख) ऐसे निबंधनों और शर्तों के अध्यधीन, जैसाकि सुसंगत प्राधिकारी द्वारा समय-समय पर, विनिश्चित किया जाए, ऐसे अनुमोदित प्रतिभृतियों और अन्य एवेन्यू में विनिधान ;
- (ग) बीमा के प्रीमियम को पूरा करने के लिए परिनिर्धारण निधि का उपयोजन जिसे सुसंगत प्राधिकारी समय-समय पर लेगा ;
- (घ) उपविभियों और विनियमों में यथाउपबंधित ऐसे व्यौहारों के समाशोधन और परिनिर्धारण से उत्पन्न गिरावट या कमी को पूरा करने के लिए परिनिर्धारण निधि का उपयोजन ;
- (ड) इन उपविधियों और विनियमों में यथाउपबंधित ऐसे व्यौहारों के समाशोधन और परिनिर्धारण प्रचालनों से उत्पन्न भावी और विकल्प खंड की किसी हानि या दायित्व को पूरा करने के लिए परिनिर्धारण निधि का उपयोजन
- (च) इन नियमों, उपविधियों और विनियमों के अधीन, समाशोधन सदस्य को सभी बाध्यताओं को पूरा करने के पश्चात, अधिशेष का पुनर्संदाय, जब वह जमा के पुनर्संदाय से संबंधित उपबंधों के अनुसरण में, सदस्य नहीं रह गया है ,
- (छ) कोई अन्य प्रयोजन, जैसा बोर्ड द्वारा समय-समय पर, विनिर्दिष्ट किया जाए ।
- (2) इन उपविधियों और विनियमों में अभिव्यक्त रूप से जैसा अन्यथा उपबंधित है उसके सिवाय, परिनिर्धारण निधि किसी अन्य प्रयोजन के लिए उपयोग नहीं की जाएगी।
- (3) भावी और विकल्प खंड को गिरवी रखने, पुनः गिरवी रखने, आडमान करने, अंतरण करने, उनमें प्रतिभृति हित सृजित करने या बोर्ड अथवा निम्नलिखित को समनुदेशित करने की पूर्ण शक्ति और प्राधिकार होगा— (i) परिनिर्धारण निधि नकद (ii) प्रतिभृतियां और अन्य लिखतें, जिनमें परिनिर्धारण निधि नकद का विनिधान किया जाता है और (iii) समाशोधन सदस्य द्वारा गिरवी रखी गई विशेषित प्रतिभृतियां, या समाशोधन निगम के भावी और विकल्प खंड के पक्ष में परिनिर्धारण निधि को जमा करने हेतु समाशोधन संदस्य की ओर से जारी प्रत्यय पत्र या अन्य कोई लिखतें।

6. बाध्यताओं को पूरा करने में असफल रहने पर उपयोग

यदि समाशोधन सदस्य, इन उपविधियों और विनियमों में यथा उपबंधित ऐसे व्यौहारों के समाशोधन और पिरिनर्धारण प्रचालन से उद्भृत भावी और विकत्प खंड की बाध्यताओं को पूरा करने में असफल रहता है तो सुसंगत प्राधिकारी, ऐसी शर्तों और निबंधनों के अधीन, जैसा सुसंगत प्राधिकारी समय-समय पर, विनिर्दिष्ट करे, बाध्यताओं को पूरा करने के लिए आवश्यक सीमा तक परिनिर्धारण निधि या अन्य धनराशियों का उपयोग कर सकेगा।

7. व्यतिक्रमी की दशा का उपयोग

यदि समाशोधन सदस्य व्यतिक्रमी घोषित किया जाता है और समाशोधन सदस्य इन उपविधियों और विनियमों में यथा उपबंधित ऐसे व्यौहारों के समाशोधन और पिरिनिर्धारण प्रचालनों से उत्पन्न मावी और विक्रत्य खंड संबंधी समाशोधन और पिरिनिर्धारण बाध्यताओं को पूरा करने में असफल रहता है तो सुसंगत प्राधिकारी निम्नितिखत दशा में बाध्यता को दूर करने के लिए आवश्यक सीमा तक पिरिनिर्धारण निधि और अन्य धनराशियों का उपयोग कर सकेगा:-

- (1) कोई रकम जो मार्जिन के रूप में संदत्त की जाएगी या समाशोधन और परिनिर्धारण के प्रयोजन के लिए समाशोधन निगम के मावी और विकल्प खंड द्वारा प्रतिधारित व्यतिक्रमी सदस्य को अन्य कोई संदाय, यदि वह रकम बाध्यता को तय करने के लिए पर्याप्त नहींहै।
- (2) परिनिर्धारण निधि के लिए व्यतिक्रमी सदस्य द्वारा व्यवस्थित किया गया कोई अंशदान या बैंक गारटी द्वारा किया गया कोई निक्षेप चाहे वह नकद हो या प्रतिभृतियों के रूप में हो या बैंक गारटी के रूप में हो, यदि यह रकम बाध्यता को तय करने के लिए पर्याप्त नहीं है।
- (3) प्रतिभृति निक्षेप की रकम, यदि कोई हो, व्यतिक्रमी सदस्य द्वारा विनिर्दिष्ट एक्सचेंज को व्यतिक्रमी सदस्य की बाध्यताओं हेतु विनिर्दिष्ट एक्सचेंज द्वारा उस सीमा तक विनियोजित नहीं की जाती है यदि वह रकम बाध्यता को तय करने के लिए पर्याप्त नहीं है।
- (4) नीलामी से संबंधित या उससे आनुषंगिक खर्चों की कटौती के अध्यधीन विनिर्दिष्ट एक्सचेंज में व्यतिक्रमी सदस्य की सदस्यता की नीलामी या अंतरण से वसूले गए आगम, यदि कोई हों,यदि यह रकम बाध्यता को तय करने के लिए पर्याप्त नहीं है।
- (5) परिनिर्धारण निधि के विनिधान या अविनिधान द्वारा अर्जित जुर्माने, शास्तियां, शास्तिक प्रभार नीलामी मतभेद, विलंबित संदाय पर ब्याज, ब्याज या अन्य आय, यदि कोई हो, मार्जिन धन से अर्जित ब्याज जो कि उस सीमा तक जैसा भावी और विकल्प खंड द्वारा विनिश्चित किया जाए, परिनिर्धारण निधि का भागरूप होगा, यदि यह रकम बाध्यता को तय करने के लिए पर्याप्त नहीं है।
- (6) ऐसा क्रमिक वर्ष, जिसमें व्यतिक्रम किया जाता है, में विनियोजन के लिए उपलब्ध लाभ, यदि यह रकम बाध्यता को तय करने के लिए पर्याप्त नहीं है ।
- (7) समाशोधन निगम के प्रतिधारित उपार्जन, जिसमें इस प्रयोजन के लिए उपलब्ध सीमा तक सुजित कोई आरिक्षितियां भी हैं, यदि यह रकम बाध्यता को तय करने के लिए पर्याप्त नहीं है।

- (8) प्रत्येक समाशोधन सदस्य द्वारा किए गए कुल अशदान और निक्षेप के अनुपात में परिनिर्धारण निधि के समाशोधन सदस्यों के सभी प्रवर्गों द्वारा किए गए अशदान आदि जमा की रकम ।
- (9) यदि उपरोक्त रकम पर्याप्त नहीं है तो उपरोक्त निधि के उपयोजन के पश्चात् शेष ताध्यता नगाशोधन सदस्यों के विरुद्ध उनके कुल अंशदान और जमा के रूप्र में उसी अनुपात में निर्धारित की जाकी और समाशोधन सदस्य से परिनिर्धारण निधि में ऐसे समय के भीतर, जैसा सुसमत प्राधिकारी अपक्षा करे, उस कम रकम में अभिदाय करने या उसे जमा करने की अपक्षा की जाएगी।

अतिरिक्त अंशदान या जमा में लाने की वाध्यता

- (1) यदि आनुपातिक प्रभार समाशोधन सदस्य के वास्तविक अशदान या जमा के विरुद्ध उपरांक्त उपबंध में उल्लिखित अनुसार किया गया है और इसके परिणामस्वरूप, समाशोधन सदस्यों की परिनिर्धारण निधि हेतु शेष अंशदान और जमा उसके अपेक्षित अशदान और जमा से कम है तो समाशोधन सदस्य परिनिर्धारण निधि में, ऐसे समय के भीतर, जैसी सुसंगत प्राधिकारी अपेक्षा करेगा, उन्हें कम रकम का अभिदाय और उसे जमा करेगा।
- (2) यदि समाशोधन सदस्य ऐसा करने में असफल हो जाता है तो सुसंगत प्राधिकारी ऐसा ब्याज, अधिरोपित शास्तियां और जुर्माने प्रभारित करेगा तथा समाशोधन सदस्य के विरुद्ध ऐसी अनुशासनिक कार्रवाई करेगा जैसा वह समय-समय पर अवधारित करे । ऐसी कोई अनुशासनिक कार्रवाई, जो सुसंगत प्राधिकारी उपरोक्त उपबंधों या समाशोधन सदस्य द्वारा सदस्यता की अस्वैच्छिक समाप्ति के अनुसरण में करे, से भावी और विकल्प खंड के समाशोधन सदस्य की बाध्यताओं या ऐसे किसी उपचार, जिनके लिए भावी और विकल्प खंड लागू विधि के अधीन हकदार होगा, पर कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा ।

9. अंशदान या जमा (निक्षेप) का आबंटन

परिनिर्धारण निधि हेतु प्रत्येक समाशोधन सदस्यों के अंशदान और निक्षेप को समाशोधन निगम के भावी और विकल्प खंड द्वारा ऐसे विमिन्न समाशोधन उपखंडों में से आबंटित किया जाएगा जो मावी और विकल्प खंड द्वारा अभिहित किया जाता है और जिसमें समाशोधन सदस्य, ऐसे अनुपात में, जैसा वह समय-समय पर विनिश्चय करे, माग लेता है। समाशोधन निगम का भावी और विकल्प खंड जैसाकि समाशोधन निगम द्वारा उसके विवेकानुसार विनिश्चित किया जाए, उस समाशोधन उपखंड (सब-सिगमेंट) के आनुषंगिक भावी और विकल्प खंड (खंड) की हानियों या दायित्वों की पृष्टि के लिए किसी विशिष्ट समाशोधन उपखंड को आबंटित की गई निधि का उपयोग करने का अधिकार प्रतिधारित करेगा।

10. समाशोधन सदस्य की परिविश्ति

- (1) कोई समाशोधन सदस्य निम्निलिखत के पश्चात् परिनिर्धारण निधि को उसके द्वारा किए गए जमा के पुनर्सदाय का हकदार होरा :-
- (क) समाशोधन स<mark>दस्य, सदस्य न रह जाता है, औ</mark>र
- (ख) समाशोधन सदस्य के लंबित सभी ब्यौहार एक ही समय पर समाशोधन सदस्य नहीं का किए का परिणाम यह होगा कि वे परिनिर्धारण निधि के प्रभार में बंद और निपटाए गए हैं

- (ग) भावी और विकल्प खंड की सभी बाध्यताएं, जिसके लिए समाशोधन सदस्य तब जिम्मेदार था जब वह सदस्य था, चुका दी गई हैं या, जिनकी सुसंगत प्राधिकारी के विवेक पर समाशोधन सदस्य के वास्तविक जमा से समाशोधन निगम के भावी ओर विकल्प खंड द्वारा कटौती की गई है, तथापि, परंतु यह तब जब कि समाशोधन सदस्य ने, ऐसी क्षतिपूर्तियों या गारंटियों को, जैसाकि सुसंगत प्राधिकारी समाधानप्रद समझे, भावी और विकल्प खंड को प्रस्तृत किया है या अन्य समाशोधन सदस्य ने, समाशोधन सदस्य के सभी व्यौहारों और बाध्यताओं को प्रतिस्थापित किया है, और
- (घ) उपयुक्त रकम, जैसा सुसंगत प्राधिकारी द्वारा उराके अपने विवेक पर अवधारित किया जाए, किसी दस्तावेज की त्रुटि से, जो भविष्य में रिपोर्ट की जा सकेगी, उद्भृत किसी हानि के लिए अलग रख दी गई है, और
- (ड) ऐसी अन्य बाध्यताओं, जैसा भावी और विकल्प खंड द्वारा बोधगम्य हो, के लिए उपयुक्त रकम, जैसा सुसंगत प्राधिकारी द्वारा उसके अपने विवेक पर अवधारित किया जाए, को विद्यमान रखा जाए या भविष्य में उद्दभूत होने के लिए बोधगम्य किया जा सके।
- (2) सुसंगत प्राधिकारी जमा के पुनर्संदाय, जिसमें वह रीति, रकम और वह अवधि सम्मिलित है जिसके भीतर उसे संदत्त किया जाएगा, के लिए नियम विनिर्दिष्ट करेगा किंतु समाज्ञोधन सदस्य का ऋण उससे आवश्यक प्रमार की कटौती करने के पश्चात् उपलब्ध वास्तविक जमा के पुनर्संदाय से अधिक नहीं होगा।
- (3) असंतुष्ट भावी और विकत्प खंड के समाशोधन सदस्य की कोई बाँध्यता, जब वह समाशोधन सदस्य न रह जाता है, उसकी सदस्यता की ऐसी परिविरति को प्रभावित नहीं करेगी ।

11. हानि की वसूली और पुनः वितरण

यदि अनुपातिक प्रभारित हानि, तत्पश्चात्, बीमा या अन्यथा के माध्यम से पूर्णतः या भागतः समाशोधन निगम के माबी और विकल्प खंड द्वारा वसूली जाती है, वसूली की कुल स्कम ऐसे व्यक्ति द्वारा जमा की जाएगी जिसके विरुद्ध वास्तविक रूप से प्रभारित रकमों के अनुपात में हानि प्रभारित की गई थी।

12. दावित्व की परिसीमा

भावी और विकल्प खंड के साथ समाशोधन सदस्यों की समझी गई संविदाओं के परिणामस्वरूप, समाशोधन निगम के दायित्व और संबंधित हानियां परिनिर्धारण निधि को उपलब्ध अमिदायों की सीमा तक परिसीमित होंगी। भावी और विकल्प खंड गैर-समाशोधन सदस्य की बाध्यताओं, समाशोधन सदस्य से गैर सदस्य की बाध्यताओं समाशोधन सदस्य से दूसरे सदस्य की बाध्यताओं के लिए जिन व्यौहारों हेतु प्रतिलेख नहीं है, भावी और विकल्प खंड के या समाशोधन सदस्य के संघटक की ओर बाध्यताओं और इससे संबंधित हानियों के लिए उपलब्ध नहीं होगा।

अध्याय 13 - प्रकीर्ण

- 1. भावी और विकल्प खंड के समाशोधन और निपटान, संवर्धन, सुगमता, सहयोग, विनियमन, प्रबंधन और प्रचालन के बारे में, जैसािक सुगंगत प्राधिकारी द्वारा विनिर्दिष्ट उपविधियों और विनियमों में विनिर्दिष्ट हैं उसके सिवाय यह नहीं समझा जाएगा कि समाशाधन निगम के भावी और विकल्प खंड ने, कोई दायित्व वहन किया है आर तदनुसार, प्रतिभृतिया में किसी व्यौहार की बाबत या उसके संबंध में वा उससे संबंधित अन्य किसी मामले में भावी और विकल्प खंड के विरुद्ध या समाशोधन निगम के लिए कार्य कर रहे किसी प्राधिकृत व्यक्तित (यो) के विरुद्ध कोई दावा या एएस्वरा स्केकार नहीं करेगा।
- 2. तत्समय प्रवृत्त किसी विधि या प्रत्यायोजित विधान के अधीन भावी और विकल्प खंड का जारे । कर गए किसी आदेश या अन्य आबद्ध निर्देश के अनुसरण में, जब्भाव से किए गए या किए जाने के लिए आशियत किसी कार्य के संबंध में भावी और विकल्प खंड या भावी और विकल्प खंड के लिए कार्य कर रहें किसी प्राधिकृत व्यक्ति(याँ) के विरुद्ध कोई दावा, वाद, अभियोजन या अन्य कोई विधिक कार्यवाही नहीं होगी।

अपउत्कथित

नेशनल सिक्यूरिटीज क्लीयरिंग कारपोरेशन लिमिटेड् की और श्रे

आर जनकमएः

आर. जयकुमार सहायक कंपनी सचिन

National Stock Exchange of India Limited

The amendments to the Rules of National Stock Exchange of India Limited are given hereunder:

1. The existing rule 4 (g) of Chapter I of the Rules of the Exchange is proposed to be amended by the following rule:

QUOTE

"(g) Charges payable by trading members for transactions in such securities as may be laid down from time to time;"

UNQUOTE

2. The following is proposed to be inserted as rule (6A) after the existing rule (6) of Chapter III of the Rules of the Exchange:

QUOTE

"Certification

(6A) No person shall be eligible to be admitted to the trading membership of the Exchange unless he has passed the Certification Programme conducted by the Exchange for such Trading segment of the Exchange as it may determine from time to time."

UNQUOTE

3. The existing rule 32 of Chapter III of the Rules of the Exchange is proposed to be amended as under:

QUOTE

"Continued Admittance

(32) The relevant authority shall from time to time prescribe conditions and requirements for continued admittance to trading membership which may, inter alia, include maintenance of minimum networth and capital adequacy, renewal of certification, if any, etc. The trading membership of any person who fails to meet these requirements shall be liable to be terminated."

UNQUOTE

For National Stock Exchange of India Limited

J. Ravichandran Company Secretary & Vice President

National Stock Exchange of India Limited

The Regulations of Futures & Options Segment of National Stock Exchange of India Limited are given hereunder:-

QUOTE

National Stock Exchange (Futures & Options Segment) Trading Regulations, 2000

INTRODUCTION

The Regulations framed hereunder shall be known as National Stock Exchange (Futures & Options) Trading Regulations, 2000.

These Regulations shall be in addition to the provisions of the Securities Contract. (Regulations) Act, 1956, the Securities Contracts (Regulations) Rules, 1957, Securities and Exchange Board of India Act, 1992 and Rules and Byelaws of National Stock Exchange of India Limited (NSEIL), as may be applicable to Trading Members and Participants.

APPLICABILITY

These Regulations (read in conjunction with User Manual) shall be applicable to all Trading Members and Participants to the extent specified therein, in the Futures & Options Segment of National Stock Exchange. They shall be subject to jurisdiction of the Courts of Mumbai irrespective of the place of business of Trading Members in India.

1. **DEFINITIONS**

- 1.1 Unless in the context it is explicitly stated otherwise, all words and expressions used herein but not defined, and defined in the following, shall have the meanings respectively assigned to them therein:
 - 1) Securities Contract (Regulations) Act, 1956 and/or Rules thereunder
 - 2) Securities and Exchange Board of India Act, 1992 and/or Rules there under
 - 3) The Companies Act, 1956
 - 4) The Depositories Act, 1996
 - 5) Rules, Byelaws and/or Regulations of F&O Segment of National Stock Exchange of India Limited
 - 6) Rules, Byelaws and/or Regulations of National Securities Clearing Corporation Limited
- 1.2 In case a term is defined in more than one acts then its meaning as defined in that act or statute which precedes in the above order shall prevail, unless in the context it is explicitly stated otherwise.

1.3 DEFINITIONS

1.3.1 Approved Office

Approved office means the registered office of a Trading Member including such premises or offices from which the member is allowed by the F&O Segment of the Exchange to trade on the Trading system and carry out back office work and other related works.

1.3.2 Approved Workstation

Approved workstation refers to such trading workstation of a Trading Member or a Participant comprising of computer terminal(s) and all associated equipment installed and connected to the Trading System and used by the trading member or the Participant for the purpose of market inquiry, execution of orders/trades and settlement of its trades in the Futures & Options Segment on the Trading System, and all other actions associated with the trading and settlement on the Trading System.

1.3.3 Authorised Person

Authorised Person means a person who is employed whether through a contract of employment or otherwise by a Trading Member/Participant for remuneration (whether by way of salary, commission, allowance or otherwise) expressed in terms of money or capable of being so expressed for any kind of work or activity, manual or otherwise, and who gets his remuneration directly or indirectly from the trading member or a Participant and includes an approved user, any person employed by or through a contractor and includes any person who is acting in any capacity on behalf of the Trading Member or a Participant for any activity relating to the trades done and executed on the F&O Segment of the Exchange even if such person is not receiving any consideration or remuneration from the Trading Member or a Participant for the services rendered by him.

Explanation:

- (1) For the purpose of these regulations, the term shall also include any person who is undergoing any kind of training or assigned any project work in pursuance of the requirements of any university or other academic body.
- (2) A person who is an authorised person of a Trading Member shall not qualify to become an authorised person of any other Trading Member.

1.3.4 Books of Accounts, Records and Documents

Books of accounts, records and documents include books of accounts, records and documents which are required to be maintained under Chapter 6 of the Rules and Regulations of the F&O Segment of the Exchange and records maintained in a computer or in any magnetic form.

1.3.5 Branch Office

Branch office in relation to a Trading Member means:-

- a) any establishment described as a branch
- b) any establishment carrying on either the same or substantially the same activity as that carried on by the head office
- c) any other place which the F&O Segment of the Exchange may notify

1.3.6 Clearing Corporation

Clearing Corporation for the purpose of these regulations means the Futures & Options Segment of the National Securities Clearing Corporation Limited or any other body which

may be identified by the F&O Segment of the Exchange for the purpose of performing the clearing and settlement of Derivatives contracts.

1.3.7 Clearing Member

Clearing Member means a Member of the Clearing Corporation and includes all categories of Clearing Members as may be admitted as such to the Futures & Options Segment of the Clearing Corporation. In case of a Clearing Member who is also a Trading Member of the Futures & Options Segment of the Exchange the terms trading Member could be read as Clearing Member.

1.3.8 Closing buy transaction

Means a buy transaction which will have the effect of partly or fully offsetting a short position.

1.3.9 Closing sell transaction

Means a sell transaction which will have the effect of partly or fully offsetting a long position.

1.3.10 Constituent

A constituent means a person, on whose instructions and, on whose account, the Trading Member enters into any contract for the purchase or sale of any security or does any act in relation thereto.

Explanation: For the purpose of these regulations, the term Constituent includes a Participant as defined under the Byelaws of the Exchange unless expressly stated, otherwise.

1.3.11 Common Pool facility

Common pool facility means the trading facilities created by the F&O Segment of the Exchange at various places which could be made available for use by the Trading Member in the event of failure of trading facilities in his office or otherwise.

1.3.12 Contract Month

Contract month means the month in which the F&O Segment of the Exchange Regulations require a contract to be finally settled.

1.3.13 Deal, Transaction, Dealing And Contract

For the purpose of these Regulations the terms "deals", "transaction", "dealing", "and "contract" shall have one and the same meaning unless the context indicates otherwise.

13.14 Derivatives Contract

A contract which derives its value from the prices, of index of prices, of underlying securities, the trading of which shall be carried out in such manner as provided under these Regulations.

Explanation: For the purpose of this definition, derivative includes a security derived from a debt instrument, share, loan whether secured or unsecured, risk instrument or contract for differences or any other form of security.

1.3.15 Expiration Day

The day on which the final settlement obligation are determined in a Derivatives Contract.

1.3.16. Futures Contract

Means a legally binding agreement to buy or sell the underlying security in the future.

1.3.17 Last Trading Day

Means the day upto and on which a Derivatives Contract is available for trading.

1.3.18 Long Position

Long Position in a Derivatives contract means outstanding purchase obligations in respect of a permitted derivatives contract at any point of time.

1.3.19 Market Type

Market type refers to the different markets in which trading is permitted on the Trading system.

1.3.20 Member-Constituent Agreement

Member-Constituent agreement is an agreement which is executed between a Trading Member and its constituent as per the F&O Segment of the Exchange requirements.

1.3.21 Members Open Position

Members open position means the sum of long and short positions of the Member and his constituent in any or all of the Derivatives Contracts outstanding with the Clearing Corporation.

1.3.22 - Notification, Notice Or Communication

It refers to any such intimation that can be served by the F&O Segment of the Exchange to the Trading Member at ordinary business address and/or ordinary place of residence and/or last known address of the party in any one or more or all of the following ways:-

- a) delivering it by post
- b) sending it by registered post
- c) sending it under certificate of posting
- d) sending it by express delivery post / courier services.
- e) sending it by telegram
- f) affixing it on the door at the last known business or residential address
- g) advertising it at least once in any prominent daily newspaper
- h) sending a message through the Trading System of NSE
- i) an electronic final or fax

NSE means the National Stock Exchange of India Limited. That terms NSE and Exchange are used interchangeably.

1.3.24 Opening buy transaction

Means a buy transaction which will have the effect of creating or increasing a long position.

1.3.25 Opening sell transaction

Means a sell transaction which will have the effect of creating or increasing a short position.

1.3.26 Open Interest

Open Interest means the total number of Derivatives Contracts of an underlying security that have not yet been offset and closed by an opposite Derivatives transaction nor fulfilled by delivery of the cash or underlying security or option exercise. For calculation of Open Interest only one side of the Derivatives Contract is counted.

1.3.27 Options Contract

Options Contract is a type of Derivatives Contract which gives the buyer/holder of the contract the right (but not the obligation) to buy/sell the underlying security at a predetermined price within or at end of a specified period. The option contract, which gives a right to buy is called a Call Option and the option contract that gives a right to sell is called a Put Option.

1.3.28 Option Writer

Option Writer means a Trading Member who is permitted by the F&O Segment of the Exchange to write Options Contracts.

1.3.29 Outstanding Obligation

Means the obligation which has neither been closed out nor been settled.

1.3.30 Participant

Refers to an entity as defined under Chapter VI of the Byelaws of the Exchange.

1.3.31 Permitted Derivatives Contract

Permitted Derivatives Contract is a derivative contract which is permitted to be traded on the Futures & Options segment of the Exchange.

1.3.32 Regular lot/Market Lot

Means the number of units that can be bought or sold in a specified denvatives contract as specified by the F&O Segment of the Exchange from time to time.

1.3.33 Risk Disclosure Document

Refers to the document to be issued to all potential investors at the time of registration for disclosure of the fisks inherent to derivatives.

13.34 Seriament Date

Means the date on which the settlement of outstanding obligations in a permitted Derivatives contract are required to be settled as provided in these Regulations:

1.3.35 Short Position

Short position in a derivatives contract inleans outstanding sell-obligations in torque of a permitted derivatives contract at any point of time.

1.3.36 Trading cycle

Trading cycle means the period, as notified by the F&O Segment of the Exchange from time to time, during which the derivatives contract will be available for trading.

1.3.37 Trading Member

Trading Member refere to an entity as defined under Chapter V of the Byelaws of National Stock Exchange of India Limited.

1.3.38 Trade Type

Trade type is the type of trade as may be permitted by the F&O Segment of the Exchange from time to time for each Market Type.

1.3.39 Trading System

Trading System refers to NEAT Trading System of the F&O Segment of the Exchange. NEAT stands for National Exchange for Automated Trading.

1.3.40 Approved User

A Approved user is an individual person as approved by the F&O segment of the Exchange under Regulation 2.2.8 of the National Stock Exchange Trading Regulations, 1998.

1.3.41 Underlying Securities

Means a security with reference to which a derivatives contract is permitted to be traded on the Futures & Options segment of the Exchange from time to time.

2. DEALINGS ON THE F&O SEGMENT OF THE EXCHANGE

2.1 TRADING SYSTEM

- 2.1.1 The F&O Segment of the Exchange shall provide an Automated Trading facility in all the derivatives contracts admitted for dealings on the Futures & Options segment. Such a system shall herein after be referred to as NEAT system.
- Trading on the F&O Segment of the Exchange shall be allowed only through approved Workstation of a Trading Member is contracted by LAN or any other way to other workstations at any place it shall require an approved of the P&O Segment of the Exchange.
- 2:1.3 Each Trading Member/Participant shall have a unique identification number which shall be provided by the F&O Segment of the Exchange and which shall be used to log on (sign on) to the NEAT system.
 - 2.1.4 A Trading Member/Participant shall have a non-exclusive permission to use the Trading system as provided by the F&O Segment of the Exchange in the ordinary course of business as Trading Members/Participant.

- 2.1.5 A Trading Member/Participant shall not have any title, rights or interest with respect to Trading System, its facilities, software and the information provided by the NEAT system.
- 2.1.6 The Trading System
 - (a) shall be made available to the Trading Member for trading subject to such terms and conditions as the Relevant authority may determine from time to time, interalia, payment of such charges as may be specified from time to time and taking up the clearing membership or having arrangements with Professional Clearing Members of the Clearing Corporation.
 - (b) access, shall be withdrawn or restricted by the relevant authority for non-compliance with any of these regulations.
- 2.1.7 The Trading Member shall use such equipment and software as specified by the F&O Segment of the Exchange from time to time for the purpose of accessing NEAT Trading System.
- 2.1.8 The F&O Segment of the Exchange shall have the right to inspect equipment and software used for the purpose of accessing NEAT system.
- 2.1.9 The cost of equipment and software supplied by the F&O Segment of the Exchange, installation and maintenance of the equipment shall be borne by the Trading Member.
- 2.1.10 A Trading Member/Participant shall not, permit itself or any other person(s) to:
 - (a) use the software provided by the F&O Segment of the Exchange for any purpose other than the purpose as approved and specified by the F&O Segment of the Exchange.
 - (b) use the software provided by the F&O Segment of the Exchange on any equipment other than the workstation approved by the F&O Segment of the Exchange
 - (c) copy, alter, modify or make available to any other person the software provided by the F&O Segment of the Exchange
 - (d) use the software in any manner other than the manner as specified by the F&O Segment of the Exchange.
 - (e) attempt directly or indirectly to decompile, dissemble or reverse engineer the same.
- 2.1.11 Trading Member shall adopt such security procedures pertaining to connection to the trading system as may be specified by the F&O Segment of the Exchange from time to time.
- 2.1.12 A Trading Member/Participant shall not, by himself or through any other persons on his behalf, publish, supply, show or make available to any other person other than SEBI and other statutory authorities as may be specified from time to time, or reprocess, retransmit, store or use the facilities of the Trading System or the information provided by the Trading System except with the explicit approval of the F&O Segment of the Exchange and in the ordinary course of business to complete the transactions on the F&O Segment of the Exchange.
- 2.1.13 The F&O Segment of the Exchange shall provide its services on a best effort basis. However the F&O Segment of the Exchange shall not be liable for failure of the NEAT system or for any loss, damage, or other costs arising in any way out of:

- (a) Telecom network or system failures including failure of ancillary or associated systems, or fluctuation of power, or other environmental conditions or destruction of any data;
- (b) Accident, transportation, neglect, misuse, errors, frauds of the Trading Member/Participant or its Authorised Persons or the agents or any third party;
- (c) Any fault in any attachments or associated equipment (either supplied by the F&O Segment of the Exchange or approved by the F&O Segment of the Exchange) which forms or does not form part of the trading workstation installation.
- (d) Act of God, natural calamity, fire, flood, war, act of violence, or any other similar occurrence.
- (e) Any incidental, special or consequential damages.
- 2.1.14 Without prejudice to anything contained in 2.1.13, such failure shall not reduce, alter or affect the liability of the Trading Member/Participant in respect of any trades to which it is a party.
- 2.1.15 The F&O Segment of the Exchange may also permit common pool facility to Trading Members as per the norms as may be specified by it in case of failure of terminal of Trading Member.

2.2 TRADING MEMBERS AND APPROVED USERS

- 2.2.1 Trading Members and Participants shall be entitled to appoint Authorised Persons and Approved users with the approval of the F&O Segment of the Exchange, to operate the Trading Workstation(s) approved by the F&O Segment of the Exchange subject to payment of such approval fee as may be specified by the relevant authority from time to time.
- 2.2.2 Approved Users on the Futures & Options Segment should have passed a certification program which has been approved by SEBI.
- 2.2.3 Each Trading Member/Participant shall be permitted to appoint such number of approved users as may be notified from time to time by the F&O Segment of the Exchange.
- 2.2.4 The appointment of Approved users shall be subject to such terms and conditions as the F&O Segment of the Exchange may from time to time specify.
- 2.2.5 Each approved user shall be given a unique identification number through which he shall have access to the NEAT system.
- 2.2.6 An approved user can access the NEAT system through a password and can change such password from time to time.
- 2.2.7 A Trading Member/Participant or its approved users thereof shall maintain complete secrecy of its password.
- 2.2.8 An approved user shall be required to change his password at the end of the password expiry period. The password expiry period shall be specified by the F&O Segment of the Exchange from time to time.

- a) Only persons who are registered as Trading Members and Participants in accordance with provisions of the Bye-Laws, Rules and Regulations of the F&O Segment of the Exchange or are agents of Trading Members for whom an application has been made to the F&O Segment of the Exchange by the Trading Members in accordance with the format specified in ANNEXURE: 1 from time to time by the F&O Segment of the Exchange may be approved as approved users.
- b) No person shall be admitted as an approved user who is under 21 years of age.
- c) No person shall be admitted as an approved user against whom any disciplinary action has been taken by the Exchange on any other Stock Exchange.
- d) No Trading Member/Participant shall without permission of the F&O Segment of the Exchange take into his employment a former Trading Member or approved user of such Trading Member as an approved user, if such Trading Member or approved user is one against whom any disciplinary action has been taken by the Exchange or any other Stock Exchange.
- e) No person shall be admitted as an approved user unless he has passed NSE's Certification in Financial Markets (SEBI approved) from the relevant authority. The Certification obtained should be valid for the period specified by the F&O Segment of the Exchange from time to time. On the Certification becoming invalid due to any reason, the User Id shall stand terminated. It shall be the responsibility of the approved user to inform the F&O Segment of the Exchange of the expiry of the Certification if any.
- 2.2.9 The F&O Segment of the Exchange shall have a right to reject any application made under 2.2.8 (a) or at any time withdraw any approval previously granted, or suspend an approved user temporarily from access to the NEAT system without giving any reasons. Such suspension may be conditional and may be revoked on the fulfillment of condition specified, if any, to the satisfaction of the F&O Segment of the Exchange.
- 2.2.10 A Trading Member/Participant desiring to change the User Id or cancel the authority given to its approved user to operate the trading system on its behalf shall intimate the F&O Segment of the Exchange in writing, in such form and manner as the F&O Segment of the Exchange may specify, immediately on taking such action and obtain confirmation from the F&O Segment of the Exchange of having received such intimation, and of the disabling of the particular approved user by the F&O Segment of the Exchange. However the Trading Member/Participant shall continue to be liable for all the activities reported on the basis of such or previous User Id undertaken up to a period of 24 hours after his obtaining a confirmation as mentioned above from the F&O Segment of the Exchange. The Trading Member shall cancel all his outstanding orders in respect of such approved user.
- 2.2.11 Whenever an approved user of the Trading Member/Participant ceases to act in such or any capacity with the Trading Member then each such Trading Member shall inform the F&O Segment of the Exchange, within 24 hours, the name and other particulars of such approved user.

- 2.2.12 No application shall be made by any Trading Member/Participant under 2.2.8.(a), if such a person for whom such an application is made, is already an approved user for any other Trading Member/Participant.
- 2.2.13 The F&O Segment of the Exchange shall notify different levels of the approved users for each workstation provided. These levels shall define the access to the NEAT system by the approved users and shall include a provision for inquiry only on the terminal, provision for order entry and trading, or such others as may be specified by the F&O Segment of the Exchange.
- 2.2.14 The F&O Segment of the Exchange may change the status of the approved user of the Trading Member from Trader to Inquiry only where circumstances warrant and intimate to such Trading Member any reasons thereof.
- 2.2.15 Trading Member/Participant shall not access the trading system using a different Trading Member/Participant or User Id other than the one allotted to him.
- 2.2.16 An approved user shall not attempt to aid in or access the trading system using the Trading Member code from a location other than the Trading Member's location, unless he has the express prior approval of the Trading Member for whom he is an approved user.
- 2.2.17A Trading Member/Participant who wants the F&O Segment of the Exchange to reset his password, has to make a request in writing signed by the Trading Member/Participant indicating his Trading Member ID and User Id. A Trading Member/Participant shall not make a request for resetting the password of any other Trading Member/Participant.

2.3 TRADING DAYS

- 2.3.1 The F&O Segment of the Exchange shall operate on all days except Saturdays, Sundays and on such Exchange holidays as the F&O Segment of the Exchange may declare from time to time.
- 2.3.2 The F&O Segment of the Exchange may close the market on days other than or in addition to scheduled holidays or open the market on days originally declared to be holidays under 2.3.1 to be called unscheduled opening or closing of the markets or segments and the decision of the F&O Segment of the Exchange in this matter shall be final and binding.
- 2.3.3 Other than the regular trading hours, members shall be provided a facility to place orders off-line i.e. outside trading hours. They shall be stored by the rypem but shall get traded only once the market opens for trading on the following working day.
- 2.3.4 A trading day shall be typically divided into rive periods, as specified by the F&O Segment of the Exchange. The periods would be as follows:
 - a) Pre open Period: This period shall precede the open period and shall primarily serve as an indicator to market participants about the likely market sentiment for that trading day. In this period the members can enter buy and sell orders

simultaneously, modify or cancel the orders, but no execution of the orders can take place.

- b) Opening Period. In this period the actual matching for derivatives contracts strail commence. All trades pertaining to the pre open period shall be executed at a single trade price which is the price of the last trade during the pre open period.
- c) Open Period: In this period the orders would be matched according to the price/time priority.
- d) Market Close and Surcon: This period shall be the period before batch processing and initiating settlement data generation. No more orders shall be accepted in this period. Inquiries on the activities during the day can be made during the period.
- e) Post Close and Market shutdown: This period shall immediately follow the start of settlement data generation. During this period the closing price of the derivatives contract(s) and underlying security shall be calculated.

2.4 TRADING HOURS

- 2.4.1 The F&O Segment of the Exchange shall announce the regular trading hours for every calendar year in advance.
- 2.4.2 The F&O Segment of the Exchange may extend, advance or reduce trading hours by notifying Trading Members as and when it deems fit, and necessary in this regard.

2.5 TRADING CYCLE

TRADING CYCLE for each derivatives contract will have a standard period during which the derivatives contract will be available for trading which shall be notified by the F&O Segment of the Exchange from time to time.

2.6 CONTRACT EXPIRATION

- 2.6.1 Derivatives contracts will expire on a pre-determined date and time upto which the contract will be available for trading which shall be notified by the F&O Segment of the Exchange in advance.
- 2.6.2 The contract expiration period shall not exceed twelve months or as may be specified by SEBI from tane to time.

2.7 TRADING PARAMETERS

2.7.1 The F&O Segment of the Exchange shall some time to time specify various trading parameters relating to the Trading System.

- 2.7.2 Every trading member will be required to specify the buy or sell orders as either an open order or a close order.
- 2.7.3 The F&O Segment of the Exchange shall from time to time specify different order books that shall be maintained on the Trading System and shall specify such various conditions on the order that shall make it eligible to place it in those books.
- 2.7.4 The F&O Segment of the Exchange shall specify the number of days after which Good Till Canceled orders shall be canceled by the system.
- 2.7.5 The F&O Segment of the Exchange shall specify from time to time the lot size in which orders can be placed for any or all derivatives contracts traded on the F&O Segment of the Exchange.
- 2.7.6 The F&O Segment of the Exchange shall specify from time to time price steps in which orders shall be entered on the trading system of the F&O Segment of the Exchange.
- 2.7.7 The F&O Segment of the Exchange shall lay down position limits in respect of each contract from time to time.
- 2.7.8 The F&O Segment of the Exchange shall specify the price fluctuations for each derivatives contract.

2.8 MARKET TYPES/TRADE TYPES /TRANSACTION TYPES

- 2.8.1 The F&O Segment of the Exchange shall permit and notify different kinds of trades in permitted derivatives contracts.
- 2.8.2 The F&O Segment of the Exchange shall specify from time to time different market types, trade types that shall be permitted to Trading Members or Participants for dealings in derivatives contracts.
- 2.8.3 All trades executed on the F&O Segment of the Exchange shall be cleared and settled by the Trading Members either by themselves as Clearing Members or through Professional Clearing Members in accordance with the byelaws, rules and regulations of the specified Clearing Corporation as may be notified by it from time to time.
- 2.8.4 The F&O Segment of the Exchange shall allow from time to time different transaction types.

2.9 FAILURE OF TRADING MEMBERS' TERMINAL

In the event of failure of Trading Members'/Participants' workstation and / or the loss of access to the trading system, the F&O Segment of the Exchange may at its discretion undertake on behalf of the Trading Member/Participant (although not guarantee) to carry out the necessary functions which the Trading Member/Participant is eligible on a valid

request from such Trading Member/Participant subject to such terms and conditions which the F&O Segment of the Exchange may deem necessary to be imposed. The F&O Segment of the Exchange shall entertain such request only if such request is made in writing in a clear and precise manner by the Trading Member and in a manner as specified by the F&O Segment of the Exchange. The Trading Member/Participant shall be accountable for the functions executed by the F&O Segment of the Exchange on their behalf and shall indemnify the F&O Segment of the Exchange against any losses or costs arising out of the above situation.

3. DEALINGS IN DERIVATIVES CONTRACTS

3.1 DEALINGS IN DERIVATIVES CONTRACTS

- 3.1.1 Dealings shall be permitted on the F&O Segment of the Exchange in derivatives contracts based on securities or a set of securities as provided in these Rules, Regulations and Byelaws of the F&O Segment of the Exchange and for such categories of Trading Members/Participants in such market types, trade types and trading hours as the F&O Segment of the Exchange may specify from time to time.
- 3.1.2 All derivatives contract specifications will be notified by the F&O Segment of the Exchange from time to time.
- 3.1.3 The F&O Segment of the Exchange may at its discretion suspend trading in derivatives contracts, inter alia, on the following grounds:
 - (a) suspension of trading in the underlying securities;
 - (b) for protection of the interests of the investors;
 - (c) for the purpose of maintaining a fair and orderly market.
- 3.1.4 The F&O Segment of the Exchange may also revoke suspension of trading in derivatives contracts at any time. If trading has been suspended or halted in particular or all derivatives contracts, the F&O Segment of the Exchange may determine in its absolute discretion when trading in the respective derivatives contracts may be resumed.
- 3.1.5 Trading Members may trade on the Trading System in derivatives contracts, either on behalf of their constituents or on their own account unless otherwise specified by the relevant authority and trading shall be subject to such conditions as the F&O Segment of the Exchange may specify from time to time.
 - For the purpose of this regulation, for transactions entered into on behalf of the director or an employee of the Trading Member or for transactions in which the director or employee has beneficial interest, such director or employee shall be considered as a constituent of the Trading Member and margins shall be collected from each such constituent separately.
- 3.1.6 The Trading Member cannot utilise the funds and securities of one constituent for and on behalf of another constituent except on specific authorisation of the constituent whose funds or securities are utilised.

- 3.1.7 The F&O Segment of the Exchange may, at any time restrict conditionally or unconditionally a Trading Member/Participant from dealing in a specified derivatives contract.
- 3.1.8 The Trading Member/Participant shall continue to be liable for all trades executed on the system for orders entered on his behalf. Trading Member/Participant shall be responsible for all the actions of their authorised persons.
- 3.1.9 Without prejudice to regulation 4.5.3 (c) and (d), a Trading Member shall be responsible for all the actions including trades originating through or with the use of all following variables Trading Member Id and User Id. However if the Trading Member satisfies the F&O Segment of the Exchange that the action(s) and/or trade(s) took place due to fraud or misrepresentation by any other person other than his authorised person(s) and that the action(s) and/or trades did not originate from any of his approved workstations, the F&O Segment of the Exchange may issue such directions as it considers just and reasonable. The directions may include referring the matter to arbitration or/and annulment of trade(s) so effected.

3.2 TRADE OPERATIONS

- 3.2.1 Trading Members shall ensure that appropriate confirmed order instructions are obtained from the constituents before placement of an order on the NEAT system and shall keep relevant records or documents of the same and of the completion or otherwise of these orders thereof.
- 3.2.2 The Trading Member shall make available to his constituent the NEAT system generated order number and copies of the order/trade confirmation slip/modification slip wherever applicable.
- 3.2.3 The Trading Member shall disclose to the F&O Segment of the Exchange at the time of order entry that the order is on his own account or on behalf of constituents and also specify orders for buy or sell as open or close orders
- 3.2.4 The procedures and conditions for amendment or cancellation of orders would be subject to such conditions and as specified by the F&O Segment of the Exchange from time to time.
- 3.2.5 Trading Members shall be solely responsible for the accuracy of orders entered into the trading system including orders entered on behalf of his constituents.
- 3.2.6 Trades generated on the NEAT system are irrevocable and 'locked in'. The F&O Segment of the Exchange may specify from time to time the markets in which trade cancellation can be effected.
- 3.2.7 Where a trade cancellation is permitted and Trading Member wishes to cancel a trade, it may be done only with the approval of the F&O Segment of the Exchange and in the following manner:

- a) The Trading Member wishing to cancel the trade shall initiate a cancellation request to the F&O Segment of the Exchange. The counter Trading Member to the trade, too. shall have to put in his cancellation request separately.
- b) Where a Trading Member initiates such request the onus shall be on the Trading Member to ensure that he receives a written request from the constituent.
- c) Where a trade cancellation request(s) comes to F&O Segment of the Exchange from only one party to trade and is/are pending with the F&O Segment of the Exchange as a result of it being not confirmed by the counter party to such trade till such time as may be notified by the F&O Segment of the Exchange, such request may be canceled at the discretion of the F&O Segment of the Exchange.
- d) The F&O Segment of the Exchange shall not consider any request for a Trade Cancellation after such period after the market close on a trading day as may be notified from time to time.
- e) The F&O Segment of the Exchange shall not give the reasons for rejection or approval of any such trade cancellation request.
- f) The F&O Segment of the Exchange may cancel a trade suo-moto without any request by either of the parties to the trade at any time which cancellation shall be final and binding upon the parties to the trade. In the event of such cancellation, Trading Member shall be entitled to cancel relative contract(s) with his constituents.
- 3.2.8 The Trading Member shall make available to his constituent the NEAT system generated trade number and copies of the trade cancellation slip wherever applicable.

3.3 ORDER MANAGEMENT

3.3.1 ORDER TYPE

The F&O Segment of the Exchange shall stipulate from time to time, the kinds of orders that a Trading Member can place in the NEAT system which may include Normal order, Special Term order, etc. as also the order attributes that he could place thereon.

3.3.2 ORDER ATTRIBUTES

- a) The F&O Segment of the Exchange shall from time to time allow various order attributes subject to restrictions as specified in the trading parameters.
- b) The F&O Segment of the Exchange shall specify the order types and order attributes permitted for different market types.

3.3.3 MODIFICATION AND CANCELLATION OF ORDERS

- a) A Trading Member shall be permitted to modify or cancel his orders, provided a trade has not already taken place in respect of that order.
- b) The order can be modified by effecting changes in the order input parameters in the manner and on such condition as specified by the F&O Segment of the Exchange.

c) The modified order shall lose or retain its time priority as per the trading parameter set by the F&O Segment of the Exchange.

3.3.4 ORDER VALIDATION

Orders entered into the Trading System by Trading Members shall be subject to various validation requirements as specified by the F&O Segment of the Exchange from time to time including trading parameters, turnover limits, exposure limits and/or other restrictions placed on traded derivatives contracts. Orders that do not meet the validation checks shall not be accepted by the Trading System.

3.3.5 MATCHING RULES

- a) The F&O Segment of the Exchange shall specify from time to time the kinds of order books that shall be maintained on the NEAT system, the order matching algorithms and the matching rules and parameters that shall be followed therein.
- b) The F&O Segment of the Exchange may modify or change the matching algorithms relevant to any market or order books any time where it is necessary to do so.
- c) Where the F&O Segment of the Exchange feels that it is in the interests of the market to do so, it may at any time make unavailable any particular or τ books or forms of matching, in the case of a particular Derivatives contract or Trading Member or to the market as a whole.
- d) Without prejudice to the generality of the above, the order matching rules would include the following:
 - (i) Orders in the Normal market shall be matched on price-time priority basis.
 - (ii) The best buy order shall match with the best sell order. For trading on price, the best buy order would be the one with the highest price and the best sell order would be the one with the lowest price.

3.4 CONTRACT NOTE

- 5.4.1 Every Trading Member shall issue a contract note to his constituents for trades executed in such format as specified in ANNEXURE: 2 with all relevant details as required therein to be filled in, and issued in such manner and within such time as specified by the F&O Segment of the Exchange.
- 3.4.2 A contract note shall be signed by a Trading Member or his Authorised signatory or constituted Attorney.
- 3.4.3 Contract note shall be time stamped with the time of receipt of order and the time of execution of order.

3.5 BROKERAGE

- 3.5.1 All the orders entered on the Trading System shall be at prices exclusive of brokerage.
- 3.5.2 Trading Members shall charge brokerage at rates not exceeding such scale as the F&O-Segment of the Exchange may specify from time to time.
- 3.5.3 A Trading Member shall charge brokerage separately to their constituents and this shall be indicated separately from the price, in the contract note.

3.6 **DEPOSIT REQUIREMENTS**

- 3.6.1. Trading member shall make available such deposit as may be specified from time to time with the F&O Segment of the Exchange within such time as may be notified.
- 3.6.2 The F&O Segment of the Exchange shall specify from time to time such categories of securities that would be eligible for such a deposit as also the method of valuation and amount of securities that would be required to be so deposited.
- 3.6.3 The trading member shall be required to deposit, such deposits either in the form of cash, deposit receipts, guarantee of a bank(s) approved by the relevant authority or securities approved by it or such other mode as may be approved or subject to such terms and conditions as the relevant authority may impose from time to time.
- 3.6.4 The procedure for refund of deposit will be such as notified by the F&O Segment of the Exchange from time to time.

3.7 MARGIN REQUIREMENTS

- 3.7.1 Subject to the provisions as contained in the Exchange Bye-laws, Clearing Corporation Bye-laws and such other regulations as may be in force, every Trading Member/Participant shall in respect of trades in which he is a party, deposit a margin with F&O Segment of the Exchange/Clearing Corporation/Clearing Member, in the manner and to the extent specified by the F&O Segment of the Exchange/Clearing Corporation. Whenever a margin is payable by a Participant, it shall pay such margins directly to the Clearing Member, unless otherwise directed by the F&O Segment of the Exchange/Clearing Corporation.
- 3.7.2 The F&O Segment of the Exchange/Clearing Corporation shall specify from time to time derivatives contracts, the certifical contracts and a contract of the entire contracted.
- 37.3 The box occurrent of the Last mayor of any corporation decrease Member shall less and all margin on derivations on medial may be consequently as a finite and abilities of one day less tagetter be one as a first of the consequent of the consequent.

- 3.7.4 The margin shall be deposited with the F&O Segment of the Exchange/Clearing Corporation within such time as may be notified by the F&O Segment of the Exchange/Clearing Corporation from time to time.
- 3.7.5 The F&O Segment of the Exchange/Clearing Corporation shall specify from time to time such categories of securities that would be eligible for a margin deposit as also the method of valuation and amount of securities that would be required to be so deposited against the margin amount.
- 3.7.6 The procedure for refund/adjustment of margins shall be such as may be notified by the F&O Segment of the Exchange/Clearing Corporation from time to time.
- 5.7.7 The F&O Segment of the Exchange/Clearing Corporation shall from time to time, impose upon any particular Trading Member/Participant or category of Trading Member/Participant any special or other margin requirement.

3.8 MARGIN FROM THE CONSTITUENTS

a) The Trading Members must demand from its constituents the Margin Deposit which the member has to provide under these Trading Regulations in respect of the business done by the Members for such constituents.

The Trading Members shall buy and/or sell derivatives contracts on behalf of the constituent only on the receipt of margin of minimum such percentage as the relevant authority may decide from time to time, on the price of the derivatives contracts proposed to be purchased, unless the constituent already has an equivalent credit with the Trading Member. The Trading member may collect higher margins from constituents, as he deems fit.

The Trading Member shall obtain a written undertaking from the constituents that the latter shall when called upon to do so forthwith from time to time provide a Margin Deposit and/or furnish additional Margin as required under these Rules and Regulations in respect of the business done for the constituent by and/or as agreed upon by constituent with the Trading Member concerned.

The Trading Member shall demand from his constituents the amounts arising in respect of daily settlement in accordance with the Clearing Corporation Regulations for business done by the Members on behalf of such constituents or such higher amounts, as the Trading Member deems fit. The Trading Member may, if so desire, for administrative convenience maintain the daily settlement margin balance up to a pre-agreed balance level to avoid collecting and paying daily settlement amount on a daily basis, which may be referred to as maintenance margin.

b) Constituent(s) in default

In case of non-payment of daily settlement by the constituents within the next trading day, the Trading Member shall be at liberty to close out transactions by selling or buying the derivatives contracts, as the case may be, unless the constituent already has an equivalent credit with the Trading Member. The loss incurred in this regard, if any, shall be met from the margin money of the constituent.

In case of open purchase position undertaken on behalf of constituents, the Traing Members shall be at liberty to close out transactions by selling derivatives contracts, in case the constituent fails to meet the obligations in respect of the open position within next trading day for the execution of the full contract within next trading day of the contract note having been delivered; unless the constituent already has an equivalent credit with the Trading Member. The loss incurred in this regard, if any, shall be rect from the margin money of the constituent.

In case of open sale position undertaken on behalf of the constituents, the Trading Member shall be at the liberty to close out transactions by effecting purchases of derivatives contracts if the constituent fails to meet the obligation in respect of the open position within next trading day of the transaction having being executed on the CECO Segment of the Exchange for the concerned settlement period. Loss on the transaction any, shall be deductible from the margin money of the constituent.

4 CONDUCT OF BUSINESS BY TRADING MEMBERS

4.1 OFFICE RELATED PROCEDURE

- 4.1.1 No office of a Trading Member shall be used for trading on the NSE without prior approval of the F&O Segment of the Exchange.
- 4.1.2 Each office, department for trading on the NSE, shall be under the supervision and control of the Trading Member establishing it and of the personnel delegated such authority and responsibility in this regard.
- 4.1.3 Every Trading Member shall ensure that all persons acting in his behalf on the Trading System shall subscribe at all times to high standards of professional expertise and integrity.
- 4.1.4 Each Trading Member shall at all times maintain such infrastructure, staff, communication facilities and records so as to be able to service his constituents satisfactorily and as per the requirements enumerated in the SEBI Act, 1992 and regulations framed thereunder, Securities Contract (Regulations) Act, 1956 and/or Rules thereunder, Exchange Bye-laws, Rules and Regulations, or any other relevant act(s) in force for that time being.
- 4.1.5 Where the F&O Segment of the Exchange feels it necessary, in the public interest to do so, it may at its own instance or on receiving a complaint from another Trading Member or constituent, seek explanation from the Trading Member regarding the level of service or professional conduct of the Trading Member or any of his staff where such service or conduct has been found unsatisfactory or contrary to principles enumerated in the Exchange Bye-laws, Rules and Regulations, or notifications, directions or circulars issued thereunder.

4.2 SUPERVISION

4.2.1 PROCEDURES TO BE FOLLOWED

- a) Each Trading Member shall establish, maintain, and enforce procedures to supervise its business and to supervise the activities of its employees that are reasonably designed to achieve compliance with the NSE Bye-laws, Rules and Regulations and any notifications, directions etc. issued thereunder as well as the relevant statutory acts. Such procedures to supervise its business and to supervise the activities of its employees shall be in compliance with the manual of supervisory procedure, if any, provided by the F&O Segment of the Exchange
- b) The Trading Member shall maintain an internal record of the names of all persons who are designated as supervisory personnel and the dates for which such designation is or was effective. Such record shall be preserved by the Trading Member for a period of not less than three years.
- c) Every Trading Member shall specifically authorise in writing, person or persons who may be authorised to transact on behalf of the Trading Member and to do such acts which Trading Member may wish to delegate to such person, and make available a copy of such power of attorney to the F&O Segment of the Exchange before such person transacts any business on the F&O Segment of the Exchange.
- d) A Trading Member shall maintain such records and make available for inspection by any person authorised in this behalf by the F&O Segment of the Exchange, the information related to such Trading Member's financial condition as specified by the F&O Segment of the Exchange for this purpose.
- e) The Trading Member shall pay such fees, charges and other sum as the F&O Segment of the Exchange may notify from time to time, in such time and manner as required by the F&O Segment of the Exchange.
- f) The Trading Member must inform the F&O Segment of the Exchange of any change in the status and constitution, operation and activities of the Trading Member.

4.2.2 INTERNAL INSPECTIONS

Each Trading Member shall conduct a review, at least annually, of the business in which it engages, which shall be reasonably designed to assist in detecting and preventing violations of and achieving compliance with SEBI Act, 1992 and regulations framed thereunder, Securities Contract (Regulations) Act, 1956 and/or Rules thereunder and Exchange Bye-laws, Rules and Regulations.

4.2.3 WRITTEN APPROVAL

Each Trading Member shall establish procedures for the review and endorsement by an appropriate senior officer in writing, on an internal record, of all transactions and all correspondence of its employees pertaining to the solicitation or execution of any transaction.

4.2.4 QUALIFICATIONS INVESTIGATED

Each Trading Member shall have the responsibility and duty to ascertain the good character, business repute, qualifications, and experience of any person prior to making such certification in the application for registration of such person, with the F&O Segment of the Exchange as approved user.

4.3 RELATION WITH CONSTITUENTS

- 4.3.1 Every Trading Member shall enter into an agreement with each of his constituents, before accepting or placing orders on the constituent's behalf. Such agreement, shall include provisions specified by the F&O Segment of the Exchange in this behalf in ANNEXURE: 3. The term constituent herein shall not include a Participant. The F&O Segment of the Exchange may categorise constituents into such types as may be negessary for the above purpose and specify the clauses to be included in agreements to be entered into by the Trading Member depending on the category of such constituent. However the Trading Member's responsibility shall not in any way be reduced due to non-execution of agreement with the constituent.
- 4.3.2 When establishing a relationship with a new constituent, Trading Members must take reasonable steps to assess the background, genuineness, beneficial identity, financial soundness of such person, and his investment objectives by issuing the new constituent a CONSTITUENT REGISTRATION FORM a model of which is specified in ANNEXURE: 4. The Trading Member shall also obtain from all constituents other than individual constituent an approved copy of the board resolution permitting trading in derivatives.
- 4.3.3 Trading Member shall make the constituent aware of trading segment to which Trading Member is admitted, particulars of SEBI registration number, employee primarily responsible for the constituents affairs, the precise nature of the Trading Member's liability for business to be conducted, the risk associated with business in derivatives trading including any limitations on that liability and the capacity in which the Trading Member acts and the constituent's liability thereon by issuing to the constituent a copy of the model RISK DISCLOSURE DOCUMENT as specified in ANNEXURE: 5. The trading member shall furnish a copy of the risk disclosure document to all his clients.
- 4.3.4 The Trading Member shall provide extracts of relevant provisions governing the rights and obligations of constituents as constituents of Trading Members (including Participants as specified in the Bye-laws, Rules and Regulations), relevant manuals, notifications, circulars any additions or amendments thereto etc. of the F&O Segment of the Exchange, or of any regulatory authority, to the extent it governs the relationship between Trading Members and constituents, to the constituents at no extra cost.
- 4.3.5 The Trading Member shall also bring to the notice of his constituents, including Participants any indictments, penalties etc. imposed on him by the F&O Segment of the Exchange or any other regulatory authority.
- 4.3.6 Recommendations to the Trading Member:

- i) A Trading Member shall make adequate disclosures of relevant material information in his dealings with his constituents.
- ii) No Trading Member or person associated with the Trading Member shall guarantee a constituent against a loss in any transactions effected by the Trading Member for such constituent.

4.4GUIDELINES GOVERNING RELATIONSHIP BETWEEN TRADING MEMBER AND CONSTITUENT

- 4.4.1 The Trading Member shall not recommend to the constituent a sale or purchase of derivatives contracts traded on the Trading System, unless he has reasonable grounds to believe that such recommendation is suitable for the constituent on the basis of facts, if any, disclosed by the constituent, whether in writing or orally, regarding the objectives; constituent's holdings of derivatives contracts & underlying securities, financial soundness and investment.
- 4.4.2 The Trading Member shall make adequate disclosures of relevant material information in his dealing with his constituent including the current best price of trade and trade or order quantities on the Trading System, as also any allocation policy inter se constituents, any relevant announcement from the F&O Segment of the Exchange relating to margin, trading restrictions as to price, quantity or where the Trading Member is the counter party to a trade executed on the NEAT system with the constituent.
- 4.4.3 Where the Trading Member manages a discretionary account for or on behalf of the constituent, he should abide by the Securities and Exchange Board of India (Portfolio Managers Rules and Regulations, 1993).
- 4.4.4 The Trading Member shall not furnish any false or misleading information or advice with a view to inducing the constituent to do business in particular derivatives contracts and which shall enable the Trading Member to earn a gain thereby,
- 4.4.5 The Trading Member shall explain the NEAT Trading System and order matching process to the constituent before accepting any orders from him.
- 4.4.6 Where the constituent requires an order to be placed or any of his order to be modified after the order has entered the system but has not been traded, the Trading Member shall ensure that he obtains order placement/modification details in writing from the constituent. The Trading Member shall accordingly provide the constituent with the relevant order confirmation/modification slip or copy there of, forthwith.
- 4.4.7 Where the constituent requires any of his order to be cancelled after the order has been entered in the system but has not been executed, the Trading Member shall obtain the order cancellation details in writing from the constituent. The Trading Member shall accordingly provide the constituent with the relevant order cancellation details, forthwith.
- 4.4.8 The Trading Member shall obtain in writing, the delivery and payment requirement in any instructions of a order that he receives from the constituent. Where a Trading Member receives a request for order modification or order cancellation from the

constituent, he shall duly bring it to their notice that if the order results in a trade in the meanwhile, the requests for modifications or cancellation cannot be executed.

- 4.4.9 The Trading Member shall not accumulate or withhold constituent's order/unexecuted balances for derivatives contracts. The Trading Member shall place forthwith all orders.
- 4.4.10 The Trading Member shall act promptly in accordance with the instructions provided by the constituent unless he has a discretion as to the timing relating to entering and/or execution of the order, in which case he must exercise his judgment as to the best moment for entering that order in the system.
- 4.4.11 The Trading Member shall provide the constituent with a copy of the trade confirmation slip as generated on the Trading System, forthwith on execution of the trade and with a contract note for the trade executed.
- 4.4.12 In addition to the guidelines issued by SEBI relating to the regulation of transactions between constituents and brokers, member shall at all times keep the money of the constituent in a separate bank account. The bank will not be able to access the constituents account to meet the brokers defaults in anyway unless specified by the constituent.
- 4.4.13 Where the member is required to pay margin money on transaction executed on behalf of the constituent, he shall collect the same from the constituent in such form and manner as may be specified by NSEIL.
- 4.4.14 Where the constituent requires an executed trade to be cancelled, the Trading Member shall obtain a written request for trade cancellation from the constituent. He shall then place the trade cancellation request on the Trading System, at the earliest. He shall also duly inform the counterparty at the earliest to make such request. In all instances of trade cancellation requests, the member shall explain to the constituent that the right to approve or reject such trade cancellation requests rests with the F&O Segment of the Exchange.

4.5 CODE OF CONDUCT FOR TRADING MEMBERS

4.5.1 ADHERENCE TO SEBI CODE OF CONDUCT

The Trading Member shall at all times subscribe to the Code of Conduct as specified by the Securities and Exchange Board of India (Stock Brokers and Sub-Brokers) Regulations, 1992.

4.5.2 GENERAL PRINCIPLES

- a. A trading member shall make adequate disclosures of relevant material information in his dealings with his clients.
- b. No trading member or person associated with the trading member shall guarantee a client against a loss in any transactions effected by the trading member for such client.
- c. Professionalism: A Trading Member in the conduct of his business, shall observe high standards of commercial honour of just and equitable principles of trade.

- d. Adherence to Trading Practices: Trading Members shall adhere to the Rules, Regulations and Bye laws of the Exchange and shall comply with such operational parameters, rulings, notices, guidelines and instructions of the relevant authority as may be applicable from time to time.
- e. Honesty and Fairness: In conducting his business activities, a Trading Member shall act honestly and fairly, in the best interests of his constituents.
- f. Capabilities: A Trading Member shall have and employ effectively the resources and procedures which are needed for the proper performance of his business activities.

4.5.3 TRADING PRINCIPLES

- a) Trading Members/Participants shall ensure that the fiduciary and other obligations imposed on them and their staff by the various statutory acts, rules and regulations are complied with.
- b) Trading Members/Participants shall ensure -
- (i) that any employee who commits the Trading Members or Participants to a transaction has the necessary authority to do so.
- (ii) that employees are adequately trained in operating in the relevant market segment in which they deal, are aware of their own, and their organization's responsibilities as well as the relevant statutory acts governing the Trading Member, the Rules, Regulations and Bye-laws of the F&O segment of the Exchange including any additions or amendments thereof.
- c) Without prejudice to regulation 3.1.6 and 3.1.7, a Trading Member shall be responsible for all the actions including trades originating through or with the use of all following variables Trading Member Id and User Id, at that point of time. However if the Trading Member satisfies the F&O Segment of the Exchange that the action(s) and/or trade(s) took place due to fraud or misrepresentation by any other person other than his authorised person(s) and that the action(s) and/or trades did not originate from any of his approved workstations, the F&O Segment of the Exchange may issue such directions as it considers just and reasonable. The directions may include referring the matter to arbitration or/and annulment of trade(s) so effected.
- d) When entering into transactions on behalf of constituents, the Trading Members shall ensure that they abide by the Code of Conduct and regulations as enumerated in the current chapter of these regulations.
- e) No Trading Member or person associated with a Trading Member shall make improper use of constituent's securities/positions in derivatives contracts or funds.
- f) No Trading Member shall publish and circulate or cause to be published or circulated, any notice, circular, advertisement, newspaper article, investment service or communication of any kind which purports to report any transaction as a purchase or sale of any derivatives contracts unless such Trading Member—an establish if called for, that such transaction was a bonafide purchase or sale of such contract; or which purports to quote the purchase sale price for any derivatives contract unless such Trading Member can establish of called for that such mentalism in the called for that such mentalism.
- (i) When entering imposes an ananomy francia ones. Then as Alecaher, mask cosmic that at all times good care is taken not formistopic sent in a resolution of some cosmic of some cosmic.

- h) No Trading Member shall exercise any discretionary power in a constituent's account unless such constituent has given prior written authorization to a stated individual or individuals and the account has been accepted by the Trading Member, as evidenced in writing by the Trading Member.
- i) A Trading Member shall not act as a principal or enter into any agreement or arrangement with a constituent or constituent's agents, employees or any other person connected to the constituent, employee or agency, whereby special or unusual rates are given with an intent to give special or unusual advantage to such constituent for the purpose of securing his business.
- j) The Trading Member shall not disclose the name and beneficial identity of a constituent to any person except to the F&O Segment of the Exchange as and when required by it.

4.5.4 GENERAL GUIDELINES

A Trading Member shall desist from the following trading practices while conducting business on the F&O Segment of the Exchange.

a) Shielding or Assisting:

No Trading Member shall shield or assist or omit to report any Trading Member whom he has known to have committed a breach or evasion of any Rules, Bye-Laws or Regulations of the F&O segment of the Exchange or of any resolution, order, notice or direction thereunder of the Governing Board or the Managing Director or of any committee or officer of the F&O Segment of the Exchange authorised in that behalf.

b) Suspended derivatives contracts

Except with the permission of the F&O Segment of the Exchange, business shall not be transacted by the Trading Member in derivatives contracts which have been suspended from official quotation.

c) Misleading Transactions

A Trading Member shall not:

- i) make bids and/or offers for derivatives contracts with an intention of creating a false or misleading appearance with respect to the market for, or the price of any derivatives contracts or;
- ii) make a transaction or give an order for the purchase or sale of derivatives contracts, the execution of which would involve no change of beneficial ownership, unless the Trading Member had no knowledge that the transaction would not involve a change in the beneficial ownership of derivatives contracts.
- d) Use of information obtained in Fiduciary Capacity

A Trading Member who in the capacity of paying agent, transfer agent, trustee, or in any other similar capacity, has received information as to the purchase/sale of derivatives contracts, shall under no circumstance make use of such information for the purpose of soliciting purchases/sales except at the request and on behalf of the issuer, if any

4.6 FRAUDULENT AND UNFAIR TRADING PRACTICES

- 4.6.1 No Trading member shall buy, sell or deal in securities /derivatives contracts in a fraudulent manner; or indulge in any unfair trade practices including market manipulation.
- 4.6.2 Without prejudice to generality of the provisions contained in the above clause, no person shall indulge in market manipulation, namely:
- 4.6.2.1 a) effect, take part in or enter into either directly or indirectly transactions in securities / derivatives contracts, which are likely to have the effect of artificially raising or depressing or stabilising the price of securities/ derivatives contracts;
 - (b) indulge in any act, which is calculated to create a false or misleading appearance of trading on the securities / derivatives market or, results in reflection of prices of securities / derivatives contracts based on transactions, which are not genuine trade transactions; or
 - (c) purchase or sell any securities not intended to effect transfer of beneficial ownership but as a device to maintain, inflate, depress, or cause fluctuations in the market price of securities/derivatives contracts; or
 - (d) pay, offer or agree to pay or offer, directly or indirectly, to any person to purchase or sell any security / contract in securities with the sole object of to maintain, inflate, depress, or cause fluctuations in the market price of securities / derivatives contracts.
- 4.6.2.2 No person shall make a statement, or disseminate information which is misleading in a material particular which is likely to induce the sale of securities /derivatives contracts by other persons or is likely to have the effect of maintaining of stabilizing the market price of securities /derivative contracts if, when he makes or disseminated the information -
 - (a) he does not care whether the statement or information is true or false;
 - (b) he knows or ought to reasonably know that the statement or information is false or misleading in material.

4.6.2.3 No trading member shall

- (a) engage in any act, (practice in course of his business), which would operate as a fraud or deceit upon any person in connection with the purchase of sale of any securities or derivatives contracts; or
- (b) buy, sell or deal in securities or derivatives contracts on his own behalf or on behalf of a person associated with him pending the execution of the order of his constituent or of his company or director for the same security or in derivatives contracts in securities, or
- (c) delay the transfer of securities or derivatives contracts in the name of the transferee which results in the price of the securities or derivatives contracts in securities increasing; or
- (d) indulge in falsification of his books, accounts and records for the purpose of market manipulation; or

- (e) when acting as an agent execute a transaction with a constituent at a price other than the price at which it was executed on the F&O Segment of the Exchange or other than the price it was off-set against the transaction of another constituent.
- (f) either take opposite position to an order of a constituent or shall execute opposite orders which he is holding in respect of two constituents except in the manner laid down by the F&O Segment of the Exchange.

5. RECORDS, ANNUAL ACCOUNTS & AUDIT

5.1 Records

- 5.1.1 Every Trading Member shall comply with all relevant statutory Acts, including Securities Contracts (Regulation) Act, 1956 and Rules thereunder of 1957, and Securities Exchange Board of India Act, 1992 and Rules, Regulations and guidelines thereunder, and the requirements of and under any notifications, directives and guidelines issued by the Central Government and any statutory body or local authority or any body or authority acting under the authority or direction of the Central Government relating to maintenance of accounts and records.
- 5.1.2 In additions to the requirements as per regulation 5.1.1 above, every Trading Member of the F&O Segment of the Exchange shall comply with the following requirements and such other requirements as the F&O Segment of the Exchange may from time to time notify on this behalf relating to books of accounts, records and documents in respect of his membership and trading on the F&O Segment of the Exchange.
- 5.1.3 Where a Trading Member holds membership of any other recognised stock exchange(s), then such a Trading Member shall maintain a separate books of accounts, records and documents for trades executed on each recognised stock exchange.
- 5.1.4 Every Trading Member of the F&O Segment of the Exchange shall maintain the following records relating to its business for a period of five years.
 - (a) Order confirmation slips, order modification slips as obtained from the trading system of the F&O Segment of the Exchange.
 - (b) Trade confirmation slips and exercise notice records as obtained from the trading system of the F&O Segment of the Exchange,
 - (c) Statements of obligations received from the clearing(s).
 - (d) Record of all statements received from the settling agencies and record of all correspondence with them.
 - (e) Order Book of Constituents reflecting the following:
 - (1) identity of person receiving the order
 - (2) date and time of order received
 - (3) name of the person placing the order
 - (4) name of Constituent, description and value of derivatives contracts to be bought and sold
 - (5) terms and conditions of the order stating particularly price/rate limit or price / rate related instructions and time limit on the order (if any).

- (6) the NEAT order number as per the trading system of the F&O Segment of the Exchange or trading member order number as the case may be.
- (7) any modification or cancellation thereof including cases when it is canceled by the system or canceled due to maturity of the contract.
- (8) if executed, the price/rate at which it is executed and to the extent feasible, the time of execution or cancellation and trade number as per the trading system of the F&O Segment of the Exchange.
- (9) reference number of the contract issued in case of executed orders.
- orders entered pursuant to the exercise of discretionary power shall be so designated.
- (11) entries of orders shall be serially numbered.
- (12) details of upfront deposits collected by member for each constituent describing the form and value, mentioning appropriate haircuts.
- (13) Risk disclosure documents executed by each constituent approved to trade in derivatives,
- (14) Margin call made and met.
- (f) Order book in respect of Trading Member's own orders
- (g) Every Trading Member shall preserve the following reports produced from the trading system for a period of five years:
 - (1) Activity Log
 - (2) Orders Canceled Today
 - (3) New Orders Today
 - (4) Outstanding Orders Today
 - (5) Trades done Today
- (h) Copies of all instructions obtained in writing from constituents including Participants for an order placement, order modification, order cancellation, trade cancellation etc.
- (i) Records in respect of interest received on securities of constituents, monies borrowed and loaned including monies received.
- (j) Records in respect of brokerage collected separately from constituents.
- (k) A Register of transaction (or other records of original entry) executed by Trading Members on behalf of Constituents containing an itemized daily record of all purchases and sales of securities, showing for each such transaction effected, contract specifications, value of derivatives contracts, expiration dates of derivatives contracts, rates both gross and net of brokerage and name of constituents.
- (1) Register of transactions for trades executed by the Trading Member on his own behalf containing such particulars as may be specified by the F&O Segment of the Exchange
- (m) Every Trading Member shall keep such records and books of accounts, as may be necessary, to distinguish constituent's contracts from its own contracts. These should be maintained on a Pro & Cli basis where Pro stands for Proprietory (indicates trade carried on his own account) and Cli stands for trade carried out for constituents. This is necessary to determine the amounts of brokerage and margins to be recovered from the constituents. Such records for constituent's contracts shall inter-alia, provide for the following:
 - (1) Contracts held in custody by the Trading Member as security deposit/margin etc. Proper authorisation from constituent for the same shall be obtained by Trading Member;

- (2) Fully paid for constituent's securities registered in the name of Trading Member, if any, towards margin requirements, etc.
- (3) Trading members should maintain records in respect of charges collected from constituents.
- (4)Record of the Long and Short position of the Trading Member as well as that of each of his constituents.
- (n) Margin book for constituents and for Trading Members' own account trades containing the particulars relating to the amount of margins deposited by each constituent and the amount of margin released to each constituent.
- 5.1.5.1 Every Trading Member shall keep for a period of three years such books of accounts, as shall be necessary, to show and distinguish in connection with his business as a Trading Member and also to comply with rule 15 of Securities Contract (Regulation) Act, 1956:
 - (i) The moneys received from or on account of and moneys paid to or on account of each of his constituents and,
 - (ii) The moneys received and the moneys paid on Trading Member's own account.
 - (iii) It shall be compulsory for all Trading Members to keep the money of the constituents in a separate account and their own money in a separate account.
 No payment for transaction in which the Trading Member is taking a position as a principal shall be allowed to be made from the constituent's account.
- 5.1.5.2 The transfer from constituent's account to Trading Member's account shall be allowed under circumstances enumerated below:
 - i. Obligation to pay money into "Constituents account": Every Trading Member who holds or receives money on account of a constituent shall forthwith pay such money to current or deposit account at bank to be kept in the name of the Member in the title of which the word "Constituents" shall appear (hereinafter referred to as "Constituents Account"). Trading Member may keep one consolidated constituents account for all the constituents or accounts in the name of each constituent, as he thinks fit; provided that when a Trading Member receives a cheque or draft representing in part money belonging to the constituent and in part money due to the Trading Member, he shall pay the whole of such cheque or draft into the constituents account and effect subsequent transfer as laid down below in para (iii.b).
 - ii. Money to be paid into "constituents account": No money shall be paid into constituents account other than
 - a. money held or received on account of constituents;
 - b. such moneys belonging to the Trading Member as may be necessary for the purpose of opening or maintaining the account;
 - c. money for replacement of any sum which may by mistake or accident have been drawn from the account;

- d. a cheque or draft received by the Trading Member representing in part money belonging to the constituent and in part money due to the Trading Member.
- iii. Money to be withdrawn from "constituents account": No money shall be drawn from constituents account other than
 - a. money properly required for payment to or on behalf of constituents for or towards payment of a debt due to the Member from constituents or money drawn on constituent's authority, or money in respect of which there is a liability of constituents to the Trading Member, provided that money so drawn shall not in any case exceed the total of the money so held for the time being for such each constituent;
 - b. such money belonging to the Trading Member as may have been paid into the constituent account under para (ii.b) and (ii.d) above.
 - c. money which may by mistake or accident have been paid into such account.
- iv. Right to lien, set-off etc., not affected: Nothing in this para 1 shall deprive a Trading Member of any recourse or right, whether by way of lien, set-off, counter-claim charge(s) or otherwise against moneys standing to the credit of constituents account.
- 5.1.6 Every Trading Member shall maintain permanently copies of agreements executed with each of its constituent in accordance with the F&O Segment of the Exchange requirements.
- 5.1.7 Every Trading Member shall maintain permanently copies of agreements and documents executed with each of the settling agencies or banks.
- 5.1.8 Every Trading Member shall maintain records of all relevant particulars of persons which are approved as approved users by the F&O Segment of the Exchange.
- 5.1.9 Every Trading Member shall maintain originals of all communications received and copies of all communications sent by such Trading Member (including inter-office memo and communications) relating to its business as such.
- 5.1.10 Every Trading Member shall maintain all guarantees of accounts and all powers of attorney and other evidence of the granting of any discretionary authority given in respect of any account and copies of resolutions empowering an agent to act on behalf of a Trading Member.
- 5.1.11 Every Trading Member shall maintain all written agreements and documents (or copies thereof) entered into by that Trading Member relating to its business as such, including agreements with respect to any account.
- 5.1.12 Every Trading Member shall preserve for a period of not less than five years after the closing of any constituent's account any records which relate to the terms and conditions with respect to the opening and maintenance of such account, date of entering into

- agreement with the constituent, date of modification thereof, date of termination and representatives of such constituent who signed in each case.
- 5.1.13 A Trading Member shall intimate to the F&O Segment of the Exchange the place where these records are kept and available for audit/inspection.
- 5.1.14 The above requirements relating to maintenance of records shall apply not only to records of the member's principal office but also to those of any branch office and to any nominee company owned or controlled by a Trading Member for the purpose of conducting the business of the Trading Member.
- 5.1.15 Each Trading Member shall keep and preserve a record of all written complaints of its constituents showing the reference number of constituent, date, constituent's name, particulars of the complaints, action taken by the Trading Member, if the matter is referred to arbitration to the F&O Segment of the Exchange then the particulars thereof and record of resolution of the complaint by the member.
- 5.1.16 Every Trading Member shall maintain details of securities which are the property of a Trading Member showing with whom they are deposited and if held otherwise than by the member, whether they have been lodged as collateral security for loans or advances.
- 5.1.17 Every Trading Member shall keep copies/duplicates of Contract Notes issued by the Member and details of any statements which are required by these Rules to appear on Contract Notes.
- 5.1.18 For the purpose of Regulation Nos. 5.1.4, 5.1.5.1 and 5.1.12, the term of 5 years or 3 years as the case may be, shall be reckoned from the date of closure of account or termination of contract of a Constituent or after the final settlement or adjudication of the dispute where there is a dispute between the trading member and the constituent.

5.2 Annual Accounts and Audit

- 1. Each Trading Member shall prepare annual accounts for each financial year ending on 31st March or such other date as advised to the F&O Segment of the Exchange.
- 2. The Assets and Liabilities of the Trading Member's business shall be brought into account in the balance sheet at such amounts and shall be classified and described therein in such manner that the balance sheet gives a true and fair view of the state of affairs of such business as at the date to which it is made up.
- 3. Each Trading Member shall furnish to the F&O Segment of the Exchange, its audited financial statement and such report shall be furnished not later than six months after the end of the Trading Member's financial year, provided that when the F&O Segment of the Exchange is satisfied that circumstances warrant an extension of time necessary to furnish such report, it may grant an extension of such time as it may deem fit.

6 INSPECTION

6.1 INSPECTION AUTHORITY

- 6.1.1 Where it appears to the F&O Segment of the Exchange so to do, it may appoint one or more persons as inspecting authority to undertake inspection of books of accounts, other records and documents of the Trading Members and Constituents for any of the purposes specified in regulation 6.1.2.
 - (a) The Inspecting authority appointed by the F&O Segment of the Exchange under Regulation 6.1.1. may be either its own officials or such authorised person as the Board may appoint from time to time.
 - (b) When the F&O Segment of the Exchange appoints outside professionals as an inspecting authority, it shall notify the Trading Member the names and addresses of the professionals or firms so appointed as an inspecting authority at the time of inspection.
 - (c) When outside professionals are appointed as an inspecting authority in respect of a Trading Member and such professionals are already related in any other capacity with the Trading Member then such member shall forthwith inform the F&O Segment of the Exchange of such relationship.
 - (d) Where after appointment of any outside professional as an inspecting authority in respect of a Trading Member, the Trading Member or any of its associates engages the inspecting authority for its services in any other capacity, the inspecting authority shall not engage itself in such other professional capacity with the Trading Member or any of its associates without prior consent of the F&O Segment of the Exchange.
- 6.1.2 The purposes referred to in regulation 6.1.1. shall be as follows, namely:
- (a) to ensure that the specified records, books of accounts and other books are being maintained in the manner required;
- (b) to ensure that the provisions of SEBI Act, rules and regulation thereunder are being complied with;
- (c) to ensure that provisions of the Securities Contracts (Regulation) Act and the Securities Contracts (Regulation) Rules are being complied with;
- (d) to ensure that various provisions of NSE Bye-laws, Rules and Regulations and any directions or instructions issued thereunder are being complied with;
- (e) to investigate into the complaints received from investors, other members of the F&O Segment of the Exchange or any other person on any matter having a bearing on the activities of the Trading Member;
- (f) to investigate suo-moto, for any reason where circumstances so warrant an inspection, into the affairs of the Trading Member;
- (g) to examine whether any notices, circulars, instructions or orders issued by the F&O Segment of the Exchange from time to time relating to trading and other activities of Trading Members are being complied with;
- (h) to comply with any of the directives issued in this behalf by any regulating authority including Government of India.

6.2 NOTICE

- 6.2.1 Before undertaking any inspection under regulation 6.1.1. the F&O Segment of the Exchange shall give a reasonable notice to the Trading Member for that purpose.
- 6.2.2 Notwithstanding anything contained in sub regulation 6.2.1. where the F&O Segment of the Exchange is of the opinion that no such notice should be given, it may direct in writing that the inspection of the affairs of the Trading Member be taken up without such notice.
- 6.2.3 The inspecting authority appointed by the F&O Segment of the Exchange shall undertake inspection and the Trading Member against whom an inspection is being carried out, shall be bound to discharge his obligations as provided under regulation 6.3.

6.3 OBLIGATIONS OF A TRADING MEMBER ON INSPECTION

- 6.3.1 It shall be the duty of every director, officer and employee of the Trading Member, who is being inspected, to produce to the inspecting authority such books, records and other documents in his custody or control or arrange to produce such books, records and other documents which are in any other person's custody or control and furnish such statements and information within such time as the said inspection authority may require.
- 6.3.2 The Trading Member shall allow the inspecting authority to have reasonable access to the premises occupied by him or by any other person on his behalf and also extend reasonable facilities for examining any books, records, documents and computerised data in his possession or any other person and also provide copies of documents or other materials which in the opinion of the inspecting authority are relevant. Such copies or materials shall be retained by the Inspecting Authority as the property of the F&O Segment of the Exchange
- 6.3.3 The inspecting authority, in the course of inspection shall be entitled to examine or record statements of any member, director, officer and employee of the Trading Member or of any associate of such Trading Member.
- 6.3.4 It shall be the duty of every director, officer and employee of the Trading Member or where an associate is examined, such associate, to give to the inspecting authority all assistance in connection with the inspection which the Trading Member may be reasonably expected to give.
- 6.3.5 The inspecting authority shall be entitled to examine the records relating to the Trading Member's financial affairs held with its bankers or any other agency which the inspecting authority may find relevant.
- 6.3.6 The inspecting authority shall have access to the accounts and other records relating to the Trading Member or such access as authorised by the F&O Segment of the Exchange to the

accounts and other records relating to any associate of the Trading Member as are within the power of the Trading Member to provide.

6.4 SUBMISSION OF REPORT

- 6.4.1 The inspecting authority shall submit an inspection report to the F&O Segment of the Exchange, within such time as the F&O Segment of the Exchange may specify in this regard.
- 6.4.2 (a) The F&O Segment of the Exchange shall after consideration of the Inspection Report, communicate the findings to the Trading Member to give him an opportunity of being heard before any action is taken by the F&O Segment of the Exchange on the findings of the Inspecting Authority.
- (b) On receipt of the explanation, if any, from the Trading Member the F&O Segment of the Exchange may call upon Trading Member to take such measures as the F&O Segment of the Exchange may deem fit in the public interest.
- (c) Notwithstanding anything contained in sub regulation 6.4.2 (a), where the F&O Segment of the Exchange is of the opinion that no such hearing should be provided in certain circumstances, it may take action forthwith without giving the Trading Member any opportunity of being heard.
- 6.4.3 The F&O Segment of the Exchange may, at its discretion, require from the constituents of the Trading Member or any other persons dealing with the Trading Member submission of such documents, records, statement of accounts or any other information as it may deem fit.

UNQUOTE

For National Stock Exchange of India Limited

J. Ravichandran Company Secretary & Vice President

ANNEXURE - I

APPLICATION FOR APPROVAL AS USER

From: - Name of Trading Member/ Participant:

ID Number:

To: - National Stock Exchange of India Li	mited
Dear Sir,	
We (Name of Trading Member)	Participant) hereby apply for authoned
person ——— (Name of User) of	state, having passed the NSLs
Certification in Financial Markets (NCFM) be	earing Regn. Number with
marks valid upto, who is to be approved	d as a User.
We hereby agree and bind ourselves to be transactions done, trades made, or effected by	•
shall ensure that he/she will not execute an	y order on his/her own account or on
account of anyone without such order having l	been prior approved by us in writing.
· F	or
0	Name of Trading Member/ Participant)

Authorised Signatory

ANNEXURE - 1

CONTRACT NOTE

Subject to exclusive jurisdiction of the cours ... MUNIZAI only

Tel no

Name of Partner/ Proprietor/Authorised Signatory

CONTRACT NOTE ISSUED BY MEMBERS ACTING FOR CONSTITUENTS AS BROKERS AND AGENTS

Tix ro: Fax no

Dealing Office address/Tel no/Tlx no/Faxno.

Name of the Member Address of the Member SEBI Regn.No. of the Member

Code No. of the Member:

Contract No:

To be stamped as per the provisions applicable under the relevant Stamp Act

DATE: SETT NO:

SETT FROM: TO

10, Constituent Name/Code No/Constituent Order Ref. No

Sir. Menam,

have his day done by order and on your account the following transactions:

Bought for you forDelivery/Clearing]	Sold for you for —— Delivery/Clearing									
No.	Trade	Trade Time	No. of units	Rate Per unit	Brokerage %	Brokerage rate per unit	Rate + Brokerage, Net Rate	Amt (Rs.)	Contract Specifications	No. of units	Rate per unit	Brokerage %	Brokerage rate per unit	Rate - Brokerage, Net rate	Amt (Rs.)
-	i		 					<u> </u>		 	 -				

YOUR CHEQUE REQUESTED FOR THE COST SHOWN HEREIN PLEASE PAY IMMEDIATELY FOR YOUR PURCHASES / DEBIT.

YOU ARE REQUESTED TO COLLECT THE CHEQUE FOR THE AMOUNT DUE TO YOU.

OTHER LEVIES, IF ANY:

Brokerage has been charged as stated and has been at rates not exceeding the official scale of brokerage and indicated separately. This contract is subject to the Rules, Bye-Laws and Regulations and usages of The National Stock Exchange of India Limited, Mumbai. This contract is subject to the exclusive jurisdiction of the Courts in MUMBAI only.

In this event of any claim (whether admitted or not) difference or dispute arising between you and me/us out of these transactions the matter shall be referred to arbitration as provided in the Rules, Bye-laws and Regulations of the National Stock Exchange of India Limited, MUMBAI. This contract constitutes and shall be deemed to constitute as provided overleaf an agreement between you and me/us that all claims (whether admitted or not), differences and disputes in respect of any dealings, transactions and contracts of a date prior or subsequent to the date of this contract (including any question whether such dealings, transactions or contracts have been entered into or not) shall be submitted to and decided by arbitration as provided in the Rules, Bye-Laws and the provisions printed overleaf form a part of the contract.

MUMBAI Date

Yours faithfully,

Member of National Stock

Exchange of India Limited.

Reference to Arbitration

- (1) (a) All differences and disputes between a trading member and constituent arising out of or in relation to dealings on the exchange made subject to the Bye-laws, Rules, and Regulations of the Exchange or with reference to anything incidental thereto or in pursuance thereof or relating to their construction, fulfillment or validity or rights, obligations and liabilities shall be referred to and decided by arbitration as provided in the Bye Laws, Rules and Regulations of the Exchange.
 - (b) An acceptance, whether express or implied, of a contract subject to arbitration as provided in the sub-clause (a) and with this provision for arbitration incorporated therein shall constitute and shall be deemed to constitute an agreement between the trading member and constituent concerned that all claims, differences and disputes of the nature referred to in sub-clause (a) in respect of all dealings, transactions and contracts, of a date prior or subsequent to the date of the contract, shall be submitted to and decided by arbitration as provided in the Bye laws, Rules and Regulations of the Exchange and that in respect thereof any question of whether such dealings, transactions and contracts have been entered into or not shall also be submitted to and decided by arbitration as provided in the Bye laws, Rules and Regulations of the Exchange.

Operation of Contracts

All dealings, transactions and contracts which are subject to the Bye laws, Rules and Regulations of the Exchange and every arbitration agreement to which the Bye laws, Rules and Regulations of the Exchange apply shall be deemed in all respects to be subject to the Bye Laws, Rules and Regulations of the Exchange and the parties to such dealings, transactions, contracts and agreements shall be deemed to have submitted to the jurisdiction of the courts in MUMBAI for the purpose of giving effect to the provisions of the Bye laws, Rules and Regulations of the Exchange.

Appointment of Arbitrators

- (3) (a) All claims, differences and disputes required to be referred to arbitration under these Bye-laws, Rules and Regulations shall be referred to arbitration of a person agreeable to both parties selected from a Panel of Arbitrators set up for the purpose.
 - (b) On failure of both parties to come to agreement on appointment of an arbitrator within a period specified by the relevant authority from time to time, the relevant authority may appoint an arbitrator for this purpose.

Proceedings

(4) The arbitrator may proceed with the reference notwithstanding any failure to file a written statement within due time and may also proceed with the reference in the absence of any or all the parties who after due notice fall or neglect or refuse to attend at the appointed time and place.

Both Parties Present

(5) If a party to the arbitration reference is not present at the appointed time and place set by the arbitrator, the arbitrator may hear and decide the reference ex parte and if both parties to the reference are not present the arbitrator may dismiss the reference summarily.

Award binding on Parties and their Representatives

The parties to the arbitration reference shall in all things abide by and forthwith carry into effect the award of the arbitrator which shall be final and binding on the parties and their respective representatives notwithstanding the death of or legal disability occurring to any part before or after the making of the award and such death or legal disability shall not operate as a revocation of the reference or award.

Further Award

Whenever an award made under these Bye laws, Rules, Regulations directs that a certain act or thing be done by one party to the reference and such party fails to comply with the award the other party may make a fresh reference to arbitration for a further award for the amount of damages or compensation payable by reason of such failure and the award therein may be filed separately or together with the original award.

Set-off and Counter- claim

On a reference to arbitration by one party the other party or parties shall be entitled to claim a setoff or make a counter-claim against the first party provided such set-off or counter claim arises out of or relates to dealings, transactions and contracts made subject to the Bye laws. Rules and regulations of the exchange and subject to arbitration as provided therein and provided further such set off or counter claim is presented together with full particulars at or before the first hearing of the reference but not afterwards unless permitted by the arbitrator.

Costs

The costs of reference and award including costs, charges, fees and other expenses shall be in discretion of the arbitrator who may decide and direct in the award to any by who, in what manner and in what proportion such costs, charges, fees and other expenses or any part thereof shall be borne and paid by the parties and may tax and settle the amount to be so paid or any part thereof. Failing any direction in the award the costs, the charges, fees and other expenses shall be borne by the parties to the reference in equal proportion. A party refusing to carry out an award shall pay the cost between attorney and client in connection with the filing of the award in the Court and its enforcement unless the Court otherwise directs.

Notices and Communications

Notice and communication to a trading member or a constituent shall be served in any one or more or all the following ways and any such notice or communication under(a)to(f) below shall be served at its ordinary business address and/or at its ordinary place of residence and/or its last known address.

a)delivering it by hand

f)affixing it on the door at the last known business or residential address..

b)sending it by registered post

g)its oral communication to the party in the presence of a 3rd person

c)sending it under certificate of posting

h)advertising it at least once in any prominent daily newspaper.

d)sending it by express delivery post

i)a notice placed on the trading system of the exchange.

e)sending it by telegram

Refusal to accept delivery

11) In no case shall any refusal to take delivery of the notice or communication affect the validity of its service.

CONTRACT NOTE

Name of Partner/ Proprietor/Authorised Signatory

Subject to exclusive jurisdiction of the courts in MUMBAI only CONTRACT NOTE ISSUED BY MEMBERS DEALING WITH **CONSTITUENTS AS PRINCIPALS**

Tel no: Tlx no: Fax no:

Dealing Office address/Tel no/Tlx no/Faxno.

Name of the Member Address of the Member SEBI Regn.No. of the Member

Code No. of the Member:

Contract No:

To, Constituent Name/Code No/Constituent Order Ref. No

To be stamped as per the provisions applicable under the relevant Stamp Act

DATE: SETT NO:

SETT FROM:

TO:

Sir/ Madam.

I/We have this day ENTERED INTO following transactions as PRINCIPAL(S) TO PRINCIPAL(S):

Bought from you for Delivery / Clearing				Sold to you fo Delivery / clea			T T T T T T T T T T T T T T T T T T T		
Order No.			Contract Specifications	No. of units	1				
			ļ						
			·	<u> </u>		 			

YOUR CHEQUE REQUESTED FOR THE COST SHOWN HEREIN PLEASE PAY IMMEDIATELY FOR YOUR PURCHASES / DEBIT.

YOU ARE REQUESTED TO COLLECT THE CHEQUE FOR THE AMOUNT DUE TO YOU.

OTHER LEVIES, IF ANY:

Brokerage has been charged as stated and has been at rates not exceeding the official scale of brokerage and indicated separately. This contract is subject to the Rules, Bye-Laws and Regulations and usages of The National Stock Exchange of India Limited, MUMBAI. This contract is subject to the exclusive jurisdiction of the Courts in MUMBAI only.

In this event of any claim (whether admitted or not) difference or dispute arising between you and me/us out of these transactions the matter shall be referred to arbitration as provided in the Rules, Bye-laws and Regulations of the National Stock Exchange of India Limited, MUMBAI.

This contract constitutes and shall be deemed to constitute as provided overleaf an agreement between you and me/us that all claims(whether admitted or not), differences and disputes in respect of any dealings, transactions and contracts of a date prior or subsequent to the date of this contract (including any question whether such dealings, transactions or contracts have been entered into or not) shall be submitted to and decided by arbitration as provided in the Rules, Bye-Laws and the provisions printed overleaf form a part of the contract.

MUMBAI Date

Yours faithfully.

Member of National Stock Exchange of India Limited.

Reference to Arbitration

- (1) (a) All differences and disputes between a trading member and constituent arising out of or in relation to dealings on the exchange made subject to the Bye-laws, Rules, and Regulations of the Exchange or with reference to anything incidental thereto or in pursuance thereof or relating to their construction, fulfillment or validity or rights, obligations and liabilities shall be referred to and decided by arbitration as provided in the Bye Laws, Rules and Regulations of the Exchange.
 - (b) An acceptance, whether express or implied, of a contract subject to arbitration as provided in the sub-clause (a) and with this provision for arbitration incorporated therein shall constitute and shall be deemed to constitute an agreement between the trading member and constituent concerned that all claims, differences and disputes of the nature referred to in sub-clause (a)in respect of all dealings, transactions and contracts, of a date prior or subsequent to the date of the contract, shall be submitted to and decided by arbitration as provided in the Bye laws, Rules and Regulations of the Exchange and that in respect thereof any question of whether such dealings, transactions and contracts have been entered into or not shall also be submitted to and decided by arbitration as provided in the Bye laws, Rules and Regulations of the Exchange.

Operation of Contracts

All dealings, transactions and contracts which are subject to the Bye laws, Rules and Regulations of the Exchange and every arbitration agreement to which the Bye laws, Rules and Regulations of the Exchange apply shall be deemed in all respects to be subject to the Bye Laws, Rules and Regulations of the Exchange and the parties to such dealings, transactions, contracts and agreements shall be deemed to have submitted to the jurisdiction of the courts in MUMBAI for the purpose of giving effect to the provisions of the Bye laws, Rules and Regulations of the Exchange.

Appointment of Arbitrators

- (3) (a) All claims, differences and disputes required to be referred to arbitration under these Bye-laws, Rules and Regulations shall be referred to arbitration of a person agreeable to both parties selected from a Panel of Arbitrators set up for the purpose.
 - (b) On failure of both parties to come to agreement on appointment of an arbitrator within a period specified by the relevant authority from time to time, the relevant authority may appoint an arbitrator for this purpose.

Proceedings

(4) The arbitrator may proceed with the reference notwithstanding any failure to file a written statement within due time and may also proceed with the reference in the absence of any or all the parties who after due notice fall or neglect or refuse to attend at the appointed time and place.

Both Parties Present

(5) If a party to the arbitration reference is not present at the appointed time and place set by the arbitrator, the arbitrator may hear and decide the reference ex parte and if both parties to the reference are not present the arbitrator may dismiss the reference summarily.

Award binding on Parties and their Representatives

(6) The parties to the arbitration reference shall in all things abide by and forthwith carry into effect the award of the arbitrator which shall be final and binding on the parties and their respective representatives notwithstanding the death of or legal disability occurring to any party before or after the making of the award and such death or legal disability shall not operate as a revocation of the reference or award.

Further Award

Whenever an award made under these Bye laws, Rules, Regulations directs that a certain act or thing be done by one party to the reference and such party fails to comply with the award the other party may make a fresh reference to arbitration for a further award for the amount of damages or compensation payable by reason of such failure and the award therein may be filed separately or together with the original award.

Set-off and Counter-claim

On a reference to arbitration by one party the other party or parties shall be entitled to claim a setoff or make a counter-claim against the first party provided such set-off or counter claim arises out of or relates to dealings, transactions and contracts made subject to the Bye laws. Rules and regulations of the exchange and subject to arbitration as provided therein and provided further such set off or counter claim is presented together—with full particulars at or before the first hearing of the reference but not afterwards unless permitted by the arbitrator.

Costs

(9) The costs of reference and award including costs, charges, fees and other expenses shall be in discretion of the arbitrator who may decide and direct in the award to any by who, in what manner and in what proportion such costs, charges, fees and other expenses or any part thereof shall be borne and paid by the parties and may tax and settle the amount to be so paid or any part thereof. Failing any direction in the award the costs, the charges, fees and other expenses shall be borne by the parties to the reference in equal proportion. A party refusing to carry out an award shall pay the cost between attorney and client in connection with the filing of the award in the Court and its enforcement unless the Court otherwise directs.

Notices and Communications

(10) Notice and communication to a trading member or a constituent shall be served in any one or more or all the following ways and any such notice or communication under(a)to(f) below shall be served at its ordinary business address and/or at its ordinary place of residence and/or its last known address.

a)delivering it by hand

b)sending it by registered post

c)sending it under certificate of posting

d)sending it by express delivery post

e)sending it by telegram

f)affixing it on the door at the last known business or residential address..

g)its oral communication to the party in the presence of a 3rd person

h)advertising it at least once in any prominent daily newspaper.

i)a notice placed on the trading system of the exchange.

Refusal to accept delivery

(11) In no case shall any refusal to take delivery of the notice or communication affect the validity of its service.

ANNEXURE - III

MEMBER AND CONSTITUENT AGREEMENT

This agreement is made at MUMBAI this day of, a company
/ trust / firm / individual or any other body duly formed and registered under the relevant Act, hereinafter called MEMBER, having its registered office address at, and, a company / trust / firm /
individual or any other body duly formed and registered under the relevant Act, hereinafter called CONSTITUENT, having its registered office address at
WITNESSTH: Whereas the member is registered as TRADING MEMBER of NATIONAL STOCK EXCHANGE (hereinafter called NSE) on the Derivatives Market segment.
Whereas the CONSTITUENT is desirous of investing/trading in those contracts admitted for dealing on the Derivatives Market segment of the NSE as defined in the Bye - Laws of NSE.
Whereas the CONSTITUENT has satisfied itself of the capability of the MEMBER to deal in those contracts admitted for dealing on the Derivatives Market segment of NSE and wishes to execute his orders through him and the constituent shall continue to satisfy him of such capability of the MEMBER before executing any orders through him.
Whereas the MEMBER has satisfied and shall continously satisfy himself about the genuineness and financial soundness of the CONSTITUENT and investment objectives relevant to the services to be provided.

Whereas the MEMBER has taken steps and shall take steps to make the CONSTITUENT aware of the precise nature of the MEMBER's liability for business to be conducted, including any limitations on that liability and the capacity in it acts. In consideration of your handling derivatives transactions carried out on the Derivatives Market segment of the National Stock Exchange, I agree that

- I have read the Risk Disclosure Document appended hererto and understand the trading & risks involved in the trading these instruments and am fully responsible for my dealings in these instruments.
- 2) I shall be bound by the constitutions, bye-laws, rules, regulations, and customs of the National Stock Exchange and the National Securities Clearing Corporation Ltd.
- I shall deposit with you monies, securities or other property which may be required to open and/or maintain my account:
- I shall not, acting alone or in concert with others, directly or indirectly, hold and control excess number of permitted futures contracts as fixed from time to time by the Exchange.
- I shall not exercise a long or short position where, acting alone or in concert with others, directly or indirectly I will have exercised in excess of the number of permitted futures contracts as may be fixed from time to time by the Exchange.
- All monies, securities or other property which you may hold on my account shall be held subject to a general lien for the discharge of my obligations to you under this agreement.
- 7) I hereby authorise you at your discretion, should you deem it necessary for your protection to buy, sell or close out any part or all of the derivative contracts held in my account with you. Any or all such incidental expenses incurred by you will be reimbursed by me.

Now, THEREFORE, in consideration of the mutual understanding as set forth in this agreement, the parties thereto have agreed to the terms and conditions, as follows:

- 1. The agreement entered into between the Trading Member and the constituent shall stand terminated by mutual consent of the parties by giving at least one month notice to each other. Such termination shall not have any effect on the transactions executed before the date of notice of termination and the parties shall enjoy same rights and shall have same obligations in respect of such transactions.
- 2. In the event of the death or insolvency of the constituent or his otherwise becoming incapable of receiving and paying for or delivering or transferring securities which the constituent has ordered to bought or sold, the Trading

Member may with the approval of the Exchange, close out the transaction of the constituent and the constituent or his legal representative shall be liable for any losses, costs and be entitled to any surplus which may result therefrom.

3. All trades, transactions and contracts are subject to the Rules, Bye - Laws and Regulations of the Exchange and shall be deemed to be and shall take effect as wholly made, entered into and to be performed in the city of MUMBAI for the purpose of giving effect to the provisions of the Rules, Bye - Laws and Regulations of the Exchange.

In WITNESS THEREOF, the parties to agreement have caused these presents to be executed as of the day and year first above written.

SIGNED for a	nd on behalf of
THE member	
Ву	,
Signature	***************************************
Title	
Witness	
SIGNED for a	and on behalf of
THE constitue	ent :
Ву	
Signature	
Title	
Witness	# # # # # # # # # # # # # # # # # # #

ANNEXURE - IV

FORMAT OF THE CONSTITUENT REGISTRATION FORM

(THIS INFORMATION IS THE SOLE PROPERTY OF THE TRADING MEMBER / BROKERAGE HOUSE AND WOULD NOT BE DISCLOSED TO ANYONE UNLESS REQUIRED BY LAW)

FOR OFFICE PURPOSES:					
CONSTITUENT CODE: (TO BE INSERTED BY THE BROKERAGE FIRM)	SALESMAN CODE: (EMPLOYEE CODE / SUB BROKER CODE ASSIGNED BY THE BROKERAGE FIRM)				
VERIFIED BY	AUTHORISED BY:				
TRADING MEMBER'S	CLEARING MEMBER'S				
Name, Address, Telephone No.,	Name, Address, Telephone No.,				
SEBI Registration No.	SEBI Registration No.				
CONSTITUENT INFORMATION:	PHOTOGRAPH Please sign on the photograph				
NAME OF THE CONSTITUENT:	,				
SEX: MALE / FEMALE	(SURNAME) (NAME) (FATHER'S/ HUSBAND'S NAME				
DATE OF BIRTH:					
AGE:YEARS					
RESIDENCE ADDRESS:	······································				

CITY:					
PIN CODE:					
STATE:					
COUNTRY:					
NATIONALITY:	-				
TELEPHONE NUMBER: (RES)	FAX NO:				
NAME OF EMPLOYER:					
OFFICE ADDRESS:					
CITY:					
PIN CODE:					

STATE:
COUNTRY:
TELEPHONE NUMBER (OFFICE)FAX NO / TELEX NO:
RESIDENTIAL STATUS: INDIAN / NRI / OTHERS
PASSPORT NO:
OCCUPATION:
MARITAL STATUS: SINGLE / MARRIED
SPOUSE INFORMATION:
SPOUSE'S NAME: (SURNAME) (NAME) (MIDDLE NAME)
DATE OF BIRTH: (SURNAME) (NAME) (NAME) (MIDDLE NAME) (MIDDLE NAME)
OCCUPATION
IF EMPLOYED EMPLOYER'S NAME / SELF EMPLOYMENT DETAILS:
DESIGNATION:
PAN NO:
FINANCIAL DETAILS OF THE CONSTITUENT:
PAN NO:
INCOME RANGE (per annum):
Below Rs. 100000
Rs. 100000 to Rs. 200000
Rs. 200000 to Rs. 500000
Above Rs. 500000
(STRIKE OUT WHICH IS NOT APPLICABLE)

INVESTOR TYPE

INDIVIDUAL / HUF / PARTNERSHIP FIRM / FOREIGN INSTITUTIONAL INVESTOR / FINANCIAL INSTITUTION / MUTUAL FUNDS / NBFC'S

FOR INDIVIDUAL (IF EMPLOYED):
EMPLOYER'S NAME:
ADDRESS:
DESIGNATION;
WORKING WITH THE PRESENT EMPLOYER SINCE: YRS
MTHS
FOR INDIVIDUAL (IF SELF EMPLOYED):
ESTABLISHMENT NAME:
ADDRESS:
DESIGNATION:
ESTABLISHED SINCE; YRS MTHS
FOR HUF:
EMPLOYER'S NAME:
ADDRESS;
DESIGNATION:
WHETHER KARTA / FAMILY MEMBER:
FOR PARTNERSHIP FIRM / CORPORATES / BANKS / FOREIGN
INSTITUTIONAL INVESTOR / FINANCIAL INSTITUTION / MUTUAL
FUNDS / NBFC'S:
NAME:
SEBI REGISTRATION NO (IF APPLICABLE):
TOTAL NO OF EMPLOYEES:
NO OF EMPLOYEES IN THE TREASURY / INVESTMENT DEPT:
NO OF EMPLOYEES IN THE BACK OFFICE:
NETWORTH OF THE COMPANY:
NO OF DIRECTORS OF THE ENTITY:
NAMES AND ADDRESSES OF THE DIRECTORS OF THE COMPANY:

WHAT IS THE SHAREHOLDING PATTERN OF THE ENTITY? (SPECIFY)

SHAREHOLDERS	NAMES OF THE	% HELD
	SHAREHOLDERS	, 4 2202127
INDIAN INSTITUTIONAL		
INVESTORS		
FOREIGN INSTITUTIONAL	•	
INVESTORS		
STATE GOVT / CENTRAL		
GOVT		
PARENT HOLDING CO		
RETAIL SHAREHOLDERS	(SPECIFY ONLY THE NO)	
DIRECTOR'S /		
PROMOTER'S STAKE		
BANK ACCOUNT DETAIL	ILS	
		
BANK NAME: (MULTI BANK	KS THEN GIVE DETAILS)	
BRANCH:		
ADDRESS:		
ACCOUNT NO:		
ACCOUNT TYPE: SAVI		
TELEPHONE NUMBER	(S):	
FAX NO / TELEX NO: _		
INVESTMENT EXPERI	ENCE	
years in Stocks		
years in Derivativ	786	
	r investment related field	
DO YOU WANT TO TRADE ON ANY	SPECIFIC STOCK EXCHANGE:	
NATIONAL STOCK EXCHANGE ON T	HE FOLLOWING MARKET SEGMENTS	(PLEASE TICK IN THE RELEVANT BOXES)
1. WHOLESALE DEBT	MARKET	
2. CAPITAL MARKET		

3. DERIVATIVES MARKET

WHETHER REGISTERED WITH ANY O	THER BROKER-MEMBER:		
Name of Broker:			
Name of Exchange:			
Client Code No.:			
COLLATERAL'S SUBMI	<u> TTED TO THE BI</u>	ROKERAGE FI	<u>RM</u>
COLLATERAL'S	DECLARED	% HAIRCUT	ASSIGNED
	<u>VALUE</u>		<u>VALUE</u>
1. CASH			
2. MARKETABLE			
SECURITIES			
3. BANK GUARANTEES			
4. IMMOVABLE			
PROPERTY			
5. JEWELRY			
6. OTHERS (SPECIFY)			
REFERENCES			
CONSTITUENT INTROD			
	(SURNAME)	(NAME)	(FATHER'S/ HUSBAND'S NAME
INTRODUCING CONSTI	TUENT CODE:		

THE DETAILS FURNISHED BY ME / (NAME OF THE ENTITY) ARE TRUE TO THE BEST OF MY / (NAME OF THE ENTITY) KNOWLEDGE AND BELIEF. IN CASE IF ANY OF THE ABOVE INFORMATION IS FOUND TO BE FALSE OR UNTRUE THEN I AM / (NAME OF THE ENTITY) TO BE HELD LIABLE FOR IT.

(SIGNATURE OF THE INDIVIDUAL CONSTITUENT)

IN CASE OF HUF THEN

INCASE OF PARTNERSHIP FIRM / FOREIGN INSTITUTIONAL: INVESTOR / FINANCIAL INSTITUTION THEN

(SIGNATURE OF THE DIRECTORS OF THE COMPANY ATTESTED BY THE COMPANY SEAL.

PLEASE ATTACH A COPY OF THE FOLLOWING (ONLY RELEVANT):

- 1. INCOME TAX STATEMENT FOR THE LAST 2 FINANCIAL YEARS
- 2. COPY OF THE BALANCE SHEET FOR THE LAST 2 FINANCIAL YEARS
- 3. COPY OF THE PARTNERSHIP DEED IN CASE OF A PARTNERSHIP FIRM
- 4. COPY OF THE BOARD OF DIRECTORS' APPROVAL FOR PARTICIPATION IN DERIVATIVES TRADING.
- 5. COPY OF THE VALUERS CERTIFICATE IN CASE OF IMMOVABLE PROPERTY.
- 6. IN CASE OF AN INDIVIDUAL THEN KINDLY SUBMIT A COPY OF
 - PASSPORT
 - RATION CARD
 - _ NO OF PHOTOGRAPHS (AS PER REQUIREMENTS OF THE BROKER)
 - COPY OF THE SALARY SLIP OF THE CONSTITUENT FOR THE LAST MONTH.

ANNEXURE -V

RISK DISCLOSURE DOCUMENT

(THIS DOCUMENT SHOULD BE READ BY EACH AND EVERY PROSPECTIVE CONSTITUENT BEFORE ENTERING INTO DERIVATIVES TRADING AND SHOULD BE READ IN CONJUNCTION WITH CLAUSE 4,3,3 OF THE FUTURES REGULATIONS OF THE NATIONAL STOCK EXCHANGE OF INDIA)

NSEIL has not passed the merits of participating in this trading segment nor has NSEIL passed the adequacy or accuracy of this disclosure document. This brief statement does not disclose all of the risks and other significant aspects of trading. In light of the risks, you should undertake such transactions only if you understand the nature of the contracts (and contractual relationships) into which you are entering and the extent of your exposure to risk. Risk of loss in trading in derivatives can be substantial. You should carefully consider whether trading is appropriate for you in light of your experience, objectives, financial resources and other relevant circumstances. Futures trading thus requires not only the necessary financial resources but also the financial and emotional temperament. In case of any consequences or loss in the Futures & Options segment, the constituent shall be solely responsible for such loss and the exchange or SEBI shall not be responsible for the same and it will not be open for any client to take the plea that no adequate disclosure was made or he was not explained the full risk involved by the member. The client will be solely responsible for the consequences and no contract can be rescinded on that account.

RISKS INVOLVED IN TRADING IN FUTURES CONTRACTS

Effect of "Leverage" or "Gearing"

The amount of initial margin is small relative to the value of the futures contract so the transactions are 'leveraged' or 'geared'.

Stock index futures trading, which is conducted with a relatively small amount of margin, provides the possibility of great profit or loss in comparison with the principal investment amount. But transactions in futures carry a high degree of risk.

You should therefore completely understand the following statements before actually trading in stock index futures and also trade with caution while taking into account one's circumstances, financial resources, etc.

- A. If the futures price moves against you, you may lose a part of or whole margin equivalent to the principal investment amount in a relatively short period of time. Morever, the loss may exceed the original margin amount.
- .B. Futures trading involves daily settlement of all positions. Every day the open positions are marked to market based on the closing level of the index. If the index has moved against you, you will be required to deposit the amount of loss (notional) resulting from

- such movement. This margin will have to be paid within a stipulated time frame, generally before commencement of trading next day.
- C. If you fail to deposit the additional margin by the deadline or if an outstanding debt occurs in your account, the broker/member may liquidate a part of or the whole position or substitute securities. In this case, you will be liable for any losses incurred due to such close-outs.
- D. Under certain market conditions, an investor may find it difficult or impossible to execute transactions. For example, this situation can occur due to factors such as illiquidity i.e. when there are insufficient bids or offers or suspension of trading due to price limit or circuit breakers etc.
- E. In order to maintain market stability, the following steps may be adopted: changes in the margin rate, increases in the cash margin rate or others. These new measures may be applied to the existing open interests. In such conditions, you will be required to put up additional margins or reduce your positions.
- F. You must ask your broker to provide the full details of the futures contracts you plan to trade i.e. the contract specifications and the associated obligations.

You must keep in mind that the aforementioned statements cannot disclose all the risks and the characteristics of futures trading. Therefore, investors contemplating trading in the futures market should do so after understanding the mechanisms and the relevant provisions of such trading.

Risk-reducing orders or strategies

The placing of certain orders (e.g., "stop-loss" orders, or "stop-limit" orders) which are intended to limit losses to certain amounts may not be effective because market conditions may make it impossible to execute such orders. Strategies using combinations of positions, such as "spread" positions, may be as risky as taking simple "long" or "short" positions.

Suspension or restriction of trading and pricing relationships

Market conditions (e.g., illiquidity) and/or the operation of the rules of certain markets (e.g., the suspension of trading in any contract or contact month because of price limits or "circuit breakers") may increase the risk of loss due to inability to liquidate/offset positions.

Deposited cash and property

You should familiarise yourself with the protections accorded to the money or other property you deposit particularly in the event of a firm insolvency or bankruptcy. The extent to which you may recover your money or property may be governed by specific legislation or local rules. In some jurisdictions, property which has been specifically identifiable as your own will be pro-rated in the same mariner as cash for purposes of distribution in the event of a shortfall. In case of any dispute with the member, the same shall be subject to arbitration as per the byelaws/regulations of the exchange.

Commission and other charges

Before you begin to trade, you should obtain a clear explanation of all commission, fees and other charges for which you will be liable. These charges will affect your net profit (if any) or increase your loss.

Trading facilities

The Exchange offers electronic trading facilities which are computer-based systems for order-routing, execution, matching, registration or clearing of trades. As with all facilities and systems, they are vulnerable to temporary disruption or failure. Your ability to recover certain losses may be subject to limits on liability imposed by the system provider, the market, the clearing house and/or member firms. Such limits may vary; you should ask the firm with which you deal for details in this respect.

Off-exchange transactions

In some jurisdictions, and only then in restricted circumstances, firms are permitted to effect aff-exchange transactions. The firm with which you deal may be acting as your counterparty to the transaction. It may be difficult or impossible to liquidate an existing position, to assess the value, to determine a fair price or to assess the exposure to risk. For these reasons, these transactions may involve increased risks. Off-exchange transactions may be less regulated or subject to a separate regulatory regime. Before you undertake such transactions, you should familiarize yourself with applicable rules and attendant risks.

I hereby acknowledge that I have received and understood this risk disclosure statement.

Customer Signature (If Partner, Coseal.)	rporate, or other Ş	signatory, then attest	with company

National Stock 'Exchange of India Limited

The amendments to the byelaws of National Stock Exchange of India Limited are given hereunder:-

[I] 1. The existing byelaw (11) of the 'Definitions' of the byelaws of the Exchange is proposed to be substituted by the following byelaw:

QUOTE

"(11) "Relevant Authority" means the Board, Securities and Exchange Board of India or such other authority as specified by the Board from time to time as relevant for a specified purpose."

UNQUOTE

2. The following is proposed to be inserted as byelaw (5) after the existing byelaw (4) of Chapter I of the byelaws of the Exchange:

QUOTE

"(5) Futures & Options Trading Segment

Derivatives contracts approved by SEBI may be admitted to dealings on the Futures & Options Trading Segment."

UNQUOTE

Existing byelaw (5) will be renumbered as byelaw (6).

3. The following is proposed to be inserted as byelaw (7) after the existing byelaw (6) of Chapter VII of the byelaws of the Exchange:

QUOTE

"Restriction on the trading members

(7) Unless the Exchange otherwise specifies, a Trading Member shall not become a constituent of another Trading Member."

UNQUOTE

4. The following is proposed to be inserted as byelaw (18A) after the existing byelaw (18) of Chapter IX of the byelaws of the Exchange:

OUOTE

"Subject to the regulations prescribed by the relevant authority from time to time, any deal in securities made on the Exchange may be transferred from one Trading Member to another Trading Member under such circumstances and in respect of such trading segment of the Exchange as may be specified by the relevant authority from time to time."

UNQUOTE

5. The existing byelaw (20) of Chapter IX of the byelaws of the Exchange is proposed to be substituted by the following byelaw:

QUOTE

"Form of Margin Deposit

The margin to be furnished by a trading member under these Bye Laws and Regulations shall, inter alia, be in the form of cash or Deposit Receipt of or a Guarantee given by a Bank approved by the relevant authority or securities approved by it subject to such terms and conditions as it may from time to time impose. Deposits of cash shall not carry interest and the securities deposited by a trading member valued at the ruling market price shall exceed the margin amount for the time being covered by them by such percentage as relevant authority may from time to time specify."

UNQUOTE

6. The existing byelaw (2) of Chapter X of the byelaws of the Exchange is proposed to be substituted by the following byelaw:

QUOTE

A trading member may not accept instructions or orders of constituents for purchase, sale, etc., of securities where circumstances appear to justify such action or on reasonable grounds. Where such refusal is made, the same may be communicated to the constituent. The trading member shall also furnish the constituent the reasons for such refusal on a request being made by him.

UNOUOTE

7. The following clause is proposed to be inserted in the byelaw (5) of Chapter X of the byelaws of the Exchange:

QUATE

"(a) The Exchange may close-out open positions of a constituent or transfer his open positions to another trading member under such circumstances and in respect of such trading segment of the Exchange as may be specified by the relevant authority from time to time."

UNQUOTE

The existing clauses (a) & (b) of the hyelaw (5) shall be re-numbered as (b) & (c) respectively.

8. The existing hyelaw (8) of Chapter X of the hyelaws of the Exchange is proposed to be substituted by the following hyelaw:

QUOTE

"Closing-out/transfer by Constituent on Failure to Berform a Contract

(1) If a trading member fails to complete the performance of a contract by delivery or payment in accordance with the provisions of these Bye Laws, Rules and Regulations the constituent shall, after giving notice in writing to the trading member and Exchange, close-cut such contract through any other trading member of the Exchange for transfer of contracts to another trading member as soon as possible and any loss or damages sustained as a result of such closing-out or transfer, as the case may be, shall be immediately payable by the defaulting trading member to the constituent. If closing-out or transfer be not effected as provided herein the damages between the parties shall be determined on such basis as specified by the relevant authority from time to time and the constituent and the trading member shall forfeit all further right of recourse against each other."

UNQUOTE

[II]. 1. Byelaw 1 of Chapter XI is proposed to be substituted by the following byelaw:

QUQTE

All claims, differences or disputes between the Trading Members inter se and between Trading Members and Constituents arising out of or in relation to dealings, contracts and transactions executed or reported on the Exchange and

made subject to the Byelaws, Rules and Regulations of the Exchange of with reference to anything incidental thereto of in pursuance thereof of relating to their validity, construction, interpretation, fulfillment of the Hights, obligations and liabilities, of parties thereto shall be submitted to arbitration in accordance with the provisions of these Byelaws and Regulations.

UNUUUTE

2. The following byelaw is proposed to be inserted as byelaw 1 A after the existing Byelaw 1 of Chapter XI:

HUUH

"(1A) All claims, differences or disputes between the Trading Members and Subbrokers and between Sub-brokers and Clients of Sub-brokers arising out of of in relation to dealings, contracts and transactions executed or reported on the Exchange and made subject to the Byelaws, Rules and Regulations of the Exchange or with reference to anything incidental thereto or in pursuance thereof or relating to their validity, construction, interpretation, fulfilment or the rights, obligations and liabilities of the parties thereto shall be submitted to arbitration in accordance with the provisions of these Byelaws and Regulations.

Explanation: For the purpose of these Byelaws, Sub-broker and Clients will have the respective meanings assigned by SEHI (Stock-Brokers and Sub-Brokers) Regulations, 1992, provided the Sub-broker has obtained SEHI registration under the Trading Member of the Exchange."

The state of the s

The first of the second of the

UNQUOTE

3. The following byelaw is proposed to be inserted as byelaw 1B after byelaw 1A of Chapter XI:

OUOTE

"(1B) All claims, differences of disputes between the Trading Members inter se, Trading Members and Participants and Participants and Participants and Participants inter se dissing out of or in relation to dealings, contracts and transactions executed or reported on the Wholesale Debt Market Trading Segment of the Exchange and made subject to the Byelaws, Rules and Regulations of the Exchange of with reference to anything incidental thereto or in pursuance thereof or relating to their validity, construction, interpretation, fulfillment or the rights, obligations and liabilities of the parties thereto shall be submitted to arbitration in accordance with the provisions of these Byelaws and Regulations."

UNQUOTE

4. The following byelaw is proposed to be inserted as byelaw 1C after byelaw 1B of Chapter XI:

QUOTE

"(1C) The provisions of Bye laws (1), (1A) and (1B) shall become applicable to all claims, differences, disputes between the parties mentioned therein for all dealings, contracts and transactions made subject to the Bye laws, Rules and Regulations of the Exchange provided such dealings, contracts and transactions had been entered into between the parties mentioned therein prior or to the date on which the Trading Member was either declared a defaulter or expelled or has surrendered his trading membership."

UNCJOTE

5. The following byelaw is proposed to be inserted as byelaw 30 after the existing Byelaw 29 of Chapter XII:

QUOTE

"The Defaulters' Committee for the purpose of this Chapter shall be a Committee as may be constituted by the Board of Directors from time to time. At any point of time not less than sixty percent of the members of the Defaulters' Committee shall be from among non-trading members."

UNQUOTE

6. The following byelaw is proposed to be inserted as byelaw 31 after the byelaw 30 of Chapter XII:

QUOTE

"(31) Notwithstanding anything to the contrary contained in this Chapter, where any securities are lodged for rectification of company objection arising out of signature difference or otherwise against a defaulter, the Exchange or National Securities Clearing Corporation Limited (Clearing Corporation) shall, after satisfying itself about the bonafides of the receiving member/client of the receiving member, acquire the securities in its own name for the benefit of or in trust for the receiving member/client of the receiving member. The Exchange/Clearing Corporation may upon payment of such charges as it may prescribe, sell or otherwise dispose of the securities so acquired or transfer the securities to the receiving member/client of the receiving member, in full and final satisfaction of the claim. Provided that the Exchange/Clearing Corporation shall be free to require such receiving member/client of the receiving member to indemnify the Exchange and Clearing Corporation in such form and manner as it may prescribe, as a condition precedent. Provided further that such payment of sale proceeds or transfer of securities to the receiving member / client of the

receiving member shall discharge the claim completely and no further claim shall librarians the defaulter on any ground whatsoever."

UNQUO 1 &

7. Byelaws 10, 11 and 12 of Chapter XIII are proposed to be deleted.

For National Stock Exchange of India Limited

J. Ravichandran Company Secretary & Vice President

National Securities Clearing Corporation Limited

The Rules of Futures & Options Segment of National Securities Clearing Corporation Limited are given hereunder:

QUOTE

National Securities Clearing Corporation Limited (Futures & Options Segment)
Rules, 2000

CHAPTER I: DEFINITIONS

1. BOARD

"Board" means Board of Directors of National Securities Clearing Corporation Limited.

2. BYE LAWS

Unless the context indicates otherwise, "Bye Laws" means the Bye Laws of the Futures & Options segment of the Clearing Corporation for the time being in force.

3. CLEARING BANK(S)

"Clearing Bank(s)" is such bank(s) as the Clearing Corporation may appoint to act as a funds settling agency, for the collection of margin money for all deals in respect of Futures & Options Segment cleared through the Clearing Corporation and any other funds movement between Clearing Members and the Clearing Corporation and between Clearing Members as may be directed by the Clearing Corporation from time to time.

4. CLEARING CORPORATION

"Clearing Corporation" means National Securities Clearing Corporation Limited.

5. CLEARING MEMBER

"Clearing Member" means a member of the Futures & Options segment of the Clearing Corporation and includes all categories of Clearing Members as may be admitted as such by the Clearing Corporation in the Futures & Options segment but does not denote the shareholder of the Clearing Corporation.

... FUTURES & OPTIONS SEGMENT

"Futures & Options Segment" or "F & O Segment" means Futures & Options Segment of the Clearing Corporation and also includes the different clearing sub-segments or divisions thereof for clearing and settlement of deals as may be classified by the relevant authority from time to time."

7. DEALS

"Deals" means, unless the context indicates otherwise, deals which are admitted to be cleared and settled through the F & O segment of the Clearing Corporation.

8. REGULATIONS

"Regulations" means Regulations of the F & O segment of the Clearing Corporation for the time being in force and includes business rules, code of conduct and such other procedures and regulations, circulars, directives and orders as issued by the relevant authority from time to time for the operations of the F & O segment of the Clearing Corporation.

9. RELEVANT AUTHORITY

"Relevant Authority" means the Board, Securities Exchange Board of India or such other authority as specified by the Board from time to time as relevant for a specified purpose.

10. SETTLEMENT FUND

"Settlement Fund" means a fund established and magnitained in accordance with the relevant provisions of the Bye Laws in respect of the F & O Segment. (F & O segment).

11. TRADING MEMBER

"Trading Member" means any person admitted as a member in the F&O Segment of any Exchange in accordance with the Rules, Bye Laws and Regulations of that Exchange.

Note: The terms defined above shall mean the same when used in lower case in the Bye Laws and Regulations, unless the context indicates otherwise.

CHAPTER II: BOARD

- 1. The Board is empowered to organise, maintain, control, manage, regulate and facilitate the operations of the F & O segment of the Clearing Corporation and all activities of the Clearing Members
- 2. The Board is empowered to make Rules, Bye Laws and Regulations from time to time, for all or any matters relating to the conduct of business of the F & O segment of the Clearing Corporation, the business and transactions of Clearing Members, between Clearing Members inter-se as well as the business and transactions between Clearing Members and persons who are not Clearing Members, and to control, define and regulate all such transactions and dealings and to do such acts and things which are necessary for the purposes of the F & O segment of the Clearing Corporation.

- 3. Without prejudice to the generality of the foregoing, the Board is empowered to make Regulations for all or any of the following matters:
- 1. conduct of business of the F & O segment of the Clearing Corporation;
- 2. appointment and dissolution of Committee or Committees for any purpose of the Clearing Corporation;
- 3. manner of operations and interfacing with exchanges, custodians, depository and clearing bank(s);
- 4. norms, procedures, terms and conditions for admission to membership of the F & O segment of the Clearing Corporation;
- 5. conditions, levy for admission or subscription for admission or continuance of Clearing Membership of the F & O segment of the Clearing Corporation;
- 6. conduct of Clearing Members with regard to the business of the Clearing Corporation;
- 7. prescription, from time to time, of capital adequacy and other norms which shall be required to be maintained by different categories of Clearing Members;
- 8. charges payable by Clearing Members for business transacted through the F & O segment of the Clearing Corporation as may be laid down from time to time;
- 9. maintenance of records and books of accounts by Clearing Members as may be specified from time to time;
- 10. investigation of the financial condition, business conduct and dealings of the Clearing Members;
- 11. prescription from time to time, and administration of penalties, fines and other consequences, including suspension/expulsion of Clearing Members from the F & O segment of the Clearing Corporation for violation of any requirements of the Rules, Bye Laws and Regulations and the codes of conduct;
- 12. disciplinary action/procedures against any Clearing Member;
- 13. penalties for non compliance with or contravention of the Bye Laws, Rules and Regulations or of general discipline of the F & O segment of the Clearing Corporation, including expulsion or suspension of the Clearing Members;
- 14. declaration of any Clearing Member as a defaulter or suspension or resignation or exclusion from Clearing Membership and consequences thereof;
- 15. Such other matters in relation to the Clearing Corporation as may be specified under the provisions of the Articles of Association, Bye Laws or these Rules or as may be necessary or expedient for the organisation, maintenance, control, management, regulation and facilitation of the operations of the Clearing Corporation.
- 4. The Board is empowered to delegate, from time to time, to Executive Committee(s) or any other committee(s) or to the Managing Director or to any person, such of the powers vested in it and on such terms as it may think fit, to manage all or any of the affairs of the F & O segment of the Clearing Corporation and from time to time, to revoke, withdraw, alter or vary all or any of such powers.
- 5. The Board may, from time to time, constitute one or more committees comprising of members of the Board or such others as the Board may in its discretion deem fit or necessary and delegate to such committees such powers as the Board may deem fit and the Board may from time to time revoke such delegation.
- 6. The Board shall have the authority to issue directives from time to time to the Executive Committee or any other Committees or any other person or persons to whom any powers have been delegated by the Board.

Such directives issued in exercise of this power, which may be of policy nature or may include directives to dispose off a particular matter or issue, shall be binding on the concerned Committee(s) or person(s).

- 7. The Board is empowered to vary, amend, repeal or add to ByeLaws and Rules framed by it with prior approval of SEBI if any.
- 8. The Board is authorised to vary, amend, repeal or add to Regulations framed by it. Such changes shall be intimated to SEBI within 24 hours.

CHAPTER III: EXECUTIVE COMMITTEE

1. CONSTITUTION

One or more Executive Committee(s) may be appointed by the Board for the purposes of managing the day to day affairs of the different clearing sub-segment(s) of the F & O segment of the Clearing Corporation. The Board may decide on the constitution; duration and powers of the Executive Committee(s), nomination and vacation of the nominees from the Executive Committee(s) and appointment of office bearers and rules and procedures for the functionary of a hardward Committee(s).

2. POWERS OF EXECUTIVE COMMITTEE

- 1) The Board may delegate from time to time to the Executive Committee(s) such of the powers vested in it and upon such terms as it may thank fit, to manage all or any of the affairs of the F & O segment of the Clearing Corporation and from time to time, to revoke, withdraw, alter or vary all or any of such powers.
- 2) The Executive Committee(s) shall be bound and obliged to carry out and implement any directives assued by the Board from time to time and shall be bound to comply with all conditions of delegation and limitations on the powers of the Executive Committee(s) as may be specified.

CHAPTER IV: CLEARING MEMBERSHIP

1. MULTIPLE CATEGORY

The rights, privileges duties and responsibilities of a Clearing Member shall be subject to and in accordance with the Rules, Bye Laws and Regulations. The relevant authority may define and admit more than one category of Clearing Members for the same clearing sub-segment or for different clearing sub-segments and may specify different norms including eligibility, admission and constant of membership for different sub-segments.

2. ADMISSION AND FEES

- 1) The relevant authority may specify different categories of Clearing Members and requirements regarding qualification, networth, infrastructure and other relevant norms for each such category.
- 2) The relevant authority may specify pre-requisites, conditions, formats and procedures for application for admission, termination, re-admission, etc. of Clearing Members to all or any of the clearing subsegments of the F & O segment of the Clearing Corporation. The relevant authority may, at its absolute discretion, refuse permission to any applicant to be admitted as Clearing Member to all or any of the clearing sub-segments.

3) Such fees, security deposit, contribution and other money as are specified by the relevant authority would be payable on or before admission as Clearing Member and for continued appointment the colling.

3. ELIGIBILITY

- 1. The following persons shall be eligible to become Clearing Members of the F & O segment of the Clearing Corporation:
 - a) Individuals
 - b) Registered Firms
 - c) Bodies corporate; and
 - d) Companies as defined in the Companies Act, 1956
- 2. No person shall be admitted as a Clearing Member if such proposed member:
 - a) is an individual who has not completed 21 years of age;
 - b) has been adjudged bankrupt or a receiving order in bankruptcy has been made against the person or the person has been proved to be insolvent even though he has obtained his final discharge;
 - c) has compounded with his creditors for less than full discharge of debts;
 - d) has been convicted of an offence involving a fraud or dishonesty;
 - e) is a body corporate which has committed any act which renders it liable to be wound up under the provisions of the law;
 - f) is a body corporate which has had a provisional liquidator or receiver or official liquidator appointed to the person;
 - g) has been at any time expelled or declared a defaulter by any other stock exchange or clearing corporation;
 - h) has been previously refused admission to Clearing Membership unless the period of one year has elapsed since the date of rejection;

4. ADDITIONAL ELIGIBILITY CRITERIA

No person shall be eligible to be admitted to the Clearing Membership unless the person satisfies such additional eligibility criteria as the Board or relevant authority may prescribe from time to time for different classes of Clearing Members and clearing sub-segments.

Provided further that the relevant authority may waive compliance with any or all of the admission conditions and at their discretion waive the requirements set out as above, if they are of the opinion that the person seeking admission is considered by the relevant authority to be otherwise qualified to be admitted as a Clearing Member by reason of his means, position, integrity, knowledge and experience of business in securities.

5. AD VIISSION

- Any person desirous of becoming a Clearing Member shall apply to the F & G segment of the Clearing Corporation for admission to the Clearing Membership of the relevant clearing subsegment of the F & O segment of the Clearing Corporation. Every applicant shall be dealt with by the relevant authority which shall be entitled to admit or reject such applications at its discretion.
- (2) The application for admission of Clearing Members to each segment shall be made in such formats as may be specified by the relevant authority from time to time.
- (3) The application shall have to be submitted along with such fees, security deposit and other monies in such form and in such manner as may be specified by the relevant authority from time to time.

- (4) The applicant shall have to furnish such declarations, undertakings, certificates, confirmations and such other documents or papers as may be specified from time to time by the relevant authority.
- (5) The relevant authority shall have the right to call upon the applicant to pay such fees or deposit such additional security in cash or kind, deposit or contribution to Settlement Fund and any other fund that may be maintained by the F & O segment of the Clearing Corporation from time to time, to furnish any additional guarantee or to require contribution to computerisation fund, training fund or fee, if any, as the relevant authority may prescribe from time to time.
- (6) The relevant authority may provisionally admit the applicant to Clearing Membership provided that the applicant satisfies the eligibility conditions and other procedures and requirements of application subject to such terms and conditions as may be specified by the relevant authority. Upon the relevant authority being satisfied that all other terms and conditions and other requirements for the Clearing Membership have been complied with, the applicant may be admitted as a Clearing Member. The granting of provisional membership shall not entitle the applicant to any privileges and rights of Clearing Membership.
- (7) The relevant authority may at its absolute discretion reject any application for admission without communicating the reason thereof.
- (8) If for any reason the application is rejected, the application fee or admission fee, if any, as the case may be or part thereof as may be decided by the relevant authority may at its discretion be refunded to the applicant, without any interest.
- (9) The relevant authority may at any time from the date of admission to the Clearing Membership withdraw the admission and expel a Clearing Member if he has in or at the time of his application for admission to membership or during the course of the inquiry made by the relevant authority preceding his admission:
 - a) made any willful misrepresentation; or
 - b) suppressed any material information required of him as to his character and antecedents; or
 - c) has directly or indirectly given false particulars or information or made a false declaration
- 10 a) The membership admission does not confer any ownership right as a member of the Clearing Corporation and shall not be transferable or transmittable except as herein mentioned.
 - b) Subject to such terms and conditions as the relevant authority may prescribe from time to time and to the prior written approval of the relevant authority, transfer of the Clearing Membership, may be effected as follows:
 - i) by making nomination under these Rules;
 - ii) by an amalgamation or merger of a Clearing Member company;
 - iii) by takeover of a Clearing Member company;
 - iv) by transfer of the Clearing Membership of a Clearing Member firm to a new firm, in which, all the existing partners are not partners; and
 - v) by two or more Clearing Members / Clearing Member firms coming together to form a new partnership firm/company.
 - c) A Clearing Member or his successor(s) may make a nomination to Clearing Membership. The nomination(s) made by a Clearing Member or successor(s) of a Clearing Member shall be subject to the following conditions, namely;

- The nominee(s) shall, at the time when the nomination becomes effective, be person(s) who shall be qualified to be admitted as Clearing Member(s) of the Clearing Corporation;
- n) is a nominee(s) whalf give to the relevant authority his/their unconditional and urrevocable acceptance of his/their nomination;
- iii) A Clearing Member shall nominate one or more of his successor(s) as per the applicable succession laws. If the Clearing Member has no successor(s) willing to carry on the Clearing Membership, then, the Clearing Member may nominate person(s) other than his successor(s);
- iv) If the Clearing Member has not nominated any person and is rendered incompetent to carry on his business on the F & O segment of the Clearing Corporation on account of physical disability, then the Clearing Member may, within a period of six months, make a nomination as per the provisions of sub-clause (iii) above;
- v) The Clearing member has not nominated any person, the successor(s) of the Clearing Member may non-mate one or more persons from among themselves within six months from the date of the death of the Clearing Member;
- vi) If the nomination of the Clearing Member's such that it cannot be given effect to by the relevant authority, at the time where the nomination would have become effective, then the successor(s) of such a Clearing Member may nominate any other person(s) within six months from the date on which the nomination would have become effective:
- vii) If more than one person(s) are nominated by the Clearing Member or the successor(s), then such nominated person(s) shall be required to form a company to carry on the Clearing Membership.
- viii) A nomination made by a Clearing Member or successor(s) may be revoked with the prior written approval of the relevant authority and subject to such terms and conditions as the relevant authority may prescribe from time to time. No such revocation shall be permitted after the nomination becomes effective; and
- ix) The nomination shall become effective in the case of a nomination made by a Clearing Member, from the date of his death or physical disability or from the date of approval by the relevant authority, whichever is later and in the case of a nomination made by successor(s), from the date on which such nomination is made or from the date of approval by the relevant authority whichever is later;
- d) The relevant authority may permit the transfer of Clearing Membership in the following circumstances:
 - (i) Death of a Clearing Member;
 - (ii) If in the opinion of the relevant authority, the Clearing Member is rendered incompetent to carry on his business on the F & O segment of the Clearing Corporation on account of physical disability;
 - (iii) Upon amalgamation or merger of a Clearing Member company;
 - (iv) Upon takeover of a Clearing Member company; and
 - (v) Upon the death of or resignation or notice of dissolution by a partner of a Clearing Member firm, and re-alignment, if any, by the partners in such firm or by the partners in such firm and the nominee(s)/successor(s) of the outgoing partner or by the partners in such firm and person(s) other than the nominee(s)/successor(s) of the outgoing partner in a new firm, within a period of six months from the date of such death or resignation or notice of dissolution.
- e) The relevant authority may, while permitting the transfer, prescribe from time to time such transfer fee as it deems fit in the following customstances viz;
 - i) nomination by a Clearing Member of a person other than successor(s) under the applicable laws;

- ii) nomination by the successor(s) of a Clearing Member, if the nominee(s) is/are not from amongst the successors;
- iii) amalgamation or merger of a Clearing Member company with a non Clearing Member company resulting in the loss of majority shareholding and/or control of management by the majority shareholders of the Clearing Member company;
- iv) takeover of the Clearing Member company by non Clearing Member(s) resulting in the loss of majority shareholding and/or control of management by the majority shareholders of the Clearing Member company and
- v) in the case of sub-clause (v) of clause (d), if the person(s) other than the nominee(s)/successor(s) of the outgoing partner hold at least 51% of share in the capital of the new firm.

Explanation I

For the purpose of sub-clauses (iii) and (iv) above, the term "loss of majority shareholding" means a shareholder or a group of shareholders holding 51% or more shares / interest in the Clearing Member company ceases to hold 51% of shares / interest in the Clearing Member company or in the amalgamated company which shall take up Clearing Membership upon amalgamation of the Clearing Member company with a Non Clearing Member company.

Explanation II

For the purpose of sub-clauses (iii) and (iv) above, the term "loss of control in management" means the loss of the right to appoint majority of the directors or to control the management or policy decision exercisable by person or persons acting individually or in concert, directly or indirectly including by virtue of their shareholding or management rights or shareholders agreements or voting agreements or in any other manner.

- (f) For the purpose of the clauses (b) to (e), the term 'Clearing Member' shall to the extent applicable include a partner of a Clearing Member firm or a shareholder of a Clearing Member company. The term successor(s) shall to the extent applicable, include successor(s) of a partner of a Clearing Member firm or successor(s) of a shareholder of a Clearing Member company.
- (g) Without prejudice to any other provision of the Rules, the Clearing Membership may be suspended, for such period as the relevant authority may deem fit, in the following circumstances:
 - (i) Upon the individual Clearing Member or a partner of a Clearing Member firm or a shareholder of a Clearing Member company, in the opinion of the relevant authority, being rendered incompetent to carry on his business on account of physical disability;
 - (ii) Upon the mental disability of the individual Clearing Member or a partner of a Clearing Member firm provided the partner holds atleast 51% of share in the profits & losses of and/or atleast 51% of share in the capital of such firm or a shareholder of a Clearing Member company provided the shareholder is a majority shareholder in such Clearing Member company;
 - (iii) Upon the death of an individual Clearing Member or a partner of a Clearing Member firm provided the partner holds at least 51% of share in the profits & losses of and/or at least 51% of share in the capital of such firm or a shareholder of a Clearing Member company, provided the shareholder is a majority shareholder in such Clearing Member company and during the six month period within which successor(s) of such individual Clearing Member partner or shareholder, may

nominate person(s) to take up the stake/shares of such deceased individual Clearing Member or partner or shareholder;

- (iv) Upon the dissolution of a Clearing Member firm and during the six month period as referred to in sub clause (v) of clause (d); and
- (v) Upon any deadlock in the management of a Clearing Member firm or Clearing Member company, which, in the opinion of the relevant authority will affect the ability of the such Clearing Member firm or Clearing Member company to carry on its business. The Clearing Member shall be entitled for an opportunity for representation before the relevant authority, before being suspended under this subclause, but the decision of the relevant authority shall be final.

Explanation I

For the purposes of this sub-clause, the term "Deadlock in the Management" means a situation wherein there is a loss of confidence or disagreement among the partners of a Clearing Member firm or among the directors/shareholders of a Clearing Member company, which, in the opinion of the relevant authority, will affect or is likely to affect the conduct of business by the Clearing Member firm or Clearing Member company, as the case may be or an equality of vote at a meeting of the directors or shareholders of a Clearing Member company.

- (h) Without prejudice to any other provision of the Rules, the Clearing Membership may be terminated by the relevant authority if an acceptable nomination or realignment, as the case may be, does not take place to the satisfaction of the relevant authority, within the said period of six months.
- (1) The nominee(s), successor(s), partners of a Clearing Member firm or such other persons, as the case may be shall be entitled for an opportunity for representation before the relevant authority, before being terminated under clause (h) above, but the decision of the relevant authority shall be final.

Leaversion of legal status of the Clearing Member:

- (j) Subject to such terms and conditions as the relevant authority may prescribe from time to time and to the prior written approval of the relevant authority, conversion of the legal status of a Clearing Member may be effected as follows:
 - (1) by conversion of an individual Clearing Member into a partnership firm/company.
 - (ii) by conversion of a Clearing Member firm into a company.
- (k) The relevant authority may permit the conversion of the legal status of the Clearing Member in the following circumstances:
 - (i) In the Case of sub-clause (I) of clause (j), if the individual Clearing Member holds and continues to hold at least 51% of the share in the profits/losses and/or atleast 51% of share in the capital of the partnership firm, or atleast 51% of shareholding / interest in the company, which shall take up the Clearing membership of the Clearing Corporation.
 - (11) In the case of sub-clause (11) of clause (j), if the partners holding at least 51% of share in the profits / losses and / or at least 51% of share in the capital of the Clearing Member firm hold and continue to hold at least 51% of shareholding / interest in the company which shall take up the Clearing Membership of the Clearing Corporation.

11. A Clearing Member shall not assign, mortgage, pledge, hypothecate or charge his membership or any rights or privileges attached thereto nor shall he have the right to give it grant power of attorney in respect of such rights and privileges and no such attempted assignmortgage, pledge, hypothecation or charge or license or power of attorney shall be effective as a the Clearing Corporation for any purpose, nor shall any right or interest in any Clearing Member than the personal right or interest of the Clearing Member therein be recognised by the Charge Corporation who acts or attempts to act in violation of the provisions of this rule or take and disciplinary action as it may deem fit.

6. CONDITIONS

- (1) Clearing Members shall adhere to the Rules, Bye Laws and Regulations and shall cone; with such operational parameters, rulings, notices, guidelines and instructions of the relational authority as may be applicable.
- (2) All contracts issued for admitted deals shall be in accordance with and subject to Rules, five Laws and Regulations.
- (3) Clearing Members shall furnish declarations, undertakings, confirmation and such office documents and papers relating to such matters and in such forms as may be specified by the relevant authority from time to time.
- (4) Clearing Members shall furnish to the F & O segment of the Clearing Corporation who such time as may be specified an annual Auditors' Certificate certifying that specified by the relevant authority from time to time pertaining to the operations have been complied with.
- (5) Clearing Members shall furnish such information and periodic returns pertaining to operations as may be required by the relevant authority from time to time.
- (6) Clearing Members shall furnish to the F & O segment of the Clearing Corporal audited and/or unaudited financial or qualitative information and statements and in saching as may be required by the relevant authority from time to time.
- (7) Clearing Members shall comply with such requirements as may be specified by the relative authority from time to time with regard to advertisements, booklets and issue of circuit connection with their activities as Clearing Members.
- (8) Clearing Members shall extend full cooperation and furnish such information and explain the and in such manner as may be required by the relevant authority or authorised person of the Clearing Corporation for inspection or audit or in regard to any dealings, settlement, according and/or other related matters.

7. PARTNERSHIPS

- partnership or make any change in the name of an existing partnership without intimation and partnership or approval of the relevant authority in such form and manner and subject to store requirements as the relevant authority may specify from to time; these requirements in inter alia, include deposits, declarations, guarantees and other conditions to be met by and which may be binding on all partners.
- No Clearing Member shall, at the same time, be a partner in more than one partnership firm which is a Clearing Member of the Clearing Corporation.
- (3) No Clearing Member who is a partner in any partnership firm shall assign or in any way encumber his interest in such partnership firm.
- (4) The partnership firm shall register with such authorities as may be required asset relevant laws and shall produce proof of such registration to the F & O segment of the Clearing Corporation.

- (5) The partners of the firm shall do business only on account of the firm and jointly in the name of the partnership firm. No single partner or group of partners are entitled to any rights and privileges of Clearing Membership independent from that of their partnership firm.
- (6) The partners of the partnership firm must communicate to the Clearing Corporation in writing under the signatures of all the partners or surviving partners any change in such partnership either by dissolution or retirement or death of any partner or partners.
- (7) Any notice of the Clearing Corporation intimating dissolution of a partnership shall contain a statement as to who undertakes the responsibility of settling all outstanding contracts and liabilities of the dissolved partnership firm but that shall not be deemed to ab. Ive the other partner or partners of his or their responsibility for such outstanding contracts and liabilities.

8. TERMINATION OF MEMBERSHIP

- (1) Any Clearing Member may cease to be a member, if one or more apply:
 - a) by resignation;
 - b) by death;
 - c) by expulsion in accordance with the provisions contained in the Bye Laws, Rules and regulations;
 - d) by being declared a defaulter in accordance with the Bye Laws, Rules and Regulations;
 - e) by dissolution in case of partnership firm;
 - f) by winding up or dissolution in the case of a limited company.
 - g) by ceasing to be a trading member on one or more exchanges of which he is a member in accordance with the provisions contained in the Rules, Bye-laws and Regulations exchange.
- (2) The termination of Clearing Membership shall not in any way absolve the Clearing Member from any obligations and liabilities incurred by the Clearing Member prior to such termination.

9. RESIGNATION

- (1) A Clearing Member who intends to resign from the Clearing Membership of the F & O segment of the Clearing Corporation shall intimate to the Clearing Corporation a written notice to that effect.
- (2) Any Clearing Member objecting to any such resignation shall communicate the grounds of his objection to the relevant authority by letter within such period as may be specified by the relevant authority from time to time.
- (3) The relevant authority may accept the resignation of a Clearing Member either unconditionally or on such conditions as it may think fit or may refuse to accept such resignation and in particular may refuse to accept such resignation until it is satisfied that all out-standing transactions with such Clearing Member have been settled.

10. DEATH

On death of a Clearing Member, his legal representatives and authorised representatives, if any, shall communicate due intimation thereof to the relevant authority in writing immediately and all future activities of the Clearing Member shall cease immediately except so far as it pertains to past obligations prior to his death.

11. FAILURE TO PAY CHARGES

Save as otherwise provided in the Bye Laws, Rules and Regulations if a member fails to pay his annual subscription, fees, deposit or contribution to Settlement Fund(s), fines, penalties, other

charges or other monies which may be due by him to the Clearing Corporation within such time as the relevant authority may prescribe from time to time after notice in writing has been served upon him by the Clearing Corporation, he may be suspended by the relevant authority until he makes payment and if within a further period of time as may be specified from time to time, he fails to make such payment, he may be declared a defaulter or may be expelled by the relevant authority.

12. CONTINUED ADMITTANCE

The relevant authority shall from time to time prescribe conditions and requirements for continued admittance to Clearing Membership which may, inter alia, include maintenance deposit or contribution to Settlement Fund, minimum networth and capital adequacy. The Clearing Membership of any person who fails to meet these requirements shall be liable to be terminated.

13. RE-ADMISSION OF DEFAULTERS

- (1) A Clearing Member's right of membership shall lapse and vest with the Clearing Corporation immediately he is declared a defaulter. The Clearing Member who is declared a defaulter shall forfeit all his rights and privileges as a Clearing Member, including any right to use of or any claim upon or any interest in any property or funds of the Clearing Member with the F & O segment of the Clearing Corporation.
- (2) The relevant authority reserves the right to re-admit a defaulting member and it may readmit a defaulter as a Clearing Member subject to the provisions, terms and conditions as may be specified by the relevant authority from time to time.
- (3) The relevant authority may readmit only such defaulter who in its opinion:
 - (a) has paid up all dues to the Clearing Corporation, other Clearing Members and constituents;
 - (b) has no insolvency proceedings against him in a Court or has not been declared insolvent by any Court;
 - (c) has defaulted owing to the default of principals whom he might have reasonably expected to be good for their commitments;
 - (d) has not been guilty of bad faith or breach of the Bye Laws, Rules and Regulations;
 - (e) has been irreproachable in his general conduct.

CHAPTER V: DISCIPLINARY PROCEEDINGS, PENALTIES, SUSPENSION AND EXPULSION

1. DISCIPLINARY JURISDICTION

The relevant authority may expel or suspend and/or fine and/or penalty under censure and/or warn and/or withdraw all or any of the membership rights of a Clearing Member if he is guilty of contravention, non-compliance, disobedience, disregard or evasion of any of the Bye Laws, Rules and Regulations or of any resolutions, orders, notices, directions or decisions or rulings of the F & O segment of the Clearing Corporation or the relevant authority or of any other Committee or officer of the Clearing Corporation authorised in that behalf or of any conduct, proceeding or method of business which the relevant authority in its absolute discretion deems dishonourable, disgraceful or unbecoming a Clearing Member or inconsistent with just and equitable principles of detrimental to the interests, good name or welfare of the Clearing Corporation or prejudicial or subversive to its objects and purposes.

2. PENALTY FOR BREACH OF RULES, BYE-LAWS AND REGULATIONS

Every Clearing Member shall be liable to suspension, expulsion or withdrawal of all or any of his Clearing Membership rights and/or to payment of fine and/or to be censured, reprimanded or warned for contravening, disobeying, disregarding or wilfully evading of any of these Rules, Bye-laws and Regulations or any resolutions, orders, notices, directions, decisions or rulings thereunder of the F & O segment of the Clearing Corporation, Securities Contract (Regulations) Act, 1956 and /or Rules thereunder, Securities and Exchange Board of India Act, 1992 and /or Rules thereunder, the Board of Directors, Executive Committee, Managing Director or any officer of the Clearing Corporation or for any disreputable or fraudulent transactions or dealings or method of business which the Board of Directors in its absolute discretion deems unbecoming a Clearing Member of the Clearing Corporation or inconsistent with just and equitable principles.

3. PENALTY FOR MISCONDUCT, UNBUSINESSLIKE CONDUCT AND UNPROFESIONAL CONDUCT

1) A Clearing Member shall be liable to expulsion or suspension or withdrawal of all or any of his membership rights and/or to payment of a fine and/or penalty and/or to be censured, reprimanded or warned for any misconduct, unbusinesslike conduct or unprofessional conduct as provided in the provisions in that behalf as provided herein.

(1) Misconduct

- (a) Fraud: If he is convicted of a criminal offence or commits fraud or a fraudulent act which in the opinion of the relevant authority renders him unfit to be a Clearing Member;
- (b) Violation: If he has violated provisions of any statute governing the activities, business and operations of the Clearing Corporation, Clearing Members and securities business in general;
- (c) Improper Conduct: If in the opinion of the relevant authority he is guilty of dishonourable or disgraceful or disorderly or improper conduct on the Clearing Corporation or of willfully obstructing the business of the Clearing Corporation;
- (d) Breach of Rules, Bye Laws and Regulations: If he shields or assists or omits to report any Clearing Member whom he has known to have committed a breach or evasion of any Bye Laws, Rules and Regulation of the or of any resolution, order, notice or direction thereunder of the relevant authority or of any Committee or officer or the Clearing Corporation authorised in that behalf, Securities Contract (Regulations) Act, 1956 and /or Rules thereunder, Securities and Exchange Board of India Act, 1992 and /or Rules thereunder;
- (e) Failure to comply with Resolutions: If he contravenes or refuses or fails to comply with or abide by any resolution, order, notice, direction, decision or ruling of the relevant authority or of any Committee or officer of the Clearing Corporation or other person authorised in that behalf under the Bye Laws, Rules and Regulations;
- (f) Failure to submit to or abide by Arbitration: If he neglects or fails or refuses to submit to the relevant authority or to a Committee or an officer of the Clearing Corporation authorised in that behalf, such books, correspondence, documents and papers or any part thereof as may be required to be produced or to appear and testify before or cause any of its partners, attorneys, agents, authorised representatives or employees to appear and testify before the relevant authority or such Committee or officer of the Clearing Corporation or other person authorised in that behalf;
- (g) Failure to testify or give information: If he neglects or fails or refuses to submit to the relevant authority or to a Committee or an officer of the Clearing Corporation authorised in that behalf, such books, correspondence, documents and papers or any part thereof as may be required to be produced or to appear and testify before or cause any of its partners, attorneys, agents, authorised representatives or employees to appear and testify

- before the relevant authority or such Committee or officer of the Clearing Corporation or other person authorised in that behalf;
- (h) Failure to submit Special Returns: If he neglects or fails or refuses to submit to the relevant authority within the time notified in that behalf special returns in such form as the relevant authority may from time to time prescribe together with such other information as the relevant authority may require whenever circumstances arise which in the opinion of the relevant authority make it desirable that such special returns or information should be furnished by any or all the Clearing Members;
- (i) Failure to submit Audited Accounts: If he neglects or fails or refuses to submit its audited accounts to the Clearing Corporation within such time as may be specified by the relevant authority from time to time.
- (j) Failure to compare or submit accounts with Defaulter: If he neglects or fails to compare his accounts with the relevant authority or to submit to it a statement of its accounts with a defaulter or a certificate that he has no such account or if he makes a false or misleading statement therein;
- (k) False or misleading Returns: If he neglects or fails or refuses to submit or makes any false or misleading statement in his clearing forms or returns required to be submitted to the F & O segment of the Clearing Corporation under the Bye Laws, Rules and Regulations;
- (1) Vexatious complaints: If he or his agent brings before the relevant authority or a Committee or an officer of the Clearing Corporation or other person authorised in that behalf a charge, complaint or suite which in the opinion of the relevant authority is frivolous, vexatious or malicious;
- (m) Failure to pay dues and fees: If he fails to pay his subscription, fees, arbitration charges or any other money which may be due by it or any fine or penalty imposed on him.

(2) Unbusinesslike Conduct

A Clearing Member shall be deemed guilty of unbusinesslike conduct for any of the following or similar acts or omissions namely:

- (a) Fictitious Names: If he transacts his own business or the business of his constituent in fictitious names or if he carries on business in more than one clearing segment of the Clearing Corporation under fictitious names;
- (b) Circulation of rumours: If he, in any manner, circulates or causes to be circulated, any rumours;
- (c) Unwarrantable Business: If he engages in reckless or unwarrantable or unbusinesslike dealings in the market or effects purchases or sales for his constituent's account or for any account in which he is directly or indirectly interested which purchases or sales are excessive in view of his constituent's or his own means and financial resources or in view of the market for such security;
- (d) Compromise: If he connives at a private failure of a Clearing Member or accepts less than full and bona fide money payment in settlement of a debit due by a Clearing Member arising out a deal in securities;
- (e) Dishonoured Cheque: If he issues to any other Clearing Member or to its constituents or to the Clearing Corporation a cheque which is dishonoured on presentation for whatever reasons;
- (f) Failure to carry out transactions with Constituents: If he fails in the opinion of the relevant authority to carry out its committed transactions with its constituents;

(3) Unprofessional Conduct

A Clearing Member shall be deemed guilty of unprofessional conduct for any of the following or similar acts or omissions namely:

- (a) Business in Securities in which dealings not permitted: If he enters into dealings in securities in which dealings are not permitted;
- (b) Business for Defaulting Constituent: If he deals or transacts business directly or indirectly or executes an order for a constituent who has within his knowledge failed to carry out engagements relating to securities and is in default to another Clearing Member unless such constituent shall have made a satisfactory arrangement with the Clearing Member who is his creditor:
- (c) Business for Insolvent: If without first obtaining the consent of the relevant authority he directly or indirectly is interested in or associated in business with or transacts any business with or for any individual who has been bankrupt or insolvent even though such individual shall have obtained his final discharge from an Insolvency Court;
- (d) Business without permission when under suspension: If without the permission of the relevant authority he does business on his own account or on account of a principal with or through a Clearing Member during the period he is required by the relevant authority to suspend business on the Clearing Corporation;
- (e) Business for or with suspended, expelled and defaulter Clearing Members: If without the special permission of the relevant authority he shares brokerage with or carries on business or makes any deal for or with any Clearing Member who has been suspended, expelled or declared a defaulter;
- (f) Business for Employees of other Clearing Members: If he transacts business directly or indirectly for or with or executes a deal for an authorised representative or employee of another Clearing Member without the written consent of such employing Clearing Member:
- (g) Evasion of Margin Requirements: If he willfully evades or attempts to evade or assists in evading the margin requirements specified in these Bye Laws and Regulations;
- (h) Clearing Fees: If he willfully evades or attempts to evade or assists in evading the Bye Laws and Regulations relating to clearing fees;

4. CLEARING MEMBER RESPONSIBLE FOR PARTNERS, AGENTS AND EMPLOYEES

A Clearing Member shall be fully responsible for the acts and omissions of its authorised officials, attorneys, agents, authorised representatives and employees and if any such act or omission be held by the relevant authority to be one which if committed or omitted by the Clearing Member would subject it to any of the penalties as provided in the Bye Laws, Rules and Regulations then such Clearing Member shall be liable thereof to the same penalty to the same extent as if such act or omission had been done or omitted by him.

5. SUSPENSION ON FAILURE TO PROVIDE MARGIN DEPOSIT, DEPOSIT OR CONTRIBUTION TO SETTLEMENT FUND OR MEET CAPITAL ADEQUACY NORMS

The relevant authority may suspend a Clearing Member and/or require a Clearing Member to suspend his business if he fails to provide the margin deposits, deposits and contributions to Settlement Fund and/or meet capital adequacy norms as provided in these Bye Laws, Rules and Regulations and the suspension of business shall continue until the Clearing Member furnishes the necessary margin deposit or deposit/contribution to Settlement Fund or meet capital adequacy norms. The relevant authority may expel a Clearing Member acting in contravention of this provision.

6. SUSPENSION OF BUSINESS

- 1) The relevant authority may suspend a Clearing Member and/or require a Clearing Member to suspend its business in part or in whole on any Clearing Segment:
 - a) Unwarrantable Business: When in the opinion of the relevant authority the Clearing Member engages in unwarrantable business or effects deals for its constituents' account or for any account in which he is directly or indirectly interested which deals are excessive in view of his constituent's or his own means and financial resources or in view of the market for such security, or
 - b) Unsatisfactory Financial Condition: When in the opinion of the relevant authority the Clearing Member is in such financial condition that he cannot be permitted to do business with safety to his creditors or the Clearing Corporation.

7. REMOVAL OF SUSPENSION

The suspension of business as mentioned above shall continue until the Clearing Member has been allowed by the relevant authority to resume his business on paying such deposit or his doing such act or providing such thing as the relevant authority may require.

8. PENALTY FOR CONTRAVENTION

A Clearing Member who is suspended or who is required to suspend his business or part thereof may be expelled by the relevant authority, if he acts in contravention of such suspension or requirement.

9. CLEARING MEMBERS AND OTHERS TO TESTIFY AND GIVE INFORMATION

A Clearing Member shall appear and testify before and cause its partners, attorneys, agents authorised representatives and employees to appear and testify before the relevant authority or before other Committee(s) or an officer of the Clearing Corporation authorised in that behalf and shall produce before the relevant authority or before other Committee(s) or an officer of the Clearing Corporation authorised in that behalf, such books, correspondence, documents, papers and records or any part thereof which may be in its possession and which may be deemed relevant or material to any matter under inquiry or investigation.

10. PERMISSION NECESSARY FOR LEGAL REPRESENTATION

No person shall have the right to be represented by professional counsel, attorney, advocate or other representative in any investigation or hearing before the relevant authority or any other Committee unless the relevant authority or other Committee so permits.

11. EXPLANATION BEFORE EXPULSION

A Clearing Member shall be entitled to be summoned before the relevant authority and afforded an opportunity for explanation before being expelled but in all cases the findings of the relevant authority shall be final and conclusive.

12. IMPOSITION OF PENALTIES

The penalty of suspension, withdrawal of all or any of the membership rights, fine, censure or warning may be inflicted singly or conjointly by the relevant authority. The penalty of expulsion may be inflicted by relevant authority.

13. PRE-DETERMINATION OF PENALTIES

The relevant authority shall have the power to pre-determine the penalties, the period of any suspension, the withdrawal of particular membership rights and the amount of any fine that would be imposed on contravention, non-compliance, disobedience, disregard or evasion of any Bye Law, Rules or Regulation of the or of any resolution, order, notice, direction, decision or ruling thereunder of the F & O segment of the Clearing Corporation, the relevant authority or of any other Committee or officer of the Clearing Corporation authorised in that behalf.

14. COMMUTATION

The relevant authority in its discretion may in any case suspend a Clearing Member in lieu of the penalty of expulsion or may withdraw all or any of the membership rights or impose a fine in lieu of the penalty of suspension or expulsion and may direct that the guilty Clearing Member be censured or warned or may reduce or remit any such penalty on such terms and conditions as it deems fair and equitable.

15. RECONSIDERATION/REVIEW

The relevant authority may of its own or on appeal by the Clearing Member concerned, reconsider and rescind, revoke or modify its order fining, censuring, warning or withdrawing all or any of the membership rights of the Clearing Member. In a like manner the relevant authority may rescind, revoke or modify its resolution expelling or suspending any Clearing Member.

16. FAILURE TO PAY FINES AND PENALTIES

If a Clearing Member fails to pay any fine or penalty imposed on him within such period as specified from time to time by the relevant authority he may be suspended by the relevant authority until he makes payment and if within a further period as specified from time to time he fails to make such payment he may be expelled by the relevant authority.

17. CONSEQUENCE OF SUSPENSION

The suspension of a Clearing Member shall have the following consequences:

(1) Suspension of Membership Rights

A suspended Clearing Member shall during the terms of his suspension, be deprived of and excluded from all rights and privileges of membership but he may be proceeded against by the relevant authority for any offence committed by him before or after suspension and the relevant authority shall not be debarred from taking cognisance of and dealing with or adjudicating on claims made against him by other Clearing Members;

(2) Rights of creditors unimpaired

The suspension shall not affect the rights of Clearing Members who are creditors of the suspended Clearing Members and rights of the Clearing Corporation;

(3) Fulfilment of Deals and Obligations

The suspended Clearing Member shall be bound to fulfil obligations and deals outstanding at the time of his suspension;

(4) Further business prohibited

The suspended Clearing Member shall not during the terms of his suspension transact any business provided that he may with permission of the relevant authority close the deals outstanding at the time of his suspension;

18. CONSEQUENCES OF EXPULSION

The expulsion of a Clearing Member shall have the following consequences namely:

(1) Clearing Membership Rights forfeited

The expelled Clearing Member shall forseit to the Clearing Corporation its right of Clearing Membership and all rights and privileges as a Clearing Member including any right to the use of any claim upon or any interest in any property or funds of the Clearing Corporation but any liability of any such Clearing Member to the Clearing Corporation or to any Clearing Member shall continue and remain unaffected by its expulsion:

(2) Office vacated

The expulsion shall create a vacancy in any office or position held by the expelled Clearing Member;

(3) Rights of Creditors unimpaired

The expulsion shall not affect the rights of the Clearing Members who are creditors of the expelled Clearing Member;

(4) Fulfilment of Deals and Obligations

The expelled Clearing Member shall be bound to fulfil deals and obligations outstanding at the time of his expulsion and he may with the permission of the relevant authority close such outstanding transactions;

(5) Clearing Members not to deal

No Clearing Member shall transact business for or with the expelled Clearing Member except with the previous permission of the relevant authority.

(6) Expulsion Rules to Apply

When a Clearing Member ceases to be a Clearing Member under the provisions of these Bye Laws and Rules otherwise than by death, default or resignation, it shall be as it such Clearing Member has been expelled by the relevant authority and in that event all the provisions relating to expulsion contained in these Rules shall apply to such Clearing Member in all respects.

19. NOTICE OF PENALTY AND SUSPENSION OF BUSINESS

1) Notice shall be given to the Clearing Member concerned and to the Clearing Members in general by such mode as may be decided by the relevant authority from time to time of the expulsion or suspension or default of or of the suspension or inscreed by a Clearing Member or of any other penalty imposed on it or on its partners or other employees. The relevant authority may in its absolute discretion and in such manner as a thinks fit notify or cause to

be notified to the Clearing Members or to the public that any person who is named in such notification has been expelled, suspended, penalised or declared a defaulter or has suspended his business or ceased to be a Clearing Member. No action or other proceedings shall in any circumstances be maintainable by such person against the Clearing Corporation or the relevant authority or any officer or employee of the Clearing Corporation for the publication or circulation of such notification. The application for Clearing Membership or the application for registration as the constituted attorney or authorised representative or by the person concerned shall operate as license and these Bye Laws and Rules shall operate as leave to print, publish or circulate such advertisement or notification and be pleadable accordingly.

2) Notwithstanding anything contained in these provisions, if in the opinion of the relevant authority it is necessary to do so, he may, for reasons to be recorded in writing, temporarily suspend forthwith the Clearing Member, pending completion of appropriate proceedings for suspension under this chapter by the relevant authority, and no notice of hearing shall be required for such temporary suspension and such temporary suspension shall have the same consequences of suspension under this chapter, provided that appropriate proceedings provided in this chapter shall be commenced by issue of a notice to show cause to the Clearing Member within 10 days of such temporary suspension. Any such temporary suspension may be revoked at the discretion of the relevant authority, for reasons to be recorded in writing, if the relevant authority is satisfied that the circumstances leading to the formation of opinion of the relevant authority to suspend, has ceased to exist or are satisfactorily resolved.

UNQUOTE

For National Securities Clearing Corporation Limited

Jayakumar R. Jayakumar Asst. Company Secretary

National Securities Clearing Corporation Limited

The Regulations of Futures & Options Segment of National Securities Clearing Corporation Limited are given hereunder:

OUOTE

National Securities Clearing Corporation Limited (Futures & Options Segment) Regulations, 2000

INTRODUCTION

The Regulations framed hereunder shall be known as National Securities Clearing Corporation (Futures & Options Segment) Regulations, 2000.

APPLICABILITY

These Regulations shall be applicable to all clearing members dealing in Futures & Options Segment (F&O Segment) of the Clearing Corporation.

1 DEFINITIONS

Unless in the context it is explicitly stated otherwise, all words and expressions used herein but not defined, and defined in the following, shall have the meanings respectively assigned to them therein:

- Securities Contract (Regulations) Act, 1956 and /or Rules thereunder
- Securities and Exchange Board of India Act, 1992 and /or Rules thereunder
- The Companies Act, 1956
- The Depositories Act, 1996
- Rules, Bye-laws and/or Regulations of National Stock Exchange of India Limited
- Rules and Bye-Laws of Futures & Options Segment of National Securities Clearing Corporation Limited

In case a term is defined in more than one Act then its meaning as defined in that Act or statute which precedes in the above order shall prevail, unless in the context it is explicitly stated otherwise.

1,1 Books of Accounts, Records And Documents

Books of accounts, records and documents include books of accounts, records and documents which are required to be maintained under Chapter 8 of the F&O Segment Regulations and records maintained in a computer or in any magnetic form.

1.2 Cash Settled Derivatives contract

Cash settled Derivatives Contract means a Derivatives Contract which shall be performed by cash settlement rather than by delivery of the underlying security.

1.3 Clearing Bank

Clearing Bank is such bank as the Clearing Corporation may appoint to act as a funds settling agency, for the collection of margin money for all deals cleared through the Clearing Corporation and any other funds movement between clearing members and the Clearing Corporation and between clearing members as may be directed by the Clearing Corporation from time to time.

1.4 Closing buy transaction

Means a buy transaction which will have the effect of partly or fully offsetting a short position.

1.5 Closing sell transaction

Means a sell transaction which will have the effect of partly or fully offsetting a long position

1,6 Contract Month

Contract month means the month in which the Clearing Corporation rules require a Derivatives Contract to be finally settled

1.7 Client/Constituent

A Client /Constituent means a person, on whose instructions and on whose account the Clearing Member clears and settles deals and has entered into an agreement with the Clearing Member to that effect. For this purpose the term "Client" shall include all registered constituents of trading members of specified Exchange.

1.8 Derivatives Contract

A contract which derives its value from the prices, or index of prices, of underlying securities, the trading of which shall be carried out in such manner as provided under these Regulations.

Explanation: For the purpose of this definition, derivative includes a security derived from a debt instrument, share, loan whether secured or unsecured, risk instrument or contract for differences or any other form of security.

1.9 F&O Segment Regulations

F&O segment Regulations mean the National Securities Clearing Corporation (Futures & Options Segment) Regulations and includes business rules, code of conduct and such other procedures, circulars, directives and orders as issued by the relevant authority from time to time thereunder.

1.10 Expiration Day

The day on which the final settlement obligation are determined in a Derivatives Contract

1.11 Futures Contract

Means a legally binding agreement to buy or sell the underlying security in the future.

1.12 Last Trading Day

Means the day up to which a Derivatives Contract is available for trading in the specified exchange.

1.13 Long Position

Long Position in a Derivatives Contract means outstanding purchase obligations in respect of a Derivatives Contract at any point of time.

1.14 Members' Open Position

Members open position means the sum of long and short positions of the member and his client in any or all of the Derivatives Contracts outstanding with the clearing corporation.

1.15 Notification, Notice Or Communication

It refers to any such intimation that can be served by the Clearing Corporation to the Clearing Member at ordinary business address and/or ordinary place of residence and/or last known address of the party in any one or more or all of the following ways:-

- a) delivering it by post
- b) sending it by registered post
- c) sending it under certificate of posting
- d) sending it by express delivery post / courier services.
- e) sending it by telegram
- f) affixing it on the door at the last known business or residential address
- g) advertising it at least once in any prominent daily newspaper
- h) sending a message through the Trading System of specified exchange

i) an electronic mail or fax

1.16 Open Interest

Open interest means the total number of Derivatives Contracts of a underlying security that have not yet been offset and closed by an opposite transaction nor fulfilled by delivery of the cash or underlying security. For calculation of open interest only one side of the Derivatives Contract is counted.

1.17 Outstanding Obligation

Outstanding obligation means the obligation which has neither been closed out nor been settled.

1.18 Opening buy transaction

Means a buy transaction which will have the effect of creating or increasing a long position.

1.19 Opening sell transaction

Means a sell transaction which will have the effect of creating or increasing a short position.

1.20 Settlement Date

Means the date on which outstanding obligations in a Derivatives Contract are required to be settled as provided in these Regulations.

1.21 Short Position

Short Position in a Derivatives Contract means outstanding sell obligations in respect of a Derivatives Contract at any point in time.

1.22 Underlying security

Means a security with reference to which a Derivatives Contract is permitted to be traded on the F&O segment of the specified exchange from time to time.

2 F&O SEGMENT

2.1 Specified Exchange

The relevant authority may from time to time admit transactions executed in specified exchanges after obtaining prior approval of SEBI.

For the purpose of these regulations, the following exchange is specified:

Futures and Options segment of National Stock Exchange, which exchange is hereinafter referred to as NSE for the purposes of these Regulations.

2.2 F&O Clearing Memiters

"F&O Clearing Member" means a rnember of the Clearing Corporation and includes all categories of clearing members as many be admitted as such by the Clearing Corporation to the F&O Segment.

2.3 Categories Of F&O Clearing Members

The following categories of F&O Clearing Members are specified as under:

TM Clearing Member

TM Clearing member means a member of a Specified Exchange and who is admitted by the relevant authority on the F&O Segment of the Clearing Corporation as a Clearing Member and who may clear and settle transactions either on its own account or on account of its constituents in the manner specified in these Regulations.

Custodian Clearing Member

Custodian Clearing Member means and includes Custodians and other firms admitted by the relevant authority as a F&O Clearing Member and who may clear and settle deals for the constituents of the members of the specified exchange in the manner specified in these regulations.

Professional Clearing Member

Professional Clearing Member means a F&O Clearing Member who is admitted by the relevant authority and who may clear and settle deals either on its own account, on account of its constituents and on account of members of the specified exchange and or its constituents.

3 PROVISIONS REGARDING CLEARING & SETTLEMENT OF DERIVATIVES CONTRACT

Deals, Transactions and Dealings

For the purpose of these Regulations the terms "deals", "transactions", and "dealings" shall have one and the same meaning unless the context indicates otherwise.

3.1 Clearing and Settlement Regulations Form Part Of Contracts

The Regulations from time to time in force relating to any procedure for clearance and settlement of Derivatives Contract and the resolutions, notices, directions and decisions of the relevant authority for the time being in force shall be a part of the terms and conditions of every Derivatives Contract.

3.2 Reporting of Derivatives Contract

Derivatives Contract executed by the F&O Clearing Members shall be reported to the F&O Segment of the Clearing Corporation in such manner and form and within such time as may be specified from time to time by the relevant authority.

3.3 Clearing and Settlement Of Derivatives Contract

Clearing and Settlement of transactions on Derivatives Contract shall be cleared and settled through the Clearing Corporation by such process or processes as the relevant authority may from time to time prescribe.

3.4 Change In Settlement Procedure

It shall be competent for the relevant authority to order at any time that any or all deals entered into or to be entered into shall be settled by any other suitable processes as may be decided from time to time and every transaction shall be subject to any such change in settlement procedure or process:

3.5 Notices And Directions

All F&O Clearing Members shall comply with the instructions, resolutions, orders, notices, directions and decisions of the relevant authority in all matters connected with the operations of the Clearing Corporation.

3.6 False Or Misleading Statements

The relevant authority may fine, suspend or expel a F&O Clearing Member who makes any false or misleading statement in the Clearing Forms required to be submitted in conformity with these Regulations or any resolutions, orders, notices, directions and decisions of the relevant authority thereunder.

3.7 Charges For Clearing

The relevant authority shall from time to time prescribe the scale of clearing charges for the clearing and settlement of transactions through the Clearing Corporation.

3.8 Clearing Corporation Bills

The F&O Segment of the Clearing Corporation shall periodically render bills for the charges, clearing and such other fees, lines and other dues as may be payable by F&O Clearing Members to the Clearing Corporation on account of transactions cleared and settled through the F&O Segment of the Clearing Corporation and debit the amount payable by such members to their clearing accounts.

3.9 Liability Of The Clearing Corporation

No liability shall attach either to the Clearing Corporation or to the relevant authority or any employees/agents of the Clearing Corporation by reason of anything done or omitted to be done by the Clearing Corporation in the course of its operations.

3.10 Clearing Days And Scheduled Times

The relevant authority shall from time to time fix the various clearing days including the pay-in and pay-out days and the scheduled time to be observed in connection with the clearing and settlement operations of any or all Derivatives Contracts. The relevant authority may specify different schedules for any or all F&O Clearing Members from time to time.

3.11 Alteration Of the Clearing Days And Scheduled Times

The relevant authority may at any time curail, extend, alter or postpone from time to time the entire clearing or any or all of the various clearing days and scheduled times in respect of any or all of the Derivatives Contract.

3.12 Open Positions

All contracts for the purchase or sale of any Derivatives Contract shall remain open and in force and shall continue to be binding upon the F&O Clearing Members and its constituents until liquidated by offsetting contract or such other method as may be specified by the relevant authority from time to time.

3.13 Offset not automatic

In case of deals in Derivatives Contracts having the same contract month and/or such other specifications as may be issued by the relevant authority from time to time, and pertaining to proprietary account, the buy transactions and sell transactions shall offset each other automatically to the extent possible.

In the case of deals in Derivatives Contracts having the same contract north and/or such other specifications as may be issued by the relevant authority from time to time, and pertaining to client account, the buy transactions and sell transactions shall not offset each other unless the deals are specifically marked for offsetting at the time of entring into the trade for the same client.

3.14 Payment by Clearing Member

The F&O segment of the Clering Corporation shall treat all monies paid by F&O Clearing Members as monies paid to it by a principal and such monies in the hand of Clearing Corporation shall not be impressed with a trust or other equitable interest. May payment by Clearing Corporation to any Clearing Member shall constitute good and sufficient discharge.

4 MARGINS AND CLEARING/EXPOSURE LIMITS

4.1 Margin

The F&O Segment of the Clearing Corporation shall from time to time specify margin requirements for the F&O Clearing Members including initial margin on open positions through risk based algorithms. The F&O Clearing Members shall furn shand maintain such margins in such form and within such time as specified by the F&O Segment of the Clearing Corporation. Every F&O Clearing Member has a continuing obligation to maintain margins at the level and for the period stipulated by the F&O Segment of the Clearing Corporation from time to time.

The F&O Segment of the Clearing Corporation shall segregate in such man ner as it may deem fit the margins deposited by the Clearing Momber on its own account and on behalf of clients.

4.2 Mode of payment of Margin

F&O Clearing Member shall be required to furnish margins either in the form of cash, deposit receipts, guarantee of a bank(s) and securities approved by the relevant authority or such other mode and subject to suc' terms and conditions as the relevant authority may specify from time to time.

4.3 Withholding Margin

The F&O Segment of the Claring Corporation shall at its discretion or on the instructions of the specified exchange withhold/release of any margin furnished by that F&O Clearing Member to the Clearing Corporation for any period required by the Specified Exchange / Clearing Corporation, if such a F&O Clearing Member has open positions he must continue to pay any further margin or other obligations without taking into account any margin so withheld by the Clearing Corporation.

4.4 Additional margin

If in the or mich of the F&O segment of the Clearing Corporation sudden fluctuations of any Mark et operated by the Specified Exchange are apparent, the Clearing Corporation may call for additional margin. Additional margin shall be payable in the manner and within such time as may be specified from time to time.

4.5 Margin from the Constituents

The F&O Clearing Members shall demand from its constituents the margin monies which the clearing member has to provide under these Regulations in respect of dealings done by the F&O Clearing Members for such constituents.

- b) The F&O Clearing Members shall clear and settle deals in derivatives contracts on behalf of the constituents only on the receipt of such minimum margin as the relevant authority may decide from time to time, unless the constituents already has an equivalent credit with the clearing member. The clearing member may collect higher margins from constituents, as he deems fit.
- c) The Clearing member as and when required by the Clearing Corporation shall inform the Clearing Corporation, specifically the amount deposited as margin on behalf of his constituents.
- d) The Clearing Member shall not allow the utilisation of margin monies paid by one client to the margin money dues of his own account or of other clients'.

4.6 Payment of Margins

The clearing corporation shall treat all the margin and other monies paid by the clearing member as having been paid by and on his own behalf and appropriate the same accordingly for such purposes as it may deem fit under the Byelaws and Regulations;

Provided that, the clearing member may identify and segregate margin payments made by him to Clearing Corporation as to whether it is on his own account or on account of his clients'.

4.7. Statement of Shortage /Default in payment of margins

In the event of non-performance of clearing member of his obligations or his being declared as defaulter, such clearing member shall submit to the clearing corporation, a statement containing a list of client codes, names of the clients, open positions of each client, client-wise margin amount due and paid to the clearing corporation, client-wise settlement amount payable to/receivable from the clearing corporation and client-wise settlement amount paid to the clearing corporation. The clearing member shall also specifically attribute such failure/shortage/default in payment of margins and/or settlement dues either to himself or his clients' and the amount of such shortage/default.

The Clearing Corporation shall use such statement provided by the Clearing Member for appropriating the margin monies with the Clearing Corporation towards the dues of the Clearing Corporation to the extent of shortage/default of obligations and for the purpose of settling the amounts due to clients', as the case may be, unless the contrary is proved to the satisfaction of the Clearing Corporation/Defaults Committee.

The Clearing Corporation shall appropriate the margin monies with the Clearing Corporation for settling the dues of the clients' before settling the dues of the Clearing Members.

Notwithstanding the above, in the event of any Clearing Member being declared as a defaulter, the statement, furnished by the Trading Member to such Clearing Member, providing the amounts paid by Trading Member on his own account or is paid on behalf of his clients' shall be conclusive and binding on himself, his Clearing Member and all his clients' unless the contrary is proved to the satisfaction of the Clearing Corporation/Defaults Committee.

4.8 Clearing/Exposure Limit

The Clearing Corporation may at any time in its absolute discretion

Prescribe maximum long and or short open positions for all or any of the F&O Clearing Members and their clients including quantity and or value for any or all Derivatives Contracts;

Prescribe clearing/exposure limit for a market type either in quantity or value or as a percentage of the base capital of the F&O Clearing Member or a combination of any of the above or such other method as the relevant authority may decide from time to time for all or any of the F&O Clearing Members;

The Clearing Corporation may at any time impose, increase, reduce or remove any clearing/exposure limits pursuant to the above regulations by notifying the Specified Exchange and the relevant F&O Clearing Member(s). Any imposition, removal or change in clearing/exposure limits so notified shall take effect as stipulated in such notification.

The Clearing Corporation may at its discretion allow F&O Clearing Members to increase their clearing/exposure limit on deposit of additional base capital with the Clearing Corporation The Clearing Corporation shall specify from time to time the method of calculation of base capital and mode of deposit of additional base capital.

4.9 Exceeding clearing/exposure limits

If a F&O Clearing Member exceeds any clearing/exposure limit imposed, the Clearing Corporation shall be entitled to require the F&O Clearing Member to close out open positions or take such other measures as may be specified by the relevant authority from time to time, which may in the opinion of the Clearing Corporation result in the F&O Clearing Member complying with the clearing/exposure limits.

If a F&O Clearing Member fails to comply with any requirement of the Clearing Corporation, the Clearing Corporation may close out such open positions on the F&O Clearing Member 's behalf or take such other measures required to comply with the clearing/exposure limits including withdrawal of trading and / or clearing facility.

5 DAILY MARK TO MARKET SETTLEMENT AND FINAL SETTLEMENT OF FUTURES CONTRACTS

5.1 Daily Mark to Market Settlement for Futures Contracts

- a) All open positions whether long or short of a F&O Clearing Member in Futures Contracts shall be deemed to have been closed out at the daily settlement price, and such member shall be liable to pay to, or entitled to collect from the Clearing Corporation any loss or profit, as the case may be, represented by the difference between the price at which the Futures Contract was bought or sold, or the settlement price of the previous trading day and the daily settlement price of the transaction at the end of the trading day, as the case may be.
- b) After making such settlement with the Clearing Corporation, such member shall be deemed long or short, such, Futures Contract, as the case may be, at the daily settlement price. The daily settlement obligation shall be paid only in cash.

5.2 Daily Settlement Price

Daily settlement price shall be the closing price of the Futures Contracts for the trading day or such other price as may be decided by the relevant authority from time to time.

5.3 Advance call for daily mark to mark settlement

If the market conditions or price fluctuations are such that the relevant authority deems it necessary, it may call upon the F&O Clearing Members which in its opinion are affected, to deposit with the Clearing Corporation by such time as specified by the relevant authority, the amount of funds that it estimates will be needed to meet such settlements as may be necessary.

5.4 Final Settlement

F&O Clearing Members having open positions in the cash settled Futures Contract at the time of termination of trading in that Futures Contract on the last trading day, shall make payment to or receive payment from the Clearing Corporation in accordance with the daily mark to market settlement procedures as specified in Regulation 5.1 (a) based on a settlement price equal to the final settlement price.

On completion of final settlement, the open positions shall cease to exist.

5.5 Final Settlement Price

The Final Settlement Price shall be the closing price of the underlying security on the last trading day of the contract or such other price as may be specified by the relevant authority from time to time.

5.6 Clearing Forms

All Clearing Forms shall be as specified in the relative regulation or in such other form or forms as the relevant authority may from time to time prescribe in addition thereto or in modification or substitution thereof.

5.7 Daily and Final Settlement Obligations Statements

Clearing Corporation shall generate and provide to each F&O Clearing Member, Daily and Final Settlement Obligations Statements pertaining to transactions in different kinds of Futures Contracts.

5.8 M-de Of Payment

All F&O Clearing Members shall, on the designated pay-in day, have clear balance of funds in their clearing account to the extent of their funds obligation. Provided however the relevant authority may specify different mode of payment of funds for all or any of the F&O Clearing Members.

5.9 Receipt Of Funds

The Clearing Bank shall credit the clearing accounts of the F&O Clearing Members who are due to receive funds as per the instructions of the Clearing Corporation. All funds due to a F&O Clearing Member shall normally be credited to his account unless (a) the F&O Clearing Member does not perform his obligations to the Clearing Corporation or (b) it is otherwise ordered by the relevant authority.

Provided however the relevant authority may specify different mode of funds credit for all or any of the F&O Clearing Members.

6 CLOSING OUT

6.1 Transfer of open positions and closing-out when effected

Upon the failure of a F&O Clearing Member to comply with any of the provisions relating to margins, clearing/exposure limits, daily mark to market settlement and final settlement, failure to fulfil the terms and conditions subject to which the transactions in Futures Contracts have been made or for such other reasons as the relevant authority may specify from time to time, the relevant authority may:

Transfer all or any of the open positions of clients or such other open positions of the defaulting clearing member as may be decided from time to time to any other F&O Clearing Member who agrees to accept such transfer subject to such terms and conditions as may be specified by the relevant authority from time to time and / or

Close-out all or any of the open positions by buying-in or selling-out against the defaulting F&O Clearing Member.

6.2 Closing-out in specific cases

Without prejudice to the generality of the provision contained as above closing out may be effected in cases specified in the relative Regulations or in such other cases as the relevant authority may from time to time specify in addition thereto or in modification thereof:

6.3 Clearing Corporation Entitled To Close- Out Without Notice

In respect of Futures Contracts settled through the Clearing Corporation, the Clearing Corporation shall be entitled to closing out against the party in default. In such cases no notice of closing-out shall be given to the F&O Clearing Member against whom the closing-out is to be effected.

Without prejudice to the generality of the above provision, closing-out without notice may be effected in cases specified in the relative Regulation or in such other cases as the relevant authority may from time to time specify in addition thereto or in modification or substitution thereof.

6.4 Closing-Out Contracts With Defaulter F&O Clearing Member

If a F&O Clearing Member is declared a defaulter the Clearing Corporation shall determine all outstanding obligations by closing out all open positions against him in accordance with the Bye Laws and Regulations relating to default.

6.5 Closing-Out Contracts With Deceased F&O Clearing Member

On the death of a F&O Clearing Member having outstanding obligations, the relevant authority may at its discretion give permission to his heirs or legal representatives to settle such outstanding obligations according to the terms thereof. In the event of such permission not being applied for or granted, the Clearing Corporation shall forthwith determine all outstanding obligations by closing out against the deceased member. The loss, if any, on such closing-out shall be claimed from the heirs or legal representatives of the deceased member and the profit, if any, shall be paid to them by the Clearing Corporation after obtaining approval of the relevant authority. If the heirs or legal representatives of the deceased member fall to pay the amount claimed from them it shall be as if such deceased member has been declared a defaulter and in that event the flye Laws and Regulations relating to default shall apply.

6.6 Closing-Out How Effected

Closing-out shall be effected against a F&O Cleaning Member by the Cleaning Conformation in any of the following manner:

By buying-in or selling-out against the F&O Clearing Member through an suction initiated by the Clearing Corporation;

By declaring a closing-out at such prices as may be decided by the relevant authority

By buying-in or selling-out against the F&O Clearing Member by placing order in the specified exchange,

In any other manner as the relevant authority may decide from time to time.

5.7 Bids And Offers

Unless permitted otherwise by the relevant authority, F&O Clearing Members other than those against whom the closing-out is effected may make a bid or offer during such closing-out. The relevant authority shall at its discretion refuse any bid or offer given.

6.8 Closing-Out Clearing Member's Responsibility

Save as otherwise provided the F&O Clearing Member at whose instance or on whose behalf the buying-in or selling-out is effected by the Clearing Corporation for the purpose of closing-out shall be responsible for the deal made and no liability or responsibility shall attach to the Clearing Corporation or its employees for any deal made in pursuance of such closing-out.

6.9 Postponement By The Relevant Authority

The relevant authority may defer closing-out in any particular case if in its opinion a fair market to close-out is not available or in such other circumstances as it may specify from time to time but no such deferment shall relieve the party in default of any resulting damages or free the intermediate parties of their liabilities.

6.10 Suspension Or Postponement Of Closing-Out

The relevant authority may suspend or postpone buying-in or selling-out in respect of any derivatives contract and from time to time extend or postpone the period of such extension or postponement when circumstances appear in its view to make such suspension or postponement desirable in the general interest.

6.11 Closing-Out Against Defaulter

When closing-out is effected as provided above and the F&O Clearing Member concerned is declared a defaulter the difference arising from closing-out shall be recovered from the said member or distributed in accordance with the Bye Laws and Regulations relating to default.

6.12 Charges For Closing-Out

When closing-out is effected on the advice of the Clearing Corporation the F&O Clearing Member against whom the closing-out takes place shall pay to the Clearing Corporation such charges as the relevant authority may from time to time prescribe.

6.13 Loss Arising From Closing-Out

When closing-out is effected on the advice of the Clearing Corporation on account of a F&O Clearing Member failing to fulfil any of his obligations (including the margin obligations) the resulting loss shall accrue to such member and shall be paid by him forthwith to the Clearing Corporation.

6.14 Profit Arising From Closing-Out

When closing-out is effected on the advice of the Clearing Corporation on account of F&O Clearing Member failing to fulfil any of his obligations (including the margor obligations) any profit arising therefrom shall be credited to the account of the Settlement Fund or such other funds as may be set up by the relevant authority from time to time to be held by the Clearing Corporation such purposes as may be specified by the relevant authority.

6.15 Default If Closing-Out Loss And Damage Not Paid

If any F&O Clearing Member against whom a deal is closed-out under the provisions of these Regulations fails to make asyment of the loss arising out of the closing-out and of the damages if any within such time as may be stipulated by the relevant authority from time to time, he shall be declared a defaulter.

7 CLEARING BANK

7.1 Clearing Corporation To Regulate

The relevant authority shall specify from time to time the processes, procedures, and operations that every F&O Clearing Member shall be required to follow for the purpose of funds transactions through their clearing account with the Clearing Bank(s).

7.2 Functions Of Cleaning Bank

The Clearing Corporation shall appoint Clearing Bank(s) for the purpose funds settlement, for the collection of margin money for all transactions entered into through the Clearing Corporation and any other funds movement between F&O Clearing Members and the Clearing Corporation and between F&O Clearing Members inter se

7.3 F&O Clearing Members To Have Account With The Clearing Bank.

Every F&O Clearing Member of the Clearing Corporation shall have clearing accounts the with designated Clearing Bank branch(es). F&O Clearing Members shall operate the clearing account(s) only for the purpose of settlement of deals entered through the Clearing Corporation, for the payment of margin money and for any other purpose as may be specified by the relevant authority from time to time. The clearing accounts may be for

any or all of the segments as may be specified by the relevant authority. The F&O Clearing Member shall not operate the clearing account(s) for any other purpose.

7.4 Clearing Bank To Act As Per The Instructions Of The Clearing Corporation

The Clearing Corporation shall instruct the Clearing Bank as to the debits and credits to be carried out for the funds settlement between F&O Clearing Members. The Clearing Bank shall act as per the instructions received from the Clearing Corporation for the funds movement. Instructions of the Clearing Corporation as to debits and credits to a F&O Clearing Member's accounts shall be deemed to be confirmed orders by a F&O Clearing Member to debit his account and/or credit his account funds as specified in the instruction.

7.5 Clearing Bank To Inform Clearing Corporation Of Default In Funds Settlement

If there is any funds default arising out of the instructions received from the Clearing Corporation, the Clearing Bank shall inform the Clearing Corporation immediately.

7.6 Members To Authorize Clearing Bank

F&O Clearing Members shall authorise the Clearing Bank to access their clearing account for debiting and crediting their accounts as per instructions received from the Clearing Corporation.

7.7 Clearing Account(s) of Clearing Corporation in the Clearing Bank

Unless otherwise specified in respect of any deals as may be specified by the relevant authority, no clearing member or any person claiming through him shall have or be deemed to have any right, title or interest in any monies in the Clearing Account or other account/(s), as the relevant authority may from time to time prescribe, of the Clearing Corporation with the Clearing Bank.

The relevant authority may specify from time to time the deals in respect of which all sums of monies paid into the Clearing Account or other account/(s), as the relevant authority may from time to time prescribe, of the Clearing Corporation on account of any F&O Clearing Member entitled thereto, shall be held by the Clearing Corporation as agents and in trust for such Clearing Member. In such cases, the making of such payment or credit entry shall be deemed and taken to be a payment or credit to such clearing member.

7.8 Clearing Number And Clearing Forms

A Clearing Member shall be allotted a Clearing Number which must appear on all forms used by the clearing member connected with the operation of the Clearing Corporation. The Clearing Forms and Formats to be used by the F&O Clearing Members shall be as

specified by the Clearing Corporation and unless otherwise permitted no other form or format shall be used.

7.9 Signing Of Clearing Forms

All Clearing Forms shall be signed by the F&O Clearing Member or his authorised signatories.

7.10 Specimen Signatures

A F&O Clearing Member shall file with the Clearing Corporation specimens of his own signature and of the signatures of his authorised representatives. The specimen signature card shall be signed by the F&O Clearing Member and his Authorised Representatives in the presence of an officer of the Clearing Corporation.

8 RECORDS, ANNUAL ACCOUNTS & AUDIT

8.1 Records

Every F&O Clearing Member shall comply with all relevant statutory acts, including Securities Contracts (Regulation) Act, 1956 and Rules thereunder of 1957, and Securities Exchange Board of India Act, 1992 and Rules, Regulations and guidelines thereunder, and the requirements of and under any comboations, directives and guidelines issued by the Central Government and any statutory body or local authority or any body or authority acting under the authority or direction of the Central Government relating to maintenance of accounts and records.

In additions to the requirements in sequirements and such other requirements as the Clearing Corporation may from the other medially on this behalf relating to books of accounts, records and documents in respect of his membership to the relevant Clearing Segment of the Clearing Corporation

Every F&O Clearing Member of the Clearing Corporation shall maintain the following records relating to its business for a period of five years. In case of dispute, the relevant documents/records shall be maintained for a period of five years after the final settlement or adjudication of the dispute.

Statements of obligations received from the clearing(s).

Record of all statements received from the settling agencies and record of all correspondence with them

Copies of all instructions obtained in writing from constituents.

Records in respect of monies borrowed and loaned including monies received.

Records in respect of clearing charges collected separately from constituents.

A register of transactions containing the details pertaining, inter alia, to all sales / purchase transactions entered into, the parties to such transactions, date and time of execution of such transactions, the price at which the futures contracts were bought/ sold, name of constituents and the clearing charges if any, charged by the clearing member.

Every F&O Clearing Member shall keep such records and books of accounts, as may be necessary, to distinguish client information from own information including details of transactions, margins and settlement information.

Every F&O Clearing Member shall keep such books of accounts, as will be necessary, to show and distinguish, in connection with his business as a Clearing Member

The moneys received from or on account of and moneys paid to or on account of each of his clients and,

The moneys received and the moneys paid on clearing member's own account.

It shall be an inclinary for all F&O Clearing Members to keep the money of the clients in a separate account and their own money in a separate account. No payment for transaction in which the clearing member is taking a position as a principal will be allowed to be made from the client's account.

3.3 Transfers To And From Client Accounts

The transfer from client's account to Clearing Member's account shall be allowed under carcumstants provided herein in the relative Regulations.

O The Fan he Pay Money Into Clients Account

Figure 1 bearing Member who holds or receives money on account of a client shall account it was back money to current or deposit account at bank to be kept in the name of the member to be talle of which the word "Clients" shall appear (hereinafter referred to as "Clients Account") A F&O Clearing Member may keep one consolidated clients account for all the chemis of accounts in the name of each client, as he thinks fit; provided that when a Clearing Member receives a cheque or draft representing in part money belonging to the client and in part morey due to the Clearing Member, he shall pay the whole of such cheque or draft into the clients account and effect subsequent transfer as laid down in the relative Regulation herein

Momeys To Be Paid Into Clients Account

No money shall be paid into clients account other than:

money held or received on account of clients

such moneys belonging to the F&O Clearing Member as may be necessary for the purpose of opening or maintaining the account;

money for replacement of any sum which may by mistake or accident have been drawn from the account

a cheque or draft received by the F&O Clearing Member representing in part money belonging to the client and in part money due to the Clearing Member.

Moneys To Be Withdrawn From Clients Account

No money shall be drawn from clients account other than:

money properly required for payment to or on behalf of clients for or towards payment of a debt due to the F&O Clearing Member from clients or money drawn on client's authority, or money in respect of which there is a liability of clients to the F&O Clearing Member, provided that money so drawn shall not in any case exceed the total of the money so held for the time being for each such client;

such money belonging to the F&O Clearing Member as may have been paid into the client account as mentioned in regulation above.

money which may by mistake or accident have been paid into such account.

8.3 Right To Lien, Set-Off Not Affected

Nothing in this Section shall deprive a F&O Clearing Member of any recourse of any recourse of mether by way of lien, set-off, counter-claim charge(s) or otherwise against moneys stated to the credit of clients account.

8.4 Record Maintenance

Every F&O Clearing Member shall maintain permanently copies of agreements executed with each of its constituent in accordance with the Clearing Corporation requirements

Every F&O Clearing Member shall maintain permanently copies of agreements executed with each of the settling agencies or banks.

Every F&O Clearing Member shall maintain originals of all communications received and copies of all communications sent by such clearing member (including inter-office memo and communications) relating to its business as such.

Every F&O Clearing Member shall maintain all guarantees of accounts and all powers of attorney and other evidence of the granting of any discretionary authority given in respect of any account and copies of resolutions empowering an agent to act on behalf of a Clearing Member.

Every F&O Clearing Member shall maintain all written agreements (or copies thereof) entered into by that Clearing Member relating to its business as such, including agreements with respect to any account.

Every F&O Clearing Member shall preserve for a period of not less than five years after the closing of any constituent's account any records which relate to the terms and conditions with respect to the opening and maintenance of such account, date of entering into agreement with the constituent, date of modification thereof, date of termination and representatives of such constituent who signed in each case. In case of dispute, the relevant documents/records shall be maintained for a period of five years after the final settlement or adjudication of the dispute.

A F&O Clearing Member shall intimate to the Clearing Corporation the place where these records are kept and available for audit/inspection.

The above requirements relating to maintenance of records shall apply not only to records of the FaO Clearing Member's principal office but also to those of any branch office and to any nominee company owned or controlled by a F&O Clearing Member for the purpose of conducting the business of the Clearing Member.

Each F&O Clearing Member shall keep and preserve a record of all written complaints of its constituents showing the reference number of constituent, date, constituent's name, particulars of the complaints, action taken by the clearing member, if the matter is referred to arbitration to the Clearing Corporation then the particulars thereof.

Every F&O Clearing Member shall maintain details of securities which are the property of a F&O Clearing Member showing with whom they are deposited and if held otherwise than by the member, whether they have been lodged as collateral security for loans or advances.

8.5 Annual Accounts And Audit

Each F&O Clearing Member shall prepare annual accounts for each intensial year ending on 31st March or such other date as advised to the Clearing Corporation.

The Assets and Liabilities of the F&O Clearing Member's business shall be brought and account in the balance sheet at such amounts and shall be classified and described therein in such manner that the balance sheet gives a true and fair view of the state of affairs of such business as at the date to which it is made up.

Each F&O Clearing Member shall turnish to the Clearing Corporation, its audited financial statement and such report shall be furnished not later than six months after the end of the clearing inember's financial year, provided that when the Clearing Corporation is satisfied that circumstances warrant on extension of time is necessary to incorporate the count it may grant an extension of such time as it may deem tit

9 INSPECTION

9.1 Inspection Authority

The Clearing Corporation shall inspect books of accounts and any other document of a Member at least once in every year or such number of times as it deems fit. Where it appears to the Clearing Corporation so to do, it may appoint one or more persons as inspecting authority to undertake inspection of books of accounts, other records and documents of the F&O Clearing Members including for any of the purposes specified in the relative Regulation.

The Inspecting authority appointed by the Clearing Corporation may be either its own officials or outside professionals.

When the Clearing Corporation appoints outside professionals as an inspecting authority, it shall notify the F&O Clearing Member the names and addresses of the professionals or firms so appointed as an inspecting authority at the time of inspection.

When outside professionals are appointed as an inspecting authority in respect of a F&O Clearing Member and such professionals are already related in any other capacity with the F&O Clearing Member then such member shall forthwith inform the Clearing Corporation of such relationship.

Where after appointment of any outside professional as an inspecting authority in respect of a F&O Clearing Member, the Clearing Member or any of its associates engages the inspecting authority for its services in any other capacity, the inspecting authority shall not engage itself in such other professional capacity with the clearing member or any of its associates without prior consent of the Clearing Corporation.

9.2 Reasons For Inspection

The Clearing Corporation may cause a F&O Clearing Member to be inspected for purposes which may include the following:

to ensure that the books of accounts and other books are being maintained in the manner required;

to ensure that the provisions of SEBI Act, Rules and Regulation thereunder are being complied with;

to ensure that provisions of the Securities Contracts (Regulation) Act and the Rules made thereunder are being complied with;

to ensure that various provisions of the Clearing Corporation Bye Laws, Rules and Regulations and any directions or instructions issued thereunder are being complied with, to investigate into the complaints received from investors, other members of the Clearing Corporation or any other person on any matter having a bearing on the activities of the Clearing Member;

to investigate suo-moto, for any reason where circumstances so warrant an inspection into the affairs of the Clearing Member in public interest;

to examine whether any notices, circulars, instructions or orders issued by the Clearing Corporation time to time relating to trading and other activities of F&O Clearing Members are being complied with;

to comply with any of the directives issued in this behalf by any regulating authority including Government of India.

9.3 Notice

Before undertaking any inspection as above the Clearing Corporation shall give a reasonable notice to the clearing member for that purpose.

Notwithstanding anything contained above, where the Clearing Corporation is of the opinion that no such notice should be given, it may direct in writing that the inspection of the affairs of the F&O Clearing Member be taken up without such notice.

Clearing Corporation officials or the inspecting authority who is directed by the Clearing Corporation to undertake the inspection, shall undertake the inspection and the F&O Clearing Member against whom an inspection is being carried out shall be bound to discharge his obligations as provided in the relative Regulation herein.

9.4 Obligations Of A F&O Clearing Member On Inspection

It shall be the duty of every director, officer and employee of the F&O Clearing Member, who is being inspected, to produce to the inspecting authority such books, accounts and other documents in his custody or control or arrange to produce where such books, accounts and other documents when they are in any other person's custody or control and furnish him such statements and information within such time as the said inspection authority may require.

The F&O Clearing Member shall allow the inspecting authority to have reasonable access to the premises occupied by him or by any other person on his behalf and also extend reasonable facilities for examining any books, records, documents and computerised data in his possession or any other person and also provide copies of documents or other materials which in the opinion of the inspecting authority are relevant. Such copies or materials shall be retained by the inspecting authority as the property of the Clearing Corporation.

The inspecting authority, in the course of inspection shall be entitled to examine or record statements of any member, director, officer and employee of the F&O Clearing Member or of any associate of such clearing member.

It shall be the duty of every director, officer and employee of the F&O Clearing Member or where an associate is examined, such associate to give to the inspecting authority all

assistance in connection with the inspection which the Clearing Member may be reasonably expected to give.

The inspecting authority shall be entitled to examine the records relating to the F&O Clearing Member's financial affairs held with its bankers or any other agency which the inspecting authority may find it relevant.

The inspecting authority shall have access to accounts and other records relating to the F&O Clearing Member or such access as authorised by the Clearing Corporation to accounts and other records relating to any associate of the clearing member as are within the power of the clearing member to provide.

9.5 Submission Of Report

The inspecting authority shall, as soon as possible submit an inspection report to the Clearing Corporation.

All documents, papers, returns or their copies submitted to the inspecting authority may be retained by it on behalf of the Clearing Corporation. It shall maintain complete confidentiality thereof and no disclosure of any information contained therein shall be made to any person, firm, company or authority unless required by any law for the time being in force and without approval of the Clearing Corporation in this regard.

The Clearing Corporation shall after consideration of the inspection report communicate the findings to the Clearing Member to give him an opportunity of being heard before any action is taken by the Clearing Corporation on the findings of the inspecting authority.

On receipt of the explanation, if any, from the Clearing Member the Clearing Corporation may call upon Clearing Member to take such measures as the Clearing Corporation may deem fit in public interest.

Notwithstanding anything contained as above, where the Clearing Corporation is of the opinion that no such hearing should be provided in certain circumstances, it may take action forthwith without airing an opportunity of being heard.

10 CODE OF COND JCY FOR F&O CLEARING MEMBERS

10.1 General Principles

Professionalism

A F&O Clearing Member in the conduct of his business, shall observe high standards of commercial honour of just and equitable principles of trade. A F&O Clearing Member shall

have and employ effectively the resources and procedures which are needed for the proper performance of his business activities.

Adherence To Clearing Practices

F&O Clearing Members shall adhere to the Rules, Regulations and Bye Laws of the Clearing. Corporation and shall comply with such operational parameters, rulings, notices, guidelines and instructions of the relevant authority as may be applicable from time to time.

Honesty And Fairness

In conducting his business activities, a F&O Clearing Member shall act honestly and fairly, in the best interests of his constituents.

10.2 Settlement Principles

F&O Clearing Members shall ensure that the fiduciary and other obligations imposed on them and their staff by the various statutory acts, rules and regulations are complied with

F&O Clearing Members shall ensure that employees are adequately trained in the practices of the relevant clearing segment in which they deal, clear and settle, are aware of their own, and their organization's responsibilities as well as the relevant statutory acts governing the Clearing Member, the Rules, Regulations and Bye Laws of the Clearing Corporation including any additions or amendments thereof.

When entering into transactions on behalf of constituents, the F&O Clearing Members shall ensure that they abide by the Code of Conduct and regulations as enumerated in the current chapter of these regulations.

No F&O Clearing Member or person associated with a F&O Clearing Member shall make improper use of constituents securities or funds.

When entering into or arranging transactions, F&O Clearing Members must ensure that at all times great care is taken not to misrepresent in any way the nature of transaction.

No F&O Clearing Member shall exercise any discretionary power in a client's account unless such client has given prior written authorisation to a stated individual or individuals and the account has been accepted by the Clearing Member, as evidenced in writing by the clearing member.

10.3 General Guidelines

A F&O Clearing Member shall desist from the following practices while conducting business on the Clearing Corporation.

Shielding Or Assisting

No F&O Clearing Member shall shield or assist or omit to report any Clearing Member whom he has known to have committed a breach or evasion of any Rules, Bye Laws or Regulations of the Clearing Corporation or of any resolution, order, notice or direction thereunder of the Governing Board or the Managing Director or of any committee of officer of the Clearing Corporation authorised in that behalf.

11 CONDUCT OF BUSINESS BY CLEARING MEMBERS

11.1 Office Related Procedure

Every F&O Clearing Member shall ensure that all persons acting on his behalf shall subscribe at all times to high standards of professional expertise and integrity.

Each F&O Clearing Member shall at all times maintain such infrastructure, staff, communication facilities and records so as to be able to service his constituents satisfactorily and as per the requirements enumerated in the Clearing Corporation Bye Laws, Rules and Regulations, or any other relevant act(s) in force for that time being.

Where the Clearing Corporation feels it necessary, in the public interest to do so, it may at its own instance or on a complaint from another F&O Clearing Member or client, seek explanation from the F&O Clearing Member regarding the level of service or professional conduct of the Clearing Member or any of his staff where such service or conduct has been found unsatisfactory or contrary to principles enumerated in the Clearing Corporation Bye Laws, Rules and Regulations, or notifications, directions or circulars issued thereunder.

11.2 Supervision

Procedures to be followed

- 1. Each F&O Clearing Member shall establish, maintain, and enforce procedures to supervise its business and to supervise the activities of its employees that are reasonably designed to achieve compliance with the Clearing Corporation Bye Laws, Rules and Regulations and any notifications, directions etc. issued thereunder as well as the relevant statutory acts.
- 2. The F&O Clearing Member shall maintain an internal record of the names of all persons who are designated as supervisory personnel and the dates for which such designation is or was effective. Such record shall be preserved by the F&O Clearing Member for a period of not less than three years.
- 3. Fvery F&O Clearing Member shall specifically authorise in writing person or persons, who may be authorised to transact on behalf of the clearing member and to do such acts which clearing member may wish to delegate to such person, and make available

a copy of such power of attorney to the Clearing Corporation before such person transacts any business on the Clearing Corporation.

- 4. A F&O Clearing Member shall maintain such records and make available to inspection by any person authorised in this behalf by the Clearing Corporation, the information related to such Clearing member's financial condition as specified by the Clearing Corporation for this purpose.
- 5. The F&O Clearing Member shall pay such fees, charges and other sum as the Clearing Corporation may notify from time to time, in such time and manner as required by the Clearing Corporation.
- 6. The F&O Clearing Member must inform the Clearing Corporation of any change in the status and constitution, operation, activities of the clearing member's entity.

Internal inspections

Each F&O Clearing Member shall conduct a review, at least annually, of the business in which it engages, which shall be reasonably designed to assist in detecting and preventing violations of and achieving compliance with Bye Laws, Rules and Regulations.

Written Approval

Each F&O Clearing Member shall establish procedures for the review and endorsement by an appropriate senior officer in writing, on an internal record, of all transactions and all correspondence of its employees pertaining to the solicitation of any transaction

11.3 Relation With The Constituents

When establishing a relationship with a new client, F&O Clearing Members must take reasonable steps to assess the background, genuineness, financial soundness of such person, and his objectives.

F&O Clearing Member shall make the constituent aware of the precise nature of the clearing member's liability for business to be conducted, including any limitations on that liability and the capacity in which the clearing member acts and the constituents' liability thereon.

The F&O Clearing Member shall provide extracts of relevant provisions governing the rights and obligations of constituents as constituents of F&O Clearing Members as specified in the Bye Laws, Rules and Regulations, relevant manuals, notifications, circulars any additions or amendments thereto etc. of the F&O Segment of the Clearing Corporation, or of any regulatory authority, to the extent it governs the relationship between F&O Clearing Members and constituents, to the constituents at no extra cost. The F&O Clearing Member shall also bring to the notice of his constituents, any

indictments, penalties etc. imposed on him by the Clearing Corporation or any other regulatory authority.

11.4 Recommendations To The Constituents

A F&O Clearing Member shall make adequate disclosures of relevant material information in its dealing with his constituents.

No F&O Clearing Member or person associated with the Clearing Member shall guarantee a constituent against a loss in any transactions effected by the clearing member with or for such constituent.

12 CLEARING AND OTHER FORMS

12.1 Clearing Forms, Special Returns And Other Forms

The clearing forms, special returns and other forms referred to in these Bye Laws and Regulations and not separately specified shall be in such other form or forms as the relevant authority may from time to time prescribe in addition thereto or in modification or substitution thereof.

12.2 Clearing Number And Clearing Forms

A clearing member shall be allotted a Clearing Number which must appear on all forms used by the clearing member connected with the operation of the Clearing Corporation.

12.3 Signing of Clearing Forms

All Clearing Forms shall be signed by the F&O Clearing Member of his clearing assistant.

12.4 False or Misleading Statements

The relevant authority may fine, suspend or expel a F&O Clearing Member who makes any false or misleading statement in the Clearing Forms required to be submitted in conformity with these Regulations or any resolutions, orders, notices, directions and decisions of the relevant authority thereunder.

UNQUOTE

For National Securities Clearing Corporation Limited

R. Jayakumar Asst. Company Secretary

Fayatenmar

National Securities Clearing Corporation Limited

The byelaws of the Futures & Options Segment of the National Securities Clearing Corporation Limited are given hereunder:

QUOTE

Byelaws

(Futures & Options Segment)

CHAPTER I: DEFINITIONS

1. BOARD

"Board" means Board of Directors of National Securities Clearing Corporation Limited

2. BYELAWS

Unless the context indicates otherwise, Byelaws means the Byelaws of the Futures & Options Segment of the Clearing Corporation for the time being in force.

3. CLEARING AND SETTLEMENT

"Clearing and Settlement" means clearing or settlement or clearing and settlement of deals in respect of Futures & Options Segment in such manner and subject to such conditions as may be specified by the Relevant Authority from time to time, unless the context indicates otherwise.

4. CLEARING BANK(S)

Clearing Bank(s) is such bank(s) as the Clearing Corporation may appoint to act as a funds settling agency, for the collection of margin money for all deals cleared through F & O Segment and any other funds movement between clearing members and the Clearing Corporation and between clearing members as may be directed by the Clearing Corporation from time to time.

5. CLEARING CORPORATION

Clearing Corporation means National Securities Clearing Corporation Limited.

CLEARING MEMBER

"Clearing Member" means a member of the F & O Segment of Clearing Corporation and includes all categories of clearing members as may be admitted as such by the Clearing Corporation but does not denote the shareholders of the Clearing Corporation.

V. CONSTITUTINT

A Client /Constituent means a person, on whose instructions and on whose account the Clearing Member clears and settles deals. For this purpose the term "Client" shall include all registered constituents of trading members of Specified Exchange.

Explanation. The terms 'Constituent' and 'Client' are used interchangeably in these Byelaws, Rules & Regulations and shall have the same meaning assigned herein.

8. FUTURES & OPTIONS SEGMENT

"Futures & Options Segment" or "F&O Segment" means F & O Segment of the Clearing Corporation and also includes the different clearing sub-segments or divisions thereof for clearing and settlement of deals as may be classified by the relevant authority from time to time.

9. DEAL.

"Deal" means unless the context indicates otherwise, a deal which is admitted to be cleared and writed through the Clearing Corporation in the F & O Segment.

16. DELIVERING MEMBER

"Delivering Member" means a clearing member who has to or has delivered documents in fulfillment of contract to which these Rules, Bye Laws and Regulations apply offices the context indicates otherwise.

11. RECEIVING MEMBER

"Receiving Member" means a clearing member who has to receive or has received documents in fulfillment of contracts to which these Rules, Bye Laws and Regulations apply unless the context indicates otherwise.

12. REGULATIONS

"Regulations" means Regulations of the F & O Segment for the time being in force and includes business rules, code of conduct and such other procedures and regulations, circulars, directives and orders as issued by the relevant authority from time to time for the operations of the F & O Segment.

1 RELEVANT AUTHORITY

"Relevant Authority" means the Board, Securities Exchange Board of India or such other authority as specified by the Board from time to time as relevant for a specified purpose

is remes

Unless the context indicates otherwise, "Rules" means the Rules of the F & O Segment for the time being in force.

15. SEBI

"SEBI" means the Securities and Exchange Hourd of India.

W. SECURITIES

"Securities" shall have the meaning assigned to it in the Securities Contract (Regulations) Act 1276 and shall also include such other class of instruments or acclusts, monotary or non-mentary, scrip-less or otherwise, as may be admitted to admitted and sattled through the F & O Segment.

willement fund neans a fund established and maintained in accordance with the secondary provisions of the Bye Laws

18 18 AMECIFIED EXCHANGE

Exchange" or "specified exchange" means a recognised stock exchange under the Securities Contract Regulations Act, 1156 dealings on which may be admitted to be cleared and settled by the Clearens Corporation in its F & O Segment subject to such terms and conditions as may be specified from time to time by the relevant authority.

*** TRANSPORTMENTER

"Towling Member" or "trading member" means any person admitted as a member in any Psychange in accordance with the Rules, Bye Laws and Regulations of that Exchange

Note: The terms defined above shall mean the same when used in lower case in the layer layer and Regulations, unless the context indicates otherwise.

CHAPTER II: CLEARING SUB-SEGMENTS OF FA O SEGMENT

The Clearing Corporation may establish more than one clearing sub-segment or division in the F & O Segment as may be specified by the relevant authority from time to time. Deals which may be admitted to the different clearing sub-segments or divisions of F & O Segment for the purpose of clearing and settlement will be specified by the relevant authority from time to time.

CHAPTER III: EXECUTIVE COMMITTEE

- 1. Executive Committee(s) may be appointed by the Board for the purposes of managing the day to day affairs of the F & O Segment of the Clearing Corporation in such manner as laid down in the Rules.
- 2. The Executive Committee of F & O Segment shall have such responsibilities and powers as may be delegated to it by the Board.
- 3. The Executive Committee for F & O Segment shall not have any representation from the Clearing Members and Trading Members. The composition of such Executive Committee shall be subject to the prior approval of Securities and Exchange Board of India (SEBI).

CHAPTER IV: REGULATIONS

- 1. The Board may prescribe Regulations from time to time for the functioning and operations of the F & O Segment and to regulate the functioning and operations of the clearing members of the F & O Segment.
- 2. Without prejudice to the generality of the above, the Board may prescribe regulations from time to time, inter alia, with respect to:
 - (1) norms, procedures, terms and conditions for admission of Exchanges;
 - (2) norms, procedures, terms and conditions to be complied with for admission of deals for clearing and settlement in the F & O Segment by the Clearing Corporation;
 - (3) norms, procedures, terms and conditions for clearing and settlement of deals in the F & O Segment;
 - (4) forms and conditions of deals to be entered into, and the time, mode and manner for performance of deals between clearing members inter se or between clearing members and their constituents;
 - (5) norms, procedures, terms and conditions for guaranteed settlement by the F & O Segment:
 - (6) prescription, from time to time, and administration of penalties, fines and other consequences, including suspension/expulsion of clearing members from the F & O Segment for defaults;
 - (7) norms, procedures, terms and conditions for imposition and administration of different types of margins and other charges and restrictions that may be imposed by the F & O Segment from time to time.

- (8) determination from time to time, of fees, system usage charges, deposits, margins and other monies payable to the Clearing Corporation by clearing members of the F & O Segment and the scale of clearing and other charges that may be collected by such clearing members.
- (9) supervision of the clearing operations and promulgation of such Business Rammand Codes of Conduct as it may deem fit;
- (10) inspection and audit of records and books of accounts;
- (11) settlement of disputes, complaints claims arising between clearing members inter-se as well as between clearing members and persons who are not clearing members relating to any deal in securities cleared and settled through the 1- & O Segment including settlement by arbitration;
- (12) norms, procedures, terms and conditions for arbitration;
- (13) administration, maintenance and investment of the corpus of the Fund(s) set up by the F & O Segment including Settlement Fund(s);
- (14) establishment, norms, terms and conditions, functioning and procedures of clearing house, clearing through depository or other arrangements including custodial services for clearing and settlement;
- (15) norms, procedures, terms and conditions in respect of incidental to or consequential to closing out of deals;
- (16) dissemination of information and announcements,
- (17) any other matter as may be decided by the Board.

CHAPTER V: CLEARING MEMBERS

- 1. The relevant authority is empowered to admit clearing members in accordance with Rules and Regulations subject to the minimum financial requirements prescribed by SEBI. Such Clearing Members shall pay such fees, security deposits and other monies as may be specified by the Board or the relevant authority from time to time, on admission as Clearing Members and for continued admission. The fees, security deposits, other monies and any additional deposits paid, whether in the form of cash, bank guarantee, securities or otherwise, with the Clearing Corporation, by a Clearing Member from time to time, shall be subject to a first and paramount lien for any sum due to the Clearing Corporation in any Clearing Segment and all other claims against the Clearing Members arising out of or incidental to any dealings made subject to the Byelaws, Rules and Regulations of the Clearing Corporation in any Clearing Segment. The Clearing Corporation shall be entitled to adjust or appropriate such fees, deposits and other monies for such dues and claims, to the exclusion of the other claims against the Clearing member, without any reference to the Clearing member.
- 2. Clearing member of any sub-segment may clear and settle deals through the Clearing Corporation pertinent to that sub-segment in such manner and mode and subject to such terms and conditions and procedures as may be specified for the clearing member.
- 3. Clearing members may clear and settle deals either on their own account or on behalf of their clients unless otherwise specified by the relevant authority and subject to such terms and conditions which the relevant authority may prescribe from time to time

CHAPTER VI: CLEARING AND SETTLEMENT OF DEALS

A. DEALS FOR CLEARING AND SETTLEMENT

1. CLEARING AND SETTLEMENT OF DEALS

- (1) The F & O Segment of Clearing Corporation shall clear and settle such deals as provided in the Bye Laws and Regulations and save as so provided, no other deads shall be cleared and settled.
- (2) Without prejudice to the generality of the above, the relevant authority may in its discretion and subject to such conditions as it may deem fit admit any other deals.

2. ADMISSION OF DEALS

- (1) Clearing and settlement shall be permitted on the Clearing Corporation in deals which are from time to time admitted on the F & O Segment by the relevant authority in accordance with the provisions of the Bye Laws and Regulations
- (2) The relevant authority may specify securities from time to time dealings on which may be admitted in accordance with the provisions of the Bye Laws and Regulations in that regard.
- (3) The relevant authority may specify stock exchanges from time to time dealings on which may be admitted for clearing and settlement by the F & O Segment in accordance with the provisions of the Bye Laws and Regulations.

3. CONDITIONS AND REQUIREMENTS OF CLEARING AND SETTLEMENT

The relevant authority may grant admission of deals dealt in the Exchange provided all the conditions and requirements specified in the Bye Laws and Regulations and such other conditions and requirements as the relevant authority may prescribe from time to time are complied with.

4. REFUSAL OF ADMISSION OF DEALS

The relevant authority may, in its discretion, approve admission of deals or defer, or reject admission of deals for clearing and settlement on the F & O Segment, subject to such terms as it deems fit.

5. SPECIFIC DEALS

The relevant authority may permit in appropriate cases as it may at its discretion decide from time to time specific deals to be cleared and settled through the F & O Segment in case of securities which are not admitted or are of the time being prohibited or suspended.

SUSPENSION OF ADMISSION OF DEALS

The relevant authority may suspend at any time the admission of deals including of any security or specified exchange or F & O Segment for such period as it may determine and reinstate such deals subject to such conditions as it may deem fit.

7. WITHDRAWAL OF ADMISSION OF DEALS

The relevant authority may where it deems necessary withdraw the admission to dealings of a specified exchange either for breach of or non-compliance with any of the conditions or requirements of admission of dealings or for any other reason whatsoever

11 READMISSION OF DEALS

The relevant authority in its discretion may readmit deals of a specified exchange which has been previously withdrawn.

8. CLEARING AND SETTLEMENT OF DEALS

9. CLEARING AND SETTLEMENT

Clearing and settlement of deals in the F & O Segment may be on netted basis or gross basis or trade-for-trade basis or any other basis as may be specified by the relevant authority from time to time. Settlement shall be effected by clearing members giving and receiving delivery and paying and receiving funds as may be specified by the relevant authority from time to time in the Bye Laws and Regu'ations.

10. PRIVITY OF CONTRACT

- (1) Except as provided herein, clearing members giving and receiving delivery as provided in the Bye Laws and Regulations shall be deemed, notwithstanding that no direct contract may exist between them, to have made a contract with each other as sellers and buyers. However the rights and liabilities of delivering and receiving member in relation to their immediate contracting party shall not be deemed to be affected thereby except that the selling member (unless he be himself the delivering member) shall be released from all responsibility in regard to the title, ownership, genuineness, regularity and validity of the documents received by the receiving member and in regard to the loss and damages arising therefrom, which shall be dealt with in Accordance with the provisions of Bye Laws and Regulations thereof.
- (2) It cases where the F & O Segment may specify either generally or specifically, clearing members giving and receiving delivery and paying and receiving funds as provided in the Bye Laws and Regulations shall be des med, notwithstanding that no direct contract exists between them, to have made a contract with the Clearing Corporation as sellers and buyers and between themselves as delivering and receiving members. Provided further however that in such event the rights and liabilities of delivering and receiving member with the F & O Segment shall not be deemed to be

1...

affected thereby except that the F & O Segment shall not be responsible to respect of the title, ownership, genuineness, regularity and validity of the documents delivered of received and in regard to the loss and damages arising therefrom, which shall be dealt with in accordance with the provisions of Bye Laws and Regulations.

(3) Notwithstanding anything contained above, the Clearing Corporation may specify either generally or specifically, where Clearing Members clearing and settling deals as provided in the Bye laws and Regulations shall be decined, notwithstanding that no direct contract exists between them, to have made a contract between themselves as buyers and sellers and where such contract shall be submitted with the Clearing Corporation as the buyer to the setter and as the seller to the buyer.

. 11. ARRANGEMENT FOR CLEARING AND SETTLEMENT

- (1) Clearing and settlement of deals shall be effected by clearing members by adopting and using such arrangements, systems, agencies or procedures as may be specified by the relevant authority from time to time. Without prejudice to the generality of the above, the relevant authority may prescribe or specify from time to time such custodial, depository and other servaces be adoption and use by clearing members and their constituents to facilitate smooth operation of the clearing and settlement arrangement or system.
- (2) The clearing and settlement function may be performed by the best or Segment or it may take assistance of any agency identified by the relevant authority for the purpose.
- (3) Save as otherwise expressly provided in the Bye Laws and Regulations, when funds and securities are cleared and/or settled under a aperatical arrangement, the settlement responsibility shall rest wholly and solely upon the counter parties to the contract and/or the concerned clearing members as the case may be and the Clearing Corporation shall act as the common agent of the clearing members for receiving or giving delivery of securities and for receiving and paying funds, without incurring any liability or obligation as a principal

12. OPERATIONAL PARAMETER FOR CLEARING

- (1) The relevant authority may determine and announce from time to time operational parameters regarding clearing of deals through the Clearing Corporation in the F & O Segment which the clearing members shall adhere to.
- (2) The operational parameters may, inter alia, include:
 - (a) clearing/exposure limits allowed which may include clearing/exposure limits with reference to networth and capital adequacy norms;
 - (b) clearing volumes and limits at which it will be incumbent for clearing members to intimate the F & O Segment;

- (c) fixation of delivery lots for different settlement types;
- (d) other matters which may affect smooth operation of clearing of deals keeping in view larger interest of the public;
- (c) determining types of deals permitted for a clearing member and for a security;
- (f) determining functional details of the clearing and settlement system including the system design, user infrastructure and system operation;

13. CLEARING HOURS

- (1) The hours for clearing and settling of F & O Segment of the Clearing, orporation shall be during such time as may be decided by the relevant authority from time to time. The relevant authority may, from time to time, specify clearing hours for different types of deals and different clearing subsequents or divisions of the F & O Segment.
- (2) The relevant authority may declare a list of holidays in a catendia year. The relevant authority may from time to time after or cancel any of the holidays fixed in accordance with these provisions. It may, for reasons to be recorded, suspend clearing and settlement operations in the F & O Segment on days other than or in addition to holidays.

14. DELIVERY OF SECURITIES

- (1) Delivery and settlement of all securities, documents and papers and payment in respect of all deals in the F & O Segment shall be in such manner and such place(s) as may be specified by the relevant authority from time to core
- (2) The relevant authority shall specify from time to time, the accurities, documents and papers which, when delivered in specified manner, shall constitute good delivery. Where circumstances so warrant, the relevant authority may determine, for reasons to be recorded, whether or not a delivery constitutes a good delivery, and such findings shall be binding on parties concerned. Where the relevant authority determines that a delivery does not constitute a good delivery, the delivering party shall be required to substitute good delivery instead within such time as may be specified.
- (3) The norms and procedures for delivery with respect to market lot, odd let, minimum lot, part delivery, delivery of partly paid securities etc., shall be as specified by the relevant authority from time to time.
- (4) The requirements and procedures for determining disputed deliveries or defective deliveries, and measures, procedures and system of resolving the dispute or defect in deliveries or of consequences of such deliveries or their resolution shall, subject to these Bya Laws, be as specified by the relevant authority from time to time.

15. CLOSING OUT

- (1) A deal admitted for clearing and settlement may be transferred to another clearing member with his consent on the failure of a clearing member to comply with any of the provisions relating to delivery, payment and settlement of deals or on any failure to fulfill the terms and conditions subject to which the deal has been made, or such other circumstances as the relevant authority may specify from time to time. The deal may be transferred to another clearing member by the Clearing Corporation in such manner, within such time frame, and subject to such conditions and procedures as the relevant authority may prescribe from time to time.
- (2) A deal admitted for clearing and settlement may be closed out on failure of a clearing member to comply with any of the provisions relating to delivery, payment and settlement of deals or on any failure to fulfill the terms and conditions subject to which the deal has been made, or such other circumstances as the relevant authority may specify from time to time. The deal may be closed out by the Clearing Corporation in such manner, within such time frame, and subject to such conditions and procedures as the relevant authority may prescribe from time to time.
- (3) Without prejudice to the generality of the foregoing, the relevant authority may close out deals, inter alia, by buying in or selling out against a clearing member as follows:-
 - (a) in case of the selling clearing members, on failure to complete delivery on the due date; and
 - (b) in case of the buying clearing members, on failure to pay the amount due on the due date.
 - (c) and any loss, damage or shortfall sustained or suffered as result of such closing out shall be payable by the clearing members who failed to give due delivery or to pay amount due.

16. FAILURE TO MEET OBLIGATIONS

In the event a clearing member fails to meet obligations to the Clearing Corporation arising out of clearing and settlement operations of admitted deals the relevant authority may charge such interest, impose such penalties and fines and take such disciplinary action against the clearing member as it may determine from time to time. Any disciplinary action which the relevant authority takes pursuant to the above shall not affect the obligations of the clearing member to the Clearing Corporation or any remedy to which the Clearing Corporation may be entitled under applicable law.

CHAPTER VII: DEALI GS BY CLEARING MEMBERS

1. JURISDICTION

- (1) All deals admitted by the clearing Corporation in its F & O Segment for clearing and settlement shall be deemed to have been entered into in the city of Mumbai unless provided otherwise expressly by the relevant authority.
- (2) The relevant authority may, from time to time, specify deals as subject to a particular jurisdiction, having regard to the type or nature of the deal, the exchange on which the deal was struck and other relevant factors.

2. RECORD FOR EVIDENCE

The record of the F & O Segment as maintained by a central processing unit or a cluster of processing units or computer processing units, whether maintained in any other manner shall constitute the agreed and authentic record in relation to any deals cleared and settled through the Clearing Corporation. For the purposes of any disputes regarding clearing and settlement of deals, the records as maintained by the F & O Segment shall constitute valid evidence in any dispute or claim between the constituents and the clearing member or between the clearing members inter-se or between the clearing members and the F & O Segment.

3. CLEARING MEMBER ONLY PARTIES TO DEALS

The Clearing Corporation in its F & O Segment does not recognise as parties to deals any persons other than its own clearing members, and every clearing member is directly and wholly liable in accordance with whom such clearing member has any deal for due fulfilment of the deal or to the F & O Segment as may be specified by the relevant authority, whether such deal be for account of the clearing member effecting it or for account of a constituent.

4. ALL DEALS SUBJECT TO RULES, BYE LAWS AND REGULATIONS

All deals shall be made subject to the Rules, Bye Laws and Regulations and this shall be a part of the terms and conditions of all such deals and the deals shall be subject to the exercise by the relevant authority of the powers with respect thereto vested in it by the Bye Laws, Rules and Regulations.

5. INVIOLABILITY OF ADMITTED DEALS

(1) All the dealings in securities on the F & O Segment of the Clearing Corporation made subject to the Byelaws, Rules and Regulations shall be inviolable and shall be cleared and settled in accordance with the Byelaws, Rules and Regulations. However, the Clearing Corporation may by a notice annul the deal(s) on an application by a Clearing Member in that behalf, if the relevant authority is satisfied after hearing the other party/parties to the deal(s) that the deal(s) is /are fit for annulment on account of fraud or wilful misrepresentation or material mistake in the deal.

- (2) Notwithstanding anything contained in clause (1) above, the Clearing Corporation may, to protect the interest of investors in securities and for proper regulation of the securities market, suo motu annul deal(s) at any time if the relevant authority is satisfied for reasons to be recorded in writing that such deal(s) is/ are vitiated by fraud, material mistake, misrepresentation or market or price manipulation and the like.
- (3) Any annulment made pursuant to clause (1) and (2) above, shall be final and binding upon the parties to deal(s). In such an event, the Clearing Member shall be entitled to cancel the relevant deal(s) with its constituents.

6. DEALS BY REPRESENTATIVE CLEARING MEMBERS

A clearing member may authorise another clearing member to act as his representative for a specified period with the prior permission of the relevant authority.

7. INDEMNITY

The Clearing Corporation shall not be liable for any activity of the clearing member or any person acting in the name of the clearing person whether authorised or unauthorised including deals cleared and settled through the Clearing Corporation in the F & O Segment save and except as and to the extent provided in the Bye Laws and Regulations.

CHAPTER VIII: MARGINS

1. MARGIN REQUIREMENTS

- (1) The relevant authority may from time to time prescribe requirements of margins for deals cleared and settled through the Clearing Corporation in the F & O Segment and the clearing member shall furnish such margin as a condition precedent.
- (2) Every Clearing Member has a continuing obligation to maintain margins at such levels and during such periods as may be stipulated by the Clearing Corporation from time to time.

2. FORM OF MARGIN

The margins to be provided by a clearing member under the Bye Laws and Regulations in the F & O Segment shall be in cash. The relevant authority may at its discretion accept deposit receipts, guarantee of a bank(s) approved by the relevant authority or securities approved by it or such other mode as may be approved and subject to such terms and conditions as the relevant authority may impose from time to time. Any such substitute like deposit receipt, securities approved by it or any other mode duly approved shall be deemed to have been pledged and/or hypothecated as the case may be in favour of the Clearing Corporation in respect of F & O Segment.

3. QUANTUM OF MARGIN

The Clearing Member depositing margins, in the form of securities by way of pledge or otherwise or in such other mode as may be specified by the relevant authority from time to time, shall always maintain the value thereof at not less than the quantum of margin required for the time being covered by them by providing further security to the satisfaction of the relevant authority which shall determine the said value and whose valuation shall conclusively fix the amount of any deficiency to be made up from time to time.

4. MARGIN TO BE HELD BY THE CLEARING CORPORATION IN RESPECT OF F & O SEGMENT

The margins shall be held by the Clearing Corporation in respect of F & O Segment and when they are in the form of bank deposit receipts and securities, such receipts and securities may be transferred to such persons or to the name of a custodian or such other entity approved by the Clearing Corporation. All margin deposits shall be held by the Clearing Corporation and/or by the approved persons and/or by the approved custodian in such form and on such account as the Clearing Corporation may deem fit without any right whatsoever on the part of the depositing clearing member or those in its right to call in question the exercise of such discretion.

5. LIEN ON MARGINS

The monies paid by way of margin or bank deposit receipts or other securities or assets pledged or hypothecated by a clearing member in lieu of margin under the provisions of the Bye Laws and Regulations shall be subject to a first and paramount lien for all sums due to the Clearing Corporation in respect of F & O Segment. Margin shall be available in preference to all other claims against the clearing member for the due fulfillment of his obligations and liabilities arising out of or incidental to any deals made subject to the Bye Laws, Rules and Regulations or anything done in pursuance thereof.

6. UTILISATION FOR FAILURE TO MEET OBLIGATIONS

In the event a clearing member fails to meet obligations to the Clearing Corporation arising out of clearing and settlement operations of such deals on F & O Segment as provided in the Bye Laws and Regulations, the relevant authority shall be entitled to utilise any amount paid by the said clearing member in the form of margin or any other payment retained by the Clearing Corporation for the purpose of clearing and settlement on the F & O Segment.

7. EVASION OF MARGIN REQUIRMENTS FORBIDDEN

A clearing member shall not directly or indirectly enter into any arrangement or adopt any procedure for the purpose or evading or assisting in the evasion of the margin requirements specified under the Bye Laws and Regulations.

8. SUSPENSION ON FAILURE TO PAY MARGIN

If a clearing member fails to pay margin as required in the Bye Laws and Regulations, the relevant authority may take such action as it may deem fit and specified from time to time including suspension.

9. INTEREST, DIVIDEND AND CALLS

- (1) The receiving member shall be entitled to receive all vouchers, coupons, dividends, cash bonus, bonus issues, rights and other privileges which may relate to securities bought cum voucher, cum coupons, cum dividends, cum cash bonus, cum bonus issues, cum rights etc. The delivering member shall be entitled to receive all vouchers, coupons, dividends, cash bonus, bonus issues, rights and other privileges which may relate to securities sold ex voucher, ex coupons, ex dividends, ex cash bonus, ex bonus issues, ex rights etc.
- (2) The manner, mode information requirements, alterations, date and timing etc., of adjustment with respect to vouchers, coupons, dividends, cash bonus, bonus issues, rights and other privileges between the receiving and delivering member shall be as specified by the relevant authority from time to time. Save as otherwise provided in the Bye Laws and Regulations, the clearing members shall be responsible between themselves and to their constituents for effecting such adjustments.
- (3) In respect of a deal in securities which shall become or are exchangeable for new or other securities under a scheme of reconstruction or reorganisation, the delivering member shall deliver to the receiving member, as the relevant authority directs, either the securities contracted for or the equivalent in securities and/or cash and/or other property receivable under such scheme of reconstruction or reorganisation.

10. CLEARING FEES

The relevant authority may prescribe from time to time fees, charges and recoveries to be levied on the clearing members in respect of clearing and settlement of deals.

CHAPTER IX: RIGHTS AND LIABILITIES OF CLEARING MEMBERS AND CONSTITUENTS

1. MARGIN FROM CONSTITUENTS

A clearing member shall demand from his constituent the margin he has to provide under the Rules, Bye Laws and Regulations in respect of the business done by him for such constituent. A clearing member shall also demand and collect an initial margin in cash and securities from his constituent before undertaking to clear their obligations and to stipulate that the constituent shall pay a margin or furnish additional margin as may be specified by the F & O Segment of the Clearing Corporation from time to time. The constituent shall when from time to time called upon to do so forthwith pay margins and furnish additional

margins as required under the Rules, Bye Laws and Regulations in respect of his obligations and as agreed upon by him with the clearing member concerned.

2. CONSTITUENT IN DEFAULT

- (1) A clearing member shall not transact business directly or indirectly for a constituent who to his knowledge is in default to another clearing member unless such constituent shall have made a satisfactory arrangement with the clearing member who is his creditor.
- (2) On the application of a creditor clearing member who refers or has referred to arbitration his claim against the defaulting constituent as provided in the Rules, Bye Laws and Regulations, the relevant authority shall issue orders against any clearing members restraining them from paying or delivering to the defaulting constituent any monies or securities up to an amount or value not exceeding the creditor member's claim payable or deliverable by him to the defaulting constituent in respect of deals to the Bye Laws, Rules and Regulations, which moneys and securities shall be deposited with the F & O Segment. The moneys and securities deposited shall be disposed of in terms of the award in arbitration and pending a decree shall be deposited with the concerned Court when filing the award unless the creditor clearing member and the defaulting constituent mutually agree otherwise.

3. CLOSING-OUT OF CONSTITUENT'S ACCOUNT

Unless otherwise specified by the relevant authority from time to time, when closing-out the account of a constituent a clearing member may assume or take over such deals to his own account as a principal at prices which are fair and justified by the condition of the market or he may close-out in the open market and any expense incurred or any loss arising therefrom shall be borne by the constituent.

4. CLEARING MEMBER NOT LIABLE TO ATTEND TO REGISTRATION OF TRANSFER

Unless otherwise specified by the relevant authority from time to time, a clearing member shall not be deemed to be under any obligation to attend to the transfer of securities and the registration thereof in the name of the constituent. If it attends to such work in the ordinary course or at the request or desire or by the consent of the constituent it shall be deemed to be the agent of the constituent in the matter and shall not be responsible for loss in transit or for the company's refusal to transfer not be under any other liability or obligation other than that specifically imposed by the Rules, Bye Laws and Regulations. The stamp duty, the transfer fees and other charges payable to the company, the fee for attending to the registration of securities and all incidental expenses such as postage incurred by the clearing member shall be borne by the constituent.

5. REGISTRATION OF SECURITIES WHEN IN NAME OF CLEARING MEMBER OR NOMINEE

- (1) When the time available to the constituents of a clearing member is not sufficient for them to complete transfers and lodge the securities for registration before the closing of the transfer books and where the security is purchased cum interest, dividend, bonus or rights which the company may have announced or declared the clearing member may register the securities in its or its nominee's name and recover the transfer fee, stamp duty and other charges from the buying constituent.
- (2) The clearing member shall give immediate intimation to the F & O Segment the names of such constituents and details of the deals as may be specified by the relevant authority from time to time. The clearing member shall also give immediate intimation thereof to the buying constituent and shall stand indemnified for the consequences of any delay in delivery caused by such action.
- (3) The clearing member shall be obliged to re-transfer the security in the name of the original constituent as soon as it has become ex interest, dividend, bonus or rights.

6. CLOSING-OUT BY CONSTITUENT ON FAILURE TO PERFORM A DEAL

If a clearing member fails to complete the performance of a deal by delivery or payment in accordance with provisions of the Rules, Bye Laws and Regulations, the constituent shall, after giving notice in writing to the clearing member, close out such deal through any other clearing member as soon as possible and any loss or damages sustained as a result of such closing out shall be immediately payable by the defaulting clearing member to the constituent. If the closing out be not effected as provided herein, the damages between the parties shall be determined on such basis as may be specified by the relevant authority from time to time and the constituent and the clearing member shall forfeit all further rights of recourse against each other.

7. COMPLAINT BY CONSTITUENT

When a complaint has been lodged by a constituent with the relevant authority that any clearing member has failed to perform his dealings, the relevant authority shall investigate the complaint and it is satisfied that the complaint is justified it may take such disciplinary action as it deems fit in accordance with the provisions contained in Chapter V of the Rules of the Futures & Options Segment of the Clearing Corporation.

8. RELATIONSHIP BETWEEN CLEARING MEMBER AND CONSTITUENT

Without prejudice to any other law for the time being in force and subject to these Bye Laws, the mutual rights and obligations inter se between the clearing

members and their constituents shall be such as may be specified by the relevant authority from time to time.

CHAPTER X: ARBITRATION

- 1. All claims, disputes, differences, arising between Clearing Members and Constituents or between Clearing Members inter se arising out of or related to deals admitted for clearing and settlement by the Clearing Corporation in respect of F & O Segment or with reference to any thing done in respect thereto or in pursuance of such deals shall be referred to and decided by arbitration as provided in the Rules, Byelaws and Regulations of the National Stock Exchange of India Limited if the deal originated from it or in pursuance thereof.
- 2. All claims, disputes, differences, arising between Clearing Members and Constituents or between Clearing Members inter se arising out of or related to deals admitted for clearing and settlement by the Clearing Corporation in respect of F & O Segment or with reference to anything done in respect thereto or in pursuance of such deals shall be referred to and decided by Arbitration as provided in the Rules, Byelaws and Regulations if the deal originated from any Exchange other than the National Stock Exchange of India Limited or in pursuance thereof The provisions of these Byelaws providing for such Arbitration are as hereunder:

(1) Definitions

- (a) 'arbitrator' shall mean a sole arbitrator or a panel of arbitrators.
- (b) 'Act' shall mean the Arbitration and Conciliation Act, 1996 and includes any statutory modification, replacement or re-enactment thereof, for the time being in force.

Reference to Arbitration

(2) All claims, differences or disputes between the Clearing Members inter se and between Clearing Members and Constituents arising out of or in relation to dealings, contracts and transactions admitted for clearing and settlement on the Clearing Corporation subject to the Bye-Laws, Rules and Regulations or with reference to anything incidental thereto or in pursuance thereof or relating to their validity, construction, interpretation, fulfilment or the rights, obligations and liabilities of the parties thereto shall be submitted to arbitration in accordance with the provisions of these Byelaws and Regulations.

Provisions of these Byelaws and Regulations deemed to form part of all dealings, contracts and transactions

(3) In all dealings, contracts and transactions, which are admitted for clearing and settlement on the Clearing Corporation subject to the Byelaws, Rules and Regulations, the provisions relating to arbitration as provided in these Byelaws and Regulations shall form and shall be deemed to form part of the dealings, contracts and transactions and the parties shall be deemed to have entered into an arbitration agreement in writing by which all claims, differences or disputes of the nature referred to in clause (2) above shall be submitted to arbitration as per the provisions of these Byelaws and Regulations.

Limitation period for reference of claims, differences or disputes for arbitration

27-100 ---

(4) All claims, differences or disputes referred to in clause (2) above shall be submitted to arbitration within six months from the date on which the claim, difference or dispute arose or shall be deemed to have arisen. The time taken in conciliation proceedings, if any, initiated and conducted as per the provisions of the Act and the time taken by the relevant authority to administratively resolve the claims, differences or disputes shall be excluded for the purpose of determining the period of six months.

Power of the relevant authority to prescribe Regulations

- (5) (a) The relevant authority may, from time to time prescribe Regulations for the following:
 - (i) the procedure to be followed by the parties in arbitral proceedings.

In particular, and without prejudice to the generality of the foregoing power, such procedure may, inter alia, provide for the following:

- (a) the forms to be used;
- (b) the fees to be paid;
- (c) the mode, manner and time period for submission of all pleadings by both the parties;
- (d) matters relating to requests from the parties for amending or supplementing the pleadings; and
- (e) the consequences upon failure to submit such pleadings by the parties.
- (ii) the procedure to be followed by the arbitrator in conducting the arbitral proceedings.

In particular, and without prejudice to the generality of the foregoing power, such procedure may, inter alia, provide for

- (a) adjournment of hearings; and
- (b) terms and conditions subject to which the arbitrator may appoint experts to report on specific issues and the procedure to be followed in arbitral proceedings upon such an appointment.
- (c) passing interim orders/directions if deemed fit.
- (iii) Different set of arbitration procedures for different claims, differences or disputes after taking into consideration such circumstances and facts as the relevant authority may deem fit which circumstances and facts may include the value of the subject matter and the persons who are involved as parties to such claims, differences or disputes.
- (iv) creation of seats of arbitration for different regions or prescribing geographical locations for conducting arbitrations and prescribing the courts which shall have jurisdiction for the purpose of the Act.

- (v) The claims, differences or disputes which may be reserred to a sole arbitrator and the claims, differences or disputes which may be referred to a panel of arbitrators.
- (vi) The procedure for selection of persons eligible to act as arbitrators.
- (vii) The procedure for appointment of arbitrator.

and order to the Article of

in the at the parties?

At the state of the

- (viii) The terms, conditions and qualifications subject to which any arbitrator may be appointed.
- (ix) determination of the number of arbitrators in the case of a panel of arbitrators.
- (x) the time period within which a substitute protitrator has to be appointed in case the office of the arbitrator falls vacant for any reason whatsoever.
- (xi) The matters to be disclosed by any person who is approached in connection with his possible appointment as an arbitrator.

一大学校工学、大九学院的一学教生

- (xii) The procedure to be adopted by the parties for challenging the appointment of an arbitrator.
- (xiii) (a) The claims, differences or disputes which, may be decided by the arbitrator without a hearing unless either party in writing requests the relevant authority for a hearing and the time period within which such a request shall be made:
- (b) The claims, differences or disputes which, may be decided by the arbitrator only by hearing the parties jointly waive the right to such hearing and the time period within which such a waiver shall be made.
- where the arbitrator can meet for consultation for hearing withlesses, experts, on the parties, or for inspection of documents, goods or other property.
 - (xv) The making of the arbitral award including the manner in which a decision is to be taken in the case of panel of arbitrators and the form and contents of the arbitral award because
- The term arbitral award shall also include an arbitral award on agreed terms. Prescriptions as to the contents of the arbitral award may include provisions for costs and where the arbitral award is for the payment of money, may include interest payable on principal sum due.

- (xvi) The amount of deposit or supplementary deposit, as the case may be, as an advance for the costs which it expects will be incurred in respect of the claim, difference or dispute. Provided where a counter-claim is submitted to the arbitrator, a separate amount of deposit for the counter-claim may also be specified.
- (xvii) The administrative assistance which the F.& O Segment may render in order to facilitate the conduct of arbitral proceedings.
- (xviii) All matters regarding the mode and the manner of service of notices; and communications by the parties including communication addressed to arbitrator.
- (xix) Any other matter which in the opinion of the relevant authority is required to be dealt with in the Regulations to facilitate arbitration:
- (5) (b) The relevant authority from time to time may amend, modify, alter, repeal, or add to the provisions of the Regulations.

Compared to the second of the

Disclosure by persons to be appointed as arbitrators

(6) Every person who is approached in connection with his possible appointment as an arbitrator, shall disclose to the relevant authority in writing any circumstances likely to give rise to justifiable doubts as to his independence and impartiality. If the person discloses any circumstances which in the opinion of the relevant authority are likely to give rise to justifiable doubts as to his independence and impartiality, then he shall not be appointed as an arbitrator.

Disclosure by persons appointed as arbitrators

(7) An arbitrator, from the time of his appointment and throughout the arbitral proceedings, shall, without delay, disclose to the relevant authority in writing any circumstances referred to in clause (6) above which have come to the his knowledge after his appointment as an arbitrator.

Termination of mandate of the arbitrator

- (8) The mandate of the arbitrator shall terminate if
 - (a) the arbitrator withdraws from office for any reason; or the latest
 - (b) in the opinion of the relevant authority, the arbitrator becomes de jure or de facto unable to perform his functions or for other reasons fails to act without undue delay including failure to make the arbitral award within the time period specified by the relevant authority. Such a decision of the relevant authority shall be final and binding on the parties or
 - (c) the mandate of the arbitrator is terminated by the relevant authority upon receipt of written request for the termination of the mandate of the arbitrator from both the parties to arbitration; or

- (d) the arbitrator discloses any circumstances referred to in clauses (6) and (7) which in the opinion of the relevant authority are likely to give rise to justifiable doubts as to his independence and impartiality.
- (e) the arbitral proceedings are terminated as provided for herein.

Supplying of vacancy to the office of the arbitrator

(9) At any time before the making of the arbitral award should the office of the arbitrator fall vacant for any reason whatsoever including any vacancy due to the illness or death of the arbitrator or termination of the mandate of the arbitrator by the relevant authority or otherwise, the vacancy shall be supplied by the relevant authority by following the same procedure as specified by it for appointment of the arbitrator.

Consideration of recorded proceedings and evidence

(10) Unless otherwise agreed by parties, any arbitrator who has been appointed by the relevant authority to supply a vacancy to the office of the arbitrator, may repeat any hearings previously held.

Order or ruling of previous arbitrator not invalid.

(11) An order or ruling of the arbitrator made prior to the termination of his mandate shall not be invalid solely because his mandate has been terminated. Provided that when the termination has been effected to pursuant to clause (7)(d), the order or ruling of the arbitrator made prior to termination of his mandate shall become invalid unless otherwise agreed upon by the parties.

Interim arbitral award and interim measures ordered by the arbitrator

(12) The arbitrator may be empowered to make an interim arbitral award as well as to provide interim measures of protection. An arbitrator may require a party to provide appropriate security in connection with an interim measure.

Appearance in arbitral proceedings by counsel, attorney or advocate

(13) In arbitral proceedings where both the parties are Clearing Members, the parties shall not be permitted to appear by counsel, attorney or advocate but where one of the parties is a Constituent, then the Constituent shall be permitted to appear by counsel, attorney or advocate. If the Constituent chooses to appear by counsel, attorney or advocate, then the Clearing Member shall be granted a similar privilege.

Arbitral award by arbitrator

(14) The arbitrator shall make the arbitral award within one month from the date of entering upon the reference and the time to make the award may be extended from time to time by the relevant authority on an application by either of the parties or the arbitrator as the case might be

For the purpose of this clause the arbitrator shall be deemed to have entered upon a reference on the date on which the arbitrator has or is deemed to have applied his mind.

Arbitration proceedings subject to the provisions of the Act

(15) The arbitration proceedings as provided for by the provisions of these Byelaws and Regulations shall be subject to the provisions of the Act to the extent not provided for in these Byelaws or the Regulations.

Construction of references

(16) For the purposes of section 2(6) of the Act, in all claims, differences or disputes which are required to be submitted to arbitration as per the provisions of these Byelaws and the Regulations, wherever Part A of the Act leaves the parties free to determine a certain issue, the parties shall be deemed to have authorised the relevant authority to determine that issue.

Administrative assistance

(17) For the purpose of section 6 of the Act, in all claims, differences or disputes which are required to be submitted to arbitration as per the provisions of these Byelaws and Regulations, the parties shall be deemed to have arranged for administrative assistance of the relevant authority in order to facilitate the conduct of the arbitral proceedings.

Jurisdiction

- (18) All parties to a reference to arbitration under these Byelaws and Regulations and the persons, if any, claiming under them, shall be deemed to have submitted to the exclusive jurisdiction of the courts in Mumbai or any other court as may be specified by the relevant authority for the purpose of giving effect to the provisions of the Act.
- 3. The provisions of byelaw (1) & (2) shall become applicable to all claims, differences, disputes between the parties mentioned therein for all dealings, contracts and transactions admitted for clearing and settlement on the Clearing Corporation in respect of F & O Segment and made subject to the byelaws, rules and regulations provided such dealings, contracts and transactions had been entered into between the parties mentioned therein prior to or to the date on which the Clearing Member was either declared a defaulter or expelled or has surrendered his trading membership.

CHAPTER XI: DEFAULT

1. DECLARATION OF DEFAULT

A clearing member may be declared a defaulter by direction/circular/notification of the relevant authority of the segment if:

- (1) he is trading member of any stock exchange and the said exchange declares him as a defaulter; or
- (2) he is unable to fulfill his clearing, settlement or obligations; or
- (3) he admits or discloses his inability to fulfill or discharge his duties, obligations and liabilities; or
- (4) he fails or is unable to pay within the specified time the damages and the money difference due on a closing-out effected against him under the Rules, Bye Laws and Regulations; or
- (5) he fails to pay any sum due to the Clearing Corporation as the relevant authority may from time to time prescribe; or

- (6) if he fails to pay or deliver all moneys, securities and other assets due to a clearing member who has been declared a defaulter within such time of declaration of default of such clearing member in such manner and to such person as the relevant authority may direct; or
- (7) if he fails to abide by the arbitration award as laid down under the Rules, Bye Laws and Regulations; or
- (8) if he has been adjudicated as an insolvent by a court of competent jurisdiction in the petition filled by any of his creditors, he shall ipso facto be declared a defaulter though he may not have at the same time defaulted on any of his obligations on the Clearing Corporation, or
- (9) if he files a petition before a court of competent jurisdiction for adjudication of himself as an insolvent; or
- (10) under any other circumstances as may be decided by the relevant authority from time to time:

2. CLEARING MEMBER'S DUTY TO INFORM

A clearing member shall be bound to notify the Clearing Corporation immediately if there by a failure by any clearing member to discharge his liabilities in full.

3. COMPROMISE FORBIDDEN

A clearing member shall not accept from any clearing member anything less than a full and bona fide money payment in settlement of a debt arising out of a deal cleared through the F & O Segment.

4. NOTICE OF DECLARATION OF DEFAULT

On a clearing member being declared a defaufter a notice shall be forthwith issued to all the clearing members of the Clearing Corporation.

5. NOTICE TO THE STOCK EXCHANGE

On a clearing member being declared a defaulter a notice shall be forthwith issued to the Exchange if the clearing member is also a trading member of that Exchange.

6. DEFAULTER'S BOOK AND DOCUMENTS

When a clearing member has been declared a defaulter, the relevant authority shall take charge of all his books of accounts, documents, papers and vouchers to ascertain the state of his affairs and the defaulter shall hand over such books, documents, papers and vouchers to the relevant authority.

7. LIST OF DEBTORS AND CREDITORS

The defaulter shall file with the relevant authority within such time of the declaration of his default as the relevant authority may direct, a written statement containing the complete list of his debtors and creditors and the sum owing by and to each.

8. DEFAULTER TO GIVE INFORMATION

The defaulter shall submit to the relevant authority such statement of accounts, information and particulars of his affairs as the relevant authority may from time to time require and if so desired shall appear before the relevant authority at its meetings held in connection with his default.

9. INQUIRY

49 JUNE 120

The relevant authority may conduct a strict inquiry into the accounts and dealings of the defaulter in the market and shall report anything improper, unbusinesslike or unbecoming a clearing member in connection therewith which may come to its knowledge.

10. DEFAULTER'S ASSETS

I have been a trained to a some of

The relevant authority can call in and realise the security and margin money and securities deposited by the defaulter and recover all moneys, securities and other assets due, payable or deliverable to the defaulter by any other Clearing Member in respect of any deal or dealing made subject to the Bye Laws, Rules and Regulations and such assets shall vest in the relevant authority for the benefit and on account of the creditor Clearing Corporation of the F & O Segment or Clearing Members.

11. PAYMENT TO RELEVANT AUTHORITY

- (1) All monies, securities and other assets due, payable or deliverable to the defaulter must be paid or delivered to the relevant authority within such time of the declaration of default as the relevant authority may direct. A clearing member violating this provision may be declared a defaulter.
- A clearing member who shall have received a difference on account or shall have received any consideration in any deal prior to the date fixed for settling such account or deal shall, in the even of the clearing member from whom he received such difference or consideration being declared a defaulter refined the same to the relevant authority for the benefit and on account of the creditor members. Any clearing member who shall have paid or given such difference or consideration to any other clearing member prior to such settlement day shall again pay or give the same to the relevant authority for the benefit and on account of the creditor member in the event of the default of such other member.
 - clearing member who receives from another clearing member during any clearing a claim note or credit note representing a sum other than difference due to him or due to his constituent which amount is to be received by him on behalf and for the account of that constituent shall refund such sum if such other clearing member be declared a defaulter within such number of days as specified by the relevant authority after the settling day. Such refunds shall be made to the relevant authority for the benefit and on account of the creditor members and it shall be applied in liquidation of the

claims of such creditor members whose claims are admitted in accordance with the Rules, Bye Laws and Regulations.

12. DISTRIBUTION

The relevant authority shall at the risk and cost of the creditor members pay all assets received in the course of realisation into such bank and/or keep them with the F & O Segment in such names as the relevant authority may from time to time direct and shall distribute the same in accordance with the Rules, Bye Laws and Regulations.

13. CLOSING -OUT:

- (1) Clearing members having open deals with the defaulter shall close out such deals after declaration of default. Such closing out shall be in such manner as may be specified by the relevant authority from time to time. Subject to the regulations in this regard specified by the relevant authority, when in the opinion of the felevant authority, circumstances so warrant, such closing out shall be deemed to have taken place in such manner as may be determined by the relevant authority.
- (2) Differences arising from the above adjusting this of closing out shall be claimed from the defaulter or paid to the relevant authority for the benefit of creditor clearing members of the defaulter.

14. CLAIMS AGAINST DEFAULTER:

Within such time of the declaration of default as the felevant authority may direct every clearing member carrying off business on the F & O Segment shall, as it may be required to do, either compare with the felevant authority his accounts with the defaulter duly adjusted and made up as provided in the Rules, Bye-Laws and Regulations or furnish a statement of such accounts with the defaulter in such form or forms as the relevant authority may prescribe or render a certificate that he has no such account.

15. DELAY IN COMPARISON OR SUBMISSION OF ACCOUNTS:

Any clearing members failing to compare his accounts or send a statement or certificate relating to a defaulter within the time specified shall be called upon to compare his accounts or send such statement or certificate within such further time as may be specified.

16. PENALTY FOR FAILURE TO COMPARE OR SUBMIT ACCOUNTS:

The relevant authority may take such action as it may deem fit including levying of fine and suspension, on any clearing member who fails to compare his accounts or submit a statement of its account with the defaulter or a certificate that he has no such account within the specified time.

17. MISLEADING STATEMENT:

The relevant authority may take such action as it may deem fit including levying of fine and suspension, if it is satisfied that any comparison statement or certificate relating to a defaulter sent by such clearing member was false or misleading.

18. ACCOUNTS OF RELEVANT AUTHORITY:

The relevant authority shall keep a separate account in respect of all monies, securities and other assets payable to a defaulter which are received by it and shall defray there from all costs, charges and expenses incurred in or about the collection of such assets or in or about any proceedings it takes in connection with the default.

19. APPLICATION OF ASSETS:

The relevant authority shall apply the net assets remaining in its hands after defraying all such costs, charges and expenses as are allowed under the Rules, Bye Laws and Regulations in satisfying first the claim of Clearing Corporation and then such admitted claims of clearing members on a pro rata basis against the defaulter arising out of admitted deals on behalf of the constituents and thereafter on deals entered into on their own account, in accordance with the provisions of the Bye Laws, Rules and Regulations of the Exchange.

20. CERTAIN CLAIMS NOT TO BE ENTERTAINED:

The relevant authority shall not entertain any claim against a defaulter:

- (1) which arises out of a contract in securities, dealings in which are not permitted or which are not made subject to Bye Laws, Rules and Regulations or in which the claimant has either not paid himself or colluded with the defaulter in evasion of margin payable on bargains in any security;
- (2) which arises out of a contract in respect of which comparison of accounts has not been made in the manner specified in the Rules. By Laws and Regulations or when there has been no comparison if a contract note in respect of such deals has not been rendered as provided in the Rules, By Laws and Regulations;
- (3) which arises from any arrangement for settlement of claims in lieu of bonatide money payment in full on the day when such claims become due;
- (4) which is in respect of a loan with or without security;
- (5) which is not filed with the relevant authority within such time of date of declaration of default as may be specified by the relevant authority.

21. ASSIGNMENT OF CLAIMS ON DEFAULTERS' ESTATE:

A Clearing member being a creditor of a defaulter shall not sell, assign or pledge the claim on the estate of such defaulter without the consent of the relevant authority.

22. PROCEEDINGS IN THE NAME OF DEFAULTER:

The relevant authority shall be entitled to take any proceedings in a court of law with x in its own name or in the name of the defaulter as it may be advised for recovering any assets of the defaulter.

PAYMENT OF RELEVANT AUTHORITY:

If any clearing member takes any proceedings in a court of law against a defaulter whether during the period of its default or subsequent to its re-admission to enforce any claim against the defaulter's estate arising out of any admitted deals in the market made subject to the Bye Laws, Rules and Regulations before it was declared a defaulter and obtains a decree and recovers any sum of money thereon, it shall pay such amount or any portion thereof as may be fixed by the relevant archority for the benefit and on account of the creditor members having claims against such defaulter.

CHAPTER XII: SETTLEMENT FUND

5. CLEARING CORPORATION TO MAINTAIN SETTLEMENT FUND:

- (1) The Clearing Corporation shall maintain Settlement Fund(s) in respect of different clearing sub-segment for such purposes as may be specified by the relevant authority form time to time.
- (2) The relevant authority may prescribe from time to time the norms, procedures, terms and conditions governing each Settlement Fund which may inter-alia specify the amount of deposit or contribution to be made by each clearing member to the relevant fund, the terms, manner and mode of deposit or contributions, conditions of repayment of deposit or withdrawal of contribution from the fund, charges for utilisation, penalties and disciplinary actions for non-performance thereof.

CONTRIBUTION TOWARDS SETTLEMENT FUND:

- (1) Each clearing member shall be required to contribute to and provide a deposit as may be determined from time to time by the relevant authority to the relevant Settlement Fund which shall be held by the F & O Segment to be applied as provided in these Bye Laws and Regulations.
- (2) The relevant authority may specify the amount of contribution or deposit to be made by each clearing member and/or category of members which may include inter alia the minimum amount to be provided by each clearing member.
- (3) The relevant authority may also specify such additions contribution or deposit that shall have to be provided towards the Settlement Fund from time to time to form part of the Settlement Fund.

3. FORM OF CONTRIBUTION/DEPOSIT:

The relevant authority shall prescribe from time to time the form of contribution or deposit to the Settlement Fund. The relevant authority in its discretion, may permit a clearing member to contribute or provide the deposit either in the form of cash, securities, bank guarantee or by such other method and subject to such terms and conditions as may be specified from time to time.

4. REPLACEMENT OF DEPOSIT:

By giving a suitable notice to the F & O Segment and subject to such conditions as may be specified by the relevant authority from time to time, a clearing member may withdraw qualifying securities from pledge, or may cause the F & O Segment to revoke an acceptable letter of credit or bank guarantee, which secured the clearing member's contribution or deposit towards the Settlement Fund provided that the clearing member has, effective simultaneously with such withdrawal or revocation, deposited cash with, or pledged qualifying securities to the F & O Segment or through such other mode as may be approved the F & O Segment from time to time to satisfy his required contribution or deposit.

5. ADMINISTRATION AND UTILISTAION OF THE SETTLEMENT FUND:

- (1) The Settlement Fund shall be utilised for such purposes as may be provided in the Bye Laws and Regulations and subject to such conditions as the relevant authority may prescribe from time to time which shall include:
 - (a) to defray the expenses of creation, maintenance and repayment of the Settlement Fund:
 - (b) investment in such approved securities and other avenues subject to a protection and conditions as may be decided by the relevant authority from time to time;
 - (c) the application of Settlement Fund to meet premia on insurance cover(s) which the relevant authority may take from time to time;
 - (d) the application of Settlement Fund to meet shortfalls and deficiencies arising out of the clearing and settlement of such deals as provided in the Bye Laws and Regulations.
 - (e) the application of the Settlement Fund to satisfy any loss or liability of the F & O Segment arising out of clearing and settlement operations of such deals as provided in these Bye Laws and Regulations.
 - (f) repayment of the balance after meeting all obligations under these Rules.

 Bye Laws and Regulations to the clearing member when he ceases to be a member pursuant to the provisions regarding the repayment of deposit,
 - (g) any other purpose as may be specified by the Board from time to time.
- (2) Save as otherwise expressly provided in these Bye Laws and Regulations, the Settlement Fund shall not be utilised for any other purpose.
- (3) The F & O Segment shall have full power and authority to pledge, re-pledge hypothecate, transfer, create a security interest in, or assign any or all of the (i) Settlement fund cash, (ii) securities or other instruments in which Settlement

fund cash is invested and (iii) qualifying securities pledged by a clearing member or letters of credit or any other instrument issued on behalf of a clearing member in favour of the F & O Segment of the Clearing Corporation towards deposit to the Settlement Fund.

6. UTILISATION FOR FAILURE TO MEET OBLIGATIONS:

In the event a clearing member fails to meet obligations to the F & O Segment arising out of clearing and settlement operations of such deals as provided in these Bye Laws and Regulations, the relevant authority may utilise the Settlement Fund and other monies to the extent necessary to fulfill the obligation under such terms and conditions as the relevant authority may specify from time to time.

7. UTILISATION IN CASE OF DEFAULT:

In the event a clearing member is declared a defaulter and the clearing member fails to meet the clearing and settlement obligations to the F & O Segment arising out of clearing and settlement operations of such deals as provided in these Bye Laws and Regulations, the relevant authority may utilise the Settlement Fund and other monies to the extent necessary to eliminate the obligation in the following order:

- (1) any amount that may be paid in the form of margin or any other payment of the defaulting member retained by the F & O Segment of the Clearing Corporation for the purpose of the clearing and settlement; if this amount is not sufficient to settle the obligation
- (2) any contribution or deposit made by or bank guarantee arranged by the defaulting member to the Settlement fund, whether in the form of cash or securities or bank guarantee; if this amount is not sufficient to settle the obligation
- (3) the amount of security deposit, if any, made by the defaulting member to the specified Exchange to the extent not appropriated by the Specified Exchange towards the obligations of the defaulting member to it; if this amount is not sufficient to settle the obligation
- (4) the proceeds, if any, recovered from auctioning or transferring the membership of the defaulting member in the Specified Exchange subject to deduction of the expenses relating or incidental to the auction, if this amount is not sufficient to settle the obligation.
- (5) the fines, penalties, penal charges, auction difference, interest on delayed payments, interest or other income, if any, earned by in restment or disinvestment of Settlement Fund or interest earned on margin monies that form part of the Settlement Fund to the extent as may be decided by the F & O Segment, if the amount is not sufficient to settle the obligation;
- (6) the profits available for appropriation in the respective year in which the default took place, if this amount is not sufficient to settle the obligation.
- (7) the retained earnings of the Clearing Corporation including any reserves created for this purpose to the extent available, if this amount is not sufficient to settle the obligation;

- (8) the amount of contribution and deposit made by all categories of clearing members to the Settlement Fund in proportion to the total contribution and deposit made by each clearing member.
- (9) If the above amount is not sufficient, the balance obligation remaining after application of the above funds shall be assessed against the clearing members in the same proportion as their total contribution and deposit and clearing members shall be required to contribute or deposit in the Settlement Fund, within such time as the relevant authority shall require, the deficient amount.

8. OBLIGATION TO BRING IN ADDITIONAL CONTRIBUTION OF DEPOSIT:

- (1) If a pro-rata charge is made as mentioned in the above provision against a clearing member's actual contribution or deposit, and as a consequence the clearing member's remaining contribution and deposit towards the Settlement Fund is less than his required contribution and deposit, the clearing member shall contribute or deposit in the Settlement Fund, within such time as the relevant authority shall require the deficient amount.
- (2) If the clearing member shall fail to do so, the relevant authority may charge such interest, impose penalties and fines and take such disciplinary action against the clearing member as it may determine from time to time. Any disciplinary action which the relevant authority takes pursuant to the above provisions or involuntary cessation of membership by the clearing member shall not affect the obligations of the clearing member to the F & O Segment or any remedy to which the F & O Segment may be entitled under applicable law.

9. ALLOCATION OF THE CONTRIBUTION OR DEPOSIT:

Each clearing member's contribution and deposit towards. Settlement Fund shall be allocated by the F & O. Segment of the Clearing Corporation and the various clearing sub-segments which are designated as such by the F & O. Segment and in which the clearing member participates, in such proportion as it may decide from time to time. The F & O. Segment of the Clearing Corporation shall retain the right to utilise the fund allocated to a particular clearing sub-segment to the satisfaction of losses or liabilities of the F & O. Segment incidental to the operation of that clearing sub-segment as may be decided by the Clearing Corporation at its discretion.

10. CESSATION OF THE CLEARING MEMBER:

- (1) A clearing member shall be entitled to the repayment of deposit ruade by him to the Settlement Fund after:
 - (a) the clearing member ceases to be a member, and
 - (b) all pending deals at the time the clearing member ceases to be a clearing member which could result in a charge to the Settlement Fund have been closed and settled, and
 - (c) all obligations to the F & O Segment for which the clearing member was responsible while he was a member have been satisfied or at the discretion of the relevant authority, have been deducted by the F & O

Segment of the Clearing Corporation from the clearing member's actual deposit; provided, however, that the clearing member has presented to the F & O Segment such indemnities or guarantees as the relevant authority deems satisfactory or another clearing member has been substituted on all deals and obligations of the clearing member, and

- (d) a suitable amount as may be determined by the relevant authority at its discretion has been set aside for taking care of any loss arising from any document defects that may be reported in the future, and
- (e) a suitable amount as may be determined by the relevant authority at its discretion towards such other obligations as may be perceived by the F & O Segment to exist or may be perceived to arise in future.
- (2) The relevant authority may specify rules for the repayment of deposit including the manner, amount and period within which it will be paid but at mo point of time will the repayment exceed the actual deposit available to the credit of the clearing member after deducting the necessary charges from the same.
- (3) Any obligation of a clearing member to the F & O Segment unsatisfied at the time he ceases to be a clearing member shall not be affected by such cessation of membership.

11. REC'OVERY OF LOSS AND RE-DISTRIBUTION:

If a loss charged pro rata is afterward recovered by the F & O Segment of the Clearing Corporation, in whole or in part, through insurance or otherwise, the net amount of the recovery shall be credited to the persons against whom the loss was charged in proportion to the amounts actually charged against them.

12. LIMITATION OF LIABILITY:

The liability of the Clearing Corporation resulting from the deemed contracts of clearing members with the F & O Segment and to losses in connection therefrom be limited to the extent of contributions available to the Settlement Fund. The F & O Segment shall not be available for obligations of a non-clearing member obligations of a clearing member to a non-member, obligations of a clearing member to another member of the F & O Segment towards deals to which the F & O Segment of the Clearing Corporation is not a counter party or obligations to a constituent by a clearing member, and to losses in connection therefrom.

CHAPTER XIII: MISCELLANEOUS

1. Save as otherwise specifically provided in the Bye Laws and Regulations specified by the relevant authority regarding clearing and settlement arrangement, in promoting, facilitating, assisting, regulating, managing and operating the F & O Segment, the F & O Segment of the Clearing Corporation should not be deemed to have incurred any liability, and accordingly no claim or recourse in respect of or in relation to any dealing in securities or any matter connected therewith shall lie against the F & O Segment or any authorised person(s) acting for the F & O Segment of the Clearing Corporation.

2. No claim, suit, prosecution or other legal proceeding shall lie against the F & O Segment or any authorised person(s) acting for the F & O Segment in respect of anything which is in good faith done or intended to be done in pursuance of any order or other binding directive issued to the F & O Segment under any law or delegated legislation for the time being in force.

UNQUOTE

For National Securities Clearing Corporation Limited

R. Jayakumar Asst. Company Secretary